वार्षिक रिपोर्ट

2024 - 2025

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, रिंग रोड

नई दिल्ली

गाँधीजी का तिलिस्म

''मैं तुम्हें एक तिलिस्म दूँगा। जब भी तुम्हें संदेह हो अथवा तुम्हारा अहम् प्रबल होता दिखाई दे, तो यह कसौटी आजमा कर देखो:

तब उस सबसे गरीब और निर्बल व्यक्ति का चेहरा याद करो जिसे तुमने देखा है और फिर अपने आप से पूछो कि तुम जो कदम उठाने का विचार कर रहे हो क्या वह उस आदमी के लिए उपयोगी होगा? क्या उससे उसको कुछ लाभ होगा? क्या उससे वह अपने जीवन और भाग्य पर नियंत्रण रख सकेगा? दूसरे शब्दों में, क्या उससे उन करोड़ों भूखे और अतृप्त लोगों को स्वराज्य मिलेगा?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा संदेह मिट रहा है और अहम् समाप्त हो रहा है।''

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

मोहनदास
करमचंद गाँधी

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, रिंग रोड, नई दिल्ली- 110002

71वीं
वार्षिक रिपोर्ट
2024-2025

31 अक्तूबर, 2025 को आम सभा की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया।

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) की प्रशिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से लोक सेवकों में केंद्र और राज्य स्तर पर शासन (गवर्नेंस) के कार्यों के प्रबंधन हेतु आवश्यक ज्ञान, कौशल और व्यवहार के साथ क्षमता निर्माण हेतु स्थापना की गई थी। सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में कार्यपालिका के नेतृत्व, प्रबंधन और प्रशासनिक क्षमता को बढ़ाने के अपने प्रयासों में, संस्थान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ घनिष्ठ सहयोग में कार्य करता है। संस्थान के प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम इसके व्यापक सूचना प्रबंधन और अनुभव-साझाकरण गतिविधियों से जुड़े हैं।

अपने संस्थापकों के दृष्टिकोण पर आधारित, आईआईपीए का लक्ष्य लोक शासन, नीति निर्माण और कार्यान्वयन पर विचार और प्रभाव के लिए विश्व के अग्रणी शैक्षणिक केंद्रों में से एक बनना है, ताकि शासन प्रणालियां नागरिकों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के प्रति अधिक संवेदनशील बन सकें और लोकतांत्रिक समाज में मानवीय मूल्यों के अनुरूप बन सकें।

कार्यकारी परिषद्
(01.04.2024 से 31.03.2025 तक)

सभापति

श्री जगदीप धनखड़
भारत के माननीय उपराष्ट्रपति
6, मौलाना आज़ाद रोड
नई दिल्ली- 110011

अध्यक्ष

डॉ. जितेंद्र सिंह
माननीय राज्य मंत्री
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय,
भारत सरकार
नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली- 110001

कार्यकारी परिषद् के सदस्य

श्री शेखर दत्त
(छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल)
फ्लैट सं. सी-805, 8वीं मंज़िल, कीनवुड टॉवर,
चार्मवुड विलेज,
सूरजकुंड रोड, फरीदाबाद- 121009 (हरियाणा)

सुश्री रचना शाह, आईएएस
सचिव (कार्मिक)
कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग
कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेन्शन मंत्रालय,
भारत सरकार
कमरा नंबर 112, नॉर्थ ब्लॉक
नई दिल्ली-110001

श्री बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम आई.ए.एस (सेवानिवृत्त)
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
नीति आयोग, भारत सरकार
नीति भवन, संसद मार्ग
नई दिल्ली-110001

प्रो. रेणु विज
कुलपति
पंजाब विश्वविद्यालय
चंडीगढ़-160014

श्री एस. एस. क्षत्रिय, आई.ए.एस (सेवानिवृत्त)
(पूर्व महाराष्ट्र के प्रधान सचिव)
अध्यक्ष, महाराष्ट्र क्षेत्रीय शाखा
मंत्रालय मुख्य, भू-तल
हुतात्मा राजगुरू चौक,
मैडम कामा रोड, मुंबई-400032

डॉ. मनोज गोविल, आईएएस
सचिव
व्यय विभाग
वित्त मंत्रालय, भारत सरकार
कमरा नंबर 129 ए, नॉर्थ ब्लॉक
नई दिल्ली-110001

श्री श्रीराम तरनीकांति, आईएएस
निदेशक
लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी,
मसूरी-248179 (उत्तराखंड)

श्री दीपक कुमार सरमा, आईएएस (सेवानिवृत्त)
अध्यक्ष, आईआईपीए असम क्षेत्रीय शाखा
मकान संख्या 19, रूपकोंवर पथ
नवज्योति क्लब के पास, हेंगराबारी
गुवाहाटी-781036 (असम)

श्री एस.के. मिश्रा, आईएएस (सेवानिवृत्त)
अध्यक्ष
आईआईपीए छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा
37, मौलश्री विहार, पुरेना
रायपुर-492001 (छत्तीसगढ़)

डॉ. आर.आर. धनपाल
अध्यक्ष
आईआईपीए पुडुचेरी क्षेत्रीय शाखा
नंबर 3, चौथी मंजिल, पीडब्ल्यूडी बिल्डिंग,
ले इवेचे स्ट्रीट,
पुडुचेरी-605001

प्रो. नीतू जैन
आई.आई.पी.ए
नई दिल्ली

डॉ. राजवीर शर्मा
अध्यक्ष
आईआईपीए दिल्ली क्षेत्रीय शाखा
बी-91, प्रथम तल, मालवीय नगर
नई दिल्ली-110017

डॉ. सतीश के. बत्रा
अध्यक्ष
आईआईपीए राजस्थान क्षेत्रीय शाखा
7-एन ए 8, जवाहर नगर,
जयपुर-302004 (राजस्थान)

सदस्य सचिव

श्री सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी
महानिदेशक
भारतीय लोक प्रस्थान संस्थान,
आई.पी. एस्टेट, रिंग रोड,
नई दिल्ली- 110002

डॉ. जितेन्द्र सिंह
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार),
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय,
राज्य मंत्री प्रधानमंत्री कार्यालय,
कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय,
परमाणु ऊर्जा विभाग तथा अंतरिक्ष विभाग
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

Dr. JITENDRA SINGH
Minister of State (Independent Charge),
Ministry of Science and Technology;
Ministry of Earth Sciences,
Minister of State, Prime Minister's Office;
Minister of Personnel, Public Grievances and Pensions;
Department of Atomic Energy and Department of Space,
Government of India

संदेश

मैं आईआईपीए के 71 वर्ष पुराने प्रतिष्ठित प्रकाशन, इसकी वार्षिक रिपोर्ट के लिए यह संदेश लिखते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ, जो वर्ष 2024-25 के लिए संस्थान की वर्ष भर की गतिविधियों का संक्षिप्त संस्करण है।

आईआईपीए न केवल भारत सरकार के 'चयनित अधिकारियों' को, बल्कि 'निर्वाचित प्रतिनिधियों, राज्य, जिला एवं स्थानीय स्तर के सरकारी अधिकारियों' को भी क्षमता निर्माण का प्रशिक्षण दे रहा है। नीति आयोग के सहयोग से 'आकांक्षी ब्लॉक फेलो (एबीएफ)' की क्षमता संवर्धन और ब्लॉक अधिकारियों के साथ विचार-मंथन बैठकें आयोजित करके, यह अब विकास प्रशासन के निम्नतम स्तर तक पहुँच गया है। भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस), सीपीडब्ल्यूडी अधिकारियों के मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) के साथ-साथ, आईआईपीए ने कई अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए।

आईआईपीए ने अपनी पहुंच बढ़ा दी है और अब बिहार, महाराष्ट्र, ओडिशा, गुजरात, मिजोरम, असम, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश आदि राज्य सरकारों के परिवीक्षाधीनों, मध्यम और वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षण दे रहा है। मुझे यह जानकर भी खुशी हुई कि आईआईपीए ने टाटा मोटर्स, मारुति उद्योग के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया और यह कॉर्पोरेट/निजी क्षेत्र तक भी पहुंच बना रहा है।

मिशन कर्मयोगी और 'नियम से भूमिका' की ओर बढ़ते हुए, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में, आईआईपीए ने स्वयं को मिशन कर्मयोगी के साथ शीघ्रता से एकीकृत कर लिया है और iGOT पर पाठ्यक्रमों के लिए क्षमता निर्माण आयोग और कर्मयोगी भारत के साथ सहयोग कर रहा है। आईआईपीए अब डिजिटल प्रशिक्षण में भी एक पावरहाउस बन गया है।

मुझे यह जानकर बहुत खुशी हो रही है कि 1 जनवरी, 2021 से पुनः खुलने के बाद से आईआईपीए की सदस्यता में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। आईआईपीए ने वर्ष 2024-25 में 141 आजीवन सदस्यों को शामिल किया है, जिनमें से अधिकांश सिविल सेवक और शिक्षाविद हैं। राज्यों में आईआईपीए की शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार के कारण, कई राज्य सिविल सेवक भी इसकी सदस्यता के लिए आवेदन कर रहे हैं, जिससे भारत के जमीनी स्तर पर इसकी पहुँच और प्रतिष्ठा और मजबूत होगी।

अपनी कई नवीन गतिविधियों के बीच, आईआईपीए की कई क्षेत्रीय शाखाओं ने अपने क्षेत्र के एक जिले का चयन करके जिला स्तरीय शासन का दस्तावेजीकरण किया है। यह गतिविधि न केवल जिला प्रशासन को नए सिरे से स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करेगी, बल्कि क्षेत्रीय शाखाओं को भी मजबूत करेगी। इसके साथ ही, आईआईपीए ने क्षेत्रीय शाखाओं के साथ-साथ क्षेत्रीय सम्मेलनों की अपनी नई पहल शुरू की है, जो न केवल शाखाओं को मजबूत करेगी, बल्कि आईआईपीए को स्थानीय प्रशासन और शासन की चुनौतियों से भी परिचित कराएगी।

मैं आईआईपीए के ऊर्जस्वी, महानिदेशक श्री सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में इसकी पूरी टीम को बधाई देना चाहता हूं और आईआईपीए को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उनके प्रयासों की भूरि-भूरि सराहना करता हूं।

डॉ जितेंद्र सिंह
एमबीबीएस (स्टैनले, चेन्नई)
एमडीमेडिसिन, फैलोशिप (अ.भा.आ.सं., एनडीएल)
एमएनएएमएस (मधुमेह एवं अंतः स्रावी विज्ञान)

अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग
नई दिल्ली-110001
दूरभाष: 011-23316766, 23714230
फैक्स: 011-23316745

साउथ ब्लॉक नई दिल्ली-110011
दूरभाष: 011-23010191 फैक्स: 011-2316857
कर्तव्य भवन-03, नई दिल्ली-110001
दूरभाष: 011-24010700, 011-24010555

महानिदेशक की ओर से

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और सभापति, आईआईपीए श्री जगदीप धनखड़ जी और माननीय केंद्रीय मंत्री और अध्यक्ष, आईआईपीए कार्यकारी परिषद डॉ. जितेंद्र सिंह जी के मार्गदर्शन में, आईआईपीए ने वर्ष 2024-25 में सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

वर्ष 2024-25 में, आईआईपीए ने 24 शोध परियोजनाएँ पूरी कीं और 162 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। वर्ष 2024-25 में आईआईपीए द्वारा भारत सरकार, राज्य सरकारों, रक्षा बलों, सार्वजनिक उपक्रमों और विदेशी सरकारों के लगभग 10000 अधिकारियों को क्षमता निर्माण कार्यक्रम प्रदान किए गए हैं। आईआईपीए ने जिला और स्थानीय स्तर सहित राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए 44 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और लगभग 3500 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया। आईआईपीए ने सार्वजनिक नीति पर टाटा मोटर्स, मारुति उद्योग के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण भी आयोजित किया और इस तरह, हमारे माननीय केंद्रीय मंत्री और आईआईपीए कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह जी के दृष्टिकोण (विजन) और मार्गदर्शन के अनुसार, आईआईपीए ने निजी क्षेत्र में भी अपनी पहुँच का विस्तार करना शुरू कर दिया है। आईआईपीए ने भारतीय दूरसंचार सेवाओं (आईटीएस), सीपीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के लिए मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) आयोजित किया और विभिन्न मंत्रालयों और विभागों जैसे एमएचए, डीओपीटी, ईएसआईसी, केवीएस, सीबीएसई, भारतीय सांख्यिकी सेवा, नीति आयोग, भारतीय तटरक्षक बल, भारतीय राजस्व सेवा (सीएंडआईटी), पंचायती राज मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, डीएसटी आदि के लिए भी प्रशिक्षण आयोजित किया। आईआईपीए ने भारत के विभिन्न शहरों जैसे आगरा, गुरुग्राम, अगरतला आदि में भूमि अभिलेख (रिकॉर्ड), भूमि सम्मान जिलों, सामाजिक प्रभाव आकलन, बीपीआर एंड डी के पुनर्गठन, राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मिशन के प्रभाव आकलन, पीएसयू की सीएसआर परियोजनाएं, महिला सुरक्षा की लेखा परीक्षा के कई मूल्यांकन अध्ययन किए।

स्वर्ण जयंती एपीपीपीए, 50वां उन्नत व्यावसायिक लोक प्रशासन कार्यक्रम (एपीपीपीए), 1 जुलाई 2024 को शुरू हुआ। उन्हें माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह जी के साथ बातचीत करने और सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष भी एपीपीपीए के प्रतिभागियों को तीनों सेनाओं के प्रमुखों और भारत सरकार के कई सचिवों, प्रतिष्ठित व्यक्तियों और विषय विशेषज्ञों के साथ-साथ चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) को सुनने का गौरव प्राप्त हुआ।

माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह की सलाह पर, आईआईपीए ने आईआईपीए के दायरे का विस्तार करने और अन्य प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग करने हेतु विशेष पहल की है। वर्ष 2024-25 में, आईआईपीए ने ओपी जिंदल विश्वविद्यालय, अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एजेएनआइएफएम), राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, मंगोलिया की राष्ट्रीय शासन अकादमी, वियतनाम की हो ची मिन्ह राष्ट्रीय राजनीति अकादमी, मोरक्को आदि जैसे भारतीय और विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इन सहयोगों से भविष्य में क्षमता निर्माण और अनुसंधान परियोजनाओं में और अधिक अवसर उपलब्ध होंगे।

आईआईपीए ने पूरे भारत में क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं और इच्छुक सदस्यों के कई अनुरोधों को देखते हुए, एक लंबी रोक के बाद 1 जनवरी, 2021 से अपनी आजीवन सदस्यता भी शुरू कर दी। तबसे, आईआईपीए ने सभी लंबित आवेदनों की जाँच की है और योग्य आवेदकों को सदस्यता प्रदान की है। आईआईपीए ने

सदस्यता अभियान भी शुरू किया है और सभी क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। वर्ष 2024-25 में, आईआईपीए ने 141 आजीवन सदस्य, 1 कॉर्पोरेट सदस्य, 7 सहयोगी सदस्य और 23 विद्यार्थी सदस्य शामिल किए।

ज्ञान प्रसार के मोर्चे पर, आईआईपीए पुस्तकालय के डिजिटल रिपॉजिटरी के संचालन से दूरस्थ स्थानों से आईआईपीए पुस्तकालय के विशाल संसाधनों तक पहुँच प्राप्त हुई है, जिससे आईआईपीए को अब शैक्षणिक जगत के कोने-कोने तक अपना विस्तार करने में मदद मिली है। आईआईपीए ने वर्ष 2024-25 में कई प्रकाशन प्रकाशित किए हैं। अपनी प्रमुख पत्रिका आईजेपीए और लोक प्रशासन, नगरलोक, डीपीए और आईआईपीए डाइजेस्ट जैसी अन्य पत्रिकाओं के साथ, आईआईपीए ने डॉ. बीआर अंबेडकर और सामाजिक न्याय की उनकी खोज, सामाजिक न्याय पर अंबेडकर के विचारों और विचारों का मानचित्रण, भारत में लोक प्रशासन: नागरिक केंद्रित शासन की ओर, जन केंद्रित शासन: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य, सुशासन (गवर्नेंस) के लिए कृतिम बुद्धिमत्ता (एआई), लोक प्रशासन-परंपराएँ एवं सुधार और अंत्योदय से सर्वोदय पर उल्लेखनीय पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

यादगार आयोजनों में, आईआईपीए ने 4 नवंबर, 2024 को अपनी वार्षिक आम सभा की बैठक आयोजित की, जिसकी अध्यक्षता भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईआईपीए के सभापति श्री जगदीप धनखड़ जी ने मुख्य अतिथि के रूप में की। आईआईपीए ने अपना 71वाँ स्थापना दिवस माननीय केंद्रीय मंत्री और आईआईपीए कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह जी के मुख्य भाषण के साथ मनाया, जिसका विषय ''अंत्योदय से सर्वोदय-समानता का राजमार्ग'' था।

आईआईपीए पूरे भारत में आयोजित सुशासन और ई-गवर्नेंस पर विभिन्न सम्मेलनों में डीएआरपीजी, भारत सरकार का सक्रिय भागीदार रहा है।

संस्थान डीओपीटी, केंद्र और राज्य के अन्य मंत्रालयों और विभागों तथा अन्य सभी एजेंसियों के प्रति आभार व्यक्त करता है जिन्होंने आईआईपीए में प्रशिक्षण, अनुसंधान, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और अन्य गतिविधियों में सहयोग दिया है, जिससे ज्ञान के आधार को निरंतर उन्नत करने और सार्वजनिक सेवाओं के वितरण की गुणवत्ता में सुधार लाने के सरकारी प्रयासों में सहायता मिली है। हम भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईआईपीए के अध्यक्ष, माननीय केंद्रीय मंत्री और आईआईपीए कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष तथा कार्यकारी परिषद के सदस्यों द्वारा प्रदान किए गए निरंतर सहयोग के लिए अपना आभार और प्रशंसा व्यक्त करते हैं।

संस्थान क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं के सभी पदाधिकारियों, संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों को संस्थान के समग्र विकास में उनके ईमानदार प्रयासों के लिए धन्यवाद देता है। हम आईआईपीए के भीतर और बाहर के सभी लोगों के आभारी हैं जिन्होंने वर्ष के दौरान हमारी गतिविधियों और प्रयासों की सफलता में हमारी सहायता की और योगदान दिया, और आगे भी इसी तरह के प्रयासों की आशा करते हैं।

(सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी)
महानिदेशक

विषय सूची

	पृष्ठ
माननीय केंद्रीय मंत्री और अध्यक्ष आईआईपीए कार्यकारी परिषद का संदेश	v
महानिदेशक की कलम से-	vii
एक सिंहावलोकन	1
प्रशिक्षण/शैक्षिक कार्यक्रम	1
प्रकाशनों	7
पुस्तकालय	9
सहयोगी गतिविधियां	11
आम सभा की सत्तरवीं वार्षिक बैठक	11
अड़सठवां सदस्य वार्षिक सम्मेलन	12
कार्यकारी परिषद	12
सदस्यता	12
आईआईपीए के प्रतिष्ठित सदस्य को अकादमिक उत्कृष्टता के लिए पॉल एच. एप्पलबी पुरस्कार और डॉ. राजेंद्र प्रसाद पुरस्कार से सम्मानित किया गया	13
भारतीय लोक प्रशासन पत्रिका (आईजेपीए) और लोक प्रशासन में सर्वश्रेष्ठ लेख के लिए श्री टी.एन चतुर्वेदी पुरस्कार	13
क्षेत्रीय एवं स्थानीय शाखाएँ और सदस्यों की गतिविधियाँ	14
आउटरीच गतिविधियाँ	15
निबंध प्रतियोगिता	21
केस स्टडी कार्यक्रम	21
बुनियादी ढांचे में सुधार	22
संस्थान का वित्तीय स्थिति	22
महत्वपूर्ण आयोजन	22
सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/व्याख्यान	22
संस्थान के विशिष्ट आगंतुक	28
शैक्षणिक केंद्र/चेयर्स	28
प्रशासकीय एवं कार्मिक मामले	32
वर्ष 2024-25 के दौरान भुगतान किए गए टीए/डीए और मानदेय का विवरण	34
वर्ष 2024-2025 के दौरान कार्यकारी समिति और अन्य समिति बैठकों/शाखाओं के पदाधिकारियों के संबंध में टीए/डीए का विवरण	34
वर्ष 2024-2025 के दौरान संकाय सदस्यों को दिए गए मानदेय और वेतन का विवरण	34
आभार	34
वित्त एवं लेखा	35

अनुलग्नक 38

एफ.1 (ए) अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक पूर्ण की गई शोध परियोजनाएँ 38

एफ.1 (बी) अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ 40

एफ.2 अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की अवधि के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम/ कार्यशालाएँ 41

एफ.3 शाखाओं की गतिविधियाँ (2024-2025) 58

एफ.3.1 क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं के अध्यक्षों और मानद सचिवों की सूची (31-03-2025 तक) 77

एफ.3.2 दिनांक 31-03-2025 तक क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं से जुड़े सदस्यों की सूची 97

एफ.4 शैक्षणिक केंद्र 2024-2025 100

एफ.5 आईआईपीए संकाय और अन्य के शैक्षणिक योगदान (प्रशिक्षण और अनुसंधान अध्ययन के अलावा) 101

एफ.6 वर्ष 2024-2025 के दौरान शाखाओं को दी गई वित्तीय सहायता का विवरण दर्शाने वाला विवरण 150

एफ.7 दिनांक 31.03.2025 तक आईआईपीए क्षेत्रीय शाखाओं से जुड़े संकाय सदस्य 153

एफ.8 संकाय और अन्य वरिष्ठ अधिकारी (31.03.2025 तक) 154

एफ.9 शहरी अध्ययन केंद्र की गतिविधियाँ 156

एफ.10 वर्ष 2024-2025 के दौरान संकाय सदस्यों को दिए गए मानदेय और वेतन का विवरण 162

वर्ष 2024-2025 के लिए तुलन-पत्र (बैलेंस शीट) और लेखा-परीक्षित विवरण 163

संस्थान की गतिविधियों पर रिपोर्ट

(2024-2025)

एक सिंहावलोकन

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की यह रिपोर्ट वर्ष 2024-2025 से संबंधित है। संस्थान सरकारों, राष्ट्रीय संगठनों और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा प्रायोजित विशिष्ट क्षेत्रों के साथ-साथ मूलभूत और समसामयिक मुद्दों पर शोध अध्ययन करता है। यह सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को परिचालन क्षेत्रों में सलाहकार सेवाएँ भी प्रदान करता है। यह लोक प्रशासन और प्रबंधन के अध्ययन और प्रैक्टिसेस के विभिन्न पहलुओं पर बड़ी संख्या में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है और प्रत्येक वर्ष देश-विदेश के 10,000 से अधिक अधिकारियों और नागरिक समाज के सदस्यों को प्रशिक्षित करता है। यह विशेष प्रकाशनों और जर्नल्स के माध्यम से लोक प्रशासन पर साहित्य का प्रकाशन और प्रसार भी करता है।

रिपोर्ट में संस्थान की गतिविधियों को निम्नलिखित चार प्रमुख शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है:

- प्रशिक्षण
- अनुसंधान गतिविधियाँ
- सूचना प्रबंधन
- संघात्मनक (एसोसिएशनल) और आउटरीच गतिविधियाँ।

रिपोर्ट में निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल है:

- संस्थान का वित्तीय स्थिति
- शैक्षणिक कार्यक्रम जैसे सेमिनार, सम्मेलन, व्याख्यान, दौरे, पुस्तक विमोचन आदि।
- आईआईपीए की विभिन्न समितियों और केंद्रों की गतिविधि रिपोर्ट
- संकाय की शैक्षणिक गतिविधियाँ
- प्रशासनिक एवं कार्मिक मामले।

प्रशिक्षण/शैक्षिक कार्यक्रम

संस्थान ने बड़ी संख्या में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जो मोटे तौर पर निम्नलिखित श्रेणियों में आते हैं:

1. **दीर्घकालिक कार्यक्रम:** इसमें वरिष्ठ अधिकारियों के लिए लोक प्रशासन में उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम (एपीपीपीए) शामिल है, जो भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के प्रशिक्षण प्रभाग के लिए संचालित किया जाता है।
2. **प्रायोजित कार्यक्रम:** मुख्य रूप से (क) कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, (ख) शहरी विकास मंत्रालय, (ग) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, (घ) उपभोक्ता मामले विभाग (ङ) विदेश मंत्रालय (आईटीईसी), और (च) अन्य मंत्रालयों/विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि द्वारा प्रायोजित।
3. **शुल्क आधारित कार्यक्रम:** संस्थान द्वारा उपयोगकर्ता संगठन के आदेश के साथ-साथ अपनी स्वयं की पहल पर डिजाइन और प्रस्तुत किया जाता है।

लोक प्रशासन में 50वां उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम (2024-2025)

संक्षिप्त रिपोर्ट

भारतीय लोक प्रशासन संस्थातन (आईआईपीए) द्वारा 1 जुलाई, 2024 से 30 अप्रैल, 2025 तक अखिल भारतीय और केंद्रीय सेवाओं, जिनमें सशस्त्र बल भी शामिल हैं, उसके वरिष्ठ अधिकारियों के लिए एक अनुकूलित दस महीने का कार्यक्रम, लोक प्रशासन में 50वां उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम (एपीपीपीए) आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में चौबीस प्रतिभागियों ने सहभागिता की। यह कार्यक्रम कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेन्शन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित था और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सहयोग से

चलाया गया था, जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय से कला में स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाती है।

उद्घाटन सत्र

लोक प्रशासन में स्वर्ण जयंती (पचासवाँ) उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम (एपीपीपीए) का 1 जुलाई, 2024 को उद्घाटन हुआ। एपीपीपीए पाठडक्रम, आईआईपीए द्वारा संचालित मध्यम स्तर के सिविल सेवकों और रक्षा बल अधिकारियों के लिए 10 महीने का कार्यक्रम है। इस बैच में ब्रिगेडियर, वायु और नौसेना के कमोडोर और अन्य सिविल सेवा अधिकारी शामिल थे। पचासवें एपीपीपीए पाठ्यक्रम की निदेशक प्रो. नीतू जैन ने 50वें एपीपीपीपए का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। आईआईपीए के कुलसचिव श्री अमिताभ रंजन ने आईआईपीए का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सह-निदेशक डॉ. साकेत बिहारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में 50वें एपीपीपीए के प्रतिभागियों, आईआईपीए के संकाय सदस्यों और अधिकारियों ने सहभागिता की।

माननीय केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग राज्य मंत्री तथा कार्मिक, लोक शिकायत और पेन्शन राज्य मंत्री और आईआईपीए कार्यकारी समिति के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह ने भी आईआईपीए का दौरा किया और 50वें एपीपीपीए के नए शामिल प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

यह बातचीत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई क्योंकि एपीपीपीए ने अपने प्रमुख कार्यक्रम एपीपीपीए की 50वीं वर्षगांठ मनाई, जो 1975 से आईआईपीए में बिना रुके चल रहा है। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने स्वर्ण जयंती एपीपीपीए का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार में सेवारत अधिकारियों को प्रदान किए जाने वाले उन्नत पाठ्यक्रम उन्हें माननीय प्रधानमंत्री मोदी की परिकल्पना के अनुसार भविष्य के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। सिविल सेवकों के क्षमता निर्माण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि हमने कर्मियों में बदलाव लाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी दक्षता और योगदान बढ़ाने के लिए 'मिशन कर्मयोगी' शुरू किया है। उन्होंने कहा कि अपने कर्तव्यों का पालन करते समय, सीखने को प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिए और उन्हें सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाते रहना चाहिए और साथियों से सीखने को प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत रूप से वह स्वयं हर दिन कुछ नया सीखने की कोशिश करते हैं।

आईआईपीए की अपनी यात्रा के दौरान, माननीय केंद्रीय मंत्री ने आईआईपीए परिसर में 'पारिजात वृक्ष' का एक पौधा लगाया।

आईआईपीए के महानिदेशक श्री एस.एन त्रिपाठी ने मंत्री महोदय के निरंतर मार्गदर्शन और सक्रिय नेतृत्व के लिए उनका आभार व्यक्त किया। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) डॉ. नीला मोहनन, आईएएस भी इस अवसर पर उपस्थित थीं। आईआईपीए के कुलसचिव श्री अमिताभ रंजन ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की प्रस्तावना पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान वर्ष 1975 से लोक प्रशासन में उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम (एपीपीपीए) का संचालन कर रहा है। दस महीने का यह कार्यक्रम कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है। इसमें अखिल भारतीय सेवाओं, केंद्रीय सेवाओं, रक्षा सेवाओं, तकनीकी सेवाओं और राज्य सरकार सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारी सहभागिता करते हैं। ये अधिकारी भारत सरकार में उप-सचिव/ निदेशक या उससे ऊपर के पद या समकक्ष पद पर काफी वरिष्ठ होते हैं।

यह कार्यक्रम भारत सरकार के मिशन कर्मयोगी ढाँचे को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, ताकि प्रशिक्षु अधिकारियों को अमृत काल में आत्मनिर्भर भारत मिशन की चुनौतियों का सामना करने हेतु आवश्यक दक्षताओं से सुसज्जित किया जा सके। अमृत काल की परिकल्पना में नागरिक-केंद्रित शासन के लिए ज्ञान-आधारित और प्रौद्योगिकी-संचालित हस्तक्षेप शामिल हैं,

जो भारतीय लोकाचार में निहित हैं। इस कार्यक्रम का महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह शासन के प्रत्येक क्षेत्र में ज्ञान में निरंतर हो रही तीव्र प्रगति को शामिल करता रहा है ताकि ''प्रतिभागियों को शासन में और अधिक योगदान देने और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया जा सके।''

यह कार्यक्रम सिद्धांत और व्यवहार का एक अनूठा मिश्रण है जो प्रतिभागियों को संबंधित अवधारणाओं, कौशल और तकनीकों से परिचित कराता है। यह सहकर्मी-समूह सीखने का अवसर भी प्रदान करता है। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों की संवेदनशीलता, संवेदनशीलता और क्षमताओं को बढ़ाना है ताकि वे नवोन्मेषी विकल्पों और संभावनाओं का पता लगा सकें।

वर्ष 1975 से अब तक, अखिल भारतीय और केंद्रीय सेवाओं के 1676 प्रशासक/अधिकारी, जिनमें सशस्त्र बलों और कुछ विदेशी देशों के अधिकारी भी शामिल हैं, भारतीय विश्वविद्यालयों के शिक्षक और राज्य सिविल सेवाओं के अधिकारी इस कार्यक्रम में भाग ले चुके हैं। एपीपीपीए के कई प्रतिभागियों ने बाद में अपनी-अपनी सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और उनमें से कई भारत सरकार और राज्य सरकारों में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हुए हैं। एक जीवंत आईआईपीए पूर्व छात्र संघ, आईआईपीए और उसके प्रतिभागियों के बीच एक स्थायी जुड़ाव सुनिश्चित करता है।

उद्देश्य

इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को सही दृष्टिकोण, कौशल और ज्ञान से सुसज्जित करना है ताकि वे भारत को एक विकसित देश बनाने और नागरिक-केंद्रित शासन प्रदान करने में आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बन सकें। इसका उद्देश्य अधिकारियों का एक सक्षम और लक्ष्य-संचालित संवर्ग तैयार करना है, जिनके कार्य वैश्विक मानकों के अनुरूप हों और साथ ही भारतीय लोकाचार और नैतिकता में निहित हों।

लक्ष्य

एपीपीपीए प्रतिभागियों को निम्नलिखित में सक्षम बनाना चाहता है:

- सामाजिक और व्यवहार विज्ञान, सार्वजनिक नीति शासन की बुनियादी अवधारणाओं को समझना;
- भारत में लोक प्रशासन और शासन नैतिकता के सामयिक मुद्दों पर अपने विचार विकसित करना;
- नीतियों और उनके तौर-तरीकों के अनुप्रयोग को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण करना;
- निर्णय लेने में विश्लेषणात्मक कौशल लागू करना;
- प्रशासनिक सुधारों और सुशासन के लिए एक रूपरेखा तैयार करना; और
- पारस्परिक कौशल और लोगों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना।

अपेक्षित परिणाम

इस कार्यक्रम का व्यापक लक्ष्य लोक नीति और प्रबंधन के अध्ययन के लिए एक गतिशील और एकीकृत दृष्टिकोण प्रदान करना है। इस प्रकार, यह विशिष्ट रूप से प्रतिभागियों को लोक प्रशासन की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है, जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते हैं और राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। यह अपेक्षा की जाती है कि इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर प्रतिभागियों को समस्याओं के अभिनव समाधान प्रस्तुत करने हेतु महत्वपूर्ण दक्षताओं और रचनात्मक कौशल से संपन्न किया जाएगा।

कार्यक्रम की संरचना

जैसा कि मिशन कर्मयोगी में परिकल्पित है, कार्यक्रम के मॉड्यूल प्रतिभागियों की भविष्य की गतिविधियों में उनकी भूमिका पर केंद्रित हैं। प्रतिभागी मध्य-कैरियर के लोक सेवक हैं और बहुत जल्द ही वरिष्ठ पदों पर आसीन होने की संभावना है, जहाँ वे नीति निर्माण और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। इस भूमिका में प्रभावी होने के लिए, उन्हें

नीतिगत समस्याओं और शासन संबंधी मुद्दों पर 'सोचना, संवाद करना, सहयोग करना, सहानुभूति रखना, नेतृत्व करना और समाधान करना' होगा। इसलिए, कार्यक्रम की संरचना इस प्रकार है:

क. विभिन्न धाराओं के साथ चार शैक्षणिक-सह-प्रशिक्षण मॉड्यूल;

ख. अनुभवात्मक शिक्षा;

ग. शोध प्रबंध और मौखिक परीक्षा; और

घ. सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ

क. शैक्षणिक मॉड्यूल

इसका मुख्य उद्देश्य अवधारणाओं और अनुप्रयोगों को समझने पर ध्यान केंद्रित करना है। इन स्ट्रीम्स की पहचान शासन पारिस्थितिकी तंत्र के मुद्दों और प्रतिक्रिया क्षमताओं से उनकी प्रासंगिकता के आधार पर की गई है। इनमें संबंधित अध्ययन क्षेत्रों में हाल के विकासों को शामिल किया गया है। इन धाराओं को चार भागों में विभाजित किया गया है, जिनमें शामिल हैं:

क.I: संदर्भ निर्धारित करना

क.II: जन केंद्रित सुशासन (गवर्नेंस)

क.III: विकसित भारत: प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना

क.IV: क्षेत्र-विशिष्ट हस्तक्षेप

ख: अनुभव के माध्यम से सीखना:

कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों ने एक-दूसरे के समृद्ध और विविध व्यावसायिक अनुभवों के साथ-साथ विभिन्न स्थानों के भ्रमण के माध्यम से भी सीखा। कक्षा में सीखी गई शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न राज्यों में शासन (गवर्नेंस) संबंधी नवाचारों की जानकारी प्रदान करने के लिए ग्रामीण, शहरी और अग्रिम क्षेत्रों में क्षेत्रीय भ्रमण भी किए गए। इन भ्रमणों का उद्देश्य उन्हें उद्योग जगत और चुनिंदा ग्रामीण एवं शहरी केंद्रों/सुविधाओं में निर्देशित अध्ययन भ्रमणों के माध्यम से विभिन्न विकासात्मक सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और क्रियान्वयन से संबंधित जमीनी हकीकत से अवगत कराना था। 50वें एपीपीपीए के दौरान इनका विवरण इस प्रकार प्रस्तुत किया गया:

ख.1 अनुभवात्मक प्रस्तुतियाँ: अनुभवात्मक प्रस्तुतियाँ प्रतिभागियों के बीच अनुभवों और विशेषज्ञता के पारस्परिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए होती हैं। प्रत्येक प्रतिभागी से अपेक्षा की जाती है कि वह एक ऐसी विशिष्ट परिस्थिति पर केंद्रित प्रस्तुति दे जिसका अधिकारी ने अपने करियर के किसी न किसी मोड़ पर सामना किया हो। इन प्रस्तुतियों का उद्देश्य आंतरिक प्रशासन या क्षेत्रीय परिस्थितियों में नवाचारों, संगठनात्मक नेतृत्व में सर्वोत्तम प्रथाओं या परियोजना नियोजन एवं कार्यान्वयन में सीखे गए महत्वपूर्ण सबक को उजागर करना था। इसे और अधिक प्रासंगिक और सार्थक बनाने के लिए, प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाएगी कि वे दक्षता-मूल्य की पहचान करें और उसके इर्द-गिर्द प्रस्तुति को रूप दें।

ख.2 जिला भ्रमण: सूक्ष्म स्तरीय शासन को समझना

आकांक्षी जिलों का दौरा प्रतिभागियों के लिए शासन की बारीकियों को समझने में सहायक रहा। महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए एक जिले का चयन करके उसका दौरा किया जाना था। इस दौरे से प्रतिभागियों को शासन के मूर्त और अमूर्त, दोनों पहलुओं की समझ मिली। इस दौरे से प्राप्त सीख और अंतदृष्टि नागरिक-केंद्रित प्रशासन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण थी।

ख.3 ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण: इस घटक का उद्देश्य प्रतिभागियों को हमारे देश के ग्रामीण परिदृश्य की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं से अवगत कराना था। प्रतिभागियों को ग्रामीण विकास के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित विषय-आधारित अध्ययन सौंपा गया था और उनसे वितरण तंत्र की प्रभावशीलता की जाँच करने की अपेक्षा की गई थी। प्रतिभागियों ने देश के चिन्हित ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया और संकाय सदस्यों के समग्र मार्गदर्शन में ग्राम स्तरीय पदाधिकारियों और पंचायत सदस्यों के साथ बातचीत की। प्रतिभागियों से इस पर प्रस्तुतियाँ देने की भी अपेक्षा की गई थी। इन गाँवों का चयन निम्नलिखित राज्यों/जिलों से किया गया था:

1. हैदराबाद (सरदारनगर गाँव)
2. बेंगलुरु (हेम्मनहल्ली और भारतीनगर गांव)

ख.4 शहरी शासन (गवर्नेंस) को समझना: इस घटक के अंतर्गत, प्रतिभागियों को विभिन्न शहरी विकास योजनाओं और लोगों, विशेषकर गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वालों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों पर उनके प्रभाव का अध्ययन करना था। शहरी परिवेश के इस अनुभव-भ्रमण में नगर पालिकाओं और अन्य विकास एजेंसियों के पदाधिकारियों के साथ बातचीत भी शामिल थी। इस प्रकार, प्रतिभागियों को शहरी प्रशासन और प्रबंधन की समस्याओं और चुनौतियों को समझने का अवसर मिला। इस उद्देश्य के लिए, दो शहरों का चयन किया गया था।

1. हैदराबाद
2. बैंगलोर

ख.5. रक्षा संस्थानों को समझना: प्रतिभागियों ने भारत डायनेमिक्स, डीआरडीओ और बीईएल जैसे कुछ प्रतिष्ठित रक्षा संस्थानों का दौरा किया। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को रक्षा अनुसंधान और विकास की समझ प्रदान करना था ताकि वे विभिन्न अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों के पीछे के विज्ञान को समझ सकें।

ख.6: अग्रिम क्षेत्रों का दौरा: 'अग्रिम क्षेत्रों' के दौरे से प्रतिभागियों को इन क्षेत्रों में सशस्त्र बलों की व्यक्तिगत, संस्थागत और बुनियादी ढाँचे की तैयारियों का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। इस दौरे से उन्हें सशस्त्र बलों के अधिकारियों से बातचीत करने और नागरिक-सैन्य संबंधों की गतिशीलता को समझने का भी अवसर मिला।

शोध प्रबंध

शोध प्रबंध कार्यक्रम का एक अभिन्न और मूल्यवान घटक था और पंजाब विश्वविद्यालय के 'लोक प्रशासन और लोक नीति विषय में कला स्नातकोत्तर' के लिए एक आवश्यक शर्त थी। प्रतिभागियों से अपेक्षा की गई थी कि वे विकसित भारत: पीईईके मॉडल में दी गई सूची में से अपनी रुचि का विषय चुनें, जिसमें भौतिक अवसंरचना, आर्थिक प्रेरक तत्व, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और ज्ञान (पीईईके) अर्थव्यवस्था शामिल किया गया है। इस मॉडल से विषयों के चयन का उद्देश्य क्षेत्र-विशिष्ट गतिशीलता के बारे में व्यापक अनुभवजन्य जानकारी उत्पन्न करना और सरकार को सेवा वितरण को बढ़ाने और बेहतर बनाने के लिए इनपुट प्रदान करना था।

दीक्षांत समारोह

50वें उन्नत व्यावसायिक लोक प्रशासन कार्यक्रम (एपीपीपीए) के प्रतिभागियों के लिए दीक्षांत समारोह 30 अप्रैल, 2025 को आईआईपीए के टीएनसी मेमोरियल हॉल में आयोजित किया गया। माननीय केंद्रीय मंत्री और आईआईपीए के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। अपने एक स्पष्ट और व्यापक संबोधन में, माननीय मंत्री ने तेजी से बढ़ती तकनीकी प्रगति के मद्देनजर निरंतर सीखने और अनुकूल नीति निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। एपीपीपीए के स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के आयोजन के लिए आईआईपीए की पहल की सराहना करते हुए, उन्होंने नागरिक-सैन्य तालमेल के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''आज के सैन्य अधिकारी सिर्फ अलग-थलग नहीं रहते हैं; उनसे मीडिया को जानकारी देने, नागरिकों से बातचीत करने और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में संयुक्त रूप से प्रतिक्रिया देने की उम्मीद की जाती है।'' उन्होंने पाठ्यक्रम के भविष्य के संस्ककरणों में संचार कौशल पर अधिक ध्यान देने का आह्वान किया। प्रोफेसर नीतू जैन और डॉ. साकेत बिहारी क्रमश: 50वें एपीपीपीए के कार्यक्रम निदेशक और कार्यक्रम निदेशक और कार्यक्रम सह-निदेशक थे। इस अवसर पर, माननीय केंद्रीय मंत्री ने कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग की संयुक्त सचिव, सुश्री छवि भारद्वाज, आईएएस के साथ मिलकर क्रमश: 49वें और 50वें एपीपीपीए के प्रतिभागियों को पंजाब विश्वविद्यालय से लोक नीति और लोक प्रशासन में मास्टर ऑफ आर्ट्स की उपाधि और लोक प्रशासन में डिप्लोमा प्रदान किया। इस अवसर पर श्री एस. एन. त्रिपाठी और डॉ. सचिन चौधरी द्वारा प्रशासन में उत्कृष्टता पर एक पुस्तक और 2025 एपीपीपीए

क्रॉनिकल्स (संपादक: ब्रिगेडियर प्रणय डंगवाल) का विमोचन किया गया।

आईआईपीए के महानिदेशक श्री एस.एन त्रिपाठी, आईआईपीए के कुलसचिव श्री अमिताभ रंजन, डॉ. सचिन चौधरी, डॉ. सपना चड्डा, आईआईपीए के संकाय सदस्य और अधिकारीगण, साथ ही एपीपीपीए के प्रतिभागी इस दीक्षांत समारोह का अभिन्न अंग थे। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेन्शन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम का संचालन और मेजबानी आईआईपीए के कुलसचिव श्री अमिताभ रंजन ने किया।

अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

दीर्घकालिक एपीपीपीए कार्यक्रम के अलावा, संस्थान ने वर्ष 2024-2025 के दौरान 161 अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित कीं। जिनका विवरण इस प्रकार है:

इस प्रकार, एपीपीपीए सहित कुल 162 पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। वर्ष के दौरान, एपीपीपीए के 24 प्रतिभागियों सहित कुल 9850 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण एफ.2 पर दिया गया है।

अवधि	कार्यक्रम की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
भारत सरकार (डीओपीटी के अलावा)	73	3785
कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (एपीपीपीए सहित) 10 महीने	04	543
राज्य सरकारें	44	3494
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)	02	46
शहरी अध्ययन केंद्र (सीयूएस) (आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय, भारत सरकार)	13	446
अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईटीईसी)	04	116
अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	01	20
निजी क्षेत्र (प्राइवेट सेक्टर)	04	187
कार्यशालाएँ, स्मारक व्याख्यान, सम्मेलन	13	1157
अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल	4	56
कुल	**162**	**9850**

प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या

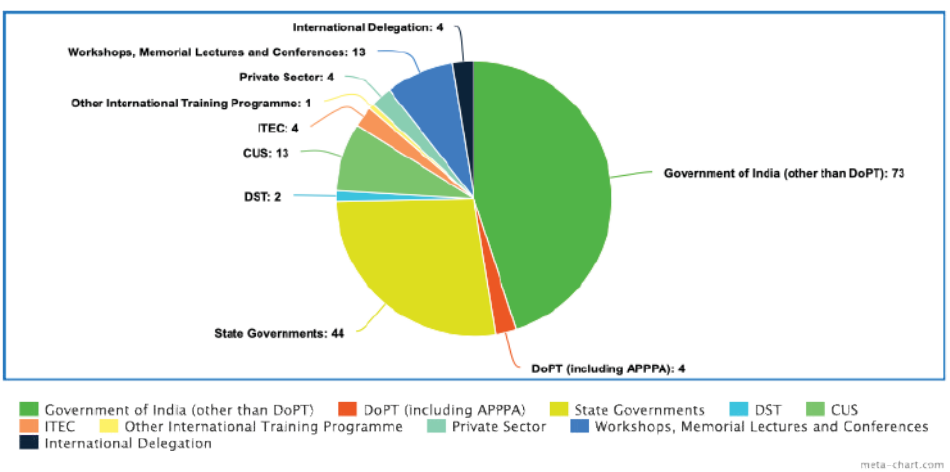

प्रतिभागियों की संख्या

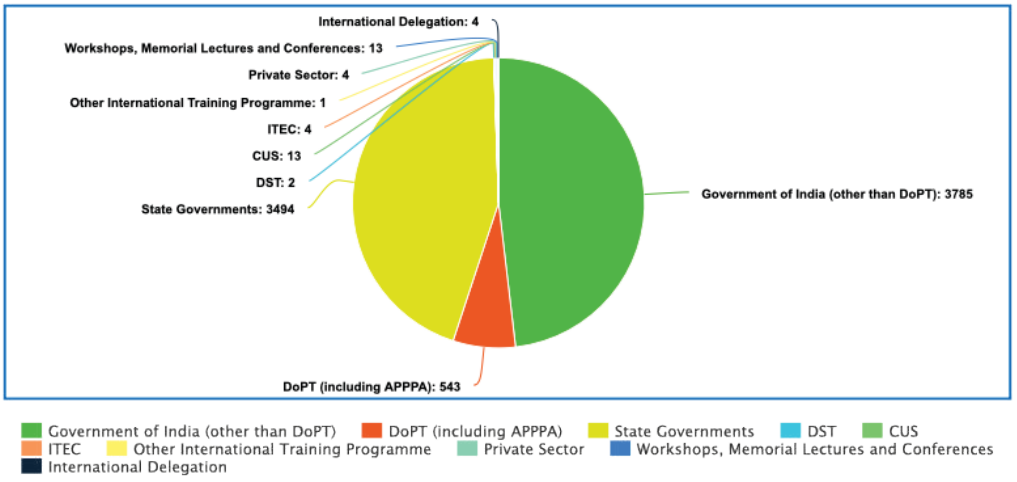

प्रकाशन

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) ने विभिन्न नियमित प्रकाशनों के माध्यम से लोक प्रशासन, शासन (गवर्नेंस), नौकरशाही, लोक नीति, समाज कल्याण और विकास से संबंधित जानकारी, विश्लेषण, दृष्टिकोण और ज्ञान का प्रसार करने के अपने मिशन को जारी रखा है। हमारे पोर्टफोलियो में शामिल हैं: आईआईपीए डिजिटल न्यूजलेटर, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आईजेपीए), नगरलोक, डॉक्यूमेंटेशन इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (डीपीए), लोक प्रशासन, भारत जर्नल ऑफ केस स्टडीज (बीजेसीएस) और आईआईपीए डाइजेस्ट।

क्रम सं.	पत्रिकाएं	आवृत्ति	आयतन 2024	प्राप्त पांडुलिपियाँ (2024) (लगभग)	पांडुलिपियों प्रकाशित (2024)	विशेष अंक का विषय (2024)
1.	आईजेपीए	त्रैमासिक	70	380	83	भारत सरकार में साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता: डिजिटल परिसंपत्तियों की सुरक्षा
2.	नगरलोक	त्रैमासिक	56	76	35	.....
3.	लोक प्रशासन	त्रैमासिक	16	82	44	भारत सरकार में साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता द्वारा डिजिटल परिसंपत्तियों की सुरक्षा
4.	डीपीए	त्रैमासिक	52	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
5.	आईआईपीए डाइजेस्ट	त्रैमासिक	06	40	34	एसडीजी-1, 2, 3 और 4
6.	बीजेसीएस	वर्ष में दो बार	01	10	06	लागू नहीं
7.	समाचार पत्रिका	महीने के	70	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

मान्यता एवं रॉयल्टी:

आईआईपीए को वर्ष 2024 के लिए सेज पब्लिकेशन्स से इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के लिए 6,15,613 रुपये और लॉ एंड जस्टिस पब्लिकेशन्स से फ्रेमिंग ऑफ इंडियाज कॉन्स्टिट्यूशन-बी शिवा राव नामक पुस्तक के लिए 46550 रुपये की रॉयल्टी प्राप्त हुई।

प्रकाशन और विमोचन:

वर्ष 2023-2024 के दौरान निम्नलिखित 27 प्रकाशन शीर्षक प्रकाशित किए गए:

क्रमांक	शीर्षक	लेखक	प्रकार
1.	भारतीय लोक प्रशासन जर्नल (04 संस्करण)	आईआईपीए	जर्नल
2.	लोक प्रशासन (04 संस्करण)	आईआईपीए	जर्नल
3.	नगरलोक (04 संस्करण)	आईआईपीए	जर्नल
4.	लोक प्रशासन में दस्तावेजीकरण (04 संस्करण)	आईआईपीए	जर्नल
5.	आईआईपीए डाइजेस्ट (04 संस्करण)	आईआईपीए	पत्रिका
6.	न्यूजलेटर (12 संस्करण)	आईआईपीए	ई-पुस्तिका
7.	डॉ. बी.आर. अंबेडकर और सामाजिक न्याय के लिए उनकी खोज: एक व्याख्या	नूपुर तिवारी	किताब
8.	अम्बेडकर के सामाजिक न्याय के विचारों और अवधारणाओं का मानचित्रण: उद्धरणों और कथनों की एक पुस्तिका	नूपुर तिवारी	किताब
9.	50वां एपीपीपीए ब्रोशर	एपीपीपीए	पुस्तिका
10.	भारत में शहरी शासन में 4IR का अनुप्रयोग (कार्य पत्र 01)	के.के. पांडेय	रिपोर्ट
11.	भारत में लोक प्रशासन: नागरिक केंद्रित शासन (गवर्नेंस) की ओर	सुरेश मिश्रा, सपना चड्डा और ममता पठानिया	पुस्तक
12.	एक राष्ट्र एक चुनाव (थीम पेपर)	सपना चड्डा	
13.	विकसित भारत: दृष्टि और वास्तविकता	एसएन त्रिपाठी एवं समस्त प्राध्यापकगण	पुस्तक
14.	जन-केंद्रित शासन: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य	एस.एन त्रिपाठी और नीतू जैन	
15.	सदस्यों के वार्षिक सम्मेलन पत्र 2024	आईआईपीए	पुस्तिका
16.	ब्लू ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर-अवसर से आवश्यकता तक का सफर (कार्य पत्र 02)	कुसुम लता	प्रतिवेदन
17.	प्रभाव आकलन रिपोर्ट राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन	चारु मल्होत्रा	रिपोर्ट
18.	सुशासन (शासन) के लिए एआई	सुरभि पांडे और सैयद मोहम्मद रागिब	पुस्तक
19.	स्वच्छ सर्वेक्षण की सत्यता पर अध्ययन (कार्य पत्र 03)	के.के पांडे, कुसुम लता और अमित कुमार सिंह	रिपोर्ट
20.	लोक प्रशासन - परंपराएँ और सुधार पुस्तक	एस.एन त्रिपाठी एवं विनोद कुमार शर्मा	पुस्तक
21.	राज्यों में पंचायतों को अधिकार हस्तांतरण की स्थिति	वी.एन आलोक	रिपोर्ट
22.	वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 और वार्षिक रिपोर्ट का सारांश (अंग्रेजी)	आईआईपीए	रिपोर्ट

23.	एजीएम पुस्तिका	आईआईपीए	पुस्तिका
24.	सी-डैक के सार्वजनिक अवसंरचना और डिजिटल हस्ताक्षर प्रशिक्षण प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट	चारु मल्होत्रा	रिपोर्ट
25.	सार-पुस्तक	श्यामली सिंह	पुस्तक
26.	अंत्योदय से सर्वोदय	एस.एन त्रिपाठी और साकेत बिहारी	पुस्तक

संस्थान इन प्रकाशनों के माध्यम से लोक प्रशासन, शासन (गवर्नेंस), नीति और विकास के क्षेत्रों में योगदान देने के लिए समर्पित है, तथा यह सुनिश्चित करता है कि हमारी अंतर्दृष्टि और ज्ञान विद्वानों, शिक्षाविदों, व्यवसायियों और आम जनता के लिए सुलभ हो।

सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान अपनी गतिविधियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, आयोजनों और प्रकाशनों को प्रभावी ढंग से प्रचारित करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की अपार क्षमता का रणनीतिक रूप से लाभ उठाता है। विभिन्न सोशल मीडिया चैनलों पर हमारी ऊर्जस्वी आकर्षक उपस्थिति सुनिश्चित करती है कि हमारे हितधारक हमारे नवीनतम प्रयासों से पूरी तरह अवगत और जुड़े रहें।

हमारे पिछले और आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यापक जानकारी के लिए, हम नियमित रूप से अपनी आधिकारिक वेबसाइट: iipa-org पर जानकारी अद्यतन (अपडेट) करते हैं।

इसके अतिरिक्त, हमारी सोशल मीडिया उपस्थिति में शामिल हैं:

- ट्विटर (Twetter): हमारे हैंडल (@iipa9) पर वर्ष 2023-24 में 2,664 फॉलोअर्स से बढ़कर 3112 उपयोगकर्ता हो गए हैं।
- लिंक्डइन (Linkedin): हमारे पेज (@ IIPAOfficial) पर वर्ष 2023-24 में 2,163 फॉलोअर्स से बढ़कर 11,455 फॉलोअर्स हो गए हैं।
- यूट्यूब चैनल (YouTube) (@iipaofficial) – पर वर्ष 2023-24 में 3,049 ग्राहकों की तुलना में अब 4,620 ग्राहक हो गए हैं।

इन प्लेटफॉर्मों को संस्थान के नवीनतम अपडेट और उपलब्धियों के साथ दैनिक रूप से अद्यतन (अपडेट) किया जाता है, जिससे हमें विविध दर्शकों तक पहुंचने और सार्थक बातचीत को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। लगभग 810 अपलोड किए गए वीडियो के साथ हमारा संपन्न YouTube चैनल विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करता है। इन वीडियो में आईआईपीए संकाय द्वारा भारत सरकार के सचिवों, नीति निर्माताओं और यूपीएससी टॉपरों जैसे प्रमुख हस्तियों के साथ किए गए व्यावहारिक साक्षात्कार शामिल हैं। इसके अलावा, हमारे चैनल में हमारे सम्मानित संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए पाठ्यक्रम व्याख्यान शामिल हैं, जिसमें यूपीएससी पाठ्यक्रम/पाठ्यक्रम व्याख्यान/उम्मीदवारों के लिए एमसीक्यूख और सरकारी अधिकारियों के लिए मिशन कर्मयोगी योजना के तहत योग्यता-आधारित प्रशिक्षण पर वीडियो की एक समर्पित श्रृंखला के साथ-साथ सार्वजनिक नीति, पुस्तक समीक्षा वीडियो और अन्य प्रासंगिक विषय शामिल हैं। सरकारी अधिकारियों के प्रशिक्षण और आईआईपीए की अन्य गतिविधियों पर लघु वीडियो भी हमारे चौनलों पर अपलोड किए जाते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी सक्रिय उपस्थिति के माध्यम से, हमारा लक्ष्य बहुमूल्य ज्ञान का प्रसार करना, संवाद को बढ़ावा देना और लोक प्रशासन, शासन और नीतिगत मामलों को आगे बढ़ाने के लिए एक जीवंत समुदाय का निर्माण करना है।

पुस्तकालय

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ की गई।

संग्रह विकासः

वर्ष 2024-25 के दौरान, पुस्तकालय ने अपने संग्रह का उल्लेखनीय विस्तार किया। हमने उन पुस्तकों को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया जो हमारे उपयोगकर्ताओं की रुचि और संस्थान के शैक्षणिक फोकस के अनुरूप हों। पुस्तकालय ने विभिन्न विषयों की 706 नई पुस्तकें और पत्रिकाओं के 226 जिल्दबंद खंड जोड़े। इनमें से 165 पुस्तकें खरीदी गई और 505 निःशुल्क प्राप्त हुई। सार्वजनिक दस्तावेज अनुभाग में लगभग 36 दस्तावेज जोड़े गए। 31 मार्च, 2025 तक, पुस्तकालय में पुस्तकों और जिल्दबंद जर्नल्स के 2,31,729 खंड थे।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे उपयोगकर्ताओं को विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम शोध और विकास तक पहुँच प्राप्त हो, पुस्तकालय को वर्ष के दौरान 19 समाचार पत्रों सहित 192 पत्र-पत्रिकाएँ (पीरिऑडिकल्स) प्राप्त हुई। यह विविध संग्रह विविध विषयों को समाहित करता है। सदस्यता प्राप्त प्रमुख जर्नल्स में ''पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन रिव्यू'', ''पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन'', ''अमेरिकन रिव्यू ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन'', ''जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस'', ''इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली'', ''हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू'' और ''अमेरिकन सोशियोलॉजिकल रिव्यू'' शामिल हैं। ये पत्रिकाएँ हमारे उपयोगकर्ताओं को नवीनतम शैक्षणिक अंतर्दृष्टि और शोध निष्कर्ष प्रदान करने में सहायक हैं।

ऑनलाइन सेवाओं

- **ऑनलाइन डेटाबेस की सदस्यनता**

हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू, इकोनॉमिस्ट, टाइम, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, फॉरेन अफेयर्स आदि सहित 18 से अधिक जर्नल्स तक ऑनलाइन पहुँच की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिन्हें आईआईपीए लाइब्रेरी की वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा, पुस्तकालय ने कई आवश्यक डेटाबेस की सदस्यता ली है जो शैक्षणिक शोध और अध्ययन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रमुख डेटाबेस में JSTOR और इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली डेटाबेस शामिल हैं, जो लगभग 4000 जर्नल्स तक पहुँच प्रदान करते हैं, जिनमें से 2500 जर्नल्स पूर्ण पाठ में हैं।

- **आंतरिक (इन-हाउस) लाइब्रेरी ऑनलाइन डेटाबेस**

कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय डेटाबेस में पुस्तकों और रिपोर्टों से संबंधित 1,38,801 अभिलेख (रिकॉर्ड) और आवधिक लेखों से संबंधित 1,34,327 रिकॉर्ड हैं।

- **डिजिटल संसाधनों तक दूरस्थ पहुँच**

लचीलेपन और सुगमता की जरूरत को समझते हुए, लाइब्रेरी ने अपनी रिमोट एक्सेस सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार किया है। हमने अपने डिजिटल संसाधनों तक रिमोट एक्सेस प्रदान किया है, जिससे सदस्य कहीं से भी ई-पुस्तकों, जर्नल्स और डेटाबेस तक पहुँच सकते हैं।

डिजिटल ज्ञान भंडारः

पुस्तकालय ने संस्थान के शोध आउटपुट और प्रकाशित संसाधनों को प्रदर्शित करने के लिए डिजिटल ज्ञान भंडार (डीकेआर) बनाई है। डीकेआर संस्थान की बौद्धिक पूंजी, शोध आउटपुट और प्रकाशित संसाधनों को सुलभ बनाने में एक मौलिक भूमिका निभाता है। इसका उद्देश्य संस्थान की शैक्षणिक और शोध गतिविधि से उत्पन्न बौद्धिक कार्यों को संग्रहीत और संरक्षित करना है, ताकि इसे खुली पहुंच के माध्यम से प्रसारित किया जा सके। संसाधनों का प्रतिनिधित्व विभिन्न प्रकारों के लिए बनाए गए समुदायों के रूप में किया जाता है, जैसे- वार्षिक आम सभा- अध्यक्षीय संबोधन, संकाय प्रकाशन, दुर्लभ पुस्तकें, वार्षिक रिपोर्ट, विशेष रिपोर्ट, विषयगत पत्र, कार्य पत्र और इसी तरह। इसमें एपीपीपीए प्रतिभागियों द्वारा उनकी डिग्री के लिए प्रस्तुत थीसिस और शोध प्रबंध भी शामिल हैं। अब तक 4574 दस्तावेजों को रिपोजिटरी में अपलोड किया गया है, जिसमें वर्ष 2008-09 से वर्ष 2024-25 तक के पूर्ण पाठ वाले शीर्ष दस एपीपीपीए शोध प्रबंध शामिल हैं।

पुस्तकालय सेवाएँः

31 मार्च, 2025 तक, पुस्तकालय को 960 दस्तावेज उधार दिए गए और 910 दस्तावेज वापस प्राप्त हुए। संस्थान के संकाय सदस्यों, आईआईपीए सदस्यों, लोक प्रशासन में उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम (एपीपीपीए) सहित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों के अलावा, लगभग 4957 प्रामाणिक शोधकर्ताओं ने शुल्क-आधारित परामर्श कार्यक्रम के तहत पुस्तकालय के संसाधनों का उपयोग किया। पुस्तकालय शिक्षण और अनुसंधान का एक जीवंत केंद्र बना हुआ है, जो वर्ष भर बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित करता है। वर्ष 2024-25 में, पुस्तकालय में कुल 9085 आगंतुकों का स्वागत किया गया। पुस्तकालय सदस्यों को फोटोकॉपी और इंटरनेट सुविधा प्रदान करता रहा।

मूल्य संवर्धित सेवाएंः

पुस्तकालय समसामयिक जागरूकता, अनुक्रमण और सार-संक्षेपण सेवाएँ प्रदान करता है। पुस्तकालय नियमित रूप से पुस्तक अलर्टः परिवर्धन की मासिक सूची, लेख अलर्टः महत्वपूर्ण लेखों की सूची, साप्ताहिक समाचार अलर्ट और वर्तमान सामग्री (कॉन्टेंट्स) प्रकाशित करता है, ताकि अपने पाठकों को नये प्राप्त दस्तावेजों और नवीनतम जानकारी से अवगत रखा जा सके। पुस्तकालय द्वारा ''डॉक्यूमेंटेशन इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (डीआईपीआई)'' नामक एक त्रैमासिक अनुक्रमण और सार जर्नल्स प्रकाशित की जा रही है। इसमें आवधिक लेखों, सार, पुस्तक समीक्षाओं और पुस्तक नोट्स का अनुक्रमण शामिल है। वर्ष के दौरान, डीआईपीआई में 1669 आवधिक लेख, 168 पुस्तक समीक्षाएँ और 202 पुस्तक नोट्स जोड़े गए। वर्ष 2024 के लिए डीआईपीए के सभी चार अंक समय पर प्रकाशित किए गए। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय अपने सदस्यों और विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों को माँग पर ग्रंथसूची सेवाएँ भी प्रदान करता है।

राष्ट्रीय पुस्तकालय नेटवर्क में भागीदारीः

आईआईपीए पुस्तकालय विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क (डेलनेट) का एक सक्रिय सदस्य है और अंतर-पुस्तकालय ऋण, ग्रंथसूची संकलन और साहित्य खोज के लिए नेटवर्क की सुविधाओं का व्यापक उपयोग कर रहा है। इस नेटवर्किंग प्रयास के एक भाग के रूप में, आईआईपीए पुस्तकालय अपने समृद्ध संसाधनों का उपयोग अन्य सहभागी नेटवर्क सदस्यों के साथ भी कर रहा है। वर्ष के दौरान, आईआईपीए पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए अंतर-पुस्तकालय ऋण पर 67 दस्तावेज उधार लिए गए और डेलनेट सुविधा के माध्यम से अन्य पुस्तकालयों द्वारा 64 दस्तावेज उधार लिए गए।

आईआईपीए पुस्तकालय अवसंरचना का आधुनिकीकरण और उन्नयनः

(i) पुस्तकालय सदस्यों के उपयोग के लिए पुस्तकालय परिसर में वाई-फाई सुविधाएं उपलब्धा कराई जाती रहेंगी।

(ii) संसाधन खोज के लिए पुस्तकालय के संदर्भ एवं संचलन क्षेत्र में भू-तल पर उपयोगकर्ताओं के लिए दो नए कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं।

सहयोगी गतिविधियाँ

आम सभा की सत्तरवीं वार्षिक बैठक

70वीं वार्षिक आम सभा की बैठक 4 नवंबर, 2024 को प्रातः 11:00 बजे आईआईपीए, नई दिल्ली में प्रत्यक्ष और आभासी दोनों माध्यमों से आयोजित की गई। वार्षिक आम बैठक में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति एवं आईआईपीए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने बैठक के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। आईआईपीए के महानिदेशक श्री सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने वार्षिक आम सभा के दूसरे सत्र की अध्यक्षता की।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईआईपीए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ ने कहा कि पिछले एक दशक में, जन-केंद्रित नीतियों और पहलों की एक श्रृंखला से प्रेरित होकर, आशा और संभावना, उच्च प्रत्याशा और आकांक्षाओं का माहौल बना है। अनुभवी मानव संसाधन के समृद्ध कैनवास के साथ आईआईपीए

जैसे संस्थानों को उच्च स्तर की सक्रिय भूमिका निभानी होगी। निस्संदेह, आईआईपीए ने घरेलू स्तर पर गवर्नेंस को उन्नत किया है और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संस्थान ने लोक प्रशासन से संबंधित विमर्श को समृद्ध किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे सिविल सेवक एक व्यापक, दूरदर्शी दृष्टिकोण से सुसज्जित हों जिसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही तरह की सर्वोत्तम व्यवहार (प्रैक्टिसेस) शामिल हों।

आईआईपीए के महानिदेशक, श्री सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के दौरान कई पुरस्कार वितरित किए गए और आईआईपीए प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। कुलसचिव श्री अमिताभ रंजन ने कार्यक्रम का समन्वय और संचालन किया।

बैठक में संस्थान के 97 सदस्यों ने भाग लिया, जबकि न्यूनतम गणपूर्ति (कोरम) 50 सदस्यों की थी। सदन ने 31 अक्टूबर, 2023 को आयोजित आम निकाय की उनहत्तरवीं वार्षिक बैठक की कार्यवाही, वर्ष 2023-24 के लिए वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखा-जोखा को मंजूरी दी।

अड़सठवां सदस्य वार्षिक सम्मेलन

संस्थान का अड़सठवां सदस्य वार्षिक सम्मेलन 5 नवंबर, 2024 को सुबह 9:30 बजे आईआईपीए, नई दिल्ली में प्रत्यक्ष और आभासी दोनों तरीकों से आयोजित किया गया।

सम्मेलन का विषय ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' था। डॉ सपना चड्डा ने विषय-पत्र प्रस्तुत किया और इस अवधारणा पर प्रकाश डाला। अपने स्वागत भाषण में, आईआईपीए के महानिदेशक श्री एस.एन. त्रिपाठी ने विषय के महत्व पर प्रकाश डाला। क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं के प्रतिनिधियों ने विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। चर्चा के अलावा, सम्मेलन के दौरान विषय पर शोध-पत्र भी प्रस्तुत किए गए।

वार्षिक सम्मेलन के आयोजन से पहले, आईआईपीए की क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं द्वारा अपने-अपने मुख्यालयों में इस विषय पर प्रारंभिक सम्मेलन/सेमिनार आयोजित किए गए। क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं में आयोजित सम्मेलनों/सेमिनारों की सिफारिशें और टिप्पणियाँ भी सम्मेलन में प्रस्तुत की गईं।

कार्यकारी परिषद

कार्यकारी परिषद की बैठकें

वर्ष के दौरान, कार्यकारी परिषद की दो बैठकें 31 मई, 2024 और 7 अक्टूबर , 2024 को आयोजित की गईं।

सदस्यता

वर्ष के दौरान, 141 आजीवन सदस्य, 1 कॉर्पोरेट सदस्य, 7 सहयोगी सदस्य और 23 विद्यार्थी सदस्य शामिल हुए। वर्ष के दौरान सोलह आजीवन सदस्यों का निधन हो गया।

सदस्यता का श्रेणीवार विवरण सारणीबद्ध रूप में नीचे दिया गया है:

	वार्षिक सदस्य	अजीवन सदस्य	एसोसिएट सदस्य	विद्यार्थी सदस्य	निगमित सदस्य	कुल
1. सदस्यता 31.3.2024 तक	11	11312	68	132	62	11585
2. वर्ष 2024-25 के दौरान भर्ती किए गए सदस्य	--	141	7	23	1	172
3. वर्ष 2024-25 के दौरान हटाए गए सदस्य	--	--	(-) 6	(-) 7	--	(-) 13
3. सदस्यों की अवधि वर्ष 2024-25 के दौरान समाप्त हो गई	--	(-)16	--	--	--	(-) 16
वर्ष 31.3.2025 तक कुल सदस्यता	11	11437	69	148	63	11728

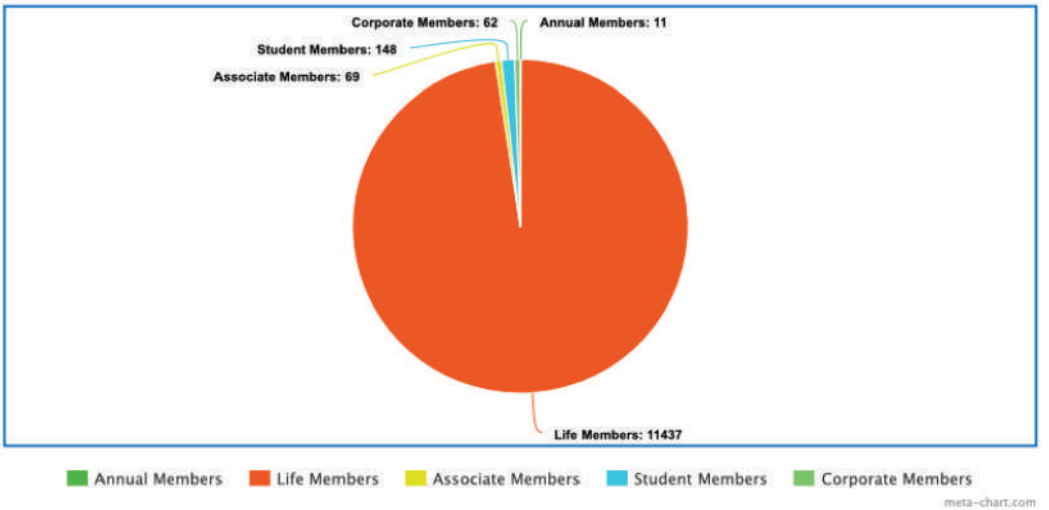

आईआईपीए के प्रतिष्ठित सदस्य को पॉल एच. एप्पलबी पुरस्कार से सम्मानित किया गया

आईआईपीए और लोक प्रशासन के क्षेत्र में श्री जलील अहमद खान, आईएएस (सेवानिवृत्त) को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए वार्षिक आम बैठक में वर्ष 2024 का पॉल एच. एप्पलबी पुरस्कार प्रदान किया गया। श्री जलील अहमद खान पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और आईआईपीए की जम्मू-कश्मीर क्षेत्रीय शाखा की स्थापना और प्रचार में सक्रिय रूप से शामिल रहे।

शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद पुरस्कार

वर्ष 2024 के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता हेतु डॉ. राजेंद्र प्रसाद पुरस्कार, प्रख्यात शिक्षाविद्, लेखक और संपादक प्रो. एम.पी सिंह को प्रदान किया गया। वे 60 वर्षों से अधिक समय से अकादमिक क्षेत्र में सक्रिय हैं और उन्होंने अकादमिक क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया है। वे 44 वर्षों से अधिक समय से आईआईपीए के आजीवन सदस्य भी हैं। इसके अलावा, वे पिछले 10 वर्षों से आईआईपीए की प्रमुख पत्रिका, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आईजेपीए) का संपादन भी कर रहे हैं।

भारतीय लोक प्रशासन जर्नल (आईजेपीए) और लोक प्रशासन (हिंदी पत्रिका) में सर्वश्रेष्ठ लेख के लिए श्री टी.एन चतुर्वेदी पुरस्कार

वर्ष 2023-24 के लिए आईजेपीए में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ लेख के लिए श्री टी.एन चतुर्वेदी पुरस्कार डॉ. चंद्रशेखर कुमार और श्री मनोज शर्मा को उनके लेख ''पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति'' के लिए प्रदान किया गया।

वर्ष 2023-24 के लिए लोक प्रकाशन (हिंदी जर्नल) में सर्वश्रेष्ठ लेख के लिए श्री टी.एन चतुर्वेदी पुरस्कार डॉ. सोनम को उनके 'भारत में कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व: बदलते स्वररूप एवं प्रभाव' विषय पर लिखे लेख के लिए प्रदान किया गया।

आईआईपीए शाखाओं को पुरस्कार

आईआईपीए अध्यक्ष की इच्छा के अनुसार, 26 क्षेत्रीय और 42 स्थानीय शाखाओं के साथ बेहतर नेटवर्क बनाने और उन्हें प्रेरित करने के लिए, महाराष्ट्र क्षेत्रीय शाखा को प्रथम पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया, मध्य प्रदेश क्षेत्रीय शाखा को प्रशंसा प्रमाण पत्र के साथ द्वितीय पुरस्कार दिया गया और केरल क्षेत्रीय शाखा को प्रशंसा प्रमाण पत्र के साथ तृतीय पुरस्कार दिया गया।

क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाएँ और सदस्य गतिविधियाँ

31 मार्च, 2025 तक आईआईपीए की 26 क्षेत्रीय और 42 स्थानीय शाखाएँ थी। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं और उनके पदाधिकारियों के नाम, उनके द्वारा संचालित गतिविधियाँ और उनसे जुड़े सदस्यों की संख्या अनुलग्नक एफ-3 में दर्शाई गई है।

शाखाओं की अनेक गतिविधियों की जानकारी मासिक आईआईपीए समाचारपत्रों में भी दी गई है।

क्षेत्रीय एवं स्थानीय शाखाओं के अध्यक्षों की 4 नवंबर, 2024 को आईआईपीए में और ऑनलाइन माध्यम से एक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता आईआईपीए के महानिदेशक श्री सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने की। आईआईपीए की गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने और शाखाओं के विकास से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। कर्नाटक क्षेत्रीय शाखा के अध्यक्ष श्री टी.एम विजय भास्कर, मिजोरम क्षेत्रीय शाखा के अध्यक्ष श्री पी.सी लवमकुंगा, केरल क्षेत्रीय शाखा के अध्यक्ष डॉ. आर.के सुरेश कुमार और मध्य प्रदेश क्षेत्रीय शाखा के मानद सचिव डॉ. डी.पी तिवारी ने एक मॉडल शाखा पर प्रस्तुतियाँ दीं। प्रो. चारु मल्होत्रा ने शाखाओं के लाभ के लिए जिला सुशासन (गवर्नेंस) पर एक प्रस्तुति भी दी।

बैठक में क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं: छत्तीसगढ़, बिहार, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पुडुचेरी, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश (क्षेत्रीय शाखाएँ) और हावड़ा, कानपुर, करीमनगर, मदुरै, तिरूपति, विल्लुपुरम (स्थानीय शाखाएँ) के प्रतिनिधि शामिल थे।

बैठक में संस्थान की क्षेत्रीय शाखाओं से संबद्ध संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया। क्षेत्रीय शाखाओं से संबद्ध संकाय सदस्यों की सूची अनुलग्नक एफ-7 में दी गई है।

वर्ष के दौरान शाखाओं को उनके कार्यक्रमों और गतिविधियों को चलाने के लिए सदस्यता पूंजी निधि पर अर्जित ब्याज के पचास प्रतिशत हिस्से सहित वित्तीय सहायता के रूप में 18,66,915/- रुपये की धनराशि का भुगतान किया गया था। संस्थान एक क्षेत्रीय शाखा को 35,000/- रुपये और एक स्थानीय शाखा को एक वित्तीय वर्ष के दौरान शैक्षणिक गतिविधियों, प्रील्यूड सम्मेलन आदि के संचालन में मदद के लिए 20,000/- रुपये की टोकन वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जो शाखा (क) नियमित चुनाव आयोजित करे, (ख) नियमित रूप से अपने खातों का लेखापरीक्षित विवरण प्रस्तुत करे और (ग) अपनी गतिविधियों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करे। शाखाओं को अपने विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग और साझेदारी के लिए संबंधित राज्य सरकारों और स्थानीय जिला प्रशासन के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक समाज संगठनों के साथ समन्वय करने और आंतरिक संसाधन जुटाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वर्ष 2024-25 के दौरान शाखाओं को दी गई वित्तीय सहायता का विवरण दिखाने वाला विवरण अनुलग्नक एफ-6 में दिया गया है।

क्षेत्रीय शाखाओं द्वारा क्षेत्रीय सम्मेलन

आईआईपीए ने निम्नलिखित तीन क्षेत्रीय शाखाओं को 1,50,000/- रुपये का वित्तीय अनुदान प्रदान किया है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं का क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया:

- मध्य, प्रदेश क्षेत्रीय शाखा ने 10 अगस्त, 2024 को आरसीपीवी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी, भोपाल में ''प्रशासनिक विकेंद्रीकरण'' विषय पर क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं का मध्य क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया। उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की क्षेत्रीय शाखाओं और जबलपुर, इंदौर, आगरा और कानपुर की स्थानीय शाखाओं के अध्यक्ष/मानद सचिव और प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया और आईआईपीए के महानिदेशक, कुलसचिव और प्रो. सुरेश मिश्रा भी इस सम्मेलन में शामिल हुए। अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु अधिकारियों ने भी इसमें सहभागिता की।
- बिहार क्षेत्रीय शाखा ने 22 जनवरी, 2025 को

बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड), गयाजी में ''विकसित भारत @2047: पूर्वी भारत की चिंताएँ'' विषय पर क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं का पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय शाखाओं और मुजफ्फरपुर एवं हावड़ा की स्थानीय शाखाओं के अध्यक्ष/मानद सचिव और प्रतिनिधियों ने आईआईपीए के महानिदेशक और कुलसचिव के साथ इस सम्मेलन में सहभागिता की। अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु अधिकारियों ने भी सम्मेलन में सहभागिता की।

- कर्नाटक क्षेत्रीय शाखा ने 21 फरवरी, 2025 को बेस (बीएएसई) विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में ''नागरिक-केंद्रित, कुशल और प्रभावी शासन के लिए ई-गवर्नेंस के उपयोग में हालिया प्रगति'' विषय पर दक्षिणी क्षेत्र की क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं का क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में केरल, तेलंगाना, पुदुचेरी और महाराष्ट्र की धारवाड़ व करीमनगर की स्थानीय शाखाओं के अध्यक्ष/मानद सचिव और प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर कर्नाटक के माननीय मंत्री श्री प्रियांक खड़गे, आईआईपीए के पूर्व निदेशक और एमिरिटस कर्नाटक क्षेत्रीय शाखा के अध्यक्ष डॉ. रामनाथन, आईआईपीए के महानिदेशक और कुलसचिव भी उपस्थित थे।

वार्षिक आम सभा की बैठक और सदस्यों का वार्षिक सम्मेलन, जिसके लिए थीम पेपर सभी शाखाओं को भेजा जाता है, साथ ही आईआईपीए न्यूजलेटर का प्रकाशन भी सदस्य-उन्मुख गतिविधियाँ हैं।

आईआईपीए की आउटरीच और सहयोग गतिविधियाँ

वर्ष 2024-25 में, आईआईपीए ने विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो इस प्रकार हैं:

निम्नलिखित संगठनों/विश्वविद्यालयों/संस्थानों/मंत्रालयों/विभागों के साथ समझौता ज्ञापनों की सूची

अप्रैल 2024 से 2025

क्रम सं.	समझौता ज्ञापन (एमओयू) का नाम
1.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज, खानापारा, गुवाहाटी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू)
2.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और ओ.पी जिंदल विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा के बीच समझौता ज्ञापन
3.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), बिहार के बीच समझौता ज्ञापन
4.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, रांची के बीच समझौता ज्ञापन
5.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एजेएनआईएफएम), फरीदाबाद, हरियाणा के बीच समझौता ज्ञापन
6.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और राष्ट्रीय राजमार्ग इंजीनियर्स अकादमी, नोएडा, उत्तर प्रदेश के बीच समझौता ज्ञापन
7.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर), हैदराबाद, तेलंगाना के बीच समझौता ज्ञापन
8.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और ईएनएसए, मोरक्को के बीच समझौता ज्ञापन
9.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा के बीच समझौता ज्ञापन
10.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), सिक्किम के बीच समझौता ज्ञापन

11.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, सिक्किम के बीच समझौता ज्ञापन
12.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और हो ची मिन्ह राष्ट्रीय राजनीति अकादमी, वियतनाम के बीच समझौता ज्ञापन
13.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, (डीबीएयू), आगरा, उत्तर प्रदेश के बीच समझौता ज्ञापन
14.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और इंडिया फ्यूचर फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन
15.	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और नेशनल एकेडमी ऑफ गवर्नेंस (एनएओजी), मंगोलिया के बीच समझौता ज्ञापन

आईआईपीए के कार्यक्षेत्र को जमीनी स्तर तक विस्तारित (आईआईपीए द्वारा राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण) करना

वर्ष 2017-18 से, आईआईपीए ने राज्य सरकारों तक अपनी पहुँच बढ़ाई है और राज्य सिविल सेवाओं के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के साथ-साथ माध्यम एवं वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों के लिए भी प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है। वर्ष 2024-25 में, आईआईपीए ने राज्य सरकारों के अधिकारियों के लिए 44 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और बिहार, गुजरात, ओडिशा, मिजोरम, महाराष्ट्र आदि के 3494 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया। आईआईपीए ने नीति आयोग के आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम अध्येताओं (एबीपीएफ) के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण आयोजित किया, जो आकांक्षी जिलों के ब्लॉक-स्तरीय विकास कार्यक्रमों से जुड़ेंगे। वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम अध्येताओं (एबीपीएफ) के लिए आयोजित प्रशिक्षणों की सूची इस प्रकार है:

राज्य सरकार के अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम (2024-25)

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	संकाय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	1-5 अप्रैल, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	61
2.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	29 अप्रैल-3 मई, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	120
3.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	6-10 मई, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	125
4.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	13-17 मई, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	119

5.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	20–24 मई, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	114
6.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	28 मई – 1 जून, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	128
7.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	3–7 जून, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	125
8.	वित्त विभाग के लेखा परीक्षकों के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	23–27 जुलाई, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	188
9.	वित्त विभाग के लेखा परीक्षकों के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम, (बिहार सरकार, पटना, बिपार्ड द्वारा प्रायोजित)	29 जुलाई – 2 अगस्त, 2024	डॉ. ममता पठानिया प्रो. सुरेश मिश्रा	128
10.	गुजरात राज्य के राजपत्रित अधिकारियों का आधारभूत प्रशिक्षण (एसआईपीए) द्वारा प्रायोजित)	5–9 अगस्त, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	57
11.	बिहार सरकार के सहायक अभियोजन अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड, गया द्वारा प्रायोजित)	5–9 अगस्त, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	117
12.	बिहार के शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए कक्षा प्रभावशीलता हेतु नवीन दृष्टिकोण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (एससीईआरटी, पटना द्वारा प्रायोजित)	13–17 अगस्त, 2024	डॉ. सुरभि पांडे डॉ. साकेत बिहारी	116
13.	बिहार के नवनियुक्त सहायक अभियोजन अधिकारियों का संस्थागत प्रशिक्षण (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	20–24 अगस्त, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	129
14.	बिहार के शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए कक्षा प्रभावशीलता हेतु नवीन दृष्टिकोण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (एससीईआरटी, पटना द्वारा प्रायोजित)	27–31 अगस्त, 2024	डॉ. सुरभि पांडे डॉ. साकेत बिहारी	118

15.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अधिकारियों का प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम (एससीईआरटी पटना अधिकारियों द्वारा प्रायोजित)	2–6 सितंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	56
16.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम अधिकारी (एससीईआरटी, पटना द्वारा प्रायोजित)	9–13 सितंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे डॉ. साकेत बिहारी	59
17.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम अधिकारी (एससीईआरटी अधिकारी पटना)	16–20 सितंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	59
18.	अर्थशास्त्र निदेशालय के सहायक, प्रखंड एवं उपसांख्यिकी अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या (इंडक्शन) प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	17–20 सितंबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	32
19.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम अधिकारी (एससीईआरटी अधिकारी पटना)	23–27 सितंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	55
20.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अधिकारियों का प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम (एससीईआरटी अधिकारी पटना द्वारा प्रायोजित)	30 सितंबर – 4 अक्टूबर 2024	डॉ. सुरभि पांडे	118
21.	सहायक अनुभाग अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बीआईपीएआरडी, पटना द्वारा प्रायोजित)	30 सितंबर से 4 अक्टूबर, 2024 तक	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	67
22.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अधिकारियों का प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम (एससीईआरटी अधिकारी पटना द्वारा प्रायोजित)	14–18 अक्टूबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	60
23.	ओडीएफ प्लस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम – एसबी एम (जी 2.0) स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) / लोहिया स्वच्छ अभियान (चरण–II), बिहार	15–19 अक्टूबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे डॉ. साकेत बिहारी	30
24.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अधिकारियों का प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम (एससीईआरटी अधिकारी पटना द्वारा प्रायोजित)	21–25 अक्टूबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	60

25.	वित्त विभाग, बिपार्ड के सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (एएओ) के लिए फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड, गया द्वारा प्रायोजित)	21–25 अक्टूबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	56
26.	मिजोरम सचिवालय सेवा के कनिष्ठ श्रेणी अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सह अनुभव (एक्सपोजर) दौरा कार्यक्रम	21–25 अक्टूबर, 2024	प्रो. सुरेश मिश्रा डॉ. सपना चड्डा	26
27.	वित्त विभाग, गया के सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों (एएओ) के लिए फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	4–8 नवंबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	64
28.	''नवनियुक्त सहायक अभियोजन अधिकारियों'' के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	4–8 नवंबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	88
29.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम (एससीईआरटी अधिकारी पटना) (एससीईआरटी, पटना द्वारा प्रायोजित)	18–22 नवंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	40
30.	''नवनियुक्त सहायक अभियोजन अधिकारियों'' के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	18–22 नवंबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	72
31.	''नवनियुक्त सहायक अभियोजन अधिकारियों'' के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	2–6 दिसंबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	93
32.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम अधिकारी (एससीईआरटी अधिकारी पटना) (एससीईआरटी, पटना द्वारा प्रायोजित)	2–6 दिसंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	45
33.	सहायक अनुभाग अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बीआईपीएआरडी, पटना द्वारा प्रायोजित)	2–6 दिसंबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	92
34.	लोक प्रशासन एवं शासन (गवर्नेंस) पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सह अनुभव (एक्सपोजर) दौरा (एसपीआईपीए द्वारा प्रायोजित)	9–13, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	50

35.	ओडिशा प्रशासनिक सेवा (ओएएस) अधिकारियों (डीआर-2021 बैच) के लिए लोक प्रशासन और शासन (गवर्नेंस) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सह अनुभव दौरा (गोपबंधु प्रशासन अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा प्रायोजित)	15-19 दिसंबर	डॉ. सुरभि पांडे	48
36.	लोक प्रशासन और शासन पर पुनश्चर्या (इंडक्शन) प्रशिक्षण कार्यक्रम (डीआर-2021 बैच) के लिए सह अनुभव दौरा (गोपबंधु प्रशासन अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा प्रायोजित)	6-10 जनवरी, 2025	डॉ. सुरभि पांडे	56
37.	बिहार सरकार के प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए तीसरा फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड द्वारा प्रायोजित)	27-31 जनवरी, 2025	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	51
38.	बिहार सरकार के प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए तीसरा फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड द्वारा प्रायोजित)	3-7 फरवरी, 2025	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	52
39.	गुजरात राजपत्रित सेवा (श्रेणी-II) राज्य के अधिकारियों को आधारभूत प्रशिक्षण (सरदार पटेल लोक प्रशासन संस्थान (एसपीआईपीए) द्वारा प्रायोजित)	17-21 फरवरी, 2025	डॉ. सुरभि पांडे	34
40.	बिहार सरकार के प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए तीसरा फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड द्वारा प्रायोजित)	24-28 फरवरी, 2025	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	98
41.	बिहार सरकार के प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए तीसरा फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड द्वारा प्रायोजित)	3-7 मार्च, 2025	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	95
42.	तकनीकी एवं प्रशासनिक अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम (आईएएसएसटी गुवाहाटी)	3-7 मार्च, 2025	प्रो. विनोद के शर्मा डॉ. पवन तनेजा	35
43.	बिहार सरकार के प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए तीसरा फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड द्वारा प्रायोजित)	17-21 मार्च, 2025	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	90

44.	ओएएस (डीआर-2021 बैच) के लिए लोक प्रशासन और शासन पर प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम सह अनुभव (एक्सपोजर) दौरा (गोपबंधु प्रशासन अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा प्रायोजित)	31 मार्च - 4 अप्रैल, 2025	डॉ. सुरभि पांडे	68
			कुल	**3494**

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम फेलो के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (ब्लॉक-स्तरीय प्रशिक्षण)

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	संकाय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	नवनियुक्त आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम फेलो (एबीपीएफ) के लिए ऑनबोर्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम (नीति आयोग द्वारा प्रायोजित)	3-5 अप्रैल, 2024	प्रो. अशोक विशनदास	43
2.	नवनियुक्त आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम फेलो (एबीपीएफ) बैच VIII के लिए ऑनबोर्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम (नीति आयोग द्वारा प्रायोजित)	11-13 नवंबर, 2024	प्रो. अशोक विशनदास	30

निबंध प्रतियोगिता

वर्ष 2024-25 के लिए निबंध प्रतियोगिता के विषय थे:

1. सरकार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता.
2. विकसित भारत- '2047 में भारत'
3. हाशिए पर पड़े लोगों के लिए सार्वजनिक नीति

कुल 17 निबंध (14 अंग्रेजी में और 3 हिंदी में) प्राप्त हुए, जिनका मूल्यांकन निर्णायक समिति द्वारा किया गया।

वार्षिक निबंध प्रतियोगिता 2024 के विजेता निम्नानुसार थे:

1. श्री आकाश गुप्ता को ''विकसित भारत- 2047 काभारत'' (हिंदी) विषय के लिए 10,000/- रुपये का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।
2. श्री सजल जैन (उर्फ राज बहादुर) को ''विकसित भारत- 2047 में भारत'' (अंग्रेजी) विषय के लिए 7,000/- रुपये का द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।
3. श्री सैयद मोहम्मद रागिब, पीएच.डी. को ''सरकार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता'' (अंग्रेजी) विषय के लिए 5,000/- रुपये का तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।
4. ''हाशिये पर पड़े लोगों के लिए लोक नीति'' निबंध पुरस्कार 2024 के विजेता के लिए किसी का चयन नहीं हुआ।

सभी निबंध विजेताओं (अंग्रेजी और हिंदी) को 4 नवंबर, 2024 को आयोजित वार्षिक आम निकाय (जनरल बॉडी) की बैठक में पुरस्कार दिए गए।

केस अध्ययन (स्टडी) कार्यक्रम

संस्थान उच्च गुणवत्ता वाले केस स्टडीज़ को बढ़ावा देने के लिए वार्षिक केस स्टडी पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन करता है, जिसका उपयोग शिक्षण/प्रशिक्षण के माध्यम से प्रारूप सीखने या स्व-शिक्षण के लिए किया जा सकता है।

वार्षिक निर्णय लेने/शिक्षण केस स्टडी प्रतियोगिता-2024 और आईआईपीए में 30 सितंबर,

2024 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए प्राप्त केस स्टडीज़ के आधार पर, 4 नवंबर, 2024 को आयोजित वार्षिक आम निकाय की बैठक में पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

मूल्यांकन के आधार पर, 10,000/- रुपये का प्रथम पुरस्कार डॉ. पूनम छानीवाल और डॉ. जी. हरिता को उनकी प्रविष्टि ''सर्कुलैरिटी एंड सस्टेनेबिलिटी इन एक्शन: द रिसाइक्लिंग वे'' के लिए संयुक्त रूप से प्रदान किया गया, 6000/- रुपये का द्वितीय पुरस्कार श्री राहुल गुप्ता, डॉ. गीता बजाज और डॉ. राहुल कुमार को उनकी प्रविष्टि ''बैटरी स्मार्ट: ईवी को सशक्त बनाते हुए आय में वृद्धि'' के लिए संयुक्त रूप से प्रदान किया गया और डॉ. तन्मय कुमार मिश्रा, डॉ. बिंदिया गुप्ता और डॉ. भूमिका अछनानी को उनकी प्रविष्टि ''द डार्क साइड: ए लुक एट इंडियाज़ एडटेक लैंडस्केप'' के लिए संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

बुनियादी ढांचे में सुधार

आईआईपीए एक प्रमुख संस्थान है जिसके परिसर में एक छात्रावास परिसर है जो प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों, जिनमें एपीपीपीए, इसके बाहरी सदस्य, अतिथि, प्रामाणिक शोधार्थी और शैक्षणिक संस्थानों व सरकारी विभागों के अधिकारी शामिल हैं, उसके लिए आवास और भोजन की व्यवस्था करता है। छात्रावास में 92 कमरे और 8 एपीपीपीए परिवार कक्ष (सुइट) हैं। छात्रावास के सभी कमरों में एसी, संलग्न शौचालय, गैस टरबाइन, इंटरकॉम और केबल टीवी की सुविधा है।

संस्थान की वित्तीय स्थिति

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा (अनुसूची 'क' में दर्शाए अनुसार, वर्ष 2024-25 के दौरान संस्थान की आय 44.22 करोड़ रुपये थी, जबकि व्यय 45.63 करोड़ रुपये था। 44.22 करोड़ रुपये की कुल आय में से, संस्थान को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार से 21.00 करोड़ रुपये का वेतन/सामान्य/पूंजीगत सहायता अनुदान प्राप्त हुआ था।

इस प्रकार, पिछले वर्ष से आगे लाए गए 04.24 लाख रुपये के संचयी घाटे को समायोजित करने के बाद, वर्ष के अंत में अनुसूची-'क' के अनुसार संचयी कमी 144.85 लाख रुपये है।

वर्ष के दौरान आंतरिक संसाधनों से कुल आय 23.22 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले वर्ष यह 19.39 करोड़ रुपये थी। 23.22 करोड़ रुपये की प्राप्तियों में मुख्यत: प्रशिक्षण शुल्क (18.43 करोड़ रुपये), शोध कार्यों से शुद्ध आय (95.69 लाख रुपये), उपयोगकर्ता शुल्क (4.23 करोड़ रुपये), प्रकाशनों की बिक्री (6.86 लाख रुपये) आदि शामिल थे। 45.63 करोड़ रुपये के कुल भुगतान में से, संस्थान का वेतन एवं भत्ता 14.08 करोड़ रुपये और पेन्शन 6.89 करोड़ रुपये थी। व्यय की अन्य प्रमुख मदें परिसर रखरखाव (4.69 करोड़ रुपये), प्रशासनिक एवं विविध व्यय (81.28 लाख रुपये), प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यय (9.98 करोड़ रुपये) थीं।

संस्थान को पूंजीगत प्रकृति की विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन हेतु सरकार से 5.50 करोड़ रुपये का अनुदान (पूंजीगत) भी प्राप्त हुआ, जिसके अंतर्गत कुल 8.05 करोड़ रुपये व्यय हुए। व्यय की मुख्य मदें थीं: अवसंरचना विकास कार्य/नवीनीकरण कार्य (775.50 लाख रुपये) और आईसीटी गतिविधियाँ (29.43 लाख रुपये)। संस्थान की विस्तृत वित्तीय स्थिति तुलन-पत्र (बैलेंस शीट) और आय-व्यय खाते में दी गई है।

महत्वपूर्ण आयोजन

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/व्याख्याता

संस्थान ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित सेमिनार/सम्मेलन/व्याख्यान/वेबिनार आयोजित किए:

49वें एपीपीपीए प्रतिभागियों का दीक्षांत समारोह

49वें उन्नत व्यावसायिक लोक प्रशासन कार्यक्रम (एपीपीपीए) का दीक्षांत समारोह 30 अप्रैल, 2024 को आईआईपीए के टीएनसी मेमोरियल हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर, श्री एस.डी शर्मा, संयुक्त सचिव, डीओपीटी और लेफ्टिनेंट जनरल अभय कृष्ण (सेवानिवृत्त) ने 49वें एपीपीपए के प्रतिभागियों को

लोक प्रशासन (पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और 48वें एपीपीपीए के प्रतिभागियों को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के माध्यम से एम.फिल. की उपाधि प्रदान की। आईआईपीए के महानिदेशक श्री एस. एन त्रिपाठी, आईआईपीए के कुलसचिव श्री अमिताभ रंजन, प्रो. वी.एन आलोक, डॉ. कुसुम लता, आईआईपीए संकाय और आईआईपीए के अधिकारी और एपीपीपए के प्रतिभागी दीक्षांत समारोह का अभिन्न अंग थे। डॉ. सचिन चौधरी कार्यक्रम निदेशक और डॉ. सपना चड्डा 49वें एपीपीपीए के कार्यक्रम सह-निदेशक थीं।

डॉ. बी.आर मेमोरियल व्याख्यान आयोजित

सामाजिक न्याय में डॉ. अंबेडकर चेयर, आईआईपीए ने 16 अप्रैल, 2024 को 16वें डॉ. बी.आर अंबेडकर मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया। विषय था विकासशील भारत @2047 को आकार देने के लिए डॉ. बी.आर अंबेडकर का दृष्टिकोण और विरासत। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति अरुण कुमार मिश्रा ने विशेष व्याख्यान दिया। प्रोफेसर नूपुर तिवारी कार्यक्रम समन्वयक थीं। आईआईपीए के कुलसचिव श्री अमिताभ रंजन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, एडीसी ने 1 अप्रैल, 2024 को 49वें एपीपीपीए के प्रतिभागियों और बीआईपीएआरडी, गया के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया।

वायु सेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएम, एडीसी ने 15 अप्रैल, 2024 को 49वें एपीपीपीए प्रतिभागियों को संबोधित किया।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय (एयूडी) के लिए कार्यशाला

डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय (एयूडी) द्वारा 'गंगा नदी चरण-II गंगा संवाद के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम' के अंतर्गत 29 मई, 2024 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। एक प्रत्यक्ष (वॉक-इन) फोटो प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। प्रो. वी.के. शर्मा और डॉ. श्यामली सिंह कार्यक्रम समन्वयक थे।

पचासवें एपीपीपीए पाठ्यक्रम का उद्घाटन

स्वर्ण जयंती (पचासवाँ) उन्नत व्यावसायिक लोक प्रशासन कार्यक्रम (एपीपीपीए) का उद्घाटन 1 जुलाई, 2024 को हुआ। एपीपीए पाठ्यक्रम, आईआईपीए द्वारा संचालित मध्य स्तर के सिविल सेवकों और रक्षा बल अधिकारियों के लिए भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा संचालित 10 महीने का कार्यक्रम है। इस बैच में ब्रिगेडियर, वायु और नौसेना के कमोडोर और अन्य सिविल सेवा अधिकारी शामिल हैं। पचासवें एपीपीपीए पाठ्यक्रम की निदेशक प्रो. नीतू जैन ने अतिथियों का परिचय कराया और सह-निदेशक डॉ. साकेत बिहारी ने 50वें एपीपीपीए का संक्षिप्त विवरण दिया। आईआईपीए के कुलसचिव श्री अमिताभ रंजन ने आईआईपीए का संक्षिप्त विवरण दिया। इस कार्यक्रम में 50वें एपीपीपीए के प्रतिभागियों, आईआईपीए के संकाय सदस्यों और अधिकारियों ने भाग लिया।

माननीय केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष विभाग राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेन्शन राज्य मंत्री और आईआईपीए कार्यकारी समिति के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह ने आईआईपीए का दौरा किया और 50वें एपीपीपीए के नए शामिल प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। यह बातचीत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई क्योंकि एपीपीपीए एपीपीपीए के 50वें वर्ष का जश्न मना रहा है जो 1975 से आईआईपीए में बिना रुके चल रहा है। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने स्वर्ण जयंती एपीपीपीए का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवारत अधिकारियों को प्रदान किए जाने वाले उन्नत पाठ्यक्रम उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने हेतु महत्वपूर्ण हैं जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री मोदी ने कल्पना की थी। सिविल सेवकों

के क्षमता निर्माण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा उन्होंने कहा कि अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए, सीखने की प्रक्रिया को बाधित नहीं किया जाना चाहिए और सीखने की प्रक्रिया को जारी रखना चाहिए तथा साथियों से सीखने को प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत रूप से वे स्वयं प्रत्येक दिन कुछ नया सीखने का प्रयास करते हैं। आईआईपीए के महानिदेशक श्री एस. एन. त्रिपाठी ने मंत्री महोदय के निरंतर मार्गदर्शन और सक्रिय नेतृत्व के लिए उनका आभार व्यक्त किया। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) डॉ. नीला मोहनन, आईएएस भी इस अवसर पर उपस्थित थीं। आईआईपीए के कुलसचिव श्री अमिताभ रंजन ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और कार्यक्रम का संचालन किया।

मेरा युवा भारत (माय भारत) पोर्टल पर कार्यशाला

5 जुलाई, 2024 को मेरा युवा भारत (MY Bharat) पोर्टल पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसे युवा मामले विभाग, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम ''माय भारत (MY Bharat)'' से परिचित कराना था। डॉ. साकेत बिहारी ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

आदिवासी युवाओं को नए युग के कौशल से सशक्त बनाने पर कार्यशाला

एनटीआरआई/आईआईपीए ने आदिवासी युवाओं को आधुनिक कौशल से सशक्त बनाने पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार, अटल इनक्यूबेशन सेंटर (आरएमपी), एनसीवीईटी और एमएसएमई के विशेषज्ञों और चिकित्सकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री निरुपम चकमा ने उद्घाटन भाषण दिया। कार्यक्रम में लगभग 300 विद्वानों/पेशेवर लोगों ने भाग लिया। प्रो. नूपुर तिवारी ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

आईआईपीए में राष्ट्रीय सम्मेलन और केस स्टडी समापन-2024 का आयोजन

वर्ष 2024 के लिए पहला राष्ट्रीय सम्मेलन और केस स्टडी समापन 30 सितंबर, 2024 को आईआईपीए में आयोजित किया गया था। पचास से अधिक प्रतिभागियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। डॉ. प्रकाश सिंह, प्रोफेसर, वित्त और लेखा, आईआईएम, लखनऊ, डॉ. रवि कुमार जैन, निदेशक, प्रोफेसर, वित्त और रणनीति, स्पर्श ग्लोबल बिजनेस स्कूल, ग्रेटर नोएडा और डॉ. अमरजीत कौर, प्रोफेसर, लेखा, डीन, वाणिज्य संकाय और प्रबंधन निदेशक- जेंडर स्टडीज सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, गुरुग्राम विश्वविद्यालय प्रख्यात वक्ता थे। प्रस्तुत केस स्टडी के विषय वित्त और बैंकिंग सेवाएं, फिनटेक; मार्केटिंग/ब्रांडिंग: एचआरडी/नेतृत्व/एलएंडडी: डेटा साइंस: उद्यमिता/स्टार्ट-अपय पारिवारिक व्यवसाय; सप्लाई चैन और लॉजिस्टिक; रणनीति/नीति; कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व; सामाजिक शासन; डिजिटल परिवर्तन, लोक प्रशासन; लोकनीति; लोकसेवा वितरण थे, डॉ. श्वेता मित्तल ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने 24 सितंबर, 2024 को आईआईपीए में 50वें एडवांस्ड प्रोफेशनल प्रोग्राम इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एपीपीपीए) कोर्स के लिए मुख्यालय द्वारा आयोजित रक्षा अभिविन्यास कैप्सूल में तीनों सेनाओं के वरिष्ठ नेतृत्व को संबोधित किया। सशस्त्र बलों में परिवर्तनकारी सुधारों की आवश्यकता पर जोर देते हुए, सीडीएस ने एक सुसंगत और प्रभावी बल संरचना प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहलुओं के रूप में जॉइंटनेस 2.0 और इंटीग्रेशन 2.0 पर जोर दिया। उन्होंने भविष्य के युद्धों की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों को भविष्य के लिए तैयार करने के विजन 2047 पर प्रकाश डाला।

जलवायु स्मार्ट गवर्नेंस के लिए कार्यशाला की शुरुआत (सिक्किम)

आईआईपीए ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सिक्किम सरकार और भूमि राजस्व और आपदा प्रबंधन, एसएसडीएमए, सिक्किम सरकार के सहयोग

से 30 सितंबर, 2024 को गंगटोक में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जलवायु स्मार्ट गवर्नेंस के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम परियोजना के तहत एक प्रारंभिक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री नम्रता थापा, आईएएस, सचिव-सह-राहत आयुक्त, भूमि राजस्व और आपदा प्रबंधन थीं। आईआईपीए की संकाय डॉ. श्यामली सिंह ने परियोजना की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। एसएसडीएमए के उपाध्यक्ष और आईआईपीए में वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. विनोद के. शर्मा ने जलवायु स्मार्ट गवर्नेंस पर एक व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में डीएसटी-सिक्किम के प्रधान निदेशक श्री धीरेन जी. श्रेष्ठ भी उपस्थित थे, जिन्होंने सिक्किम की जलवायु चुनौतियों के बारे में बात की। सरकारी विभागों और अनुसंधान संस्थानों के लगभग 35 प्रतिभागियों ने कृषि एवं वानिकी, पर्यटन और जल क्षेत्रें में जलवायु चुनौतियों को समझने के लिए प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण में भाग लिया।

जलवायु स्मार्ट गवर्नेंस के लिए कार्यशाला की शुरुआत (एमपी)

आईआईपीए ने पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (ईपीसीओ), मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से 22 अक्टूबर, 2024 को भोपाल में भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित परियोजना ''जलवायु स्मार्ट गवर्नेंस के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' के अंतर्गत एक प्रारंभिक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव त्रिपाठी थे। ईपीसीओ के मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी श्री लोकेंद्र ठक्कर ने स्वागत भाषण दिया। आईआईपीए के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. विनोद के. शर्मा ने जलवायु स्मार्ट गवर्नेंस पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। आईआईपीए की संकाय डॉ. श्यामली सिंह ने परियोजना की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला और मध्य प्रदेश में जलवायु गवर्नेंस पर एक विश्लेषण प्रस्तुत किया। कृषि, ऊर्जा और जल के क्षेत्रें में जलवायु चुनौतियों को समझने के लिए प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण में विभिन्न सरकारी विभागों और अनुसंधान संस्थानों के लगभग 39 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

क्लाउड नेविगेशन : एक आवश्यक सुरक्षा रोडमैप पर सम्मेलन

13 नवंबर, 2024 को ''नेविगेटिंग द क्लाउड: एन एसेंशियल सिक्योरिटी रोडमैप'' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसे एडब्ल्युएस क्लाउड इंडिया द्वारा प्रायोजित किया गया था। लेफ्टिनेंट जनरल एम.यू. नायर, एनसीएससी प्रमुख, सुश्री अरुलमोजीसेल्वी, न्यायाधीश, ई-कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय, एनसीआईआईपीसी, आई4सी, एमएचए, इलेक्ट्रॉनिक सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), सीबीआई, आईआरएस, पीएसयू, एसएसबी, रक्षा अधिकारी और वरिष्ठ सिविलसेवकों ने कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. सुरभि पांडे ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत जिला गंगा योजना की तैयारी के लिए आईआईपीए द्वारा 28 नवंबर, 2024 को दो दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय अधिवेशन-IV

19-20 दिसंबर, 2024 के दौरान 'विकसित भारत@2024 के विकास चालक: अमृत काल विजन' पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय अधिवेशन-IV का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का माननीय केंद्रीय मंत्री और आईआईपीए के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह ने उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान, उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा, ''आप केवल प्रशासक नहीं हैं; आप हमारे भविष्य के निर्माता हैं। विकसित भारत@2024 का विजन आपके कंधों पर है''। उन्होंने आगे कहा, ''आइए हम सब मिलकर एक ऐसे भारत का निर्माण करें जो न केवल विकसित हो बल्कि समावेशी, टिकाऊ और हर मायने में वैश्विक नेता हो। कार्यक्रम के दौरान, माननीय केंद्रीय मंत्री ने आईआईपीए के दो प्रकाशनों का विमोचन भी किया। एस.एन त्रिपाठी और नीतू जैन द्वारा जन केंद्रित शासन- एक भारतीय

परिप्रेक्ष्य और एस.एन त्रिपाठी और वी.के शर्मा द्वारा लोक प्रशासन- परंपराएँ और सुधार।

दूरसंचार विनिर्माण के रूप में भारत के मूल्यांकन और ब्रांड निर्माण पर कार्यशाला

दूरसंचार विनिर्माण एवं सेवा गंतव्य एवं योजना के रूप में भारत के मूल्यांकन एवं ब्रांड निर्माण पर 23 दिसंबर, 2024 को एक राष्ट्रीय हितधारक परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य दूरसंचार क्षेत्र में निवेश, रोजगार और तकनीकी प्रगति पर योजना के प्रभाव पर चर्चा करने हेतु प्रमुख हितधारकों को एक मंच पर लाना था। यह कार्यशाला सफलता की कहानियों को दर्ज करने, लाभार्थियों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने और भविष्य में सुधार हेतु प्रतिक्रिया एकत्र करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। डॉ. पवन के. तनेजा कार्यक्रम समन्वयक थे।

विकासशील भारत/2047 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः कल्याण से उद्यमशीलता तक राज्य की भूमिका

आईआईपीए के सामाजिक न्याय विभाग में डॉ. अंबेडकर पीठ ने 23 से 24 दिसंबर, 2024 तक ''विकसित भारत@2024: कल्याण से उद्यमिता तक राज्य की भूमिका'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में समावेशी विकास, शासन, नीतिगत भागीदारी, महिला पहल, सार्वजनिक-निजी उद्यमी, कौशल विकास और संबंधित क्षेत्रों जैसे विषयों और उप-विषयों पर केंद्रित 50 से अधिक उच्च-गुणवत्ता वाले शोध प्रस्तुतियाँ प्राप्त हुई। प्रो. नूपुर तिवारी ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

कार्यस्थल रोस्टर और सेवाओं में आरक्षण पर कार्यक्रम

संसदीय प्रक्रियाओं, प्रश्नों एवं आश्वासनों, अनुशासनात्मक नियमों एवं प्रक्रियाओं, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, रोस्टर और सेवाओं में आरक्षण पर 20-21 जनवरी, 2025 को एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसे राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास अकादमी द्वारा प्रायोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव के साथ जोड़ना था, जिससे प्रतिभागियों को शासन के इन महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रभावी ढंग से समझने के लिए आवश्यक उपकरण और अंतर्दृष्टि प्रदान की जा सके। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुरभि पांडे थीं।

जलवायु स्मार्ट गवर्नेंस के लिए कार्यशाला की शुरुआत

गुजरात आपदा प्रबंधन संस्थान (जीआईडीएम), गुजरात सरकार के सहयोग से जलवायु स्मार्ट शासन हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम परियोजना के अंतर्गत 30 जनवरी, 2025 को एक प्रारंभिक कार्यशाला का आयोजन गांधीनगर में किया गया। इसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था। जीआईडीएम के निदेशक (आपदा प्रबंधन) श्री निसर्ग दवे ने गुजरात में वर्तमान जलवायु रुझानों पर एक व्याख्यान दिया। प्रो. विनोद के. शर्मा ने जलवायु स्मार्ट गवर्नेंस पर अपने विचार साझा किए। डॉ. श्यामली सिंह ने परियोजना की पृष्ठभूमि और परियोजना में की गई पहलों पर प्रकाश डाला। राज्य में कृषि, ऊर्जा और जल के क्षेत्रों में जलवायु चुनौतियों को समझने के लिए प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण में विभिन्न सरकारी विभागों और अनुसंधान संस्थानों के लगभग 29 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

इमर्सिव लर्निंग कार्यशाला (वर्कशॉप)

आईआईपीए ने 25 फरवरी, 2025 को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित ''जलवायु स्मार्ट शासन हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' परियोजना के अंतर्गत एक इमर्सिव लर्निंग वर्कशॉप का आयोजन किया। आईआईपीए के महानिदेशक श्री सुरेंद्र नाथ त्रिपाठी ने अध्यक्षीय भाषण दिया, जिसमें व्यवस्थित सोच पर डिजाइन सोच के महत्व पर जोर दिया, शासन में लोगों पर केंद्रित दृष्टिकोण की वकालत की। भारत-अमेरिका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंच की कार्यकारी निदेशक डॉ.

निशा मेंदीरत्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में भाषण दिया, और जिसमें प्रतिभागियों को शासन को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर जानकारी दी और विकेन्द्रीकृत नीति योजनाओं की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. श्यामली सिंह ने क्लाइमेट स्मार्ट गवर्नेंस इन एक्शन: माइलस्टोन्स, इम्पैक्ट, एंड "यूचर पाथवेज पर एक सत्र का संचालन किया। प्रो. विनोद के. शर्मा ने वैश्विक जलवायु-स्मार्ट पहलों में भारत की स्थिति पर अपनी विशेषज्ञता साझा की और जलवायु चुनौतियों से निपटने में भारत की भूमिका पर एक तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया। आईआईपीए के कुलसचिव, श्री अमिताभ रंजन ने समापन भाषण दिया, जिसमें उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त खामियों और बाधाओं को उजागर किया और इन चुनौतियों से निपटने के उद्देश्य से सरकार की जलवायु-अनुकूल पहलों पर चर्चा की। कार्यशाला में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के 27 प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की, जिससे जलवायु चुनौतियों और शासन एवं नीतिगत सुधारों के माध्यम से प्रभावी समाधानों की आवश्यकता पर चर्चा हुई।

आईआईपीए ने आईआईपीए के महानिदेशक श्री एस.एन त्रिपाठी (आईएएस) के नेतृत्व में ''गंगा संरक्षण: शिक्षकों की भूमिका'' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। मास्टर प्रशिक्षकों के लिए इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्देश्य निर्मल गंगा और अविरल गंगा के लिए परिवर्तन लाने में शिक्षकों को सशक्त बनाना था। इस सत्र में जल संरक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और एमएल की भूमिका और सतत जल प्रबंधन हेतु संस्थानों में लचीलापन निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

आईआईपीए के 71वें संस्थापक दिवस पर चौथा डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्मृतिव्याख्यान

71वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान ने 29 मार्च, 2025 को चतुर्थ डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया। माननीय केंद्रीय मंत्री और आईआईपीए के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। केंद्रीय मंत्री ने आईआईपीए परिसर में अपने आगमन पर महात्मा गांधी और सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। आईआईपीए के महानिदेशक, श्री एस.एन त्रिपाठी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। 'अंत्योदय से सर्वोदय: समानता का राजमार्ग' विषय पर स्मारक व्याख्यान देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने यह सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया कि गवर्नेंस अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, जो अंत्योदय के वास्तविक बोध को साकार करता है। श्री अमिताभ रंजन ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रत्यक्ष बिक्री और उपभोक्ता संरक्षण के मुद्दों, चिंताओं और चुनौतियों पर कार्यशाला

आईआईपीए स्थित उपभोक्ता अध्ययन केंद्र ने 12 मार्च, 2025 को प्रत्यरक्ष बिक्री (डायरेक्ट सेलिंग) और उपभोक्ता संरक्षण के मुद्दे, चिंताएँ और चुनौतियाँ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला डायरेक्ट सेलिंग टुडे, दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई थी। कार्यशाला का उद्देश्य प्रत्यक्ष बिक्री संस्थाओं पर लागू वर्तमान कानूनी और नियामक परिवेश की समझ विकसित करना और उपभोक्ता विश्वास निर्माण में सुदृढ़ शिकायत निवारण तंत्र की भूमिका को समझना था। डॉ. सपना चड्डा और प्रो. सुरेश मिश्रा कार्यक्रम समन्वयक थे।

नमामि गंगे कार्यक्रम

आईआईपीए ने 19 मार्च, 2025 को नमामि गंगे के तहत आईआईटी रुड़की ग्रेटर नोएडा परिसर में ''पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी)'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

20 मार्च, 2025 को नमामि गंगे और वीआईपीएस इंजीनियरिंग के सहयोग से आईआईपीए द्वारा जलवायु कार्रवाई, एआई, एसडीजी और जल प्रबंधन (आईसीएएसडब्ल्यू) को एकीकृत करने पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था।

संस्थान के विशिष्ट आगंतुक

आईआईपीए के महानिदेशक श्री एस.एन त्रिपाठी ने 9 अप्रैल, 2024 को नेशनल एकेडमी ऑफ गवर्नेंस के सिविल सर्विस स्कूल के डीन प्रोफेसर बैगल दोरज और सार्वजनिक क्षेत्र नवाचार कार्यालय, मंगोलिया के समन्वयक, उंद्रम बत्साइखान का स्वागत किया।

आईआईपीए ने 10 अप्रैल, 2024 को अमेरिकी राष्ट्रीय युद्ध महाविद्यालय, जो एक प्रमुख अमेरिकी थिंक टैंक है और रक्षा रणनीति एवं नीति निर्माण के क्षेत्र में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, अमेरिकी सेना का एक अंग है, के प्रतिनिधियों का स्वागत और आतिथ्य किया। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व मेजर सर्गेईवी. लेवोच्किन, उपप्रमुख, रक्षा सहयोग कार्यालय, यूएसए दूतावास, नई दिल्ली ने किया। प्रतिनिधि मंडल के साथ श्री एस.एन. त्रिपाठी, महानिदेशक आईआईपीए, श्री अमिताभ रंजन, रजिस्ट्रार आईआईपीए, डॉ. सुरभि पांडे, आईआईपीए संकाय और श्री मिथुनबरुआ, उपरजिस्ट्रार आईआईपीए उपस्थित थे।

मॉरीशस के एक प्रतिनिधिमंडल ने 24 सितंबर, 2024 को आईआईपीए का दौरा किया, जिसमें लोक सेवा सचिव श्री के. कोन्हे, सार्वजनिक क्षेत्र व्यवसाय परिवर्तन ब्यूरो के निदेशक श्री एस. रामगुलाम और मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक श्री एस.डी जन्नू शामिल थे। इस चर्चा में भारत और मॉरीशस में लोक प्रशासन व्यीवहार (प्रैक्टिसेस) के साथ-साथ सरकारी अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु संभावित सहयोग पर केंद्रित रही। श्री अमिताभ रंजन, कुलसचिव ने इस यात्रा का समन्वय किया।

9 अक्टूबर, 2024 को, मंगोलिया के राजदूत महामहिम श्री अतुल मल्हारी गोत्सुरे ने आईआईपीए के महानिदेशक श्री सुरेंद्र नाथ त्रिपाठी और संकाय सदस्य प्रो. विनोद के. शर्मा से मुलाकात की और सिविल सेवकों की क्षमता निर्माण के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। आईआईपीए के प्रतिनिधियों ने मंगोलिया की राष्ट्रीय शासन अकादमी द्वारा आयोजित ''लोक प्रशासन परंपरा और सुधार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' में भी सहभागिता की।

जर्मनी के बवेरियन संसद सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल ने 11 फरवरी, 2025 को आईआईपीए का दौरा किया। प्रो. वी.एन. आलोक ने इस दौरे का समन्वय किया।

शैक्षणिक केंद्र/चेयर्स

प्रत्येक शैक्षणिक केंद्र में अध्ययन के संबंधित क्षेत्र में रुचि, अनुभव और विशेषज्ञता रखने वाले संकाय सदस्यों का एक समूह होता है, जो समय-समय पर (क) अपने-अपने अनुसंधान और प्रशिक्षण क्षेत्रों में कार्य की वार्षिक योजना तैयार करता है और उसकी आवधिक समीक्षा करता है; (ख) व्यक्तिगत कार्य योजनाओं पर चर्चा, समन्वय और समीक्षा करता है; (ग) सदस्यों के शैक्षणिक संपर्क और व्यावसायिक विकास के लिए एक मंच के रूप में कार्य करताहै; और (घ) अंत: विषय गतिविधियों को बढ़ावा देने में अन्य शैक्षणिक समूहों के साथ समन्वय करते हैं। केंद्र समन्वयक महानिदेशक द्वारा नामित किए जाते हैं। संस्थान की सीमित वित्तीय स्थिति के कारण प्रत्येक शैक्षणिक केंद्र को अपनी गतिविधियों के लिए वित्तीय संसाधनों की तलाश करनी पड़ती है। 31 मार्च, 2025 तक शैक्षणिक केंद्रों की सदस्यता संरचना अनुलग्नक एफ.4 में दर्शाई गई है।

आईआईपीए के विभिन्न संकायों (आईआईपीए में किए गए प्रशिक्षण और अनुसंधान के अलावा) के शैक्षणिक योगदान का विवरण अनुलग्नक एफ.5 में दिया गया है।

शहरी अध्ययन केंद्र

अनुलग्नक एफ.9 के अनुसार

पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन केंद्र की गतिविधियाँ 2024-2025

आईआईपीए में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन प्रशासन के लिए एक पूर्ण केंद्र है तथा इसमें जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय घटनाओं से संबंधित क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित करने की विशेषज्ञता है।

अनुसंधान परियोजनाएँ

क्र.सं.	परियोजना का नाम	परियोजना समन्वयक	अवधि
1.	गंगा नदी चरण-II के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम	प्रो. विनोद के. शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	अगस्त 2023- मार्च 2026
2.	जलवायु स्मार्ट गवर्नेंस के लिए नया क्षमता निर्माण कार्यक्रम	डॉ. श्यामली सिंह	जुलाई 2024- मार्च 2027

जलवायु स्मार्ट गवर्नेंसके लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम
कार्यक्रम समन्वयक: डॉ. श्यामली सिंह

प्रारंभिक कार्यशाला	1	गंगटोक, सिक्किम - 30 सितंबर 2024
	2	भोपाल, मध्य प्रदेश - 22 अक्टूबर 2024
	3	गांधीनगर, गुजरात - 30 जनवरी 2025
	कुल = 3	
इमर्सिव लर्निंग वर्कशॉप	कुल = 1	आईआईपीए, नई दिल्ली - 25 फरवरी 2025
संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	कुल = 2	गंगटोक, सिक्किम - 10 से 12 मार्च 2025
		भोपाल, मध्य प्रदेश - 25 से 27 मार्च 2025

कार्यशालाएँ/सम्मेलन

कार्यशाला/सम्मेलन का नाम	कार्यक्रम समन्वयक	दिनांक
जलवायु कार्रवाई, एआई, एसडीजी और जल प्रबंधन का एकीकरण (आईसीएएसडब्ल्यू) (2-दिन)	प्रो. विनोद के. शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	19-20 मार्च , 2025

प्रकाशन

पुस्तकें

1. सिंह, एस., शर्मा, वी.के., शर्मा, के., दुआ, एस. और कुलसुम, एम. (2024)। वाराणसी के घाटों पर यात्रा: गंगा के पवित्र जल के किनारे एक रहस्यमय यात्रा। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली।
2. सिंह, एस., शर्मा, वी.के., शर्मा, के., और दुआ, एस. (2024). राजधानी के प्रदूषण संकट की व्याख्या. भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली.

जर्नल लेख/पत्र

3. एस. सिंह , एस. रस्तोगी, ए. सिंह ''आर्कटिक महासागर क्षेत्र में भारत के लिए चुनौतियां और अवसर'', सेज जर्नल्स, 19 मई, 2025.

सम्मेलन पत्र

4. ''सामाजिक वकालत और जलवायु कार्रवाई का एकीकरण: प्रशासनिक दृष्टिकोण का भविष्य'' आईआईएएस-डीएआरपीजी सम्मेलन 2025 में प्रस्तुत- 10-14 फरवरी, 2025.
5. ''देहरादून में वायु गुणवत्ता के रुझानों का आकलन (2021-2024) जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन रणनीतियों के लिए अंतर्दृष्टि'' जलवायु कार्रवाई, एआई, एसडीजी और जल प्रबंधन (आईसीएएसडब्ल्यू) सम्मेलन में प्रस्तुत- 19-20 मार्च, 2025.
6. ''लैंगिक, जल की कमी और नीति: भारत के जल प्रशासन और विकास में समावेशिता की भूमिका का आकलन'' जलवायु कार्रवाई, एआई, एसडीजी और जल प्रबंधन (आईसीएएसडब्ल्यू) सम्मेलन में प्रस्तुत- 19-20 मार्च, 2025.

सामाजिक न्याय में डॉ. अम्बेडकर चेयर
< गतिविधियों की सूची >

शोध अध्ययन		
क्र. सं.	**अनुसंधान परियोजना**	**संक्षिप्त**
1.	सामाजिक न्याय के साथ एससी के सदस्यों के लिए सतत विकास की चुनौतियाँ और संभावनाएँ (क्षेत्र-आधारित (दीर्घकालिक)	यह अध्ययन भारत में अनुसूचित जातियों की स्थिति का सामान्य जनसंख्या के साथ अनुसूचित जातियों के विकास के संबंध में छह मापदंडों: शैक्षिक स्थिति, विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व, गरीबी की व्यापकता, आर्थिक स्थिति, भूमि की उपलब्धता और सामाजिक अक्षमता पर विश्लेषण करता है।
2.	अबूझमाड़िया: पीवीटीजी सामाजिक परिवर्तन और समावेशी विकास	इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना, वर्णन करना और विश्लेषण करना है कि अबूझमाड़िया जनजाति, जो भारत में सबसे अलग-थलग और कमजोर जनजातीय समूहों में से एक है, अपने अधिकारों और संस्कृति का सम्मान करते हुए और अपने पर्यावरण को संरक्षित करते हुए अपनी आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने वाला सतत विकास कैसे प्राप्त कर सकती है।
3.	आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलवादियों/वामपंथी उग्रवादियों का पुनर्वास और पुन: एकीकरण: नीतियां, चुनौतियां और सामाजिक न्याय	यह शोध सामाजिक न्याय के बहुआयामी पहलुओं का गहन अध्ययन करने का प्रयास करता है, क्योंकि ये आत्मसमर्पण करने वाले वामपंथीउग्रवादियों के पुनर्वास की प्रक्रिया से संबंधित हैं। इन व्यक्तियों केअनुभवों और चुनौतियों का अध्ययन करके, हमारा उद्देश्य भारत में सामाजि कन्याय के व्यापक विमर्श पर प्रकाश डालना है। साथ-साथ ही, विभिन्न राज्य सरकारों के समर्पण और पुनर्वास कार्यक्रमों और नीतियों पर भी प्रकाश डालना है।
4.	त्रिपुरा राज्य में जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभाव का आकलन करने के लिए एनबीसीएफडीसी की योजनाओं का लाभार्थियों का निरीक्षण और मूल्यांकन अध्ययन।	यह अध्ययन उन लाभार्थियों पर केंद्रित है जिन्हें वर्ष 2018-19 से 2021-22 तक एनबीसीएफडीसी की योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त हुआ था। इस अध्ययन में विभिन्न जनसांख्यिकी और ऋण आकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्देश्यपूर्ण नमूने के माध्यम से 400 लाभार्थियों का चयन किया गया था। अध्ययन में उन लाभार्थियों की 40 से अधिक सफलता की कहानियों का भी दस्तावेजीकरण किया गया है, जिन पर ऋण धनराशि प्राप्त होने के बाद सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और जिन्होंने स्थायी आजीविका स्थापित की है। अध्ययन में लाभार्थियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर एससीए स्तर पर सिफारिशें भी दी गई हैं, जिनमें उन क्षेत्रों और सेक्टरों पर प्रकाश डाला गया है जहाँ भविष्य में कुछ सुधारात्मक उपाय लागू किए जा सकते हैं।
5.	सिक्किम सरकार द्वारा कमीशन की गई नेवार्स पर नृवंशविज्ञान रिपोर्ट (2025)	सिक्किम सरकार ने अपने समाज कल्याण विभाग, सिक्किम सरकार द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 59/SWD/ADM/2024 दिनांकित 04/11/2024 के तहत सिक्किम राज्य उच्च स्तरीय समिति (एसएसएचएलसी) का गठन किया है। आईआईपीए की अध्यक्ष प्रोफेसर, प्रो. नूपुर तिवारी, एसएसएचएलसी की सदस्यों में से एक हैं। एक महत्वपूर्ण अधिदेश के साथ, उच्च-स्तरीय समिति को एक व्यापक नृवंशविज्ञान रिपोर्ट विकसित करने और तीन महीने की समय-सीमा के भीतर कार्रवाई योग्य सिफारिशें प्रस्तुत करने का दायित्व सौंपा गया था।

डॉ. अम्बेडकर चेयर की गतिविधियाँ

क्र. सं.	गतिविधि का नाम	प्रकार	दिनांक
1.	माननीय न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा, अध्यक्ष एनएचआरसी द्वारा ''2047 में विकसित भारत के निर्माण हेतु डॉ. बी.आर अंबेडकर का दृष्टिकोण और विरासत'' विषय पर 16वां डॉ. अंबेडकर स्मारक व्याख्यान	स्मारक व्याख्यान	16 अप्रैल 2024
2.	नए युग के कौशल से युवाओं को सशक्त बनाने पर कार्यशाला	कार्यशाला	30 जुलाई 2024
3.	स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों के लिए ''एससी एवं एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989'' पर जागरूकता कार्यशाला	कार्यशाला	07 अगस्त 2024
4.	प्रौद्योगिकी का उपयोग करके लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन	सम्मेलन	12 और 13 सितंबर 2024
5.	धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और विरासत पर व्याख्यान	व्याख्यान	20 नवंबर 2024
6.	संविधान दिवस समारोह (अपने संविधान को जानें पर व्याख्यान, पैनल चर्चा, प्रश्नोत्तरी और भाषण)	व्याख्यान और पैनल चर्चा	26 नवंबर 2024
7.	विकसित भारत @2047: कल्याण से उद्यमिता तक राज्य की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	सम्मेलन	23 और 24 दिसंबर 2024
8.	वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों के 250 युवाओं का शैक्षिक दौरा- अपना संविधान जानें पर प्रश्नोत्तरी और हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान पर भाषण	शैक्षिक यात्रा	07 जनवरी 2025
9.	''हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान'' पर जागरूकता सत्र और निबंध लेखन	जागरूकता सत्र	25 फरवरी 2025
10.	महिला-नेतृत्व विकास: विकसित भारत 2047 का एक प्रमुख स्तंभ	पैनल चर्चा	07 मार्च 2025
11.	विमुक्त जनजातियों, अर्ध-खानाबदोश जनजातियों और खानाबदोश जनजातियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन	सम्मेलन	24 और 25 मार्च 2025
12.	माननीय डॉ. न्यायमूर्ति विद्युत रंजन सारंगी, सदस्य, एनएचआरसी द्वारा 17वां डॉ. बी.आर अंबेडकर मेमोरियल व्याख्यान	वार्षिक अम्बेडकर स्मारक व्याख्यान	17 अप्रैल 2025

प्रकाशन

क्र. सं.	पुस्तक का नाम	प्रकाशक	आईएसबीएन नं.
1.	डॉ. बी.आर. अंबेडकर की विरासत: महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता	कॉन्सेप्ट पब्लिकेशन्स	9363442924/ 9789363448426
2.	डॉ. अम्बेडकर की सामाजिक न्याय की अवधारणा: हाशिए पर पड़े समुदायों का समावेशी विकास	रिसर्च इंडिया प्रेस	978-93-48309-57-0/9789348309570
3.	डॉ. बी.आर. अंबेडकर और सामाजिक न्याय के लिए उनकी खोज	कनिष्क पब्लिशर्स	978-81-972077-3-0/9788197207730
4.	लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण और स्वदेशी लोगों की स्थिति: हाशिये से मुख्य धारा तक	कॉन्सेप्ट पब्लिकेशन्स	9363446018/978-9363446014
5.	अम्बेडकर के सामाजिक न्याय के विचारों और अवधारणाओं का मानचित्रण	कनिष्क पब्लिशर्स	97881-972077-5-4/ 9788197207754

प्रशासनिक और कार्मिक मामले

क. नियुक्तियाँ/सेवा विस्तार (अनुबंध के आधार पर)

1. डॉ. अमित कुमार सिंह को दिनांक 28.10.2024 से एक वर्ष की अवधि के लिए पूर्णत: अनुबंध के आधार पर शहरी विकास के सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया गया है।
2. प्रोफेसर अशोक कुमार विशनदास को दिनांक 04.11.2024 से एक वर्ष की अवधि के लिए पूर्णत: अनुबंध के आधार पर अर्थशास्त्र/अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया गया है।
3. प्रोफेसर सुरेश मिश्रा को दिनांक 03.01.2025 तक एक वर्ष की अवधि के लिए पूर्णत: अनुबंध के आधार पर लोक प्रशासन के प्रोफेसर (उपभोक्ता मामलों में विशेषज्ञता के साथ) के पद पर नियुक्त किया गया है।
4. डॉ. श्वेता मित्तल, सहायक संकाय की नियुक्ति की अवधि दिनांक 07.11.2024 से एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दी गई है।
5. श्री सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, आईएएस (सेवानिवृत्त) की महानिदेशक, आईआईपीए के रूप में पुनर्नियोजन के आधार पर नियुक्ति की अवधि दिनांक 01.02.2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए या किसी नियमित पदाधिकारी के कार्यभार ग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दी गई है।
6. श्री ओ.पी. चावला, उप कुलसचिव (वित्त एवं प्रशासन) की नियुक्ति की अवधि दिनांक 01.02.2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दी गई है।
7. श्री के.एस. रंगा, कार्यकारी अभियंता, अनुबंधा के आधार पर नियुक्ति की अवधि दिनांक 14.02.2025 से एक वर्ष के लिए बढ़ा दी गई है।
8. सुश्री राखी बख्शी, संचार सलाहकार (अंशकालिक) का अनुबंध आधार पर कार्यकाल 14.01.2025 से एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है।
9. आपदा प्रबंधन के प्रोफसर प्रो. वी.के. शर्मा का कार्यकाल दिनांक 1.03.2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है।
10. शहरी विकास के प्रोफेसर प्रो. के.के. पांडे का कार्यकाल दिनांक 1.03.2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है।
11. डॉ. विकास सिंह, सहायक संकाय की नियुक्ति की अवधि दिनांक 13.02.2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दी गई है।
12. श्री हुकमचंद यादव, पुस्तकालयाध्यक्ष की नियुक्ति अवधि 24.05.2025 तक एक वर्ष के लिए बढ़ा दी गई है।

ख. परिवीक्षा अवधि पूर्ण

1. श्रीमती अलका जिंदल, सहायक कुलसचिव, वेतन मैट्रिक्स स्तर 9, 53100-167800 रुपये, ने दिनांक 22.09.2024 से एक वर्ष की परिवीक्षा पूरी/अनुमोदित कर ली है।

ग. निम्नलिखित कर्मचारी सदस्य संस्थान की सेवाओं से अधिवर्षिता पर सेवा निवृत्त हुए।

1. श्री मदन मोहन ढौंडियाल, सहायक, दिनांक 30.04.2024
2. श्री धर्म वीर, पुस्तकालय लिपिक, दिनांक 30.04.2024
3. श्री राम जगत, माली, दिनांक 31.07.2024
4. श्री राजेंद्र कुमार, एमटीएस, दिनांक 31.10.2024 को
5. श्री महेश्वर सिंह बिष्ट, अधीक्षक, दिनांक 31.01.2025
6. श्री दिलीप कोहले, यूडीसी, दिनांक 31.03.2025 को

घ. महानिदेशक/संकाय/वरिष्ठ अधिकारियों का विदेश दौरा

1. श्री सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, महानिदेशक आईआईपीए और प्रोफेसर वी.के शर्मा, आपदा प्रबंधन के प्रोफेसर,

उलानबटार में शताब्दी समारोह की गतिविधियों और राष्ट्रीय शासन अकादमी (एनएओजी), मंगोलिया में आयोजित ''लोक प्रशासन की परंपराएँ और सुधाार: मंगोलियन मार्ग और अंतर्राष्ट्रीय अनुभव'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए 8 से 14 अक्टूबर, 2024 तक मंगोलिया का दौरा किया। इस सम्मेलन का सारा खर्च आयोजकों द्वारा वहन किया गया और आईआईपीए पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ा।

2. श्री अमिताभ रंजन, कुलसचिव ने सीआईएस की 10वीं वर्षगांठ और भारत 2047 विकसित भारत और वियतनाम 2045 के दृष्टिकोण के लिए वियतनाम-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए वियतनाम का दौरा किया। यह सम्मेलन 5-10 नवंबर, 2024 को हो ची मिन्ह राष्ट्रीय राजनीति अकादमी, भारत अध्ययन केंद्र, वियतनाम में आयोजित किया जा रहा है। इसका सारा खर्च आयोजकों द्वारा वहन किया गया और आईआईपीए की ओर से कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ा।

3. श्री सुरेन्द्रनाथ त्रिपाठी, महानिदेशक, आईआईपीए ने डैनियल के. इनौयेएशिया-पैसिफिकसेंटरफॉर सिक्योरिटी स्टडीज (डीकेआईएपीसीएसएस) सुविधाओं, फोर्टडेरूसी, होनोलूलू, हवाई, अमेरिका में 14-19 जुलाई, 2024 तक ''डीकेआईएपीसीएस एस ट्रांसनेशनल सिक्योरिटी कोऑपरेशन (टीएससी) 24-1'' पर छह दिवसीय पाठ्यक्रम में भाग लिया। इसका सारा खर्च आयोजकों द्वारा वहन किया गया और आईआईपीए पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ा।

4. प्रो. वी.एन. आलोक ने व्यक्तिगत क्षमता में दिनांक 18.12.2024 से दि. 24.12.2024 तक कोलंबो, श्रीलंका का दौरा किया।

5. ई-गवर्नेंस और आईसीटी में प्रोफेसर, प्रो. चारू मल्होत्रा ने व्यक्तिगत क्षमता में दिनांक 27.12. 2024 से दि. 05.01.2025 तक वियतनाम का दौरा किया।

6. डॉ. श्यामली सिंह, सहायक प्रोफेसर ने दिनांक 11. 07.2024 से दि.18.07.2024 तक अपनी व्यक्तिगत क्षमता में चेक गणराज्य, ऑस्ट्रिया और हंगरी का दौरा किया।

7. प्रोफेसर नीतू जैन ने दिनांक 27.08.2024 से दि. 30.08.2024 तक मनीला, फिलीपींस में आयोजित होने वाले यूएस इंडो पैसिफिक कमांड के सम्मेलन में भाग लेने के लिए फिलीपींस का दौरा किया, जिसका सारा खर्च आयोजकों द्वारा वहन किया गया और आईआईपीए की ओर से कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ा।

8. डॉ. पवन कुमार तनेजा और डॉ. सुरभि पांडे, सहायक प्रोफेसर ने दिनांक 27.07.2024 से दि. 23.08.2024 तक मोंटेरे, यूएसए में आयोजित सुरक्षा पाठ्यक्रम/सेमिनार/सैन्य शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका सारा खर्च आयोजकों द्वारा वहन किया गया और आईआईपीए की ओर से कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ा।

9. श्री अमिताभ रंजन, कुलसचिव ने 20-24 मई, 2024 के दौरान नियर ईस्ट साउथ एशिया इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज (एनईएसए), वाशिंगटन डीसी, यूएसए में आयोजित ''दक्षिण एशिया और हिंद महासागर में मानव तस्करी का मुकाबला करने की गतिशीलता'' पर कार्यशाला में भाग लेने के लिए यूएसए का दौरा किया है, जिसका सारा खर्च आयोजकों द्वारा वहन किया गया और आईआईपीए की ओर से कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ा।

10. प्रोफेसर वी.के. शर्मा ने व्यक्तिगत क्षमता में 03 जून, 2024 से 12 जुलाई, 2024 तक अमेरिका का दौरा किया।

11. डॉ. रोमा देबनाथ, एसोसिएट प्रोफेसर ने 15 मई से 18 जून, 2024 तक होनोलूलू, हवाई, अमेरिका में आयोजित डेनियल के. इनौये एशिया-पैसिफिक सेंटर फॉर सिक्योरिटी स्टडीज (डीकेआई एपीसीएसएस) में पांच सप्ताह के पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए अमेरिका का दौरा किया, जिसका सारा खर्च आयोजकों द्वारा वहन किया गया और आईआईपीए की ओर से कोई वित्तीय भार नहीं पड़ा।

वर्ष 2024-25 के दौरान भुगतान किए गए टीए/डीए और मानदेय का विवरण

(क) वर्ष 2024-2025 के दौरान संकाय सदस्यों को दिए गए मानदेय और वेतन का विवरण।

अनुलग्नक एफ.10 देखें

आभार

हम माननीय उपराष्ट्रपति भारत और आईआईपीए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ के प्रति उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

हम विशेष रूप से माननीय केंद्रीय मंत्री और आईआईपीए कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह को धन्यवाद देना चाहते हैं, जो पूरे आईआईपीए समुदाय के लिए मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक हैं।

हम मंत्रालय के सभी अधिकारियों, विशेष रूप से श्रीमती रचना शाह, आईएएस, सचिव, डीओपीटी, श्रीमती राधा एस चौहान, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव डीओपीटी और वर्तमान अध्यक्ष, क्षमता निर्माण आयोग, श्री रूपिंदर सिंह, आईएएस, अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार (गृह), श्री मनोज द्वि वेदी, आईएएस, अपर सचिव, डीओपीटी, श्रीमती छवि भारद्वाज, आईएएस, संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण), डीओपीटी, श्री एस.डी शर्मा, संयुक्त सचिव, श्री विजय एस, उप सचिव, डीओपीटी और डीओपीटी के अन्य अधिकारियों के प्रति संस्थान के लिए उनके निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं।

इसके अलावा हम प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी), भारत सरकार और उसके अधिकारियों, विशेष रूप से श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस, सचिव, डीएआरपीजी, श्री पुनीत यादव, आईएएस, अपर सचिव, डीएआरपीजी, क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी), नीति आयोग, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, विदेश मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, सूचना प्रौद्योगिकी, जनजातीय मामलों के साथ-साथ अन्य सभी विभागों, विदेशी सरकारों सहित आईआईपीए गतिविधियों में उनकी निरंतर रूचि के लिए आभारी हैं। हम राज्य सरकारों, विशेष रूप से बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, ओडिशा, सिक्किम और मिजोरम को उनके अधिकारियों की क्षमता निर्माण में हमारे साथ सहयोग करने के लिए अपना हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करते हैं। हम आईआईपीए के संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ आईआईपीए में विभिन्न शोध परियोजनाओं के तहत काम कर रहे शोध कर्मचारियों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं।

वित्त एवं लेखा

राजस्व खाता (नकद आधार पर)

प्राप्तियां

अपने स्वयं के संसाधन जुटाने के अलावा, संस्थान को कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेन्शन मंत्रालय, भारत सरकार और अन्य से अनुदान प्राप्त हुआ। आलोच्य वर्ष के दौरान ऐसी प्राप्तियों का विवरण इस प्रकार है:

		राशि (लाख रुपये में)	टिप्पणी	
ए.	**सरकार से अनुदान**		विवरण निम्नानुसार है (लाख रुपए में)	
1.	वेतन	1000.00	(i) विभिन्न शुल्क-आधारित प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से शुल्क	1843.28
2.	सामान्य	550.00	(ii) उपयोगकर्ता शुल्क	233.32
3.	पूंजी	550.00	(iii) अनुसंधान कार्यों से शुद्ध आय	95.69
बी.	**आईआईपीए द्वारा उत्पन्न आंतरिक प्राप्तियाँ**	2322.37	(iv) सदस्यता शुल्क (सदस्यता निधि पर ब्याज सहित)	14.29
			(v) प्रकाशनों की बिक्री	6.86
			(vi) विविध प्राप्तियां	128.93
			कुल	**2322.37**

इस प्रकार वर्ष 2024-25 के दौरान संस्थान को कुल प्राप्तियां 4422.37 लाख रुपये थीं।

व्यय

4422.37 लाख रुपये की राजस्व प्राप्तियों के मुकाबले, रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान भुगतान 4562.97 लाख रुपये था, जो निम्नानुसार है:

		(लाख रुपए में)
1.	स्थापना (वेतन और भत्ते)	1408.31
2.	शुल्क-आधारित और प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन	997.77
3.	पुस्तकालय हेत पुस्तकें और पत्र-पत्रिकाएँ (पेरिऑडिकल्स)	16.48
4.	प्रकाशन	8.92
5.	पेन्शन	689.15
6.	शाखा गतिविधियों का प्रचार	18.54
7.	छात्रावास के सामान्य शुल्क,पानी और बिजली के शुल्क, किराया, दरें और कर सहित परिसर रखरखाव	469.90
8.	प्रशासनिक और विविध व्यय	81.28
9.	परिसंपत्तियों की खरीद	43.16
11.	सीजीएचएस को भुगतान की गई धनराशि	14.45
12.	जीएसटी/प्रीमियम व्यय/पूर्व अवधि	10.08
13.	पूंजीगत व्यय	804.93
	कुल	**4562.97**

वर्ष 2023-24 के अंत में संचयी घाटा 4.24 लाख रुपये था। हालाँकि, संस्थान वर्ष 2024-25 को 144.85 लाख रुपये के संचयी घाटे के साथ समाप्त करने में सक्षम रहा।

शहरी अध्ययन केंद्र (सीयूएस)

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार से 298.00 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, बैंक ब्याज से 1.22 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त हुई। पिछले वर्ष का 3.02 लाख रुपये का अधिशेष रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान आगे बढ़ाया गया।

कुल 302.24 लाख रुपये की निधि में से (3.02 लाख रुपये के पिछले अधिशेष को जोड़ने के बाद) 298.00 लाख रुपये का व्यय निम्नलिखित पर किया गया:

	(लाख रुपए में)
1. वेतन और भत्ते	250.00
2. पुस्तकें एवं पत्र-पत्रिकाएँ (पेरिऑडिकल्स)	1.64
3. यात्रा व्यय	0.12
4. बुनियादी ढांचा	3.23
5. प्रकाशन का मुद्रण	1.19
6. अन्य आकस्मिकताएं एवं विविध व्यय	0.63
7. परिसर रखरखाव, जिसमें कंप्यूटर सुविधा, सुरक्षा, दूरभाष शामिल है	6.79
8. पानी और बिजली	7.06
9. ओवरहेड शुल्क	25.83
10. प्रिंटिंग और स्टेशनरी	0.83
12. अनुसंधान और केस स्टडी	0.67
कुल	**298.00**

4.25 लाख रुपये का अधिशेष (उपार्जित ब्याज) अगले वर्ष (2024-25) में समायोजन के लिए आगे बढ़ाया गया है।

प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अनुसंधान अध्ययनों आदि पर विशिष्ट अनुदान और व्यय।

प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अनुसंधान अध्ययनों और संगोष्ठियों आदि के संचालन के लिए प्रायोजक मंत्रालयों/विभागों से 994.38 लाख रुपये की अनुदान/शुल्क धनराशि प्राप्त हुई, जो निम्नानुसार है:

	(लाख रुपए में)
1. 50वां एपीपीपीए (विभिन्न प्रायोजक मंत्रालयों/विभागों से)	153.74
2. एपीपीपीए प्रतिभागियों द्वारा क्षेत्रीय दौरा/शोध, प्रबंध आदि के लिए विभिन्न मंत्रालयों/विभागों से	46.00
3. मंत्रालयों/विभागों (डीओपीटी के अलावा) से और अन्य संगठन से विशेष कार्यक्रमों, अनुसंधान अध्ययनों, अनुसंधान/असाइनमेंट, सेमिनार के लिए	801.65
कुल	**1001.39**

पिछले वर्ष से 1657.89 लाख रुपये की अव्ययित धनराशि भी प्राप्त. की गई। इस प्रकार कुल उपलब्ध धनराशि 2652.27 लाख रुपये थी।

उपर्युक्त के विपरीत, विभिन्न कार्यक्रमों, शोध अध्ययनों आदि पर व्यय 782.61 लाख रुपये रहा, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

(लाख रुपए में)

1.	50वां एपीपीपीए	48.85
2.	एपीपीपीए प्रतिभागियों द्वारा फील्ड दौरा/शोध प्रबंध आदि	44.69
3.	भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और अन्य संगठनों द्वारा प्रायोजित विशेष कार्यक्रम, शोध अध्ययन/शोध कार्य और सेमिनार आदि।	689.07
कुल		**782.61**

शेष 1869.66 लाख रुपये की धनराशि को उपयोग के लिए अगले वर्ष के लिए ले जाया गया है।

विदेशी योगदान (एफसीआरए)

इस खाते में वर्ष 2024-25 में 1.42 लाख रुपये ब्याज के रूप में जमा किए जाएंगे।

पिछले वर्ष से 14.06 लाख रुपये की अव्ययित शेष धनराशि आगे लाई गई। इस प्रकार, कुल उपलब्ध धनराशि 15.48 लाख रुपये थी।

मेसर्स अरोड़ा एवं बंसल ने रिपोर्टाधीन वर्ष के लिए संस्थान के लेखों का लेखा-परीक्षण किया।

संस्थान ने अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए संसाधन जुटाने का प्रयास जारी रखा।

अनुसंधान अध्ययन/परियोजनाएँ

वर्ष के दौरान, संस्थान ने निम्नलिखित 24 कार्य पूरे किए अनुसंधाान अध्ययन का विवरण अनुलग्नक एफ.1 (ए) में दिया गया है।

इसके अलावा, 10 शोध अध्ययन चल रहे थे, जिनका विवरण अनुलग्नक एफ.1 (बी) में सूचीबद्ध हैं।

अनुलग्नक एफ.1 (ए)

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक पूर्ण शोध परियोजनाएँ

क्र.सं.	अध्ययन का शीर्षक	संकाय का नाम	मंत्रालय/विभाग
1.	दिशा परियोजना- न्याय विभाग, भारत सरकार के कानूनी साक्षरता और कानूनी जागरूकता कार्यक्रम की निगरानी और मूल्यांकन के लिए वेब पोर्टल विकास	डॉ. सपना चड्डा डॉ. कुसुम लता डॉ. रोमा देबनाथ	विभाग का न्याय
2.	भारत में घर खरीदारों पर रियल एस्टेट नियामक अधि नियम की प्रभावशीलता का प्रभाव आकलन अध्ययन	डॉ. अमित के सिंह डॉ. सपना चड्डा	आईसीएसएसआर
3.	सामाजिक न्याय के साथ एससी और पीवीटीजी के सदस्यों के लिए सतत विकास की चुनौतियाँ और संभावनाएँ (अबूझमाड़िया जनजाति का मामला)	प्रो. नूपुर तिवारी	डॉ. अम्बेडकर चेयर
4.	आत्मसमर्पण करने वाले वामपंथी उग्रवादियों का पुनर्वास और एकीकरण तथा सामाजिक न्याय: नीतियां, चुनौतियां और संभावनाएं	प्रो. नूपुर तिवारी	डॉ. अम्बेडकर चेयर
5.	सड़क निर्माण की डीडीए परियोजना के लिए मैदान गढ़ी गांव में भूमि अधिग्रहण के लिए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन	प्रो. के.के. पांडे डॉ. सपना चड्डा डॉ. अमित कुमार सिंह	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
6.	गौशाला सड़क निर्माण की डीडीए परियोजना के लिए सतबरी गांव में भूमि अधिग्रहण हेतु सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन	प्रो. के.के. पांडे डॉ. सपना चड्डा डॉ. अमित कुमार सिंह	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
7.	आगरा शहर में महिला सुरक्षा ऑडिट	डॉ. सपना चड्डा डॉ. अमित कुमार सिंह डॉ. रोमा देबनाथ डॉ. कुसुम लता	राष्ट्रीय महिला आयोग
8.	गुरुग्राम शहर में महिला सुरक्षा ऑडिट	डॉ. रोमा देबनाथ डॉ. कुसुम लता डॉ. अमित कुमार सिंह डॉ. सपना चड्डा	राष्ट्रीय महिला आयोग
9.	अगरतला शहर में महिला सुरक्षा ऑडिट	डॉ. अमित कुमार सिंह डॉ. सपना चड्डा डॉ. कुसुम लता डॉ. रोमा देबनाथ	राष्ट्रीय महिला आयोग
10.	उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) में स्कूली बच्चों के लिए इंटरैक्टिव संवेदीकरण कार्यक्रम	डॉ. सपना चड्डा डॉ. ममता पठानिया	अमेजन सेलर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड
11.	भूमि सम्मान जिलों का प्रभाव आकलन अध्ययन भूमि संसाधन विभाग (DoLR), ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRD), भारत सरकार	डॉ. गदाधर महापात्र	ग्रामीण विकास मंत्रालय

12.	पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) के पुनर्गठन और सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव	डॉ. श्वेता मित्तल	गृह मंत्रालय
13.	दिल्ली पुलिस की रात्रि गश्त प्रक्रिया का ऑडिट	डॉ. सुरभि पांडे	गृह मंत्रालय
14.	डिजिटल हस्ताक्षर और पीकेआई पर सी-डैक प्रशिक्षण का प्रभाव मूल्यांकन	प्रो. चारु मल्होत्रा	सी-डैक इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
15.	राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) का प्रभाव मूल्यांकन	प्रो. चारु मल्होत्रा	सी-डैक इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
16.	अनुसूचित जनजातियों के कल्याण हेतु कार्यरत स्वयंसेवी संगठनों का मूल्यांकन	डॉ. गदाधर महापात्र	जनजातीय कार्य मंत्रालय
17.	वर्ष 2023-24 के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत सक्रिय प्रकटीकरण के रूप में उर्वरक विभाग का तृतीय पक्ष पारदर्शिता लेखा परीक्षा	प्रो. अशोक विशनदास	उर्वरक विभाग
18.	भूमि अभिलेखों की गुणवत्ता पर ईमूल्यांकन अध्ययन	डॉ. गदाधर महापात्र	ग्रामीण विकास मंत्रालय
19.	रोटरी अंबाला कैंसर एवं सामान्य अस्पताल, अंबाला (आरएसीजीएच) में पूर्णत: सुसज्जित मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर (ओटी) की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग हेतु 'सीएसआर परियोजना' का मूल्यांकन	डॉ. रोमा देबनाथ	विद्युत मंत्रालय पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
20.	बस्ती क्षेत्र, उत्तर प्रदेश- चरण- II के विभिन्न गांवों में 500 एलईडी आधारित सौर स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम (एसएलएस) की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग के लिए सीएसआर परियोजना का प्रभाव मूल्यांकन	डॉ. रोमा देबनाथ	विद्युत मंत्रालय पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
21.	उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में सरकारी विद्यालयों (1280) और जिला पुस्तकालय के उन्नयन के लिए सीएसआर परियोजना का प्रभाव मूल्यांकन'	डॉ. रोमा देबनाथ	विद्युत मंत्रालय पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
22.	16वें वित्त आयोग द्वारा राज्य वित्त आयोगों (एसएफसी) की सिफारिशें	प्रो. वी. एन आलोक	सोलहवां वित्त आयोग
23.	दक्षिण पश्चिम दिल्ली के द्वारका में भूमि अधिग्रहण का सामाजिक प्रभाव आकलन	प्रो. के.के. पांडे डॉ. सपना चड्डा डॉ. अमित कुमार सिंह	राष्ट्रीय राजधाानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
24.	चौपियन सेवा क्षेत्र योजना (सीएसएसएस) के अंतर्गत दूरसंचार विभाग की पूर्ववर्ती उप-योजना ''दूरसंचार विनिर्माण और सेवा गंतव्य के रूप में भारत का ब्रांड निर्माण'' का मूल्यांकन	डॉ. पी.के. तनेजा डॉ. रोमा देबनाथ	संचार मंत्रालय, दूरसंचार विभाग

अनुलग्नक एफ.1 (बी)

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

क्र.सं.	अध्ययन का शीर्षक	संकाय का नाम	मंत्रालय/विभाग
1.	नमामि गंगे कार्यक्रम (चरण II) के अंतर्गत गंगा नदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम	प्रो. वी.के. शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	जल संसाधान, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
2.	आठ डिजिटल इंडिया पर केस स्टडी तैयार करना	प्रो. चारु मल्होत्रा	इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
3.	मायगव (MyGov) के लिए प्रभाव मूल्यांकन	प्रो. चारू मल्होत्रा	इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
4.	सुबनसिरी ऊपरी जल विद्युत परियोजना अरुणाचल प्रदेश का सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन (एसआईए) और सामाजिक प्रभाव प्रबंधन योजना	डॉ. पी.के. तनेजा	अरुणाचल प्रदेश सरकार
5.	भारत सरकार और राज्यों के विभागों में नागरिक चार्टर और सेवा वितरण अधिनियम की प्रभावकारिता और प्रभावशीलता	प्रो. सुरेश मिश्रा डॉ. ममता पठानिया	कार्मिक लोक शिकायत एवं पेन्शन मंत्रालय प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग
6.	भारी उद्योग मंत्रालय में जनशक्ति की आवश्यकता का आकलन	प्रो. नीतू जैन डॉ. श्वेता मित्तल	भारी उद्योग मंत्रालय
7.	उन प्रतिष्ठानों का मूल्यांकन करना जो सीआईएसएफ द्वारा प्रदान की जार ही सब्सिडी (जैसे उर्वरक) और सुरक्षा सेवाएँ प्राप्त करनेवाले क्षेत्रें में कार्यरत हैं।	डॉ. सुरभि पांडे	गृह मंत्रालय
8.	प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) का मूल्यांकन सह प्रभाव आकलन अध्ययन	डॉ. गदाधर महापात्र	गृह मंत्रालय
9.	दरगाह ख्वाजा साहब अजमेर के कामकाज पर अध्ययन	डॉ. गदाधर महापात्र	अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय
10.	ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार की राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली को समर्थन प्रदान करना	डॉ. साकेत बिहारी	ग्रामीण विकास मंत्रालय

अनुलग्नक एफ.2

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला/सम्मेलन/प्रतिनिधि मंडल दौरा

जनवरी 1959 से मार्च 2025 तक आयोजित कुल प्रशिक्षण कार्यक्रम	4066
जनवरी 1959 से मार्च 2025 तक कुल प्रतिभागी	151900

दशक	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1959–70	81	184
1970–80	463	11068
1980–90	564	12780
1990–20	661	15109
2000–10	672	16138
2010–20	1031	45581
2020–25 (मार्च 2025 तक)	594	51040

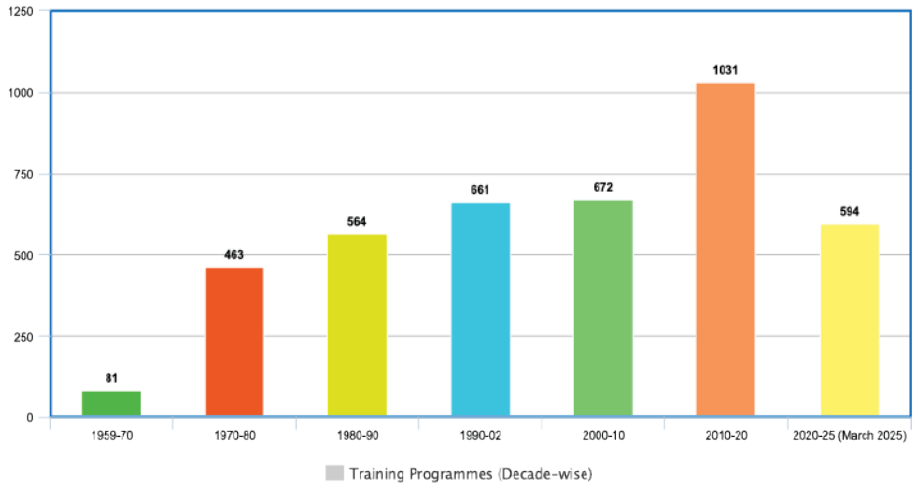

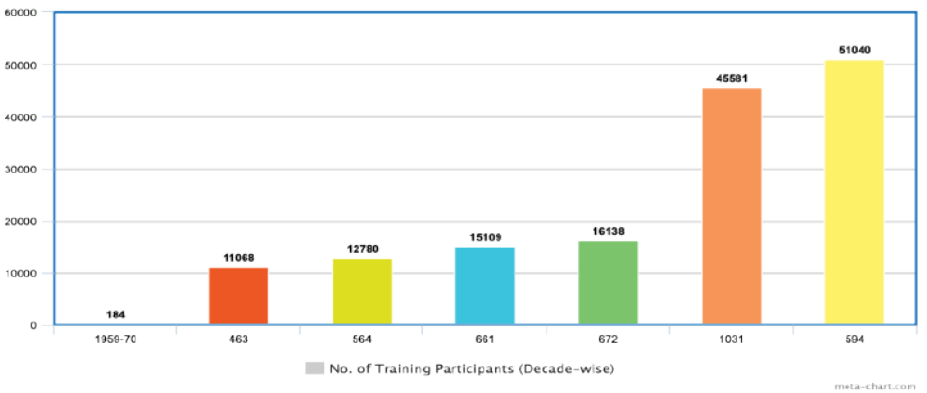

वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक प्रशिक्षण वृद्धि (मार्च 2025 तक)

वर्ष	कुल प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रतिभागियों की कुल संख्या (एपीपीपीए सहित)
2020-21	66	8353
2021-22	102	12303
2022-23	127	11313
2023-24	137	9221
2024-25	162	9850

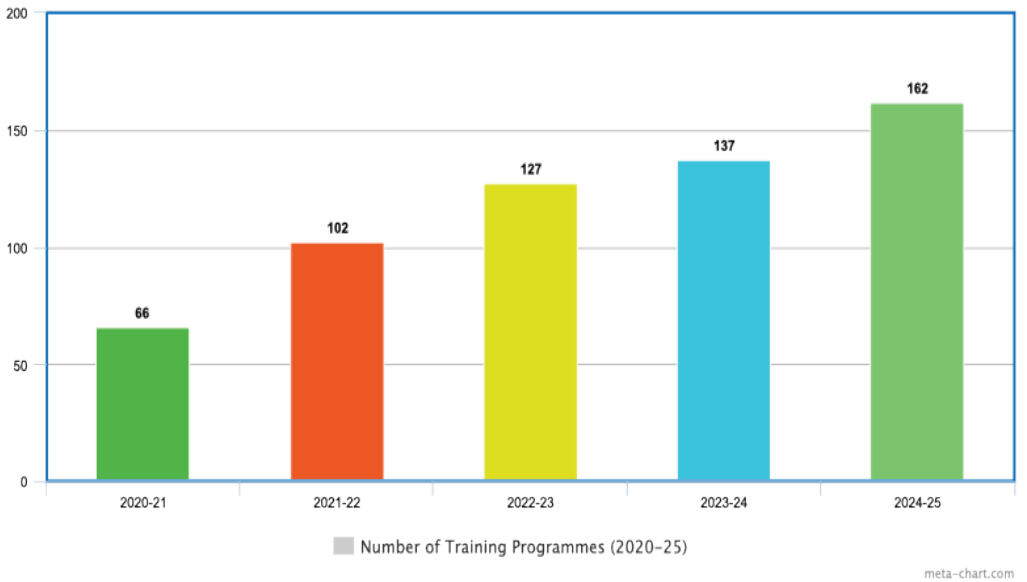

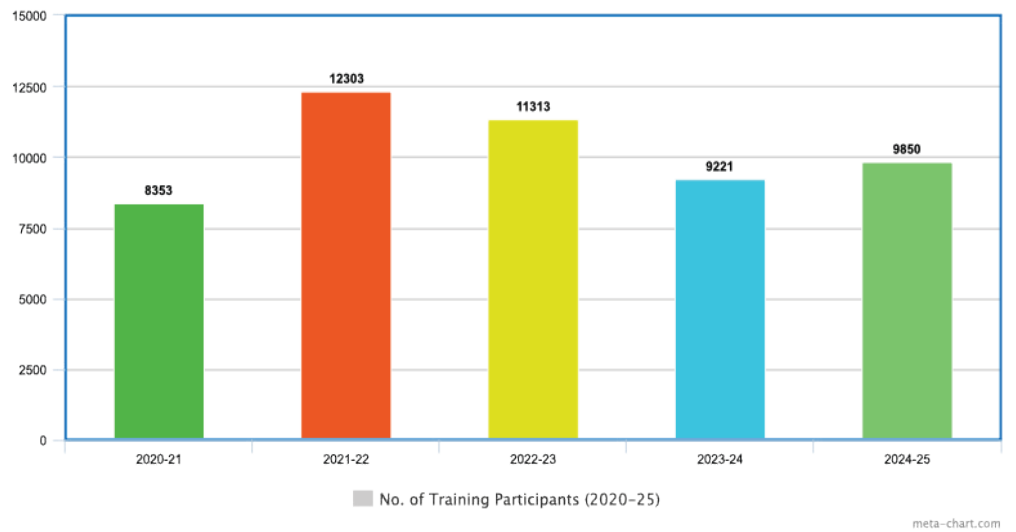

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रतिनिधि मंडल दौरे
(अप्रैल 2024 - मार्च 2025)

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	संकाय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	1-5 अप्रैल, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	61
2.	क्षमता निर्माण कार्यक्रम ''गंगा नदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित) (ऑनलाइन)	2-4 अप्रैल, 2024	प्रो. विनोद के शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	81
3.	नवनियुक्त आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम अध्येताओं (एबीपीएफ) के लिए ऑनबोर्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम (नीति आयोग द्वारा प्रायोजित)	3-5 अप्रैल, 2024	प्रो. अशोक विशनदास	43
4.	साइबर सुरक्षा पर मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों का गहन प्रशिक्षण (साइबर सुरक्षित भारत पहल के अंतर्गत) (NeGD, MeitY, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित)	8-12 अप्रैल, 2024	डॉ. चारु मल्होत्रा	30
5.	सीजीएलई 2023 बैच के एएसओ का फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (डीओपीटी द्वारा प्रायोजित)	8 अप्रैल से 7 जून, 2024 तक	डॉ. साकेत बिहारी	218
6.	अमेरिकी राष्ट्रीय युद्ध कॉलेज से अमेरिकी छात्र प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी	10 अप्रैल 2024 से	डॉ. सुरभि पांडे	15
7.	सामान्य जन जागरूकता कार्यक्रम ''गंगा नदी के हितधाारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' -चरण II (विवेकानंद व्यावसायिक अध्ययन संस्थान (वीआईपीएस) (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	12 अप्रैल, 2024	डॉ. श्यामली सिंह	175
8.	कार्यशीन पब्लिक लोक नीति अभ्यापस कार्यशाला (ग्रामीण भारत में परिवर्तन)	15-20 अप्रैल, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	25
9.	माननीय न्यायमूर्ति श्री अरुण कुमार मिश्रा द्वारा डॉ. अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान (डॉ. अम्बेडकर चेयर द्वारा प्रायोजित)	16 अप्रैल, 2024	प्रो. नूपुर तिवारी	200
10.	वरिष्ठ अधिकारियों के लिए सरकारी संरचना, नियम, निर्णय लेने और भारतीय संविधान को समझने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (मारुति द्वारा प्रायोजित)	19-21 अप्रैल, 2024	प्रो. नीतू जैन डॉ. श्वेता मित्तल	9

11.	एमईएस के मुख्य अभियंताओं के लिए ''मानव संसाधन प्रबंधन'' पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम (रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित)	22 अप्रैल से 3 मई, 2024 तक।	प्रो. नीतू जैन डॉ. श्वेता मित्तल	21
12.	नवनियुक्त आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम अधयेुताओं (एबीपीएफ) के लिए ऑनबोर्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम (नीति आयोग द्वारा प्रायोजित)	22-24 अप्रैल, 2024.	प्रो. अशोक विशनदास	37
13.	माई भारत पोर्टल पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (युवा मामले विभाग द्वारा प्रायोजित)	26 अप्रैल, 2024	डॉ. साकेत बिहारी	50
14.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	29 अप्रैल-3 मई, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	120
15.	''गंगा नदी के हितधाारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	30 अप्रैल से 2 मई, 2024 तक	प्रो. विनोद के शर्मा	212
16.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	6-10 मई, 2024	डॉ. ममता पठानिया	125
17.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	13-17 मई, 2024	डॉ. ममता पठानिया	119
18.	लेटरल भर्ती 2023 के माध्यम से भारत सरकार में संयुक्त सचिव/निदेशक और उप सचिव स्तर पर लेटरेल प्रवेशकों के लिए 15 दिवसीय प्रेरण कार्यक्रम (डीओपीटी द्वारा प्रायोजित)	13-27 मई, 2024	प्रो. वी.एन आलोक	24
19.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	20-24 मई, 2024	डॉ. ममता पठानिया	114
20.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	28 मई - 1 जून, 2024	डॉ. ममता पठानिया	128
21.	साइबर सुरक्षा पर मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों का गहन प्रशिक्षण (साइबर सुरक्षित भारत पहल के अंतर्गत) (NeGD, MeitY, भारत सरकार द्व ारा प्रायोजित)	27-31 मई, 2024	डॉ. चारू मल्होत्रा	33
22.	''गंगा नदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	29 मई, 2024	प्रो. विनोद के शर्मा	30

23.	''प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं'' के लिए द्वितीय फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	3–7 जून, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित कुमार सिंह	125
24.	''गंगा नदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' परियोजना के अंतर्गत ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम	3–5 जून, 2024	प्रो. विनोद के शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	61
25.	न्यायिक और वरिष्ठ कानून प्रवर्तन अधिकारियों (एलईए) के लिए साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक जांच पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी), (गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित)	10–14 जून, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	28
26.	सीपीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता (सिविल और इलेक्ट्रिकल) के लिए उच्च प्रशासन और कानूनी मामलों पर दो सप्ताह का अनिवार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (सीपीडब्ल्यूडी द्वारा प्रायोजित)	10 –22 जून, 2024	डॉ. साकेत बिहारी	39
27.	संचार एवं प्रस्तुति कौशल (राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली प्रशिक्षण अकादमी (एनएसएसटीए) द्वारा प्रायोजित) सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित)	18–28 जून, 2024	प्रो. नीतू जैन	29
28.	''गंगा नदी के हितधाारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' -चरण I ऑनलाइन (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	17 जून, 2024	प्रो. विनोद के शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	22
29.	''गंगा नदी के हितधाारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' -चरण I ऑनलाइन (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	18 जून, 2024	प्रो. विनोद के शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	22
30.	लेह में शहरी शासन (गवर्नेंस) पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित	18–19 जून, 2024	डॉ. कुसुम लता प्रो. के.के पांडे डॉ. सचिन चौधरी डॉ. अमित कुमार सिंह	36
31.	प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (नीति आयोग द्वारा प्रायोजित)	20–21 जून, 2024	प्रो. अशोक विशनदास	31

32.	कारगिल में शहरी शासन (गवर्नेंस) पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित	21–22 जून, 2024	डॉ. कुसुम लता डॉ. सचिन चौधरी	39
33.	न्यायिक और वरिष्ठ कानून प्रवर्तन अधिकारियों (एलईए) के लिए साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक जांच पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, भारतीय साइबर अपराा समन्वय केंद्र (आई4सी), (गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित)	24–28 जून, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	20
34.	प्रभावी संगठन के लिए वित्तीय और प्रबंध कीय कौशल (राष्ट्रीय दूरसंचार नीति अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रायोजित, नवाचार और प्रशिक्षण (एनटीआईपीआरआईटी)	24–28 जून, 2024	डॉ. रोमा देबनाथ डॉ. पवन के. तनेजा	35
35.	''गंगानदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' –चरण I ऑनलाइन (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	22–24 जून, 2024	प्रो. विनोद के शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	58
36.	''गंगानदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' –चरण I ऑनलाइन (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	25 जून, 2024	प्रो. विनोद के शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	19
37.	''गंगानदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' –चरण I ऑनलाइन (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	29–31 जून, 2024	प्रो. विनोद के शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	191
38.	लोक प्रशासन में 50 वां उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम (एपीपीपीए) (डीओपीटी द्वारा प्रायोजित)	1 जुलाई से 30 अप्रैल, 2025 तक	प्रो. नीतू जैन डॉ. साकेत बिहारी	24
39.	आरजीएसए के अंतर्गत राज्य कार्यक्रम प्रबंधक (एसपीएम) और राज्य नोडल अधिकारी (एसएनओ) के लिए 5 दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमओपीआर द्वारा प्रायोजित)	1–5 जुलाई, 2024	प्रो. वी.एन आलोक	50
40.	प्रशासनिक कौशल के माध्यम से संगठनात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर सहायक निदेशक (एल–10) (भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा प्रायोजित)	2–12 जुलाई, 2024	डॉ. साकेत बिहारी	27
41.	माई भारत पोर्टल पर मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम (युवा मामले विभाग द्वारा प्रायोजित)	5 जुलाई, 2024	डॉ. साकेत बिहारी	23
42.	अंतरक्षेत्रीय सहकर्मी शिक्षण अभ्यास (बैच आईएएस 2022)	10 जुलाई, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	181
43.	शहरी विकास पर पांच दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम: स्थिति, मुद्दे और रणनीतियां ((MoHUA, भारत सरकार के तत्वावधान में) (सीयूएस)	8–12 जुलाई, 2024	प्रो. के.के पांडे डॉ. कुसुम लता डॉ. सचिन चौधरी डॉ. अमित सिंह	19

44.	''गंगानदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' -चरण II) ऑनलाइन (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा प्रायोजित)	9-11 जुलाई, 2024	प्रो. विनोद के शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	70
45.	''गंगानदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' -चरण II) ऑनलाइन (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा प्रायोजित)	22-24 जुलाई, 2024	प्रो. विनोद के शर्मा	35
46.	वित्त विभाग के लेखा परीक्षकों के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	23-27 जुलाई, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	188
47.	उत्तरी क्षेत्रीय सम्मेलन (16वें वित्त आयोग द्वारा प्रायोजित)	26 जुलाई, 2024	प्रो. वी.एन. आलोक	37
48.	नमामि गंगे मिशन- II के अंतर्गत गंगा नदी के हितधारकों के लिए एनजीओ क्षमता निर्माण कार्यक्रम- ऑनलाइन (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	26 जुलाई, 2024	प्रो. विनोद के. शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	26
49.	वरिष्ठ अधिकारियों के लिए ''सरकार और सार्वजनिक मामले'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (टाटा मोटर्स और टाटा समूह कंपनियों द्वारा प्रायोजित)	31 जुलाई से 2 अगस्त, 2024 तक	डॉ. ममता पठानिया प्रो. सुरेश मिश्रा	28
50.	मंगोलियाई अधिकारियों के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम	29 जुलाई से 2 अगस्त, 2024 तक	प्रो. विनोद शर्मा डॉ. सुरभि पांडे	20
51.	वित्त विभाग के लेखा परीक्षकों के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम, (बिहार सरकार, पटना, बिपार्ड द्वारा प्रायोजित)	29 जुलाई - 2 अगस्त, 2024	डॉ. ममता पठानिया प्रो. सुरेश मिश्रा	128
52.	आईटीएस ग्रुप-ए अधिकारियों के लिए मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) (चरण-I, बैच-05) (राष्ट्रीय दूरसंचार नीति अनुसंधान, नवाचार एवं प्रशिक्षण संस्थान (एनटीआईपीआरआईटी) द्वारा प्रायोजित)	29 जुलाई से 9 अगस्त, 2024 तक	डॉ. रोमा देबनाथ डॉ. पवन के. तनेजा डॉ. कुसुम लता	41
53.	गुजरात राज्य के राजपत्रित अधिकारियों का आधारभूत प्रशिक्षण (एसपीआईपीए द्वारा प्रायोजित)	5-9 अगस्त, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	57
54.	बिहार सरकार के सहायक अभियोजन अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड, गया द्वारा प्रायोजित)	5-9 अगस्त, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	117

55.	जिलापरिषद/मुख्यविकास अधिकारियों (सीडीओ), जिला विकास अधिकारियों (डीडीओ), जिला पंचायतीराज अधिकारियों (डीपीआरओ) के लिए 5 दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा प्रायोजित)	5–9 अगस्त, 2024	प्रो. वी.एन. आलोक	43
56.	''गंगानदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम –चरण II ऑनलाइन (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	5–7 अगस्त, 2024	प्रो. विनोद के शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	110
57.	बिहार के शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए कक्षा प्रभावशीलता हेतु नवीन दृष्टिकोण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	13–17 अगस्त, 2024	डॉ. सुरभि पांडे डॉ. साकेत बिहारी	116
58.	ईएसआईसी में नवनियुक्त उप निदेशकों का प्रशिक्षण (श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित)	19–23 अगस्त, 2024	डॉ. सपना चड्डा प्रो. सुरेश मिश्रा	32
59.	उत्कृष्टता के साथ नेतृत्व पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा प्रायोजित) (केवीएस)	20–24 अगस्त, 2024	डॉ. साकेत बिहारी	25
60.	बिहार के नवनियुक्त सहायक अभियोजन अधिकारियों का संस्थागत प्रशिक्षण	20–24 अगस्त, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	129
61.	''गंगा नदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' परियोजना के अंतर्गत क्षमता निर्माण कार्यक्रम- चरण III ऑनलाइन (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा प्रायोजित)	23 अगस्त, 2024	प्रो. विनोद के. शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	120
62.	केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के वरिष्ठ प्रधानाचार्यों के लिए ''उत्कृष्टता के साथ नेतृत्व'' विषय पर पांच दिवसीय कार्यक्रम	26–30 अगस्त, 2024	डॉ. साकेत बिहारी	21
63.	केंद्रीय तिब्बती प्रशासन अधिकारी (सीटीए) के लिए संचार कौशल पर तीन दिवसीय कार्यशाला (केंद्रीय तिब्बती प्रशासन द्वारा प्रायोजित)	26–28 अगस्त, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	19
64.	बिहार के शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए कक्षा प्रभावशीलता हेतु नवीन दृष्टिकोण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (एससीईआरटी, पटना द्वारा प्रायोजित)	27–31 अगस्त, 2024	डॉ. सुरभि पांडे डॉ. साकेत बिहारी	118
65.	''गंगा नदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' परियोजना के अंतर्गत क्षमता निर्माण कार्यक्रम – चरण II, जवाहर नवोदय विद्यालय, ताड़ीखेत, अल्मोड़ा, उत्तराखंड ऑनलाइन (एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	28–30 अगस्त, 2024	प्रो. विनोद के. शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	194

66.	अखिल भारतीय न्यायिक अधिकारियों के लिए ''साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक जांच'' पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम (I4सी, गृह मंत्रालय द्वारा प्रायोजित)	2-6 सितंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	21
67.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अधिकारियों का प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम (एससीईआरटी पटना अधिकारियों द्वारा प्रायोजित)	2-6 सितंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	56
68.	गंगा नदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम, क्रीसेंट इंटरनेशनल स्कूल, धनबाद, झारखंड ऑनलाइन	2-4 सितंबर, 2024	प्रो. विनोद के. शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	202
69.	नगर निगम सेवाओं की जलवायु स्मार्ट डिलीवरी पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (नगर निगम हरियाणा द्वारा प्रायोजित)	3 सितंबर, 2024	प्रो. के.के पांडे	41
70.	''प्रभावी निर्णय लेने के लिए डेटा और जोखिम विश्लेषण'' पर दो सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईटीईसी द्वारा प्रायोजित)	4-17 सितंबर, 2024	डॉ. रोमा देबनाथ डॉ. पवन तनेजा	33
71.	ईएसआईसी में नवनियुक्त उप निदेशकों के लिए परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम (श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित)	9-13 सितंबर, 2024	प्रो. सुरेश मिश्रा डॉ. सपना चड्डा	30
72.	केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के वरिष्ठ प्रधानाचार्यों के लिए ''उत्कृष्टता के साथ नेतृत्व'' विषय पर पांच दिवसीय कार्यक्रम	9-13 सितंबर, 2024	डॉ. साकेत बिहारी	23
73.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम अधिकारी (एससीईआरटी, पटना द्वारा प्रायोजित)	9-13 सितंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे डॉ. साकेत बिहारी	59
74.	हिंदी दिवस	12 सितंबर, 2024	के.के पांडे	120
75.	केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के वरिष्ठ प्रधानाचार्यों के लिए ''उत्कृष्टता के साथ नेतृत्व'' विषय पर पांच दिवसीय कार्यक्रम	17-21 सितंबर, 2024 (मंगलवार-शनिवार	डॉ. साकेत बिहारी	25
76.	ईएसआईसी में नवनियुक्त उप निदेशकों का प्रशिक्षण (श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित)	17-21 सितंबर, 2024	प्रो. सुरेश मिश्रा डॉ. सपना चड्डा	31
77.	सहायक, प्रखंड एवं उप-सांख्यिकी अधिकारियों के लिए परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	17-20 सितंबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	32

78.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम अधिकारी (एससीईआरटी अधिकारी पटना)	16–20 सितंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	59
79.	नमामि गंगे मिशन- II के अंतर्गत गंगा नदी के हितधारकों के लिए एनजीओ क्षमता निर्माण कार्यक्रम- ऑनलाइन (एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	20 सितंबर, 2024	प्रो. वी.के. शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	50
80.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम अधिकारी (एससीईआरटी अधिकारी पटना)	23–27 सितंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	55
81.	नोडल अधिकारियों, पीआरआई की योजनाओं और कार्यक्रमों से निपटने वाले वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य परियोजना प्रबंधकों डीपीएमएस और आरजीएसए के तहत जिला परियोजना प्रबंधकों के लिए पांच दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमओपीआर द्वारा प्रायोजित)	23–27 सितंबर, 2024	प्रो. वी.एन. आलोक	47
82.	ईएसआईसी में नवनियुक्त उप निदेशकों का प्रशिक्षण (श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित)	23–27 सितंबर, 2024	प्रो. सुरेश मिश्रा डॉ. सपना चड्डा	32
83.	ब्लॉक अधिकारियों के साथ विचार-मंथन बैठक (नीति आयोग द्वारा प्रायोजित)	23 सितंबर, 2024	प्रो. अशोक विशनदास	57
84.	मॉरीशस प्रतिनिधि मंडल श्री के. कोन्हे, लोक सेवा सचिव	23 सितंबर, 2024	प्रो. विनोद शर्मा	11
85.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अधिकारियों का प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम (एससीईआरटी अधिकारी पटना द्वारा प्रायोजित)	30 सितंबर – 4 अक्टूबर 2024	डॉ. सुरभि पांडे	118
86.	2024 में राष्ट्रीय सम्मेलन और केस स्टडी प्रतियोगिता	30 सितंबर, 2024	डॉ. श्वेता मित्तल	45
87.	सहायक अनुभाग अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बीआईपीएआरडी, पटना द्वारा प्रायोजित)	30 सितंबर से 4 अक्टूबर, 2024 तक	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	67
88.	राजनीति अकादमी, क्षेत्र 2, वियतनाम के निदेशक मंडल	1–3 अक्टूबर, 2024	प्रो. विनोद के. शर्मा	10
89.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम अधिकारी (एससीईआरटी अधिकारी पटना द्वारा प्रायोजित)	14–18 अक्टूबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	60

90.	ओडीएफप्लस – एसबीएम (जी 2.0) स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)/लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान (द्वितीयचरण), बिहार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	15–19 अक्टूबर, 2024	डॉ. साकेत बिहारी डॉ. सुरभि पांडे	30
91.	राष्ट्रीय सीपीडब्ल्यूडी अकादमी में आईईएस ग्रुप ए अधिकारियों, अधीक्षण अभियंताओं (सिविल एवं विद्युत/चिकित्सा) के लिए उच्च प्रबंधन पर दो–सप्ताह का मध्य–कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) (केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित)	14–25 अक्टूबर, 2024,	डॉ. साकेत बिहारी	51
92.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अधिकारियों का प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम (एससीईआरटी अधिकारी पटना द्वारा प्रायोजित)	21–25 अक्टूबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	60
93.	वित्तविभाग, बिपार्ड के सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों (एएओ) के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड, गया द्वारा प्रायोजित)	21–25 अक्टूबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया	56
94.	मिजोरम सचिवालय सेवा के कनिष्ठ श्रेणी अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सह एक्सपोजर दौरा कार्यक्रम	21–25 अक्टूबर, 2024	प्रो. सुरेश मिश्रा डॉ. सपना चड्डा	26
95.	कर्मयोगी सप्ताह के दौरान सामूहिक चर्चा, कार्मिक, लोकशिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार	21 अक्टूबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे डॉ. ममता पठानिया डॉ. सचिन चौधरी प्रो. अशोक विशनदास	120
96.	नमामि गंगे मिशन– II के अंतर्गत गंगा नदी के हितधाारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम (ऑनलाइन) (एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	23–25 अक्टूबर, 2024	प्रो. विनोद के. शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	60
97.	करनाल में नगरपालिका सेवाओं की जलवायु स्मार्ट डिलीवरी पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित	25 अक्टूबर, 2024	प्रो. के.के पांडे डॉ. अमित कुमार सिंह	56
98.	वित्त विभाग, गया के सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों (एएओ) के लिए फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	4–8 नवंबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	64
99.	''नवनियुक्त सहायक अभियोजन अधिकारियों'' के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	4–8 नवंबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	88

100.	शहरी विकास: स्थिति, मुद्दे और रणनीतियाँ पर पांच दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीयूएस द्वारा प्रायोजित)	4-8 नवंबर, 2024	प्रो. के.के. पांडे डॉ. कुसुम लता डॉ. सचिन चौधरी डॉ. अमित सिंह	25
101.	निजी सहायक के लिए 2 सप्ताह का अभिविन्यास पाठ्यक्रम (भारतीय तटरक्षक बल द्वारा प्रायोजित)	4-15 नवंबर, 2024	डॉ. साकेत बिहारी	40
102.	आशुलिपिकों के लिए 5 सप्ताह का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	4 नवंबर से 6 दिसंबर, 2024 तक	डॉ. साकेत बिहारी	25
103.	नीति आयोग के नवनियुक्त आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम अध्येतताओं (एबीपीएफ) बैच VIII के लिए ऑनबोर्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम (नीति आयोग द्वारा प्रायोजित)	11-13 नवंबर, 2024	प्रो. अशोक विशनदास	30
104.	भारतीय राजस्व सेवा के 73वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों (ओटी) के लिए 'लोकनीति' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीमा शुल्क एवं अप्रत्यक्षकर [आईआरएस (सीएंडआईटी)] द्वारा प्रायोजित)	11-14 नवंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	43
105.	क्लाउड सुरक्षा पर साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय सम्मेलन	13 नवंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	60
106.	दो सप्ताह का ''बुनियादी ढाँचा विकास जोखिम प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम: एशिया प्रशांत क्षेत्र से सबक (QUAD)'' (आईटीईसी द्वारा प्रायोजित)	12-25 नवंबर, 2024	डॉ. रोमा देबनाथ डॉ. पवन तनेजा	15
107.	भारत में जीआईएस आधारित उपकरणों का उपयोग करते हुए एकीकृत शहरी नियोजन (राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान, (एनआईयूए) द्वारा प्रायोजित)	18-20 नवंबर, 2024	प्रो. केके पांडे डॉ. कुसुम लता	28
108.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम अधिकारी एससीईआरटी अधिकारी पटना (एससीईआरटी, पटना द्वारा प्रायोजित)	18-22 नवंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	40
109.	''नवनियुक्त सहायक अभियोजन अधिकारियों'' के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	18-22 नवंबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	72
110.	लोक प्रशासन और डिजिटल परिवर्तन पर राष्ट्रीय सम्मेलन - दक्षता, विश्वसनीयता और प्रभावशीलता	21-22 नवंबर, 2024	प्रो. सुरेश मिश्रा	170

111.	संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ क्षमता निर्माण पर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सलाहकार समितियों के साथ सीयूएस की बैठक	22 नवंबर, 2024	प्रो. के.के. पांडे डॉ. कुसुम लता डॉ. सचिन चौधरी डॉ. अमित कुमार सिंह	19
112.	राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के अंतर्गत राज्य/जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों (एसएनओ), राज्यधजिला पंचायती राज विभाग के अधिकारियों और जिला परियोजना प्रबंधकों के लिए 5 दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण (एमओपीआर द्वारा प्रायोजित)	25-29 नवंबर 2024	प्रो. वी.एन. आलोक	60
113.	अवर श्रेणी लिपिक के लिए 3 सप्ताह का 'अभिविन्यासपाठ्यक्रम' (भारतीय तटरक्षक बल द्वारा प्रायोजित)	25 नवंबर से 13 दिसंबर, 2024 तक	डॉ. साकेत बिहारी	25
114.	प्रवर श्रेणी लिपिक के लिए 3 सप्ताह का 'प्रेरण पाठ्यक्रम' (भारतीय तटरक्षक बल द्वारा प्रायोजित)	25 नवंबर से 13 दिसंबर, 2024 तक	डॉ. साकेत बिहारी	24
115.	''संविधान दिवस'' समारोह	26 नवंबर, 2024	प्रो. नूपुर तिवारी	50
116.	नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत जिला गंगा योजना की तैयारी हेतु दो दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला (एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	27-28 नवंबर, 2024	डॉ. श्यामली सिंह प्रो. वी.के शर्मा	40
117.	''नवनियुक्त सहायक अभियोजन अधिकारियों'' के लिए आधार भूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित)	2-6 दिसंबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	93
118.	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रशिक्षण सह अध्ययन दौरा कार्यक्रम अधिकारी (एससीईआरटी अधिकारी पटना) (एससीईआरटी, पटना द्वारा प्रायोजित)	2-6 दिसंबर, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	45
119.	सहायक अनुभाग अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एफटीपी) (बीआईपीएआरडी, पटना द्वारा प्रायोजित)	2-6 दिसंबर, 2024	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	92
120.	21वीं सदी के पेशेवरों के लिए नेतृत्व: आईटीईसी (केवल महिलाओं के लिए)	05-18 दिसंबर, 2024	डॉ. रोमा देबनाथ डॉ. पवन तनेजा	33
121.	राज्य पंचायतीराज विभाग/एसआईआरडीपीआर के अधिकारियों के लिए 5 दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम, जो (आरजीएसए) के अंतर्गत वार्षिक कार्ययोजना और तिमाही प्रगति रिपोर्ट तैयार करने हेतु उत्तरदायी हैं (एमओपीआर द्वारा प्रायोजित)	9-13 दिसंबर, 2024	प्रो. वी.एन. आलोक	67

122.	लोक प्रशासन एवं शासन (गवर्नेंस) पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सह अनुभव (एक्सपोजर) दौरा (एसपीआईपीए द्वारा प्रायोजित)	9-13, 2024	डॉ. सुरभि पांडे	50
123.	माननीय विदेश मंत्री- पुस्तक का विमोचन	14 दिसंबर, 2024	प्रो. वी.एन. आलोक	100
124.	ओडिशा प्रशासनिक सेवा (ओएएस) अधिकारियों (डीआर-2021 बैच) के लिए लोक प्रशासन एवं शासन द्धगवर्नेंसऋपरप्रशिक्षण कार्यक्रम सह अनुभव भ्रमण (गोपबंधु प्रशासन अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा प्रायोजित)	15-19 दिसंबर	डॉ. सुरभि पांडे	48
125.	भारतीय दूर संचार सेवा (आईटीएस) के परिवीक्षार्थियों के लिए ''लोकनीति निर्माण'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एनटीआईपीआरआईटी द्वारा प्रायोजित)	16-20 दिसंबर, 2024	प्रो. सुरेश मिश्रा डॉ. ममता पठानिया	9
126.	डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय अधिवेशन IV: 'विकसित भारत @2047के विकास प्ररक तत्ववं' विषय पर स्मृति व्याख्यान श्रृंखला	19-20 दिसंबर, 2024	प्रो. नीतू जैन डॉ. श्वेता मित्तल	60
127.	'दूरसंचार विनिर्माण और सेवा गंतव्य के रूप में भारत के ब्रांड निर्माण' योजना के मूल्यांकन पर राष्ट्रीय हितधारक परामर्श कार्यशाला	23 दिसंबर, 2024	डॉ. पवन तनेजा	25
128.	ओएएस (डीआर-2021 बैच) के लिए लोकप्रशासन एवं शासन पर परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अनुभव भ्रमण (गोपबंधु प्रशासन अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा प्रायोजित)	6-10 जनवरी, 2025	डॉ. सुरभि पांडे	56
129.	धार्मशाला में शहरी शासन पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (शहरी विकास विभाग और धर्मशाला नगर निगम द्वारा प्रायोजित)	8-9 जनवरी, 2025	प्रो. के.के पांडे डॉ. अमित सिंह डॉ. कुसुम लता	55
130.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सेबी स्तर के सहायक महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक, कार्यकारी निदेशक, वरिष्ठ महाप्रबंधक, प्रबंधक, विधि मंच निदेशक (नाहार्ड द्वारा प्रायोजित) के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	13 जनवरी - 28 फरवरी, 2025	डॉ. रोमा देबनाथ डॉ. पवन के. तनेजा	55
131.	महालेखा परीक्षक कार्यालय के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, (केंद्रीय तिब्बती प्रशासन, धर्मशाला द्वारा प्रायोजित)	13-18 जनवरी, 2025	डॉ. सुरभि पांडे	33
132.	पीएसयू, सेबी स्तर के एजीएम, डीजीएम ईई वरिष्ठ जीएम, प्रबंधक, निदेशक कानूनी मंच के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम (एनएएचएआरडी द्वारा प्रायोजित)	20-21 जनवरी, 2025	डॉ. सुरभि पांडे	125

133.	गंगा नदी चरण II के हितधाारकों के लिए मिश्रित क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम – ऑनलाइन (एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	20–22 जनवरी, 2025	प्रो. विनोद के. शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	45
134.	जनसंख्या गतिशीलता और लोक नीति पर प्रभाव पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम का शुभारंभ (यूएनएफपीए, सीवाईएसडी, भुवनेश्वर द्वारा प्रायोजित)	20 जनवरी, 2025	डॉ. गदाधर महापात्र	40
135.	क्षमता निर्माण कार्यक्रम– गंगा नदी के हितधारकों के लिए (चरण–।।)– कमला ग्राम विकास संस्थान (एनएमसीजी) के सहयोग से	23–24 जनवरी, 2025	प्रो. विनोद के. शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	25
136.	संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ क्षमता निर्माण पर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सलाहकार समितियों के साथ सीयूएस की बैठक	24 जनवरी, 2025	प्रो. के.के. पांडे डॉ. कुसुम लता डॉ. सचिन चौधरी डॉ. अमित कुमार सिंह	19
137.	जीसीएनईपी, बहादुरगढ़ में परमाणु ऊर्जा विभाग के वैज्ञानिक अधिकारी के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम	27–31 जनवरी, 2025	डॉ. सुरभि पांडे	25
138.	''वैज्ञानिक संस्थानों में वित्तीय प्रबंधन'' पर 12वां प्रशिक्षण कार्यक्रम (वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद्) (डीएसटी द्वारा प्रायोजित)	27–31 जनवरी, 2025	डॉ. पवन तनेजा	25
139.	बिहार सरकार के प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए तीसरा फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड द्वारा प्रायोजित)	27–31 जनवरी, 2025	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	51
140.	बिहार सरकार के प्रांतीय सिविल सेवा अधि कारियों के लिए तीसरा फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड द्वारा प्रायोजित)	3–7 फरवरी, 2025	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	52
141.	भारतीय रक्षा संपदा सेवा (आईडीईएस) के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए लोक प्रशासन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित)	3–7 फरवरी, 2025	डॉ. ममता पठानिया	11
142.	शहरी विकास पर पांच दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम: स्थिति, मुद्दे और रणनीतियाँ	3–7 फरवरी, 2025	प्रो. के.के. पांडे डॉ. कुसुम लता डॉ. सचिन चौधरी डॉ. अमित कुमार सिंह	14
143.	गंगा नदी केचरण–।। के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम (एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	4–7 फरवरी, 2025	डॉ. श्यामली सिंह प्रो. विनोद के शर्मा	70

144.	गंगा नदी के चरण-।। के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम (एनएमसीजी द्वारा प्रायोजित)	10-12 फरवरी, 2025	डॉ. श्यामली सिंह प्रो. विनोद के शर्मा	50
145.	मंडी में शहरी गवर्नेंस पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीयूएस द्वारा प्रायोजित)	11-12 फरवरी, 2025	डॉ. अमित सिंह डॉ. सचिन चौधारी	40
146.	बवेरियन संसद के प्रतिनिधि मंडल का जर्मनी दौरा	11 फरवरी-2025	डॉ. वी.एन आलोक	20
147.	लोक निर्माण के लिए परियोजना और जोखिम प्रबंधन (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) द्वारा प्रायोजित)	12-25 फरवरी, 2025	डॉ. रोमा देबनाथ डॉ. पवन तनेजा	35
148.	माननीय पंचायती राजमंत्री द्वारा 'राज्यों में पंचायतों को हस्तांतरण की स्थिति: एक सांकेतिक साक्ष्य-आधारित रैंकिंग' (एमओपीआर द्वारा प्रायोजित)	13 फरवरी, 2025	प्रो. वी.एन. आलोक	250
149.	सतत शहरी भविष्य: नीति, नियोजन, प्रबंधन-एकबहु-विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ज्ञान भागीदार के रूप में एक्सआईएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा के सहयोग से)	13-14 फरवरी, 2025	प्रो. के.के. पांडे	55
150.	गुजरात राजपत्रित सेवा (श्रेणी-II) राज्य के अधिकारियों को आधारभूत प्रशिक्षण (सरदार पटेल लोक प्रशासन संस्थान (एसपीआईपीए) द्वारा प्रायोजित)	17-21 फरवरी, 2025	डॉ. सुरभि पांडे	34
151.	बिहार सरकार के प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए तीसरा आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड द्वारा प्रायोजित)	24-28 फरवरी, 2025	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	98
152.	ग्रामीण समाजों के लिए महिला वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर 13वाँ प्रशिक्षण कार्यक्रम (डीएसटी द्वारा प्रायोजित)	24-28 फरवरी, 2025	प्रो. विनोद शर्मा डॉ. चारू मल्होत्रा	21
153.	प्रशासनिक कौशल के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम (नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित)	24-28 फरवरी, 2025	डॉ. साकेत बिहारी डॉ. मनन द्विवेदी	25
154.	बिहार सरकार के प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए तीसरा आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड द्वारा प्रायोजित)	3-7 मार्च, 2025	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	95

155.	प्रशासनिक कौशल के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम (नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित)	3–7 मार्च, 2025	डॉ. साकेत बिहारी डॉ. मनन द्विवेदी	25
156.	तकनीकी एवं प्रशासनिक अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम (आईएएसएसटी गुवाहाटी)	3–7 मार्च, 2025	प्रो. विनोद के. शर्मा डॉ. पवन तनेजा	35
157.	प्रत्यक्ष बिक्री और उपभोक्ता संरक्षण के मुद्दों पर राष्ट्रीय सम्मेलन: चिंताएँ और चुनौतियाँ पर कार्यशाला (पिपलबाइटइन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित)	12 मार्च, 2025	डॉ. सपना चड्डा	150
158.	बिहार सरकार के प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए तीसरा आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (बिपार्ड द्वारा प्रायोजित)	17–21 मार्च, 2025	डॉ. ममता पठानिया डॉ. अमित सिंह	90
159.	भारत के सर्वोच्च न्यायालय की ई-समिति के माध्यम से जिला न्यायाधीशों सहित जिला न्यायपालिका के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रायोजित)	17–21 मार्च, 2025	डॉ. सुरभि पांडे	27
160.	जलवायु कार्रवाई, एआई, एसडीजीएस और जल प्रबंधन को एकीकृत करने संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएसडब्ल्यू)	19 मार्च, 2025	प्रो. विनोद के. शर्मा डॉ. श्यामली सिंह	100
161.	प्रशासनिक कौशल के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम (नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित)	24–28 मार्च, 2025	डॉ. साकेत बिहारी डॉ. मनन द्विवेदी	25
162.	ओएएस (डीआर–2021 बैच) के लिए लोक प्रशासन और शासन (गवर्नेंस) पर परिचयात्मरक प्रशिक्षण कार्यक्रम सह एक्सपोजर विजिट (गोपबंधु प्रशासन अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा प्रायोजित)	31 मार्च – 4 अप्रैल, 2025	डॉ. सुरभि पांडे	68
			कुल	**9850**

अनुलग्नक एफ.3

शाखाओं की गतिविधियाँ

क्षेत्रीय शाखाएँ

असम

प्रस्तावना सम्मेलन

1. कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर प्रारंभिक सम्मेलन आयोजित किया गया। प्रोफेसर शांतनु चक्रवर्ती, डीन, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, गिरिजानंद चौधरी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी ने मुख्य भाषण दिया। (29.9.2024)

कार्यशालाएं

1. रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी के सहयोग से अनुसंधान पद्धतिः आईटी कौशल और एसपीएसएस का उपयोग पर पांच दिवसीय कार्यशाला (13 - 17.5.2024)
2. रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी के सहयोग से लोक प्रशासन में अनुसंधान के उभरते क्षेत्रों पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड)। (29.5.2024 से 3.6.2024)
3. गुवाहाटी विश्वविद्यालय के सहयोग से असम में लैंगिक और गवर्नेंसः संस्थानों की कार्यप्रणाली और नीतियों का अध्ययन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला (14.11.2024)

अनुसंधान परियोजना

अविभाजित असम का प्रशासनिक इतिहास 1826-1947, भाग-II (1947-1972) शुरू किया गया है।

बिहार

सेमिनार/सम्मेलन

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1.	''एक राष्ट्र एक चुनाव'' विषय पर आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता श्री विजय प्रकाश, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने की और उच्च शिक्षा परिषद, बिहार के उपाध्यक्ष प्रोफेसर कामेश्वर झा मुख्य अतिथि थे। प्रोफेसर शेफाली रॉय ने मुख्य भाषण दिया।	27 सितंबर, 2024
2.	''विकसित भारत @2047: पूर्वी भारत की चिंताएँ'' पर आईआईपीए का पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन। सम्मेलन की अधयक्षता श्री विजय प्रकाश, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने की, मुख्य अतिथि श्री एस.एन त्रिपाठी, आईएएस (सेवानिवृत्त), महानिदेशक आईआईपीए, नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि श्री ए.वी सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष, राजस्व बोर्ड बिहार, श्री अमिताभ रंजन, कुलसचिव, आईआईपीए और बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाओं के प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में सहभागिता की।	22 जनवरी, 2025

व्याख्यान बैठकें / चर्चाएँ

क्र.सं.	विषय, टॉपिक और संकाय	दिनांक
1.	''बिहार शासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ'' विषय परविश्वनाथ प्रसाद स्मृति व्याख्यान। आईआईपीए, नई दिल्ली के महानिदेशक श्री एस.एन. त्रिपाठी मुख्य अतिथि थे, आईएएस श्री नर्मदेश्वरलाल और आईआईपीए के कुल सचिव श्रीअमिताभ रंजन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह की	7 सितंबर2024

	अध्यक्षता आईएएस (सेवानिवृत्त) श्री विजय प्रकाश ने की। बिहार क्षेत्रीय शाखा के सचिव डॉ. आर. के. वर्मा और शाखा के संयुक्त सचिव डॉ. निशांतकुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया।	
2.	मानवाधिकार दिवस के अवसर पर ''बिहार में कैदियों के मानवाधिकार'' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह परिचर्चा श्री आनंदवर्धन सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त) एवं बिहार मानवाधिकार आयोग (बीएचआरसी) के पूर्व सचिव द्व ारा दी गई। परिचर्चा की अध्यक्षता शाखा के अध्यक्ष श्री विजय प्रकाश, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने की।	10 दिसंबर, 2024.

निबंध प्रतियोगिताएं

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1.	''बिहार शासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ'' विषय पर रामाधार ओझा स्मृति निबंध प्रतियोगिता,	7 सितंबर, 2024
2.	''एक राष्ट्र एक चुनाव'' विषय पर जे.के.पी सिन्हा स्मृति वार्षिक निबंध प्रतियोगिता। इस प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की।	27 सितंबर, 2024

प्रकाशन

क्र.सं.	पुस्तकें/रिपोर्ट/जर्नल इत्यादि
1.	बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन वॉल्यूम। XXI नंबर 1 जनवरी-जून, 2024 आईएसएसएन: 0974-2735 यूजीसी-केयर जर्नल्स की सूची में शामिल
2.	बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन खंड XXI अंक 1 जनवरी-जून, 2024 (न्यायिक प्रशासन पर विशेष अनुपूरक) आईएसएसएन: 0974-2735 यूजीसी-केयर जर्नल्स की सूची में शामिल
3.	बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन वॉल्यूम। XXI नंबर 2 जुलाई-दिसंबर, 2023 आईएसएसएन: 0974-2735 यूजीसी-केयर जर्नल्स की सूची में शामिल
4.	बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन खंड XXI अंक 2 जुलाई-दिसंबर 2022 (गवर्नेंस, कानून और सामाजिक न्याय पर विशेष अनुपूरक) आईएसएसएन: 0974-2735 यूजीसी-केयर जर्नल्स की सूची में शामिल

अन्य गतिविधियाँ

जीविका बिहार के साथ एमओयू पर विचार चल रहा है.

छत्तीसगढ

सेमिनार

1. ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर संगोष्ठी। (8.10. 2024)

व्याख्यान बैठक / चर्चा

1. छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन अधिकारी, आईएएस श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले द्वारा लिखित ''हालिया चुनावों से सीख- चुनावी प्रबंधन की चुनौतियाँ''। (25.8.2024)

अन्य गतिविधियाँ

1. शाखा को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम छत्तीसगढ़, 1973 के तहत एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत

किया गया है। इसलिए, शाखा की सभी गतिविधियाँ सोसायटी के रूप में संचालित की जा रही हैं।

2. शाखा के अनुरोध पर राज्य सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में शाखा को 2 लाख रुपये के अनुदान का प्रावधान किया है। गत वर्ष यह अनुदान केवल 1 लाख रुपये था।
3. शाखा स्कूली विद्यार्थियों के लिए ''विकसित छत्तीसगढ़'' 2047 मेरी परिकल्पना ''विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन करेगी।

जम्मू और कश्मीर

प्रस्तावना सम्मेलन

1. ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर प्रस्तावना सम्मेलन। विषय पर प्रोफ सुरेश मिश्रा, चेयर प्रोफेसर (उपभोक्ता मामले) आईआईपीए, नई दिल्ली द्वारा मुख्य भाषण दिया गया। (17 अक्टूबर, 2024)

व्याख्यान/एजीएम बैठक/चर्चा

क्र.सं.	विषय, टॉपिक और वक्ता	दिनांक
1.	कश्मीर विश्वविद्यालय में आईआईपीए वार्षिक वाद-विवाद 2024 का विषय ''कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जाति के लाभ के लिए विश्व को नया आकार दे रही है।''	21 अगस्त, 2024
2.	''समाविष्ट और अनावृत: एक पत्रकार का गहन अनुभव और उसकी संवेदनशीलता'' पर 14वां सतपॉल साहनी स्मारक व्याख्यान वक्ता: श्री प्रदीप दत्ता, वरिष्ठ संपादक, टाइम्स नाउ	6 सितंबर, 2024
3.	23वां वीरन्ना ऐवल्ली स्मारक: विषय: वर्तमान भारतीय उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए रोजगार और अवसर सृजित करने के अनुरूप है।	24 दिसंबर, 2024
4.	46वीं वार्षिक आम बैठक	1 फरवरी, 2025
5.	''एनसीएसएस के तहत औद्योगीकरण से स्थानीय जनता को लाभ ''विषय पर 11वां श्री रामसहाय स्मारक व्याख्यान मुख्यवक्ता- डॉ. अरुणमन्हास, जेकेएएस निदेशक, उद्योग एवं वाणिज्य, जम्मू	29 मार्च, 2025

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

क्षेत्र अन्वेषकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (23 मार्च, 2025)

ध्वजारोहण समारोह आयोजित

1. 15 अगस्त, 2024 को 78वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह
2. 26 जनवरी, 2025 को 76वाँ गणतंत्र दिवस समारोह

परियोजनाएं/अनुसंधान अध्ययन

1. जम्मू-कश्मीर में नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955 और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के कार्यप्रणाली पर प्रस्ताव।
2. जम्मू क्षेत्र में अनुसूचित जाति समुदाय की शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन।
3. भारत में जिला शासन का दस्तावेजीकरण (संस्थाएं, संरचनाएं और प्रणालियां)।

प्रकाशन

वाल्युम XIV समाचार पत्र दिसंबर 2023 संख्या 1 और 2।

कर्नाटक

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी

1. केएलई लॉ कॉलेज, बेंगलुरु के सहयोग से कॉलेज परिसर में साइबर सुरक्षा, लोक सार्वजनिक नीति और कानून विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया । डॉ. एम.ए सलीम, आईपीएस, पुलिस महानिदेशक, सीआईडी, विशेष इकाइयाँ और आर्थिक अपराध, कर्नाटक ने उद्घाटन भाषण

दिया। कार्यशाला में तीन संसाधन व्यक्ति थे: श्री वामसी कृष्णा, आईपीएस, पुलिस उप-महानिरीक्षक, आर्थिक अपराध, कर्नाटक। उन्होंने ''भारत में उभरते साइबर अपराध खतरा परिदृश्य और कानून ''विषय पर श्रोताओं को जानकारी दी; श्री के. वेंकटेश मूर्ति, वरिष्ठ निदेशक, डेटा सुरक्षा परिषद् ऑफ इंडिया। उन्होंने ''कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक'' पर बात की। डॉ. शैलजा शास्त्री, निदेशक, अनुसंधान, आपका दोस्त, बेंगलुरु। उन्होंने ''साइबर सुरक्षा और मनोविज्ञान'' पर बात की ।

2. मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन (एमएएचई-बेंगलुरु) और इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज (आईएसईसी), बेंगलुरु के सहयोग से एमएएचई-बेंगलुरु परिसर में ''सस्टेनिटी-2024: असमान विश्व में विकास हेतु सार्वजनिक नीतियों के मार्ग'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एमएएचई-बीएलआर के सम-कुलपति प्रो. मधु वीर राघवन ने उद्घाटन भाषण दिया। आईएसईसी, बेंगलुरु के माननीय विजिटिंग प्रोफेसर प्रो. एम.वी नाडकर्णी ने मुख्य भाषण दिया। (1) विभिन्न दृष्टिकोणों से स्थिरता और (2) सतत विकास के लिए सार्वजनिक नीति निर्माण में डेटा और संचार को जोड़ना' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। स्थिरता और सतत विकास के विभिन्न आयामों से संबंधित दस तकनीकी सत्रों में लगभग 35 पत्र प्रस्तुत किए गए। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून 2024) पर 'स्थायित्व (सस्टेनिटी) शपथ' ली गई; और रिवाइल्डिंग टीम द्वारा एक कैम्पस वॉक का समन्वय किया गया, जिसमें एमएएचई-बीएलआर परिसर को हरा-भरा और पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए की जा रही विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला गया। (5-6.6.2024)

3. 22 जुलाई से 5 अगस्त 2024 तक ''कार्य में शासन'' पर 36 घंटे का ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स सामाजिक विज्ञान और शिक्षा अनुसंधान केंद्र (सीआरएसएसई), जैन (डीम्ड-टू-बी) विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

4. सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से कॉलेज परिसर में ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' (ओएनओई) विषय पर एक प्रस्तावना सम्मेलन का आयोजन किया गया। (28.09.2024)

5. बैंगलोर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से ''भारत में प्रौद्योगिकी, नीति और हाशिए पर पड़े समुदाय'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन को प्रधानमंत्री-ऊषा योजना और कर्नाटक क्षेत्रीय शाखा द्वारा वित्त पोषित किया गया। श्री राजीव चावला, आईएएस (सेवानिवृत्त), मुख्य ज्ञान अधिकारी एवं सलाहकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दिया। (6-7.02.2025)

6. डॉ. बी.आर अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (बीएएसई) विश्वविद्यालय के सहयोग से ''नागरिक-केंद्रित, कुशल और प्रभावी गवर्नेंस के लिए ई-गवर्नेंस के उपयोग में हालिया प्रगति'' विषय पर दक्षिण क्षेत्र और महाराष्ट्र की क्षेत्रीय शाखाओं का एक दिवसीय सम्मेलन बेंगलुरु के बीएएसई विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। श्री प्रियांक खड़गे, माननीय ग्रामीण विकास और पंचायत राज, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी मंत्री, कर्नाटक सरकार ने उद्घाटन भाषण दिया। श्री राजीव चावला, आईएएस (सेवानिवृत्त), मुख्य ज्ञान अधिकारी और सलाहकार, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने मुख्य भाषण दिया। श्री एस.एन त्रिपाठी, आईएएस (सेवानिवृत्त), आईआईपीए के महानिदेशक उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि थे। श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस, सचिव, कार्मिक, लोक शिकायत और पेन्शन मंत्रालय, भारत सरकार ने ऑनलाइन अध्यक्षीय भाषण दिया। बेस विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति डॉ. डी. राजशेखर ने संस्थान द्वारा की गई प्रगति का संक्षिप्त विवरण दिया। (21.02.2025)

7. क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, राजनीति विज्ञान और इतिहास विभाग के सहयोग

से ''लोक नीति और लोक प्रशासन में समकालीन रुझान और दृष्टिकोण'' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। (11-12.03. 2025)

विशेष व्याख्यान / वेब वार्ता / पैनल चर्चा / पुस्तक चर्चा

1. श्री आर. गोकुल, आईएफएस, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं निदेशक (तकनीकी प्रकोष्ठ), वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा ''पर्यावरण नीति के कार्यान्वयन में चुनौतियाँ'' विषय पर एक व्याख्यान डॉ. बीआर अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। (20.04.2024)
2. कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो, अमेरिका में टाटा चांसलर के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर कार्तिक मुरलीधारन द्वारा उनकी हालिया पुस्तक, 'भारत के विकास में तेजी: प्रभावी शासन के लिए राज्य-नेतृत्व वाली रोडमैप' पर एक व्याख्यान बेंगलुरु में आयोजित किया गया। (05.08.2024)
3. टाटा चांसलर के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर कार्तिक मुरलीधरन द्वारा उनकी हालिया पुस्तक, 'भारत के विकास में तेजी: प्रभावी शासन के लिए राज्य-नेतृत्व वाली रोडमैप' पर एक व्याख्यान बेंगलुरु विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। (07.08.2024)
4. कर्नाटक सरकार के पूर्व मुख्य सचिव, आईएएस (सेवानिवृत्त) श्री एस.वी. रंगनाथ द्वारा विद्वत संगोष्ठी श्रृंखला के अंतर्गत ''लोक नीति एवं शासन'' विषय पर एक विशेष व्याख्यान। (07.10.2024)
5. 'सतत विकास के लिए कर्नाटक का दृष्टिकोण: नीतियां और चुनौतियां' विषय पर द्वितीय वार्षिक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन जैन (मान्य) विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा अनुसंधान केंद्र के सहयोग से संयुक्त रूप से किया गया। (26.11.2024)
6. जैन (मान्य) विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा अनुसंधान केंद्र के सहयोग से 'सतत विकास के प्रति कर्नाटक का दृष्टिकोण: नीतियां एवं चुनौतियां' विषय पर एक विचारोत्तेजक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। (26.11.2024)
7. न्यूयार्क विश्वविद्यालय, अबू धाबी में राजनीति विज्ञान के ग्लोबल नेटवर्क प्रोफेसर डॉ. राहुल सागर द्वारा एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसका विषय था, ''प्रशासक हमारे महाराजाओं से क्या सीख सकते हैं? राजा सर तंजौर माधव राव से सबक''। (1.1.2025)

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए

1. कर्नाटक प्रशासनिक सेवा अधिकारी संघ और ई-गवर्नेंस विभाग, कर्नाटक सरकार के सहयोग से 19 अगस्त 2024 को कर्नाटक प्रशासनिक सेवा (केएएस) के अधिकारियों के लिए 'प्रमुख ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। लगभग 40 के.ए.एस. अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम से लाभ उठाया।
2. कर्नाटक प्रशासनिक सेवा अधिकारियों के लिए 'प्रमुख ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों' पर दूसरे दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर्नाटक प्रशासनिक सेवा अधिकारी संघ और ई-गवर्नेंस विभाग, कर्नाटक सरकार के सहयोग से 23 अक्टूबर, 2024 को किया गया। लगभग 20 केएएस अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और लाभान्वित हुए।
3. कर्नाटक प्रशासनिक सेवा अधिकारियों के लिए 'प्रमुख ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों' पर तीसरे दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर्नाटक प्रशासनिक सेवा अधिकारी संघ और ई-गवर्नेंस विभाग, कर्नाटक सरकार के सहयोग से 25 नवंबर, 2024 को किया गया। लगभग 21 केएएस अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की और लाभ उठाया।
4. कर्नाटक प्रशासनिक सेवा अधिकारियों के लिए 'प्रमुख ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों' पर चौथे दिवसीय

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर्नाटक प्रशासनिक सेवा अधिकारी संघ और ई-गवर्नेंस विभाग, कर्नाटक सरकार के सहयोग से 23 दिसंबर 2024 को किया गया। कर्नाटक प्रशासनिक सेवा के 29 वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की और लाभ उठाया।

5. 24 दिसंबर 2024 को 'उपभोक्ता संरक्षण और संबंधित मुद्दों' पर एक दिवसीय 'प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम' आयोजित किया गया।

प्रकाशन

1. कर्नाटक में कोविड-19 का प्रबंधन: भविष्य के लिए सबक- श्री टी.एम विजय भास्कर, आईएएस (सेवानिवृत्त) द्वारा संपादित
2. कर्नाटक सरकार की गृहलक्ष्मी योजना का मूल्यांकन अध्ययन
3. कर्नाटक सरकार की 'शक्ति' योजना का मूल्यांकन अध्ययन
4. वर्चुअल न्यूजलेटर्स खंड 4, संख्या 39 (अक्टूबर 2023) से खंड 5, संख्या 50 (सितंबर- 2024) तक-संग्रह-4- श्री टी.एम विजय भास्कर, आईएएस (सेवानिवृत्त) द्वारा संपादित
5. मासिक ऑनलाइन समाचार पत्र (न्यूकजलेटर्स)

अन्य गतिविधियाँ

1. आईआईपीए की कर्नाटक क्षेत्रीय शाखा ने अपनी वेबसाइट: http://www.iipa-krb.org.in लॉन्च की।
2. आर.वी. विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में एम.ए. पब्लिक पॉलिसी कार्यक्रम का शुभारंभ।
3. कर्नाटक के लिए जिला सुशासन सूचकांक (डीजीजीआई) के विकास और कार्यान्वयन के लिए एक सहयोगात्मक ढांचे के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु और कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग (एआर), कर्नाटक सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
4. वर्ष के दौरान निम्नलिखित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए:

1) डॉ. बीआर अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु- 20.04.2024

2) मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी (एमएएचई), बेंगलुरु- 16.05.2024

3) क्राइस्ट (मान्य) विश्वविद्यालय, बेंगलुरु- 11.03.2025

इस प्रकार शाखा द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों की कुल संख्या 13 हो गई है।

केरल

सेमिनार/वेबिनार/सम्मेलन/कार्यशाला

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1.	कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए साइबर सुरक्षा, ऑल सेंट्स कॉलेज, तिरुवनंतपुरम	01/08/2024
2.	राष्ट्र, समाज, राजनीति और प्रशासन: अतीत और वर्तमान को जोड़ना, यूनिवर्सिटी कॉलेज, तिरुवनंतपुरम	09/08/2024
3.	पृथ्वी का जलवायु इतिहास, राजकीय महिला महाविद्यालय, तिरुवनंतपुरम	14/08/2024
4.	कोझिकोड विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के साथ ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर प्रस्तावना सम्मेलन	11/09/2024
5.		24/09/2024
6.	उभरती वैश्विक व्यवस्था और भारत की विदेश नीति का रणनीतिक पुनर्स्थापन, एनएसएस कॉलेज, चंगनास्सेरी	12/11/2024
7.	संविधान दिवस समारोह, ऑलसेंट्स कॉलेज, तिरुवनंतपुरम	29/11/2024

8.	कोल्लम और इसके विकास के दृष्टिकोण: अतीत और वर्तमान	04/12/2024
9.	पश्चिम एशिया में उभरते रुझान, सरकारी कक्कलेज, चालाकुडी	29/01/2025
10.	केरल में जलवायु संकट: राजनीतिक दृष्टिकोण का अभाव, एस. ग्रेगोरियोस कॉलेज, कोट्टाराक्कारा	19/03/2025

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

गणतंत्र दिवस समारोह और भारतीय संविधान एवं शासन पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का उद्घाटन, यूनिवर्सिटी कॉलेज तिरुवनंतपुरम (27/01/2025)

शोध अध्ययन

1. मानदसचिव डॉ. जी. राधाकृष्ण कुरुप के मार्गदर्शन और देखरेख में तैयार की गई पीएच.डी।
2. केरल क्षेत्रीय शाखा के संयुक्त सचिव डॉ. रोनी थॉमस ने दो शोधार्थियों के साथ दक्षिणी क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 21 फरवरी, 2025 को ''केरल में डिजिटल परिवर्तन: नागरिक केंद्रित सेवाओं के लिए ई-गवर्नेंस'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

1. कोल्लम: अतीत और वर्तमान प्रकाशित
2. समाचार पत्रिका प्रकाशित

अन्य गतिविधियाँ

कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

मध्य प्रदेश

सेमिनार/क्षेत्रीय सम्मेलन/व्याख्यान बैठकें/चर्चाएँ

विषय	मुख्य वक्ता	दिनांक
अन्तरिक्ष में भारत	श्री तपन मिश्रा	20 अप्रैल 2024
जलवायु परिवर्तन का कृषि पर प्रभाव	श्री ललित सिंघानिया	18 मई 2024
नई सरकार की अपेक्षायें	मुक्त चर्चा	15 जून 2024
स्वैच्छिक संस्थाओं का विकास में योगदान	मुक्त चर्चा	13 जुलाई 2024
एक राष्ट्र एक चुनाव	मुक्त चर्चा	16 सितंबर 2024
नये विधि संबंधी अधिनियम	श्री चंचल शेखर सुश्री रश्मि पाण्डेय एवं सुश्री सुचित्रा वर्मा	19 अक्तूबर 2024
लोक लुभावन वायदों का प्रशासन पर प्रभाव	श्री भागीरथ प्रसाद	12 दिसंबर 2024
केन्द्रीय बजट तथा इसका प्रभाव	मुक्त चर्चा	15 फरवरी 2025
अति उपभोग काल में उपभोक्ता संरक्षण	प्रो. सुरेश मिश्रा	22 मार्च 2025

इसके अतिरिक्त अगस्त 2024 में शाखा क्षरा मध्य प्रदेश अकादमी के सहयोग से परिक्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय शाखाओं के प्रतिनिधिगण ने भाग लिया। यह देश में होने वाला पहला परिक्षेत्रीय सम्मेलन था।

शाखा द्वारा परम्परा के अनुरूप वार्षिक निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। हमें इस वर्ष 660 निबंध प्राप्ति हुए, सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र दिये गये।

इस वर्ष मध्य प्रदेश शाखा को एक जिले के पूर्व

काल तथा वर्तमान की पृष्ठभूमि में भावी स्वीरूप के बारे में अनुसंधान करने का दायित्व दिया जो हमारी शाखा ने दमोह जिले का चयन कर सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। जिला अध्ययन रिपोर्ट का विमोचन वार्षिक सम्मेलन में किया गया।

हमारी मासिक पत्रिका सामान्य रूप से प्रकाशित होती रही है तथा अगस्त 2024 में परिक्षेत्रीय सम्मेलन के आयोजन के समय हमारी वार्षिक प्रशासक प्रशासिका, 2023 का विमोचन भी हो सका।

महाराष्ट्र

प्रस्तावना सम्मेलन

1. शाखा और सामान्य प्रशासन विभाग (एआईई और जीजी), मुंबई ने संयुक्त रूप से 4 अक्टूबर, 2024 को श्री उरविंदर मदान, आईएएस (सेवानिवृत्त) पूर्व मुख्य सचिव, महाराष्ट्र सरकार और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' विषय पर प्रस्तावना सम्मेलन 2024 का आयोजन किया है।

व्याख्यान बैठक/एजीएम

1. लोकप्रशासन मंच और स्वर्गीय रमेशवारपुडकर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, सोनपेठ, जिला परभणी द्वारा 17 जनवरी, 2025 को ''महाराष्ट्र लोकसेवा अधिकार अधिनियम, 2015: पृष्ठभूमि, चुनौतियाँ और समाधान'' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया।।
2. महाराष्ट्र क्षेत्रीय शाखा, मुंबई की 69वीं वार्षिक आम बैठक 27 सितंबर, 2024 को आयोजित की गई।

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

शाखा ने वर्ष 2024-2025 के दौरान मंत्रालय अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए निम्नलिखित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं:

क्र.सं.	दिनांक	विषय	संसाधन व्यक्ति
1.	08/05/2024	एमसीएसआर (आचरण), (अनुशासन और अपील नियम) और विभागीय पूछताछ।	श्री आशीष लोपेज अवर सचिव (सेवानिवृत्त), जीओएम
2.	09/05/2024	बजट और वित्तीय नियम	डॉ. राजेंद्र गाडेकर उप सचिव, एफडी, मंत्रालय, मुंबई
3.	10/05/2024	एमसीएसआर (कार्यग्रहण अवधि, वेतन नियतनछुटी नियम और सामान्य सेवा शर्तें)	श्री आशीष लोपेज अवर सचिव (सेवानिवृत्त), जीओएम
4.	14/05/2024	आहरण एवं संवितरण अधिकारी की जिम्मेदारियां एवं कर्तव्य	डॉ. राजेंद्र गाडेकर उप सचिव, एफडी, मंत्रालय, मुंबई
5.	15/05/2024	भर्ती नियम, वरिष्ठता नियम, चयन ग्रेड सूची, पदोन्नति, विभागीय परीक्षाएं, मान्य तिथि, आरक्षण और गोपनीय रिपोर्ट।	श्री आशीष लोपेज अवर सचिव (सेवानिवृत्त)
6.	10/12/2024	बीम्स (बजट अनुमान आवंटन निगरानी प्रणाली)	श्री गणेश सोमनाथ भोंडीवले लेखा अधिकारी, लेखा एवं कोषागार निदेशालय, मंत्रालय, मुंबई
7.	11/12/2024	बजट और वित्तीय नियम	डॉ. राजेंद्र गाडेकर उप सचिव, एफडी, मंत्रालय, मुंबई
8.	12/12/2024	महाराष्ट्र कार्यालय प्रक्रिया नियमावली 2023	श्री आशीष लोपेज अवर सचिव (सेवानिवृत्त), जीओएम

9.	13/12/2024	भर्ती नियम, वरिष्ठता नियम, चयन ग्रेड सूची, पदोन्नति, विभागीय परीक्षाएं, मान्य तिथि, आरक्षण और गोपनीय रिपोर्ट।	श्री आशीष लोपेज अवर सचिव (सेवानिवृत्त), जीओएम
10.	20/01/2025	प्राकृतिक चिकित्सा और योग के माध्यम से तनाव प्रबंधन	डॉ. प्रकाश कोंडेकर, प्राकृतिक चिकित्सक
11.	21/01/2025	समय प्रबंधन	डॉ. प्रकाश कोंडेकर, प्राकृतिक चिकित्सक
12.	22/01/2025	सरकार में कानूनी मामले	श्री आर.डी. संखे (सेवानिवृत्त) सचिव विधि एवं न्यायपालिका विभाग, मंत्रीमंडल
13.	23/01/2025	सरकार में विधायी मामले	डॉ. अनंत काल से, (सेवानिवृत्त) प्रधान सचिव, महाराष्ट्र
14.	24/01/2025	लोक सेवा का अधिकार अधिनियम-2015	श्री स्वाधीन एस. क्षत्रिय, आईएएस (सेवानिवृत्त) पूर्व मुख्य सचिव
15.	27/01/2025	सूचना का अधिकार अधिनियम-2005	श्री सुनील पोरवाल, आईएएस (सेवानिवृत्त) पूर्व राज्य सूचना आयुक्त
16.	28/01/2025	सुशासन (गवर्नेंस) मैनुअल, 2023	श्री स्वाधीन एस. क्षत्रिय, आईएएस (सेवानिवृत्त) पूर्व मुख्य सचिव
17.	29/01/2025	आचरण, अनुशासन और अपील नियम और विभागीय पूछताछ	श्री आशीष लोपेज अवर सचिव (सेवानिवृत्त), जीओएम
18.	30/01/2025	बजट और वित्तीय नियम	डॉ. राजेंद्र गाडेकर उप सचिव, एफडी मंत्रालय, मुंबई।
19.	31/01/2025	भर्ती नियम, वरिष्ठता नियम, चयन ग्रेड सूची, पदोन्नति, विभागीय परीक्षाएं, मान्य तिथि, आरक्षण और गोपनीय रिपोर्ट।	श्री आशीष लोपेज अवर सचिव (सेवानिवृत्त), जीओएम
20.	03/02/2025	बीईएएमएस (बजट अनुमान आवंटन निगरानी प्रणाली)	श्री गणेश सोमनाथ भोंडीवले लेखा अधिकारी, लेखा एवं कोषागार निदेशालय,
21.	04/02/2025	महाराष्ट्र कार्यालय प्रक्रिया नियमावली, 2023	श्री आशीष लोपेज अवर सचिव (सेवानिवृत्त), जीओएम

अन्य गतिविधियाँ

क) पुस्तकालय: क्षेत्रीय शाखा में सुव्यवस्थित पुस्तकालय है, जिसमें अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, प्रबंधन, इतिहास, प्रख्यात व्यक्तियों की जीवनियाँ और सैन्य एवं रक्षा कर्मियों द्वारा लिखित पुस्तकों सहित लोक प्रशासन के विभिन्न विषयों पर 12000 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। क्षेत्रीय शाखा अपने पुस्तकालय के अद्यतन/ डिजिटलीकरण का कार्य कर रही है।

ख) ''स्वर्गीय श्री बी.जी. देशमुख वार्षिक देशमुख वार्षिक निबंध प्रतियोगिता''

निबंध प्रतियोगिता 2024-2025 निम्नलिखित विषयों पर आयोजित की गई है:

1. विकसित भारत - ''2047 में भारत''

2. हाशिए पर पड़े लोगों के लिए लोकनीति

3. सरकार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

क्षेत्रीय शाखा को कुल 66 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं। मूल्यांकन प्रक्रिया जारी है।

ग) लोक प्रशासन में नवाचार के लिए स्वर्गीय डॉ. एस.एस गडकरी स्मृति पुरस्कार 2024-2025: क्षेत्रीय शाखा ने लोक प्रशासन में नवाचार के लिए स्वर्गीय डॉ. एस.एस गडकरी स्मृति पुरस्कार की स्थापना की है । माननीय अध्यक्ष महोदय ने बताया कि हमने ''स्वर्गीय डॉ. एस.एस गडकरी स्मृति पुरस्कार'' पर विचार हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं और हमें कुल 30 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं। क्षेत्रीय शाखा के माननीय अध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में अधिकार प्राप्त समिति इस पुरस्कार के लिए प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन करेगी और विजेता का चयन करेगी। यह पुरस्कार क्षेत्रीय शाखा की आगामी वार्षिक आम बैठक में प्रदान किया जाएगा।

मिजोरम

संगोष्ठी/सम्मेलन

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1.	आईआईपीए-एमआरबी ने मिजोरम विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग और सामाजिक विज्ञान स्कूल के सहयोग से मिजोरम विश्वविद्यालय में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह आईआईपीए प्रस्तावना सम्मेलन 2024 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का आयोजन किया।	24.10.2024
2.	मिजोरम विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला माह के उपलक्ष्य में 'महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता की दिशा में कार्रवाई में तेजी' विषय पर मिजोरम विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान स्कूल के सहयोग से राष्ट्रीय संगोष्ठी।	26.03.2025

व्याख्यान बैठकें / चर्चाएँ

क्र.सं.	विषय, टॉपिक और वक्ता	दिनांक
1.	तौंगताई बेथेल कैंपिंग सेंटर (नशा मुक्ति केंद्र) में मिजोरम विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय के सहयोग से आयोजित एक इंटरैक्टिव कार्यक्रम में प्रो. जोकैतलुआंगी और प्रो. जोएंगपारी ने संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।	25.04.2024
2.	मिजोरम विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के लोक नीति केंद्र के सहयोग से 'भारत में प्रासंगिक शासन' विषय पर विशेष व्याख्यान बैठक। श्री पी.सी. लॉमकुंगा, आईएएस (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, आईआईपीए-एमआरबी ने संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।	03.05.2024
3.	मिजोरम विश्वविद्यालय के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सेसांग के छात्रों और शिक्षकों के साथ संवादात्मक बैठक।	10.05.2024
4.	आईआईपीए-एमआरबी ने संयुक्त रूप से एमजेडयूके सामाजिक विज्ञान संकाय और शासन (गवर्नेंस) हेतु लोकनीति केंद्र के सहयोग से एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया। मिजोरम विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग द्वारा 'स्वदेशीता एक सामाजिक संरचना और राजनीतिक उपकरण के रूप में' विषय पर एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें टैक्सेस विश्वविद्यालय, ऑस्टिन के प्रो. बेंजामिनग्रेग ने संसाधान व्यक्ति के रूप में कार्य किया।	14.06.2024
5.	मिजोरम के चुनावों में महिलाओं की भागीदारी पर परामर्श, मिजोरम विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय और अखिल मिजोरम महिला महासंघ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. लालबियाकदीकी हनमते और प्रो. टी. वनलालतलानी ने संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।	05.09.2024

6.	लोक प्रशासन विभाग और सामाजिक विज्ञान स्कूल के सहयोग से आईआईपीए, नई दिल्ली के महानिदेशक के साथ संवादात्मवक (इंटरैक्टिव) बैठक।	14.09.2024
7.	लोक प्रशासन विभाग और सामाजिक विज्ञान स्कूल के सहयोग से राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान केंद्र, आईआईपीए नई दिल्ली की निदेशक प्रो. नुपुर तिवारी के साथ संवादात्मंक (इंटरैक्टिव) बैठक।	30.09.2024

शोध अध्ययन

एएमसी द्वारा प्रायोजित, आइजोल नगर निगम भवन विनियमों के प्रभाव पर शोध परियोजना, मिजोरम के प्रोफेसर लालनेहजोवी द्वारा संचालित की गई। (मार्च, 2024–मार्च, 2025)

प्रकाशन- पुस्तकें/रिपोर्ट/समाचार पत्र

प्रो. लालनेहजोवी

1. आईसीएसएसआर, एमजेडयू में व्याख्यान देते हुए
2. मिजोरम में कॉपीराइट उल्लंघन: मुद्दे और चुनौतियाँ समकालीन सामाजिक वैज्ञानिक (एक राष्ट्रीय संदर्भित पत्रिका)
3. मिजोरम में जलवायु प्रेरित विस्थापन समकालीन सामाजिक वैज्ञानिक (एक राष्ट्रीय संदर्भित पत्रिका)

अन्य गतिविधियाँ

शाखा के लघु पुस्तकालय को व्यक्तियों द्वारा खरीद/सदस्यता/दान करके कुछ नई पुस्तकों, जर्नल्स और मैगजीनों के साथ उन्नत किया गया।

ओडिशा

सेमिनार/सम्मेलन/व्याख्यान बैठकें/चर्चाएँ

क्र.सं.	विषय	वक्ताओं	अभ्युक्तियाँ	दिनांक
1.	सिविल सेवा और लोक सेवक: लोकतंत्र की रीढ़	श्री विवेक पटनायक, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व अध्यक्ष, ओपीएससी एवं प्रोफेसर प्रकाश च सदांगी, पूर्व वी.सी रेवेनशॉ यूनिवर्सिटी।		1–4–24
2.	न्यूरो आधारित नेतृत्व और प्रशासन	प्रोफेसर (कर्नल) डॉ. ज्योति सत्पथी		29–5–24
3.	भारत में पुलिस विवेकाधिकार कानूनी और गैर कानूनी कारक	डॉ. सत्यजीत मोहंती, पूर्व महानिदेशक (पुलिस), श्री एम. अक्षय, पूर्व महानिदेशक (पुलिस), श्री ए.बी. त्रिपाठी, पूर्व महानिदेशक (पुलिस), ओडिशा	पुस्तक का लोकापर्ण डॉ. सत्यजीत मोहंती, पूर्व महानिदेशक (पुलिस) द्वारा नए आपराधिक कानून, उद्देश्य और प्रभावकारिता	30–6–24
4.	घर–घर शासन (गवर्नेंस): मुद्दे, चुनौतियाँ और अवसर	डॉ. अजीत त्रिपाठी, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व मुख्य सचिव, श्री आर.एन. सेनापति, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व देव आयुक्त एवं सदस्य, राज्य वित्त आयोग श्री जगदानंद पूर्व राज्य सूचना आयुक्त		20–7–24

5.	एजीएम वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियाँ- हमारी साझा चिंताएं			18-8-24
6.	एक राष्ट्र एक चुनाव पर संगोष्ठी	प्रोफेसर सूर्य नारायण मिश्रा, पूर्व विभागाध्यक्ष, पोल.एससी. युयु, श्री दिलीप बिसोई, वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व राज्य सूचना आयुक्त, श्री सहदेव साहू, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व मुख्य सचिव, ओडिशा		22-9-24
7.	नीति संवाद- श्रृंखला-1	प्रोफेसर सत्यनारायण मिश्र, श्री आर.एन सेनापति, प्रोफेसर प्रतिमा मिश्रा, विभागाध्यक्ष, लोक प्रशासन, विभाग, यूयू	समझौता ज्ञापन (एम ओ यु)	25-9-24
8.	अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस	श्री आर.एन.सेनापति, आईएएस (सेवानिवृत्त), प्रोफेसर अनीता दाश, पूर्व प्रोफेसर, आईएसएस, एवं सचिव, आईएसईआर, सुश्री भारती चक्र, राज्य प्रमुख, हेल्पेज इंडिया		1-10-24
9.	गांधी जयंती के उपलक्ष्य में वाद-विवाद प्रतियोगिता	श्री सुरेश मंत्री, आईएएस (सेवानिवृत्त)	विजेताओं को पुरस्कार वितरण	2-10-24
10.	संवैधानिक मूल्य और मीडिया	प्रोफेसर आनंद प्रधान, निदेशक, आईआईएमसी प्रोफेसर एसएन मिश्रा. डॉ. प्रतीप मिश्रा और डॉ. चित्र कानूनगो, आईआईपीए		22-11-24
11.	मानवाधिकार कार्यक्रम	श्री ए.बी. त्रिपाठी, एम.अक्षय, अनूप साहू	श्री दामोदर बिंदानी, रैपोट्यू, एनएचआरसी और मानव संसाधन निदेशक	18-12-24
12.	वार्षिक निबंध और वाद-विवाद प्रतियोगिता			22-12-24
13.	बिहार शाखा द्वारा आईआईपीए का अंतर-क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित	श्री मृणाल चटर्जी, पूर्व निदेशक, आईआईएमसी, ढेंकनाल ने शाखा का प्रतिनिधित्व किया		22-01-25
14.	नीति संवाद श्रृंखला-II उपनिषद और शासन	श्री संजय पटनायक, अध्यक्ष, बीपीआईएफ		28-1-25
15.	जादू-टोना का अवलोकन: प्रशासन पर प्रभाव	पूर्व महानिदेशक (पुलिस), ओडिशा	श्री बी.के. शर्मा,	6-2-25

16.	केंद्रीय बजट-2025	प्रोफेसर रितेश दुबे, एसोसिएट प्रोफेसर, एक्सयूबी, प्रोफेसर भागवत पात्र, पूर्व प्रोफेसर (अर्थशास्त्र), बरहामपुर विश्वविद्यालय।		12-2-25
17.	विश्व उपभोक्ता दिवस - स्थायी जीवन शैली की ओर उचित परिवर्तन	पूर्व न्यायाधीश डॉ. डी.पी. चौधरी, उड़ीसा उच्च न्यायालय एवं पूर्व अध्यक्ष, राज्य उपभोक्ता निवारण फोरम		19-3-25
18.	सदस्यों का वार्षिक सम्मेलन जलवायु परिवर्तन और सतत विकास	मुख्य अतिथि: श्री पीताम्बर आचार्य, महाधिवक्ता, ओडिशा श्री संजय कुमार पटनायक अध्यक्ष, बीजू पटनायक फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, ओडिशा		29-3-25

शोध अध्ययन

1. प्रो. आर.के. सत्पथी द्वारा भुवनेश्वर नगर निगम में सहभागी शासन (गवर्नेंस)
2. प्रोफेसर (कर्नल डॉ.) ज्योति सत्पथी द्वारा नेतृत्व दृष्टिकोण पर मोनोग्राफ

प्रकाशन

वार्षिक पत्रिका - जलवायु परिवर्तन और सतत विकास- संपादक श्री संजय पटनायक

अन्य गतिविधियाँ

शाखा ने ''हरित ऊर्जा और भारत का भविष्य'' विषय पर वार्षिक अंग्रेजी निबंध प्रतियोगिता और ''क्या भारत एक वैश्विक नेता के रूप में उभर सकता है'' विषय पर वार्षिक अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया।

पुदुचेरी

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1	सिविल सेवा दिवस - 2024'' समारोह और नागरिक सेवाएंरीक्षा (यूपीएससी-आईएएस) जागरूकता	20 अप्रैल, 2024
2	आदित्य इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड रिसर्च, पुडुचेरी कॉलेज में यूपीएससीसीएसई जागरूकता कार्यक्रम	4 मई, 2024
3	इदहाय कॉलेज में यूपीएससी जागरूकता कार्यक्रम	19 जून, 2024
4	पांडिचेरी विश्वविद्यालय में सिविल सेवा परीक्षा अभिविन्यास कार्यक्रम	20 अगस्त, 2024
5	2024 की प्रस्तावना संगोष्ठी ''एक राष्ट्र एक चुनाव''	15 अक्टूबर, 2024
6	राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह	11 जनवरी, 2025
7	पांडिचेरी विश्वविद्यालय में ''गवर्नेंसक्लब'' पर जागरूकता कार्यक्रम	28 फरवरी, 2025
8	विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 2025 पर ''उपभोक्ता कल्याण के लिए साइबर अपराध'' परसंगोष्ठी	15 मार्च, 2025

व्याख्यान बैठक/एजीएम

1. विकसित भारत पर चर्चा (28-29अक्टूबर, 2024)
2. पुडुचेरी क्षेत्रीय शाखा की वार्षिक आमबैठक 18 फरवरी 2025 को आयोजित की जाएगी

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1.	भारती दर्शन सरकारी कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए लोक प्रशासन जागरूकता कार्यक्रम	15 मई, 2024
2.	यूपीएससी - स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए आईएएस/आईपीएस जागरूकता कार्यक्रम	15 जुलाई, 2024
3.	+2 और कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए प्रेरक कार्यक्रम	20 अगस्त, 2024

राजस्थान

संगोष्ठी/सम्मेलन

1. ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर क्षेत्रीय संगोष्ठी की प्रस्तावना। श्रीमती मीनाक्षी हूजा संसाधन व्यक्ति थीं। (28.9.2024)

आभासी व्याख्यान/बैठकें/चर्चाएँ/ओपन हाउस

1. नई सरकार पर ओपन हाउस: शासन के सबक- डॉ. एन.के. शर्मा (15.6.2024)
2. भारतीय लोकतंत्र के परिप्रेक्ष्य पर खुली चर्चा (29.6.2024)
3. राजस्थान बजट 2024-25- डॉ. सी.एस. बिरला (17.7.2024)
4. विजयी व्यक्तित्व- डॉ. रमेश के. अरोड़ा (25.2.2025)
5. परीक्षाओं में सफलता- श्रीमती श्री प्रिया (27.2.2025)
6. प्रभावी समय प्रबंधन- डॉ. कामिलिनी द्रविड़ (28.2.2025)
7. प्रतियोगी परीक्षाओं में निश्चित सफलता के लिए परीक्षित दिशा निर्देश- डॉ. सतीश के. बत्रा (8.3.2025)
8. शिष्टाचार से सफलता- श्री एस.एस बिस्सा, आईएएस (सेवानिवृत्त) (10.3.2025)
9. सफल और सुखी जीवन के लिए सबक- श्री राजेंद्र भानवत, आईएएस (सेवानिवृत्त) (11.3.2025)
10. सफलता के लिए प्रेरणा- डॉ. अनिल मेहता (12.3.2025)
11. श्रीमद्भागवत गीता के दर्शन पर 35वां विष्णु दत्त शर्मा स्मृति व्याख्यान- डॉ. राजेश्वर सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त) (15.3.2025)

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश

सम्मेलन/संगोष्ठी

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1.	लोक प्रशासन विभाग, डॉ. बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सहयोग से ''भारत में लोक प्रशासन अनुशासन के 75 वर्ष: प्रक्षेप पथ और समकालीन स्थिति'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।	17 से 18-05-2024
2,	''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया	27-12-2024
3.	''जाति जनगणना के मुद्दे और चुनौतियाँ'' पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया	20-01-2025

व्याख्यान बैठक/ चर्चा आदि

क्र.सं.	विषय, टॉपिक और वक्ता	दिनांक
1.	लोकतंत्र और शासन: नीति-निर्माण और कार्यान्वयन में चुनौतियाँ'' पर व्याख्यान	25-05-2024

2.	अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मीडिया विनियमन पर व्याख्यान: पत्रकारिता की उभरती भूमिका'' पर व्याख्यान	30-06-2024
3.	डिजिटल इंडिया और साइबर सुरक्षा: शासन पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव विषय पर व्याख्यान	05-09-2024

शोध अध्ययन

''सतत शहरी आजीविका- हैदराबाद के मध्य क्षेत्र में रेहडी-पटरी वालों (स्ट्रीट वेंडरों) का एक अध्ययन'' पर चल रही लघु शोध परियोजना

प्रकाशन

''भारत में जिला प्रशासन''- श्री एम. गोपालकृष्ण नायडू, क्षेत्रीय शाखा द्वारा प्रकाशित

अन्य गतिविधि

सिविल सेवा उम्मीदवारों के लाभ के लिए डॉ. बी. आर अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, हैदराबाद के सहयोग से ''प्रतिभा'' के नाम से हर महीने वेबिनार का आयोजन किये जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1.	विशेषज्ञ वार्ता श्रृंखला: विशेषज्ञ श्री आशीष तिवारी विषय - जलवायु परिवर्तन	05 जून, 2024
2.	विशेषज्ञ वार्ता श्रृंखला: विशेषज्ञ श्री शुल्कान सिंह विषय - समानता का अधिकार	28 जून 2024
3.	''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर कार्यशाला की प्रस्तावना	25 सितंबर, 2024
4.	''सिविल सेवकों में कर्मयोग की भावना का निर्माण'' पर कार्यशाला	31 जनवरी, 2025
5.	''हमारा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन'' पर संगोष्ठी	05 जून, 2024
6.	''साझा भविष्य के लिए सतत व्यावसायिक रणनीतियाँ'' शीर्षक से एक राष्ट्रीय सम्मेलन	21 और 22 जून, 2024

व्याख्यान बैठक / चर्चा आदि

क्र.सं.	विषय, विषय और वक्ता	दिनांक
1.	वार्षिक आम बैठक	16 अक्टूबर 2025
2.	उत्तरप्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी के सहयोग से ''महिला सशक्तिकरण'' पर पैनल चर्चा आयोजित की गई।	11 मार्च 2025

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

इंटर्नशिप कार्यक्रम- 27 जून, 2024 से 10 जुलाई, 2024 तक

शोध अध्ययन

आईआईपीए, नई दिल्ली के तत्वावधान में उन्नाव में शासन पर दस्तावेज (प्रक्रियाधीन)।

प्रकाशन 'पुस्तकें/रिपोर्ट/समाचार पत्र आदि)

1. जनवरी-जून, 2024 महीनों के लिए समाचार पत्र प्रकाशित किया गया
2. जुलाई-दिसंबर, 2024 महीनों के लिए समाचार पत्र प्रकाशित किया गया
3. लखनऊ विश्वविद्यालय और आईआईपीए उत्तरप्रदेश द्वारा प्रकाशित एक पत्रिका ''लोक प्रशासन की गतिशीलता'' जुलाई से दिसंबर, 2024 तक प्रकाशित कीगई।

अन्य गतिविधियाँ

1. कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई और योग्य विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। पुरस्कार वितरण समारोह 17 दिसंबर 2024 को आयोजित किया गया।
2. लखनऊ विश्वविद्यालय में 9 अगस्त 2024 को

प्रशिक्षुओं के लिए प्रमाणपत्र प्रदान करने का समारोह आयोजित किया गया।

3. 11 सितंबर, 2024 को दोनों संस्थानों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए जा सकने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा के लिए आईआईपीए और आईएसटीडीकी एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। यह निर्णय लिया गया कि दोनों संस्थान मिलकर समान कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं।
4. स्थापना दिवस समारोह स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के सहयोग से आयोजित किया गया। आईआईपीए यू.पी और स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ के बीच सहयोग से कुछ प्रासंगिक कार्य करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
5. डॉ. पद्मजाअय्यर और डॉ. चंदिनीबाला ने आईआईपीए, नई दिल्ली में आयोजित चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने पेपर ऑनलाइन प्रस्तुत किए।

स्थानीय शाखाएँ

बदायूँ

सेमिनार/कार्यशाला

1. मंगला देवी विद्या मंदिर मरौरी में बच्चों के लिए यातायात नियमों पर कार्यशाला। (15.5.2024)
2. एस.डी पब्लिक स्कूल में महिला सशक्तिकरण पर सेमिनार (8.3.2025)

व्याख्यान बैठकें

1. उपभोक्ता संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु आईआईपीए स्थानीय शाखा सदस्य की बैठक (15.3.2025)
2. मंगला देवी विद्या मंदिर में ग्लोबल वार्मिंग के प्रति जागरूकता पर कार्यशाला। (15.8.2024)

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए

1. मंगला देवी विद्या मंदिर में विभिन्न प्रकार के वृक्षारोपण हेतु विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। (26.7.2024)
2. एच.एस.डी पब्लिक स्कूल में विभिन्न प्रकार के वृक्षारोपण हेतु प्रशिक्षण (20.8.2024)

बर्दवान

सेमिनार

''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर संगोष्ठी की प्रस्तावना (1.10.2024)

व्याख्यान बैठक

एनएसएस राज कॉलेज के सहयोग से आज के विश्व में गांधी की प्रासंगिकता। (2.10.2024)

अन्य गतिविधियाँ

वृक्षारोपण सहित अन्य गतिविधियों में समय-समय पर अन्य संगठनों के साथ सहयोग करना।

कुड्डालोर

व्याख्यान बैठक/चर्चा

एग्रो क्लब के सदस्यों के साथ जैविक खेती पर चर्चा। (10.12.2024)

कटक

सेमिनार/सम्मेलन

1. केंद्र-राज्य संबंधों में उभरते मुद्दे (21.07.2024)
2. भारत में चुनाव सुधार (27.10.2024)

व्याख्यान बैठक/चर्चा (ऑनलाइन)

1. डॉ. बिस्वजीत मोहंती द्वारा ''ग्लोबल वार्मिंग'' (16.08.2024)
2. डॉ. रत्नाकर रे द्वारा ''विकसित भारत'' (17.11.2024)
3. डॉ. सुशांत कुमार कर द्वारा ''महिला सशक्तिकरण'' (29.12.2024)
4. डॉ. सचिदानंद प्रधान द्वारा ''भारत-अमेरिका संबंध'' (11.01.2025)

अन्य गतिविधियाँ

कटक स्थानीय शाखा के सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

धारवाड़

प्रशिक्षण कार्यक्रम

आर.पी.डी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, बेलगावी में संकाय विकास कार्यक्रम (6.3.2025)

गुलबर्गा

अन्य गतिविधियों

1. शाखा और इंटैक - कलबुर्गी चौप्टर ने कलबुर्गी किले में एक ऐतिहासिक हेरिटेज वॉक का आयोजन किया है। इस आयोजन में 03-01-2025 को उप आयुक्त और अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों ने सहभागिता की।
2. शाखा ने बेंगलुरु में कर्नाटक क्षेत्रीय शाखा द्वारा आयोजित ''लोक नीति और लोक प्रशासन में समकालीन रुझान और दृष्टिकोण'' विषय पर सम्मेलन में सहभागिता की। (12-03-2025)
3. शाखा ने 28-03-2025 को आर्क विस्तारा 2025, कलबुर्गी के निमंत्रण पर मेगा निर्माण प्रदर्शनी, वास्तुकला संगोष्ठी और हेरिटेज वॉक में सहभागिता की।

हावड़ा

सम्मेलन/ कार्यशाला

1. ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर प्रस्तावना सम्मेलन। (15.09.2024)

ई.सी बैठकें/चर्चाएँ

शाखा ने सात कार्यकारी समिति बैठकें और वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित कीं।

अन्य गतिविधियाँ

1. आईआईपीए हावड़ा स्थानीय शाखा शीघ्र ही रजत जयंती संस्मरण (1999-2024) प्रकाशित करेगी और रजत जयंती समारोह शीघ्र ही आयोजित किया जाएगा।
2. श्री अमिताव दत्ता ने 22 जनवरी, 2025 को गया में आईआईपीए बिहार क्षेत्रीय शाखा द्वारा आयोजित 'विकसित भारत-2047: पूर्वी भारत पर चिंता' विषय पर आईआईपीए के पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन में हावड़ा स्थानीय शाखा का प्रतिनिधित्व किया।
3. शाखा वर्ष भर आईआईपीए, नई दिल्ली के कई ऑनलाइन वर्चुअल कार्यक्रमों में भाग लेती है। शाखा ने दि.10.12.2024 को विश्व मानवाधिकार दिवस पर हावड़ा ह्यूमन राइट अवेयरनेस वॉयस एट यूथ ऑर्गनाइजेशन के साथ मिलकर सक्रिय रूप से भाग लिया। शाखा ने दि. 12.1.2025 को स्वामी विवेकानंद जयंती कार्यक्रम में भी भाग लिया।
4. हावड़ा स्थानीय शाखा ने वर्ष 2024-25 के दौरान हावड़ा जिला पुस्तकालय को कई पुस्तकें और जर्नल्स दान कीं, जहाँ प्रतियोगी परीक्षाओं में उपस्थित होने वाले विद्यार्थियों और शोध कार्य के लिए हावड़ा स्थानीय शाखा के लिए अलग स्थान आरक्षित है।

कानपुर

सेमिनार/सम्मेलन

1. ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर प्रस्तावना सम्मेलन (23.10.2024)
2. भारत के विशेष संदर्भ में सुशासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (29.3.2025)

व्याख्यान बैठक/चर्चा

1. कानपुर जोन में आईआईपीए कानपुर स्थानीय शाखा के सुदृढ़ीकरण पर अध्यक्ष के आवास पर चर्चा। (23.12.2024)
2. आनंदस अकादमी में विकसित भारत के लिए प्रशासनिक सुधार विषय पर व्याख्यान (18.4. 2025)

अन्य गतिविधियाँ

1. पीएसजी कानपुर के साथ जागरूकता अभियान के तहत शारदा नगर, कानपुर की मलिन बस्तियों में एकल उपयोग पॉलिथीन बैग के निपटान के लिए

एक वैकल्पिक तरीका: इको-ब्रिक की तैयारी पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

2. 14 जुलाई, 2024 को वृक्षारोपण।

करीमनगर

सेमिनार

1. राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर खाद्य अपमिश्रण संगोष्ठी (24.12.2024)
2. उपभोक्ता हितों के डिजिटलीकरण पर सेमिनार (15.2.2025)
3. विश्व उपभोक्ता दिवस पर संगोष्ठी (15.3.2025)

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए

1. COPRA 1986 जागरूकता पर उपभोक्ता कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण (20.12.2024)
2. सूचना का अधिकार अधिनियम पर उपभोक्ता कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण (18.1.2025)

मदुरै

सम्मेलन

''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर प्रस्तावना सम्मेलन (30.9.2024)

अन्य गतिविधियाँ

शाखा की वार्षिक आम बैठक 16.9.2024 को आयोजित की गई

तिरुपति

प्रस्तावना सम्मेलन

1. ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर सम्मेलन की प्रस्तावना। वक्ता: डॉ. दसारी श्रीनिवासुलु, आईएएस (सेवानिवृत्त) और श्री अच्युत पार्थसारथी, जिला न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) थे। (30.9.2024)

व्याख्यान बैठकें/चर्चाएँ

1. बच्चों के अधिकार और न्याय, प्रो. आर. नारायण, सहायक प्रोफेसर, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर द्वारा। (24.10.2024)
2. विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस, प्रो. डी. हिमाचलम, पूर्व कॉमनवेल्थ विजिटिंग फेलो, यूके द्वारा (15.3.2025)
3. आर्थिक विकास पर बौद्धिक संपदा अधिकारों का प्रभाव, डॉ. जी. इंदिरा प्रियदर्शिनी, एसपी महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा। (27.3.2025)

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. डॉ. के. गंगाधरम, प्रवर्तक, प्राकृतिक खेती द्वारा प्राकृतिक खेती और गौ आधारित उत्पाद। (14.11.2024)
2. साइबर सुरक्षा- श्री आई.एल. नरसिम्हा राव, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, हैदराबाद द्वारा व्यावहारिक अनुभव। (21.12.2024)

तिरुपत्तूर

सेमिनार/सम्मेलन

1. बजट चर्चा 2024-25 (1-8-2024)
2. केंद्रीय बजट 2024-25 पर एक पैनल चर्चा (29-7-2024)
3. एक राष्ट्र एक चुनाव पर प्रस्तावना सम्मेलन (28-8-2024)

व्याख्यान बैठक/चर्चा

1. स्थानीय शाखा के लिए वार्षिक योजना और कार्यक्रम (18-6-2024)
2. चमड़ा उद्योग में कार्यरत महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम (28-8-2024)
3. एल.एस. चिकित्सालय में नि:शुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर (28-12-2024)
4. गर्भवती महिलाओं के लिए एलएसएच चिकित्सालय में सामान्य स्वास्थ्य शिविर (25-2-2025)
5. रोटरी क्लब के साथ जागरूकता कार्यक्रम (9-3-2025)

अन्य गतिविधियाँ

1. आईआईपीए की स्थानीय शाखा द्वारा वृक्षारोपण कर हरित पहल
2. महिला दिवस मनाया गया- श्री अरुलदास, चुनाव आयोग सदस्य द्वारा नि:शुल्क शिविर का आयोजन
3. जिला सामाजिक कार्यकर्ता श्री अरुलदास को जिला कलेक्टर से सर्वश्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता का पुरस्कार मिला
4. डॉ. ए. जेवियर सुसाइराज मानद सचिव को तिरुवल्लुवर विश्वविद्यालय से सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार मिला।

वडोदरा

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला

1. ''जनस्वास्थ्य - नकली रसायनों का उन्मूलन'' विषय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (13.7.2024)
2. युवाओं और आम जनता को सीसा और पारा जैसे खतरनाक पदार्थों से युक्त इलेक्ट्रॉनिक कचरे के अनुचित निपटान के खतरों के बारे में शिक्षित करने के लिए ई-कचरा प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वडोदरा के पूर्व महापौर श्री बालकृष्ण खंडेराव शुक्ला ने किया। (16.2.2025)

अन्य गतिविधियाँ

1. शाखा ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया और आस-पास के शहरों और गांवों में वृक्षारोपण अभियान चलाया। (5.6.2024)
2. शाखा ने फिट इंडिया मूवमेंट के समर्थन में और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एक योग कार्यक्रम का आयोजन किया। (21.6.2024)

विल्लुपुरम

सम्मेलन

एक राष्ट्र एक चुनाव पर प्रस्तावना सम्मेलन (25.10.2024)

व्याख्यान बैठक

खाद्य पोषण कार्यक्रम में महिलाओं की भूमिका (13.11.2024)

प्रशिक्षण कार्यक्रम

महिला स्वयं सहायता समूह को मशरूम की खेती पर प्रशिक्षण (12.12.2024)

विशाखापत्तनम

व्याख्यान बैठक/चर्चा

1. विषय: भारत में संवैधानिक लोकतंत्र: युवाओं की भूमिका (10.7.2024)

   वक्ता: प्रो. वाई. सत्यनारायण, पूर्व कुलपति, दामोदर संजीवय्या राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय
2. ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' पर प्रस्तावना सम्मेलन (4.10.2024)

   वक्ता: प्रो. के.एस. चालम, अर्थशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर, आंध्र विश्वविद्यालय

   प्रो. ए. नरसिम्हा राव, प्राचार्य, कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, आंध्र विश्वविद्यालय
3. विषय: भूमि अधिग्रहण अधिनियम - सुधार और चुनौतियां (3.3.2025)

   वक्ता: प्रो. के.एस.आर.एन शर्मा, पूर्व प्रोफेसर आईआईपीए

अनुलग्नक एफ.3.1

क्षेत्रीय एवं स्थानीय शाखाओं के अध्यक्ष और मानद सचिव (31.03.2025)

क्षेत्रीय शाखाएँ

असम	
श्री दीपक कुमार सरमा, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष आईआईपीए असम क्षेत्रीय शाखा मकान नंबर 19, रूपकोंवर पथ निकट नबज्योति, हेंगराबारी गुवाहाटी-781036 (असम)	मोबाइल: 9864092901 ईमेल: deepakkush57@gmail.com
डॉ. धरुबा प्रतिम शर्मा मानद सचिव आईआईपीए असम क्षेत्रीय शाखा और प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग गुवाहाटी विश्वविद्यालय गुवाहाटी-781014 (असम)	ईमेल: dhruba75@rediffmail.com
बिहार	
श्री विजय प्रकाश, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष आईआईपीए बिहार क्षेत्रीय शाखा वर्मास शिव पथ, न्यू पुरेन्द्रपुर पटना-800001 (बिहार)	मोबाइल: 7004266500 ईमेल: vijoyprakash@gmail.com
डॉ. रवींद्र कुमार वर्मा मानद सचिव आईआईपीए बिहार क्षेत्रीय शाखा शिव पथ, न्यू पुरेन्द्रपुर पटना-800001 (बिहार)	मोबाइल: 9473431548, 7762882579 ईमेल: rkverma395@gmail.com, iipabihar@gmail.com
छत्तीसगढ	
श्री एस.के. मिश्रा, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष आईआईपीए छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा 37, मौलश्री विहार, पुरेना रायपुर-492006 (छत्तीसगढ़)	मोबाइल: 9425206207 ईमेल: sujogyamisra@yahoo.com

श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव मानद सचिव आईआईपीए छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा 158, धर्मपुरा ऑफिसर्स कॉलोनी डाकघर: कृषकनगर रायपुर-492012 (छत्तीसगढ़)	मोबाइल: 9993030804 ईमेल: shrivastavaanup@yahoo.com
दिल्ली	
डॉ. राजवीर शर्मा अध्यक्ष आईआईपीए दिल्ली क्षेत्रीय शाखा बी-91, प्रथम तल, मालवीय नगर नई दिल्ली-110017	मोबाइल: 9818880249 ईमेल: rajvirsharma.du@gmail.com
डॉ. संजीव कुमार तिवारी मानद सचिव आईआईपीए दिल्ली क्षेत्रीय शाखा महाराजा अग्रसेन कॉलेज वसुंधरा एन्क्लेव दिल्ली-110096	मोबाइल: 9811546564 ईमेल: sanjeevtiwaridu@gmail.com
गुजरात	
श्री पी.के. लाहेरी, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष आईआईपीए गुजरात क्षेत्रीय शाखा सद्विचार परिवार परिसर सैटेलाइट रोड, अहमदाबाद -380015 (गुजरात)	मोबाइल: 9824083969 ईमेल: pklaheri@gmail.com
श्री पी.एन. जैन मानद सचिव आईआईपीए गुजरात क्षेत्रीय शाखा सद्विचार परिवार परिसर सैटेलाइट रोड, अहमदाबाद -380015 (गुजरात)	(079) - 27560926 (आवास) मोबाइल: 9978405766 ईमेल: pnjce@yahoo.co.in
हरियाणा	
श्री एम.सी. गुप्ता, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष महोदय, आईआईपीए हरियाणा क्षेत्रीय शाखा मकान नंबर 771, सेक्टर-15, पार्ट-II, गुड़गांव-122001 (हरियाणा)	मोबाइल: 9810806644 ईमेल: mc_gupta02@yahoo.co.in

डॉ. राजवीर ढाका मानद सचिव आईआईपीए हरियाणा क्षेत्रीय शाखा प्लॉट नंबर 76 हिपा कॉम्प्लेक्स सेक्टर-18 गुड़गांव (हरियाणा)	मोबाइल: 9911399437 ईमेल: drrajvirdhaka@rediffmail.com
जम्मू और कश्मीर	
श्री बी.आर. शर्मा, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष, आईआईपीए जम्मू और कश्मीर क्षेत्रीय शाखा 3/6, चन्नी हिम्मत कॉलोनी, जम्मू-180015 (जम्मू और कश्मीर)	मोबाइल: 9419180655 ईमेल: brajrajsharma1984@gmail.com
प्रो. अलका शर्मा मानद सचिव, आईआईपीए जम्मू और कश्मीर क्षेत्रीय शाखा निकट दूसरातवी पुल, डीडीई कॉम्प्लेक्स के सामने, जम्मू-180006 (जम्मू और कश्मीर)	मोबाइल: 9419140828 / 94697076461 ईमेल: sharma-alka1568@gmail.com, iipajkbranch@gmail-com
झारखंड	
श्री सुधीर प्रसाद, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष आईआईपीए झारखंड क्षेत्रीय शाखा रोड नंबर 06, हवाई नगर खूंटी रोड, हटिया, रांची -834003 (झारखंड)	मोबाइल: 7033092617 ईमेल: sudheerprasadias@gmail.com
श्री प्रदीप कुमार मानद सचिव आईआईपीए झारखंड क्षेत्रीय शाखा रोड नंबर 06, हवाई नगर खूंटी रोड, हटिया, रांची -834003 (झारखंड)	 मोबाइल: 9431104847, 6202674429 ईमेल: kumarpradip1@gmail.com
कर्नाटक	
श्री टी.एम विजय भास्कर, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष आईआईपीए कर्नाटक क्षेत्रीय शाखा कमरा नं.4, भू-तल, 5वां स्टेज, एम.एस बिल्डिंग, डॉ. बी.आर अंबेडकर वीधी, बेंगलुरु-560001	मोबाइल: 9482131476 (080) 22372897 (कार्यालय) ईमेल: iipakrb-bangalore@gmail,com, tmvijayb@gmail.com

डॉ. डी. जीवन कुमार मानद सचिव आईआईपीए कर्नाटक क्षेत्रीय शाखा कमरा नं.4, भूतल, 5वां स्टेज, एम.एस बिल्डिंग, डॉ. अंबेडकर वीधी बेंगलुरु-560001	मोबाइल: 9972496362 (080) 22372897 (कार्यालय) ईमेल: iipakrb.bangalore@gmail.com, jeeves0607@yahoo.com
केरल	
डॉ. आर.के सुरेश कुमार अध्यक्ष आईआईपीए केरल क्षेत्रीय शाखा जनक, एसएमआरए-83, हॉस्पिटल रोड सस्थमंगलम तिरुवनंतपुरम-695010 (केरल)	मोबाइल: 9387803414 ईमेल: drrksureshkumar@gmail.com
डॉ. जी. राधाकृष्ण कुरुप मानद सचिव आईआईपीए केरल क्षेत्रीय शाखा श्री पनायथु, शांति नगर एसआरए-18, श्रीकार्यम पी.ओ. तिरुवनंतपुरम-695017 (केरल)	मोबाइल: 9496253891 / 8606030810 ईमेल: drgrkurup@gmail.com
मध्य प्रदेश	
श्री के.के. सेठी, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष आईआईपीए मध्य प्रदेश क्षेत्रीय शाखा कक्ष सं. जी-3, प्रशासन अकादमी 1100 क्वार्टर्स, अरेरा कॉलोनी भोपाल-462016 (मध्य प्रदेश) मोबाइल: 9868842009	(0755) 2461095 (कार्यालय) ईमेल: kevisaa@gmail-com, iipa.mp@gmail.com
डॉ. डी.पी तिवारी, आईएएस (सेवानिवृत्त) मानद सचिव आईआईपीए, मध्य प्रदेश क्षेत्रीय शाखा कक्ष सं. जी-3, प्रशासन अकादमी 1100 क्वार्टर्स, अरेरा कॉलोनी भोपाल-462016 (मध्य प्रदेश)	0755 - 2460166 (आवास) मोबाइल: 9425012607 ईमेल: iipa.mp@gmail.com, tiwari_dp@hotmail.com

महाराष्ट्र	
श्री स्वाधीन एस. क्षत्रिय, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष आईआईपीए महाराष्ट्र क्षेत्रीय शाखा ग्राउंड फ्लोर, बैंक ऑफ महाराष्ट्र मंत्रालय मेन के बगल में, मैडम कामा रोड, मुंबई-400032 (एम.एस)	022-22793430 मोबाइल: 9870333182 ईमेल: swadheenk@yahoo.com, js.mrb-iipa@mah.gov.in
डॉ. विजय सतबीर सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त) मानद सचिव आईआईपीए महाराष्ट्र क्षेत्रीय शाखा भूतल, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बगल में, मंत्रालय मेन, मैडम कामा रोड, मुंबई-400032 (एमएस)	022-22793430 मोबाइल: 9920214830 ईमेल: satbirbath@yahoo.com js.mrb-iipa@mah.gov.in
मणिपुर	
प्रो. एन. लोकेंद्र सिंह अध्यक्ष आईआईपीए मणिपुर क्षेत्रीय शाखा मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर, इम्फाल-795003 (मणिपुर)	मोबाइल: 9436232364 ईमेल: lokendranaorem2015@gmail.com
प्रो. गंगा प्रसाद प्रसैन मानद सचिव आईआईपीए मणिपुर क्षेत्रीय शाखा मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर इम्फाल-795003 (मणिपुर)	मोबाइल: 9612158167 ईमेल: gpprasain@yahoo.co.in
मिजोरम	
श्री पचुआउ लॉमकुंगा, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष, आईआईपीए मिजोरम क्षेत्रीय शाखा एच नंबर 2/1-8 मिस्डियन वेंगथलांग हमिंगलियानी बेकरी के पास आइजोल- 796001	मोबाइल: 9862304298 ईमेल: lawmkunga1@rediffmail.com
प्रो. लालनेहजोवी मानद सचिव आईआईपीए मिजोरम क्षेत्रीय शाखा और डीन, सामाजिक विज्ञान स्कूल मिजोरम विश्वविद्यालय, तनह्रिल, आइजोल-796004 (मिजोरम)	(0389) 2331606 मोबाइल: 9436151165 ईमेल: lnzovi@yahoo.co.in, mzupa14@yahoo.com

ओडिशा	(0674) 2598444 (कार्यालय) मोबाइल: 9437033575 ईमेल: iiparbodisha@yahoo.com
श्री करुणाकर पटनायक, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष आईआईपीए ओडिशा क्षेत्रीय शाखा क्यूआर.सं. वीआईसी, 2/1, यूनिट-1 भुवनेश्वर-751009 (ओडिशा)	
प्रो. स्वर्णमयी त्रिपाठी मानद सचिव आईआईपीए ओडिशा क्षेत्रीय शाखा क्वाटर सं. वीआईसी, 2/1, यूनिट-1 भुवनेश्वर-751009 (ओडिशा)	(0674) 2598444 (कार्यालय) मोबाइल: 9438013946 ईमेल: iiparbodisha@yahoo.com, smtripathy2010@gmail.com
पुडुचेरी	
डॉ. आर.आर. धनपाल अध्यक्ष आईआईपीए पुडुचेरी क्षेत्रीय शाखा नंबर 3, 4वां तल, पीडब्ल्यूडी बिल्डिंग, ले इवेचे स्ट्रीट, पुडुचेरी-605001	(0413) 2222534 (कार्यालय) मोबाइल: 9345009639 ईमेल: rrdhanapal723@gmail.com, iipapuducherry@gmail.com
इंजी. आर. नरसिम्हमूर्ति मानद सचिव आईआईपीए पुडुचेरी क्षेत्रीय शाखा, नंबर 3, 4वां तल, पीडब्ल्यूडी बिल्डिंग, ले इवेचे स्ट्रीट, पुडुचेरी-605001	(0413) 2222534 (कार्यालय) मोबाइल: 9443999497 ईमेल: iipapuducherry@gmail.com
पंजाब और चंडीगढ़ (केंद्र शासित प्रदेश)	
प्रो. बी.एस. घुमन अध्यक्ष आईआईपीए पंजाब और चंडीगढ़ क्षेत्रीय शाखा सी/ओ लोक प्रशासन विभाग पंजाब विश्वविद्यालय, सेक्टर 14, चंडीगढ़-160014	(0172) 2534734 (कार्यालय) 2542534 (आर) मोबाइल: 9815942534 ईमेल: ghumanbs@pu.ac.in
प्रो. रमनजीत कौर जौहल मानद सचिव आईआईपीए पंजाब और चंडीगढ़ क्षेत्रीय शाखा लोक प्रशासन विभाग पंजाब विश्वविद्यालय, सेक्टर-14 चंडीगढ़-160014	(0172) 2541885 (कार्यालय) मोबाइल: 9888371079 ईमेल: rkjohal@pu.ac.in

राजस्थान	
डॉ. सतीश के. बत्रा अध्यक्ष आईआईपीए राजस्थान क्षेत्रीय शाखा 7-एनए 8, जवाहर नगर, जयपुर-302004 (राजस्थान)	मोबाइल: 9829213032 ईमेल: drsatishkbatra@gmail-com
डॉ. ममता भाटिया मानद सचिव आईआईपीए राजस्थान क्षेत्रीय शाखा 7-एनए-8, जवाहर नगर, जयपुर-302004 (राजस्थान)	मोबाइल: 9414058843 ईमेल: bhatia-mamta@gmail.com
तमिलनाडु	
श्री पी.आर. शामपत, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष महोदय, आईआईपीए तमिलनाडु क्षेत्रीय शाखा प्लॉट संख्या 1082, डी.सं.165 6वां एवेन्यू, अन्ना नगर चेन्नई-600040 (तमिलनाडु)	(044) 26163636 मोबाइल: 9444007299, 9340007299 ईमेल: prshampathias@gmail-com
श्री एस.एस जवाहर, आईएएस (सेवानिवृत्त) मानद सचिव आईआईपीए तमिलनाडु क्षेत्रीय शाखा ताइशा एआईएस हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, सी-09-03, नटेसन नगर पश्चिम, विरुगम्बक्कम पश्चिम, चेन्नई-600040 (तमिलनाडु)	(044) 29818244 (आवास) मोबाइल: 9445399444 ईमेल: ssjawahar2000@gmail.com, iipatnrb2000@gmail.com
तेलंगाना और आंध्र प्रदेश	
श्री एम. गोपालकृष्ण, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष आईआईपीए तेलंगाना और एपी क्षेत्रीय शाखा 'भ्रमर' 12-2-823ए/23 संतोषनगर, मेहदीपटनम हैदराबाद-500028 (तेलंगाना)	(040) 23513420 (आवास) मोबाइल: 9849555306 ईमेल: gopalkm2006@gmail.com
डॉ. ए.वी नरसिम्हा रेड्डी मानद सचिव आईआईपीए तेलंगाना और एपी क्षेत्रीय शाखा फ्लैट नंबर 504, रॉयल मैनर अपार्टमेंट्स 3-4-133, बरकठपुरा, गली नं.6, बरकठपुरा हैदराबाद-500027 (तेलंगाना)	मोबाइल: 9391552189 ईमेल: avnopen@gmail-com

उत्तर प्रदेश	
श्री आर. रमानी, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष आईआईपीए उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय शाखा कमरा नंबर 825, जवाहर भवन लखनऊ-226001 (उत्तर प्रदेश)	(0522) 2286661 (कार्यालय) मोबाइल: 9336556027 ईमेल: rramani1950@gmail.com
श्री के. रविंदर नाइक, आईएएस मानद सचिव आईआईपीए उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय शाखा कमरा नंबर 825, जवाहर भवन लखनऊ-226001 (उत्तर प्रदेश)	मोबाइल: 8953661111 ईमेल: krnaik231@rediffmail.com pdm.iyer@gmail.com
पश्चिम बंगाल	
डॉ. सिब्रंजन चटर्जी मानद सचिव आईआईपीए पश्चिम बंगाल क्षेत्रीय शाखा ओस बिंदु, फ्लैट्स एस-1 51-डी, गरचा रोड कोलकाता-700019 (पश्चिम बंगाल)	(033) 24749764 (आवास) मोबाइल: 9830106278 ईमेल: presidentgb@basantidevicollege.edu.in
स्थानीय शाखाएँ	
आगरा	
डॉ. इंद्र कुमार अध्यक्ष आईआईपीए आगरा स्थानीय शाखा 235, जयपुर हाउस, आगरा-282010 (उत्तर प्रदेश)	मोबाइल: 9412560195
डॉ. वी.पी. त्रिपाठी मानद सचिव आईआईपीए आगरा स्थानीय शाखा 23/451, वजीरपुरा रोड आगरा-282003 (उत्तर प्रदेश)	मोबाइल: 09319101976 ईमेल: ved_tripathi@rediffmail-com
औरंगाबाद	
श्री कृष्ण भोगे, आईएएस (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष, आईआईपीए औरंगाबाद स्थानीय शाखा प्लॉट नं.4/5, अक्षर, साई वृन्दावन कॉलोनी, पैठण रोड औरंगाबाद-431005 (महाराष्ट्र)	(0240) 2364040 (आवास) मोबाइल: 9823668811 ईमेल: iipalb1101aurangabad@gmail.com

डॉ. अभिजीत अनिलराव पिलखाने मानद सचिव आईआईपीए औरंगाबाद स्थानीय शाखा आरएच नंबर 16, रीजेंसी विला गट नंबर 96 ईटखड़ा, पैठन रोड औरंगाबाद 431003 (महाराष्ट्र)	मोबाइल: 9423472318, 9403751051 ईमेल: abhijitpilkhane@gmail.com
बरेली	
डॉ. ए.के. चौहान अध्यक्ष आईआईपीए बरेली स्थानीय शाखा 136, सिविल लाइंस बरेली (उत्तर प्रदेश)	मोबाइल: 9719042222
डॉ. मिथिलेश मिश्रा मानद सचिव आईआईपीए बरेली स्थानीय शाखा 35-डी/3, रामपुर गार्डन बरेली-243002 (उत्तर प्रदेश)	मोबाइल: 9917391957 ईमेल: ugetraju1977@gmail.com
बदायूँ	
श्री अशोक कुमार खुराना अध्यक्ष आईआईपीए बदायूं स्थानीय शाखा सीता राम गली बदायूं-243601 (उत्तर प्रदेश)	मोबाइल: 9837030369 ईमेल: shamiyanaashokkhurana@gmail.com
श्री राम वीर सिंह मानद सचिव आईआईपीए बदायूं स्थानीय शाखा 843, मधुवन कॉलोनी बदायूं विला. मरौरी पोस्ट आलापुर जिला बदायूं-243601 (उत्तर प्रदेश)	मोबाइल: 9412673687, 8433276686 ईमेल: ramveer.pcs@gmail.com
बर्दवान	
डॉ. शोरोसिमोहन दान अध्यक्ष आईआईपीए बर्दवान स्थानीय शाखा आलमगंज, अंतरडांगा पी.ओ. नूतन गंज बर्दवान-713102 (पश्चिम बंगाल)	मोबाइल: 9476483956 ईमेल: dan.shorosimohan@gmail.com

डॉ. बिजॉय चंद मानद सचिव आईआईपीए बर्दवान स्थानीय शाखा आलमगंज, अंतरडांगा, पीओ नूतनगंज, बर्दवान-713102 (पश्चिम बंगाल)	मोबाइल: 9475423367 ईमेल: bijoy.chand@rediffmail.com
कुड्डालोर	
प्रो. आर. नटराजन अध्यक्ष आईआईपीए कुड्डालोर स्थानीय शाखा 74, कंबर स्ट्रीट, केके नगर कुड्डालोर-607001 (तमिलनाडु)	04142-293326 (आवास)
श्री एस. कृष्णराज मानद सचिव आईआईपीए कुड्डालोर स्थानीय शाखा नंबर 23, पेरियार नगर कूथापक्कम कुड्डालोर-607002 (तमिलनाडु)	मोबाइल: 9486583568 ईमेल: krishagri2016@gmail.com
कटक	
डॉ. बिस्वजीत मोहंती अध्यक्ष आईआईपीए कटक स्थानीय शाखा शांतिकुंज, लिंक रोड कटक-753012 (ओडिशा)	मोबाइल: 9437024265 ईमेल: kachhapa@gmail.com
डॉ. सुशांत कुमार कर मानद सचिव आईआईपीए कटक स्थानीय शाखा बिद्याधरपुर, डाकघर नया बाजार, कटक-753004 (ओडिशा)	मोबाइल: 9437228449 ईमेल: 07susu07@gmail.com drsushantkumarkar@gmail.com
धारवाड़	
डॉ. बी.एच नागूर अध्यक्ष आईआईपीए धारवाड़ स्थानीय शाखा और प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ -580003 (कर्नाटक)	मोबाइल: 9448112166 ईमेल: nagoor_bh@yahoo.co.in

डॉ. बसप्पा अथानी मानद सचिव आईआईपीए धारवाड़ स्थानीय शाखा और शिक्षण सहायक, लोक प्रशासन विभाग कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ -580003 (कर्नाटक)	मोबाइल: 9538775505 ईमेल: athanib@gmail-com
गुलबर्गा	
श्री मारुति के. पवार अध्यक्ष आईआईपीए गुलबर्गा स्थानीय शाखा, मकान नंबर 9-646, शाह बाजार, कलबुर्गी गुलबर्गा-585102 (कर्नाटक)	मोबाइल: 9482055555
डॉ. बी.एस गुलशेट्टी मानद सचिव आईआईपीए गुलबर्गा स्थानीय शाखा मकान नंबर 86, संगम जयनगर सेदम रोड, कालाबुरागी गुलबर्गा-585105 (कर्नाटक)	मोबाइल 9342352517 ईमेल: drgulshetty@gmail.com
हावड़ा	
श्री दिलीप कुमार दास अध्यक्ष आईआईपीए हावड़ा स्थानीय शाखा 252/2, नेताजी सुभाष रोड हावड़ा-711101 (पश्चिम बंगाल)	(033) 26405287 (आवास) मोबाइल: 9830050107 / 8240074977 ईमेल: arup123das@rediffmail.com
प्रो. आशीष रे मानद सचिव आईआईपीए हावड़ा स्थानीय शाखा 22/5, सेख पारा लेन, पीओ संतरागाछी, हावड़ा-711104 (पश्चिम बंगाल)	मोबाइल: 9831822665 / 6289279019 ईमेल: asishray547@gmail.com
इंदौर	
डॉ. राजेंद्र प्रसाद पाठक अध्यक्ष आईआईपीए इंदौर स्थानीय शाखा 21, मधुवन कॉलोनी, केशर बाग रोड, इंदौर-452009 (मध्य प्रदेश)	0731-2365946 (आवास) मोबाइल: 9301335081

डॉ. मनोज कुमार दुबे मानद सचिव, आईआईपीए इंदौर स्थानीय शाखा, 8, दुबे कॉलोनी माणिक बाग रोड, इंदौर-452004 (मध्य प्रदेश)	(0731) 2368344, 2472991 मोबाइल: 9826016006
जबलपुर	
डॉ. वीके दुबे अध्यक्ष आईआईपीए जबलपुर स्थानीय शाखा 9, ब्रह्मपुरी हाउसिंग सोसाइटी हाथीताल, गुप्तेश्वर, जबलपुर-482001 (मध्य प्रदेश)	(0761) 4065759 (आवास) मोबाइल: 9407021974, 9407000223 ईमेल: vrind44dubey@gmail.com
श्रीमती शावत्री दुबे मानद सचिव आईआईपीए जबलपुर स्थानीय शाखा 9, ब्रह्मपुरी हाउसिंग सोसाइटी एमजीएमस्कूल के पीछे, हाथीताल जबलपुर (मध्य प्रदेश)	मोबाइल: 9407021974 ईमेल: savatri49dubey@gmail.com
जमशेदपुर	
डॉ. स्वेताभ सुमन अध्यक्ष आईआईपीए जमशेदपुर स्थानीय शाखा बंगलो नंबर 16, बी-रोड, नॉर्दर्न टाउन एरिया जमशेदपुर-831001 (झारखंड)	मोबाइल: 9934127266 ईमेल: drswetabhsuman@rediffmail.com
श्री अनिल कुमार सिंह मानद सचिव आईआईपीए जमशेदपुर स्थानीय शाखा फ्लैट नं.3322, फेज VI, विजया हेरिटेज, कदमा, जमशेदपुर-831005. (झारखंड)	
कानपुर	
डॉ. आशुतोष सक्सेना अध्यक्ष आईआईपीए कानपुर स्थानीय शाखा 104, बीमा विहार कॉलोनी, लखनपुर विकास नगर कानपुर-208024 (उत्तर प्रदेश)	मोबाइल: 9494406000 ईमेल: asaxena2k3@rediffmail.com

डॉ. गिरिजेश लाल श्रीवास्तव मानद सचिव आईआईपीए कानपुर स्थानीय शाखा 117/क्यू/27, राधा कृष्ण हाउसिंग सोसाइटी शारदा नगर कानपुर-208025 (उत्तर प्रदेश)	मोबाइल: 9450133213 ईमेल: iipakanpur@gmail.com sgirijesh@gmail.com glsrivastava.59@gmail.com
करीमनगर	
डॉ. एम. मदन बाबू अध्यक्ष आईआईपीए करीमनगर स्थानीय शाखा मकान नंबर 5-4-156, कापूवाड़ा करीमनगर-505001 (तेलंगाना)	(0878) 2243301 (आवास) मोबाइल: 9849232236 ईमेल: babumuppidi@gmail.com
श्री एम. गंगाधार मानद सचिव आईआईपीए करीमनगर स्थानीय शाखा मकान संख्या 2-10-1662, चैतन्यपुरी करीमनगर-505001 (तेलंगाना)	(0878) 2201155 (आवास) मोबाइल: 9440020369 ईमेल: gangadharmittapalli@gmail.com
मदुरै	
इंजी. एस. राजगोपाल अध्यक्ष आईआईपीए मदुरै स्थानीय शाखा 24, आजाद स्ट्रीट, गांधी नगर मदुरै-625020 (तमिलनाडु)	मोबाइल: 9443060370 ईमेल: mdusippo@gmail.com
श्री के. भास्करन मानद सचिव आईआईपीए मदुरै स्थानीय शाखा प्लॉट स्ट्रीट (एक्सटेंशन) थापल थांथी नगर मदुरै-625017 (तमिलनाडु)	मोबाइल: 9345200608 ईमेल: iipa.baskarank@gmail.com
मेरठ	
प्रो. एस.एस शर्मा अध्यक्ष, आईआईपीए मेरठ स्थानीय शाखा 2/141, सेक्टर 2, राजेंद्र नगर साहिबाबाद, गाजियाबाद-201005 (उत्तर प्रदेश)	मोबाइल: 9312832502

प्रो. सत्य प्रकाश मानद सचिव आईआईपीए मेरठ स्थानीय शाखा 4 एफ, राज लोक, सिविल लाइंस मेरठ-250001 (उत्तर प्रदेश)	मोबाइल: 9837291071 ईमेल: satyavee.prakash@gmail.com
मैसूर	
डॉ. के.सी बसवराज अध्यक्ष, आईआईपीए मैसूर स्थानीय शाखा नंबर 43, केरागोडु मेन 23वां क्रॉस, विजयनगर तृतीय चरण मैसूर-570017 (कर्नाटक)	(0821) 2525620 (आवास) मोबाइल: 9341175461
प्रो. मुजफ्फर एच. असदी मानद सचिव, आईआईपीए मैसूर स्थानीय शाखा सी/ओ राजनीति विज्ञान विभाग मैसूर विश्वविद्यालय, मानस गंगोत्री, मैसूर-570006 (कर्नाटक)	(0821) 2419507 (कार्यालय) 2543936 (आवास) मोबाइल: 9448186295 ईमेल: muzaffar.assadi@gmail.com
मुजफ्फरपुर	
डॉ. आर.पी श्रीवास्तव अध्यक्ष आईआईपीए मुजफ्फरपुर स्थानीय शाखा प्रवास, पराव पोखर, लेन-2, आमगोला, मुजफ्फरपुर-842002 (बिहार)	मोबाइल: 9431241274 ईमेल: rps_pravaas@gmail.com
डॉ. अवधेश कुमार सिंह मानद सचिव आईआईपीए मुजफ्फरपुर स्थानीय शाखा आदर्श नगर, शेखपुर, मुजफ्फरपुर-842002 (बिहार) मोबाइल: 9905032357	(0621) 2230352 (आवास) ईमेल: awadheshks85@gmail.com
नागपुर	
प्रो. नीलिमा देशमुख (मई 2025 में समाप्त) मानद सचिव आईआईपीए नागपुर स्थानीय शाखा शिरीष 16, एसए रोड, लक्ष्मीनगर नागपुर-440022	

नासिक	
डॉ. एम.एस गोसावी अध्यक्ष आईआईपीए नासिक स्थानीय शाखा 7, अनुबंधन, मॉडल कॉलोनी नासिक-422005 (महाराष्ट्र) 2342060 (आवास) मोबाइल: 9822055197	(0253) 2574682 (कार्यालय) ईमेल: gokhale_edu@hotmail.com
डॉ. (श्रीमती) ए.ए. वेरुलकर मानद सचिव आईआईपीए नासिक स्थानीय शाखा बी-3, श्रीनिवास, सौभाग्य नगर गंगापुर रोड नासिक-422005 (महाराष्ट्र) 2571810 (आवास)	मोबाइल: 9822603890 ईमेल: gesjdcb_nsk@sancharnet.in
पटियाला	
प्रो. डी.के मदान मानद सचिव आईआईपीए पटियाला स्थानीय शाखा और प्रमुख, सामाजिक विज्ञान विद्यालय पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला-147002 (पंजाब)	(0175) 2280063 (आवास) मोबाइल: 9417079934
पाटलिपुत्र	
डॉ. घनश्याम एन. सिंह अध्यक्ष आईआईपीए पाटलिपुत्र स्थानीय शाखा, ए/14, नोबा नगर, फेज I, खोजा इमाली के पास, फुलवारी शरीफ, पटना-801505 (बिहार)	मोबाइल: 9431494843 ईमेल: ghanshyamnsingh@gmail.com
डॉ. सी.पी सिंह मानद सचिव आईआईपीए पाटलिपुत्र स्थानीय शाखा ए/14, नोबा नगर, फेज I, खोजा इमाली के पास, फुलवारी शरीफ, पटना-801505 (बिहार)	ईमेल: chakradharprasadsingh@gmail.com

पुणे	
डॉ. एस.वी खरे मानद सचिव आईआईपीए पुणे स्थानीय शाखा सहनिष्ठा सोसाइटी, क्र.सं. 83/17/1/1, सहकार नगर, पार्वती, पुणे-411009 (महाराष्ट्र)	(020) 24230345 (आवास) मोबाइल: 07276888456 ईमेल: kharesharadv@gmail.com
सलेम	
श्री आर. कुमारसामी, माननीय सचिव, आईआईपीए सलेम स्थानीय शाखा, 59/1, रथिनापुरी, गोरीमेदु, सेलम-636008 (तमिलनाडु)	(0427) 2400302 मोबाइल: 9442622334
सांगली	
प्रो. श्रीराम जी. कानिटकर अध्यक्ष आईआईपीए सांगली स्थानीय शाखा चंद्रमणि, अर्बन बैंक के पास, विश्रामबाग सांगली-416415 (महाराष्ट्र)	0233-2301286 (आवास) मोबाइल: 9422407470 ईमेल: sgkanitkar@gmail.com
प्रो. डी.जी दहाके मानद सचिव आईआईपीए सांगली स्थानीय शाखा 2, तारा कॉम्प्लेक्स, 1275, खंभोग पंचमुखी मूर्ति रोड सांगली-416415 (महाराष्ट्र)	0233-2326359 (आवास) मोबाइल: 9422614774 ईमेल: dahakedg@rediffmail.com
सिरोही	
श्री नरेंद्र कुमार जैन अध्यक्ष आईआईपीए सिरोही स्थानीय शाखा लक्ष्मी भवन, सदर बाजार सिरोही-307001 (राजस्थान)	(02972) 220136 (आवास) 222209 (कार्यालय) मोबाइल: 9414152318
श्री बलवंत सिंह राठौर मानद सचिव आईआईपीए सिरोही स्थानीय शाखा 46 राठौड लेन सिरोही-307001 (राजस्थान)	(02972) 225075 मोबाइल: 09468834301

तंजावुर	
डॉ. टी. एलंगोवन अध्यक्ष आईआईपीए तंजावुर स्थानीय शाखा नंबर 80, एबीआई और एबीआई टावर्स मेडिकल कॉलेज के सामने तंजावुर-613004 (तमिलनाडु)	(04362) 241505 (कार्यालय) मोबाइल: 9585500000 ईमेल: abiabiasia@gmail.com abiabiintenaitonal@gmail.com
डॉ. जी. देवनायगम मानद सचिव आईआईपीए तंजावुर स्थानीय शाखा 1/343 लक्ष्मी गार्डन, त्रिची रोड नए बस स्टैंड के सामने तंजावुर-613005 (तमिलनाडु)	(04362) 244505 (आवास) मोबाइल: 8489500000 ईमेल: chairman@abiabi.org gdnayagam@gmail.com
तिरुचिरापल्ली	
श्री ए.आर. रामचंद्रन अध्यक्ष आईआईपीए तिरुचिरापल्ली स्थानीय शाखा 1/24, अम्मांगुडी अग्रहारम, अंदनल्लूर (पोस्ट), जीयपुरम तिरुचिरापल्ली-639101(तमिलनाडु)	(0431) 2614873 (आवास)
डॉ. एस. पलानीस्वामी मानद सचिव आईआईपीए तिरुचिरापल्ली स्थानीय शाखा ए-80, 3वां क्रॉस, धीरन नगर, डिंडीगुल रोड तिरुचिरापल्ली-620009 (तमिलनाडु) मोबाइल: 9442583062	(0431) 2403062 (आवास) ईमेल: swamy@bdu.ernet.in
तिरुनेलवेली	
श्री के. भास्कर अध्यक्ष आईआईपीए तिरुनेलवेली स्थानीय शाखा 40 सुबाम कॉलोनी केटीसी नगर, उत्तर, महाराजनगर पीओ तिरुनेलवेली-627011 (तमिलनाडु)	(0462) 2521353 (आवास) मोबाइल: 9486041694
तिरुपति प्रो. टी. लक्ष्मम्मा अध्यक्ष आईआईपीए तिरुपति स्थानीय शाखा 15-57/2, पद्मावती नगर तिरुपति-517502 (आंध्र प्रदेश)	मोबाइल: 7702405260

प्रो. डी. कृष्णमूर्ति मानद सचिव आईआईपीए तिरुपति स्थानीय शाखा मकान नंबर 23-6-37/2, एसकेडी नगर, एमआर पाले तिरुपति-517502 (आंध्र प्रदेश)	मोबाइल: 7013152338 ईमेल: dkmoorthy2010@gmail.com
तिरुपत्तूउर	
श्री के.एम. सुब्रमण्यन अध्यक्ष आईआईपीए तिरुपत्तूर स्थानीय बार्नच 116, कचरी स्ट्रीट, एलएस हॉस्पिटल तिरुपत्तूर-635601 (तमिलनाडु)	मोबाइल: 9443222862
डॉ. ए. जेवियर सुसाइराज मानद सचिव आईआईपीए तिरुपत्तूर स्थानीय शाखा 19/1, श्रीनिवासन नगर तिरुपत्तूर -635601 (तमिलनाडु)	मोबाइल: 9789210835 ईमेल: floraxavier@rediffmail.com
वडोदरा	
डॉ. जतिन वी. मोदी अध्यक्ष आईआईपीए वडोदरा स्थानीय शाखा 13, प्रकाश कॉलोनी, जेतलपुर रोड वडोदरा-390005 (गुजरात) मोबाइल: 9426054166	(0265) 2460734, 2334282 ईमेल: nfabaroda@gmail.com
श्री महेश एन. त्रिवेदी मानद सचिव आईआईपीए वडोदरा स्थानीय शाखा 13, प्रकाश कॉलोनी, जेतलपुर रोड वडोदरा-390005 (गुजरात)	मोबाइल: 9825097476
वल्लभ विद्यानगर	
प्रो. बलदेव अग्जा अध्यक्ष आईआईपीए वल्लभ विद्यानगर स्थानीय शाखा और प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पीजी विभाग, राजनीति विज्ञान सरदार पटेल विश्वविद्यालय वल्लभ विद्यानगर-388120 (गुजरात	मोबाइल: 9825378386 ईमेल: baldevagja@gmail.com

डॉ. जयेश पुजारा मानद सचिव आईआईपीए वल्लभ विद्यानगर स्थानीय शाखा और श्री डी.एन इंस्टीट्यूट ऑफ पीजी स्टडीज इन कॉमर्स, एम.बी पटेल विज्ञान महाविद्यालय परिसर, सरदार गंज रोड, आणंद-388001 (गुजरात)	मोबाइल: 93752559375, 8866298662 ईमेल: jayeshpoojara@gmail.com
वेल्लोर	
श्री पी. देवा डोस अध्यक्ष आईआईपीए वेल्लोर स्थानीय शाखा नंबर 148, वीओसी स्ट्रीट, गांधी नगर वेल्लोर-632006 (तमिलनाडु)	(0416) 2243814 (आवास) मोबाइल: 9894112375
विल्लुपुरम	
श्री एम. शनमुगम अध्यक्ष आईआईपीए विल्लुपुरम स्थानीय शाखा 5, जयाराम लेआउट, महाराजपुरम, विल्लुपुरम-605602 (तमिलनाडु)	मोबाइल: 9994506828
श्री एम. तिरुग्नानसम्बन्दम मानद सचिव आईआईपीए विल्लुपुरम स्थानीय शाखा 26 नटराजन स्ट्रीट, कमला कन्नप्पन नगर विल्लुपुरम-605602 (तमिलनाडु)	मोबाइल: 9994707470 ईमेल: mthirugnanasambandam@gmail.com
विरुधुनगर	
श्री एस.पी.जी.आर नित्यानंदन अध्यक्ष आईआईपीए विरुधुनगर स्थानीय शाखा 1, कूलियन कोविल स्ट्रीट विरुधुनगर-626001 (तमिलनाडु)	244164 और 244364 (कार्यालय) ईमेल: spgr@md4.vsnl.net.in
श्री आर. कनागवेल मानद सचिव आईआईपीए विरुधुनगर स्थानीय शाखा 529, मदुरै रोड विरुधुनगर-626001 (तमिलनाडु)	(04562) 244835 (कार्यालय) 246035 (आवास) ईमेल: kanagavel@thangamgroup.com

विशाखापत्तनम	
प्रो. आर. सुदर्शन राव अध्यक्ष आईआईपीए विशाखापत्तनम स्थानीय शाखा और अर्थशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर आंध्र विश्वविद्यालय विशाखापत्तनम-530003	मोबाइल: 9441032865 ईमेल: srrokkam@gmail.com
डॉ. पी. प्रेमानंदम मानद सचिव आईआईपीए विशाखापत्तनम स्थानीय शाखा और राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन विभाग आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम-530003	मोबाइल: 9247193247, 9959718865 ईमेल: petetip@gmail.com
वारंगल	
प्रो. एम. विद्यासागर रेड्डी अध्यक्ष आईआईपीए वारंगल स्थानीय शाखा सी/ओ लोक प्रशासन एवं मानव संसाधान विकास विभाग काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल-506009 (आंध्र प्रदेश)	मोबाइल: 09866576017 ईमेल: profmvsreddy@gmail.com
प्रो. जी. रामेश्वरम मानद सचिव आईआईपीए वारंगल स्थानीय शाखा सी/ओ लोक प्रशासन एवं मानव संसाधन विकास विभाग काकतीय विश्वविद्यालय वारंगल-506009 (आंध्र प्रदेश)	(0870) 2455588 (कार्यालय) मोबाइल: 09885774967

अनुलग्नक एफ.3.2

31-03-2025 तक क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाएँ

सदस्यों की सूची संलग्न है

क्रमांक	क्षेत्रीय और स्थानीय शाखाएँ	आजीवन सदस्य
1.	असम	203
2.	बिहार	578
3.	पाटलिपुत्र	37
4.	मुजफ्फरपुर	41
5.	छत्तीसगढ़	67
6.	दिल्ली	1942
7.	गोवा	46
8.	गुजरात	147
9.	वल्लभ विद्यानगर	37
10.	वडोदरा	45
11.	हरियाणा	252
12.	हिमाचल प्रदेश	92
13.	जम्मू और कश्मीर	401
14.	झारखंड	183
15.	जमशेदपुर	17
16.	कर्नाटक	324
17.	गुलबर्गा	41
18.	धारवाड़	24
19.	मैसूर	32
20.	केरल	220
21.	मध्य प्रदेश	221
22.	जबलपुर	64
23.	इंदौर	42
24.	महाराष्ट्र	800
25.	औरंगाबाद	57
26.	नागपुर	95
27.	पुणे	168
28.	सांगली	18

29.	नासिक	21
30.	मणिपुर	70
31.	मेघालय	76
32.	मिजोरम	82
33.	ओडिशा	292
34.	कटक	35
35.	पुदुचेरी	55
36.	पंजाब और चंडीगढ़	291
37.	पटियाला	38
38.	राजस्थान	334
39.	सिरोही	8
40.	तमिलनाडु	683
41.	कोयंबटूर	31
42.	डिंडीगुल	23
43.	मदुरै	113
44.	तिरुनेलवेली	21
45.	तिरुचिरापल्ली	25
46.	वेल्लोर	40
47.	विल्लुपुरम	22
48.	विरुधुनगर	16
49.	सैदापेट	23
50.	सलेम	18
51.	तंजावुर	30
52.	कुड्डालोर	45
53.	तिरुपत्तूगर	19
54.	तेलंगाना और आंध्र प्रदेश	539
55.	करीमनगर	27
56.	वारंगल	89
57.	तिरुपति	71
58.	विशाखापत्तनम	86
59.	उत्तर प्रदेश	892
60.	शाहजहांपुर	101
61.	मेरठ	55
62.	आगरा	34

63.	कानपुर	72
64.	बरेली	43
65.	उत्तराखंड	261
66.	पश्चिम बंगाल	350
67.	बर्दवान	19
68.	हावड़ा	20
69.	अन्य'	56
70.	विदेश'	117
	कुल	**11437**

* आईआईपीए की कोई शाखा नहीं

अनुलग्नक एफ.4

शैक्षणिक केंद्र 2024-25

शहरी अध्ययन केंद्र			आर्थिक विकास और प्रबंधन अध्ययन
1.	प्रो. के.के. पांडे- समन्वयक	1.	प्रो. वी.एन. आलोक- समन्वयक
2.	डॉ. कुसुमलता	2.	डॉ. रोमा देबनाथ
3.	डॉ. सचिन चौधरी	3.	डॉ. पवनकुमार तनेजा
4.	डॉ. अमित कुमार सिंह		
जनजातीय अनुसंधान एवं अन्वेषण केंद्र (सीओटीआरईएक्स)			**डॉ. अंबेडकर लोकनीति एवं सामाजिक न्याय केंद्र**
1.	प्रो. नूपुर तिवारी- समन्वयक	1.	प्रो. नूपुर तिवारी- समन्वयक
2.	डॉ. साकेत बिहारी		
3.	डॉ. गदाधर महापात्र		
जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण और सूखा प्रशासन केंद्र			**सुशासन (गुड गवर्नेंस) केंद्र**
1.	डॉ. श्यामली सिंह- समन्वयक	1.	श्री अमिताभ रंजन - समन्वयक
2.	प्रो. वी.के. शर्मा	2.	श्री एच.सी. यादव
		3.	श्री मिथुन बरुआ
		4.	सुश्री मेघना चुक्कथ
ई-गवर्नेंस केंद्र			**अंतर्राष्ट्रीय संबंध केंद्र**
1.	प्रो. चारू मल्होत्रा- समन्वयक	1.	प्रो. अशोक विशनदास- समन्वयक
2.	डॉ. सुरभि पांडे	2.	डॉ. मनन द्विवेदी

'केंद्रों का गठन और सदस्यता केवल आईआईपीए की आंतरिक शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए है और इसका प्रत्येक केंद्र के अंतर्गत अनुदान/संसाधनों और आईआईपीए वेतन संरचना से कोई संबंध नहीं है।

अनुलग्नक एफ.5

आईआईपीए संकाय और अन्य का शैक्षणिक योगदान (प्रशिक्षण और अनुसंधान अध्ययन के अलावा)

विनोद के. शर्मा

चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ (श्रेणी ए)

I. शीर्षक: गंगा नदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम चरण 2

II. अवधि: 3 वर्ष (2023-26)

III. वित्तपोषण एजेंसी: राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी)

IV. प्रारंभ तिथि: अगस्त 2023

V. समापन तिथि: मार्च 2026

VI. प्रस्तावित समापन तिथि: मार्च 2026

VII. स्थिति: जारी

जी. प्रकाशन

(क) पुस्तकें

I. शीर्षक: वाराणसी के घाटों की यात्रा: गंगा के पवित्र जल के किनारे एक रहस्यमय यात्रा।
प्रकाशक: भारतीय लोक प्रशासन संस्थान
स्थान: नई दिल्ली
प्रकाशन तिथि: 2024

II. शीर्षक: राजधानी के प्रदूषण संकट को समझना।
प्रकाशक: भारतीय लोक प्रशासन संस्थान
स्थान: नई दिल्ली
प्रकाशन तिथि: 2024

(ख) पत्र एवं लेख

I. दिल्ली में जल प्रबंधन पद्धतियाँ: एक व्यापक विश्लेषण
प्रकाशक: बीएमटीपीसी
स्थान: नई दिल्ली
प्रकाशन तिथि: 2024

II. भारत में लोक प्रशासन में सिविल सेवकों की क्षमता निर्माण में नई चुनौतियाँ
प्रकाशक: एनएओजी, मंगोलिया
प्रकाशन तिथि 2024

III. पुस्तक संपादित: प्रशासन परंपराएँ और सुधार: मंगोलिया का मामला और अंतर्राष्ट्रीय अनुभव

IV. जलवायु कार्रवाई, एआई, एसडीजी और जल प्रबंधन को एकीकृत करना (कार्यक्रम में)

I. आईआईपीए के अंतर्गत अन्य, पकार के शैक्षणिक कार्यों से जुड़ाव

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, आदि)- भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

- नमामिगंगे द्वारा प्रायोजित 'गंगानदी के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम' के परियोजना अन्वेषक'
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण गतिविधियों के समन्वयक

(ख) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से जुड़ाव (समितियों/बोर्डो आदि की सदस्यता)

- सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार 2023 के निर्णायक मंडल (जूरी) के सदस्य
- एनआईडीएम की प्रशिक्षण सलाहकार समिति के सदस्य
- डब्ल्यूसीडीएम द्वारा 2024 के आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए निर्णायक मंडल के सदस्य
- स्फीयर इंडिया के मानद कार्यकारी समिति सदस्य
- न्यूकैसल विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के पीएचडी परीक्षक

जे. शाखाओं के साथ जुड़ाव

शाखा नियुक्त: महाराष्ट्र शाखा समन्वयक

के. आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

1. उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी के आजीवन सदस्य
2. जर्नल 'आपदा प्रतिक्रिया एवं प्रबंधन (डिजास्टर रिस्पांस एंड मैनेजमेंट)' के सलाहकार बोर्ड के सदस्य, आईएसएसएन नंबर 2347-2553 एलबीएसएनएए, मसूरी।
3. सदस्य, संपादकीय टीम, आपदा प्रबंधन पर संसाधन पुस्तक, एलबीएसएनएए, मसूरी।
4. सदस्य, एलबीएसएनएए, मसूरी के पर्वतमाला कार्यक्रम
5. एनआईयू इंटरनेशनल जर्नल ऑन ह्यूमन राइट्स के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।
6. जर्नल ऑफ प्लांट डेवलपमेंट साइंस के संपादकीय बोर्ड के सदस्य। आईएसएसएन: 0974-6382, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी द्वारा प्रकाशित।
7. व्यावसायिक विकास एवं सामाजिक-पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (पीआरआईएसएम), कोलकाता (पश्चिम बंगाल) की सलाहकार समिति के सदस्य
8. उपाध्यक्ष, सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

के.के पांडे

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी ए) (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

I. शीर्षक:

क. डीडीए की द्वारका परियोजना फेज-1 के लिए पालम गांव में भूमि अधिग्रहण हेतु सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन

ख. गौशाला सड़क निर्माण की डीडीए परियोजना के लिए सतबरी गांव में भूमि अधिग्रहण हेतु सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन

ग. नई दिल्ली के दक्षिण राजस्व जिले के मैदानगढ़ी राजस्व संपदा (एस्टेट) में सार्क विश्वविद्यालय से सीएपीएफआईएमएस तक सड़क निर्माण पर सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन (एसआईए) अध्ययन

घ. चुनिंदा शहरों/राज्यों में स्वच्छ सर्वेक्षण की सत्यता पर अध्ययन

ङ. भारत में शहरी शासनद्धगवर्नेंसऋ में 4आईआर के अनुप्रयोग पर अध्ययन

II. पूरा होने की तिथि:

क. अक्टूबर, 2024

ख. जुलाई, 2024

ग. मई, 2024

घ. अक्टूबर, 2024

ङ. अगस्त, 2024

III. उद्देश्य:

क. सभी एसआईए अध्ययनों के लिए कॉमन

सार्वजनिक प्रयोजन के लिए अधिग्रहण हेतु चिन्हित भूमि के टुकड़े के लिए एसआईए करना, जिसमें व्यवहार्यता अध्ययन करना, जिसमें व्यवहार्यता अध्ययन, प्रभावित श्रमिकों और परिवारों का सर्वेक्षण शामिल है।

घ. नौ-बिंदु मूल्यांकन के तहत चुनिंदा शहरों में स्वच्छ सर्वेक्षण के अनुवर्ती कार्रवाई की जांच करना

ई. शहरी शासन (गवर्नेंस) में 4आईआर के कार्यान्वयन की जांच करें

IV. कार्यप्रणाली:

क. सभी के लिए कॉमन एसआईए अध्ययन निम्नानुसार है

(क) संबंधित भूमि पर भूमि मालिकों, किरायेदारों और श्रमिकों (यदि नियोजित हैं) का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण शामिल है। (ख) परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (पीएपी) पर सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का आकलन, (ग)

संबंधित/प्रभावित व्यक्तियों की सार्वजनिक सुनवाई, और (घ) मुआवजे का आकलन

घ. हैदराबाद, पुणे और सूरत शहरों से द्वितीयक डेटा

ई. बेंगलुरु और कर्नाटक राज्य में शहरी शासन के डिजिटलीकरण पर जानकारी

V. सारांश एवं निष्कर्ष:

क. सभी के लिए कॉमन एसआईए अध्ययन निम्नानुसार है-

अध्ययन में प्रत्येक संबंधित कार्य (असाइनमेंट) के लिए विभिन्न हितधारकों के परामर्श से मुआवजे और अधिग्रहण प्रक्रियाओं पर चर्चा का सुझाव दिया गया है।

चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

I. शीर्षक:

क. आईआईपीए द्वारा बीएफएआईआर कार्यक्रम का स्वतंत्र सत्यापन कराना

ख. अंधा (ब्लारइंड) विद्यालय, लाल कुआं, एमबी रोड के साथ पुल पहलादपुर गांव में मौजूदा सड़क के चौड़ीकरण के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन

II. प्रारंभ तिथि:

क. दिसंबर, 2022

ख. फरवरी, 2025

III. उद्देश्य:

क. पंजाब में राजकोषीय और संस्थागत परिदृश्य के विभिन्न पहलुओं पर वर्ष दर वर्ष आधार पर डेटा एकत्र करना।

ख. सार्वजनिक उद्देश्य हेतु अधिग्रहण हेतु चिन्हित भूमि के टुकड़े के लिए एस.आई.ए. करना।

सार्वजनिक प्रयोजन के लिए अधिग्रहण हेतु चिन्हित भूमि के टुकड़े के लिए एसआईए करना, जिसमें व्यवहार्यता अध्ययन, प्रभावित श्रमिकों और परिवारों का सर्वेक्षण शामिल है।

IV. कार्यप्रणाली:

क. नगर निगम वित्त के दृष्टिकोण से विशिष्ट इनपुट प्रदान करना।

ख. (क) संबंधित भूमि पर भूमि मालिकों, किरायेदारों और श्रमिकों (यदि नियोजित हैं) का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण शामिल है। (ख) परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (पीएपी) पर सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का आकलन, (ग) संबंधित/प्रभावित व्यक्तियों की सार्वजनिक सुनवाई, और (घ) मुआवजे का आकलन।

सीयूएस का समन्वय

I. शहरी क्षेत्र से संबंधित विकास और भारत सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के साथ नीति के प्रसार पर आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और संबंधित राज्यों के साथ घनिष्ठ समन्वय।

II. समन्वय के एक भाग के रूप में, समय-समय पर आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा अनुरोधित आवधिक रिपोर्ट, मूल्यांकन रिपोर्ट, संसदीय प्रश्न, कागजात, डेटाशीट और अन्य तकनीकी कागजात भी तैयार किए गए।

III. संचालन समिति की बैठक आयोजित की गई तथा अन्य आर.सी.यू.ई.एस. के साथ बातचीत की गई।

IV. क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के संबंध में राज्यों के साथ बैठकें आयोजित की गई।

V. आठ सीयूएस राज्यों में राज्य सलाहकार समिति का गठन।

प्रकाशन

उच्च प्रतिष्ठा वाले समाचार पत्रों में प्रकाशित पुस्तकें, शोधपत्र एवं लेख

I. प्रमुख प्रकाशनों के शीर्षक

क. चुनिंदा शहरों/राज्यों में स्वच्छ सर्वेक्षण की सत्यता (कार्यपत्र-III, 2024)

ख. भारत के राज्यों में शहरी शासन में 4आईआर का अनुप्रयोग (कार्य पत्र-I, 2024)

ग. नगरों का प्रबंधन न हो जाए जानलेवा

घ. हमारे शहरों की मानसून की समस्या से कैसे निपटें?

ङ. इतने क्यों तपने लगे हमारे घर - शहर

II. जर्नल/समाचार पत्र:

क. कार्य पत्र

ख. कार्य पत्र

ग. समाचार पत्र: टाइम्स ऑफ इंडिया

घ. समाचार पत्र: हिंदुस्तान हिंदी

III. तिथि:

क. अगस्त, 2024

ख. अक्टूबर, 2024

ग. 30 जुलाई, 2024

घ. 29 जून, 2024

ङ. 19 जून, 2024

सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आदि में प्रस्तुत पेपर

- आईआईपीए और आईटीपीआई, एचएसएमआई, एएमडीए और एआईआईएलएसजी के अंतर्गत विशिष्ट शहरी मुद्दों पर कार्यशालाओं/सम्मेलन/सेमिनारों में मुख्य वक्ता

आईआईपीए के अंतर्गत शैक्षणिक कार्यों से संबद्धता

(a) (क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, इत्यीदि)- भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

(i) आईआईपीए में शहरी अध्ययन केंद्र का समन्वय

(ii) आईआईपीए में राजभाषा समिति का समन्वय

(iii) एपीपीपीए में शहरी प्रवाह का समन्वय

(iv) आईआईपीए में शोध कर्मचारियों के लिए चयन समिति के सदस्य

(v) नगरलोक के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

(b) (ख) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से जुड़ाव (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता)

(i) महालेखाकार (लेखापरीक्षा) दिल्ली के राज्य लेखापरीक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य

(ii) शहरी विकास पर आईटीपीआई विशेषज्ञ समिति के सदस्य

(iii) एएमडीए (नगरपालिकाओं और विकास प्राधिकरणों का संघ) के सलाहकार बोर्ड के सदस्य

(iv) एचएसएमआई (मानव निपटान और प्रबंधन संस्थान) के पुनर्गठन पर हुडको के कार्य समूह के सदस्य

(v) इग्नू के शहरी विकास पर कार्य समूह के सदस्य

(vi) आवास क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रैक्टिसेस के लिए हुडको पुरस्कारों की निर्णायक मंडल के सदस्य

शाखाओं से संबद्धता

शाखा सौंपी गई: पंजाब - चंडीगढ़

गतिविधियों में भागीदारी:

आभासी(वर्चुअल) कार्यशाला/सम्मेलन के आयोजन पर राज्यों के साथ संपर्क

सुरेश मिश्रा

5 जून 24 को कार्तिक मुरलीधारन द्वारा लिखित पुस्तक 'एक्सीलरेटिंग इंडियाज डेवलपमेंट' के दूसरे अध्याय 'द पॉलिटिशियन्स प्रेडिकेमेंट' पर प्रस्तुति दी।

ख. प्रकाशित पुस्तकें

1. स्वतंत्रता के बाद से भारत का प्रशासनिक इतिहास, आईआईपीए और प्रिंट्स पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, 2024.
2. भारत में लोक प्रशासन- नागरिक केंद्रित शासन की ओर, आईआईपीए और प्रिंट्स पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, 2024.
3. पूर्वोत्तर भारत में उपभोक्ता संरक्षण- कुछ झलकियाँ, कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2024.

ग. प्रकाशित पत्र/लेख

1. नेतृत्व और महिलाओं में परिवर्तन: महिला आरक्षण विधेयक 2023 के संदर्भ में एक अध्ययन, बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एड मिनिस्ट्रेशन XXI नंबर 1 जनवरी-जून, 2024.
2. भारतीय विधि समीक्षा खंड XV 2023 में लोक सेवावितरण पर डिजिटल शासन का प्रभाव, राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय भोपाल, 2023 (2024 में प्रकाशित)।
3. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019: वैश्वीकृत बाजार अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं का सशक्तिकरण, किरण गुप्ता (संपादक) उपभोक्ता कानून में उभरते रुझान, थॉम्पसन रॉयटर्स, 2024.
4. आईआईपीए क्षेत्रीय शाखा ओडिशा वॉल्यूम XXX 2023, ओडिशा 2023 (2024 में प्रकाशित) के जर्नल में विकेंद्रीकरण में उभरते रूझान: सुशासन पर प्रभाव।
5. विकासशील भारत में शासन और चुनावी राजनीति: दृष्टि और वास्तविकताएँ, आईआईपीए और प्रिंट्स पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2024
6. पूर्वोत्तर राज्यों में उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता का स्तर: पूर्वोत्तर भारत में उपभोक्ता संरक्षण का आकलन- कुछ झलकियाँ, कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित 2024.

घ. दिए गए व्याख्यान

1. दिनांक 25/10/2024 को आनंद लॉ कॉलेज एवं आनंद लॉस्टडीज, गुजरात द्वारा आयोजित वेबिनार में उपभोक्ता अधिकार एवं जागरूकता पर व्याख्यान दिया।
2. यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में 8वें संकाय परिचयात्मक कार्यक्रम में दि. 09/09/2024 को उपभोक्ता संरक्षण और शिक्षा पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
3. यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, बीएचयू द्वारा आयोजित महिला अध्ययन में 19वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में पंचायतीराज में महिलाएं: ग्रामीण भारत का लोकतंत्रीकरण विषय पर दि. 21.9.2024 को ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
4. राष्ट्र संत तुकोदजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन और स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा 27-28 सितंबर, 2024 को आयोजित ''भारत में लोकतंत्र और लोकप्रशासन का सहजीवन'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाषण दिया जाएगा।
5. तुकोदजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में, 'भारत में लोकतंत्र और लोक प्रशासन: उतार-चढ़ाव और प्रभाव' विषय पर पैनलिस्ट। 27-28 सितंबर, 2024.
6. तुकोदजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में लोक प्रशासन के भविष्य पर एक सत्र की अध्यक्षता की। 27-28 सितंबर, 2024.
7. 28 सितंबर, 2024 को सेंटर फॉर क्रिमिनल लॉ एंड पॉलिसी, एस आर एम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई द्वारा आयोजित ''उपभोक्ता विश्वास की रक्षा: डिजिटल युग में भ्रामक विज्ञापनों के प्रति कानूनी प्रतिक्रियाऐं'' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेष भाषण दिया।
8. चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पटना में बौद्धिक संपदा अधिकार व्यवस्था में उपभोक्ता संरक्षण: सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में मुद्दे और उभरती चुनौतियाँ विषय पर 14 जुलाई, 2024 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता की।
9. जम्मू एवं कश्मीर क्षेत्रीय शाखा, जम्मू द्वारा दिनांक 07/10/2024 को आयोजित प्रील्यूड सम्मेलन में एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर मुख्य वक्ता।
10. आईआईपीए एमपी क्षेत्रीय शाखा, भोपाल द्वारा भोपाल में 10/08/2024 को आयोजित आईआईपीए क्षेत्रीय सेमिनार में प्रशासन विकेंद्रीकरण: सिद्धांत और व्यवहार पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

11. आईआईपीए में भारतीय दूरसंचार सेवा अधिकारियों के लिए 14 जनवरी, 2025 को आयोजित फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुशासन और नागरिक केंद्रित प्रशासन पर एक सत्र में भाग लिया।
12. बिहार के प्रांतीय सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए 27-31 जनवरी, 2025 को आयोजित तीसरे फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम में 28 जनवरी, 2025 को न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन पर एक सत्र लिया।
13. आईआईपीए, नई दिल्ली में विकसित भारत @ 2047 की प्रगति के संचालक तत्व, पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय सम्मेलन में 19 दिसंबर, 2024 को ''तकनीकी नवाचार और डिजिटल परिवर्तन'' पर तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

ई. सदस्यता

1. राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, डीएआरपीजी में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के कोरसमूह की शैक्षणिक समिति की सदस्य।
2. आईआईएसए मानित (डीम्ड) यूनिवर्सिटी में लोक प्रशासन अध्ययन बोर्ड के सदस्य।
3. राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा 12 अप्रैल 2024 को दिल्ली में आयोजित ''भारत में 73वें और 74वें संशोधन के प्रभाव का आकलन। भारतीय राजनीति में महिला प्रतिनिधियों की भूमिका का आकलन या समावेशिता'' विषय पर परामर्श समूह की सदस्य।
4. जनवरी, 2024 को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय भोपाल, भोपाल के कुलपति द्वारा एमपीडीसीआरसी /एमपीडीएसडीआरसी के लिए पेपर सेटर के रूप में नियुक्त किया गया।
5. एसएसएस, इग्नू पर 03/05/2024 को श्री विपेन पटेल की थीसिस ''भारत में पार्टी प्रणाली की बदलती गतिशीलता: पूर्वी यूपी में एकल जातिदल (1993-2019)'' पर आयोजित मौखिक परीक्षा हेतु इग्नू के कुलपति द्वारा नामित किया गया।
6. आईआईएसएडीम्ड यूनिवर्सिटी, जयपुर में 30 अप्रैल, 2024 को लोक प्रशासन में अध्ययन बोर्ड की बैठक में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।
7. एनसीजीसी, एनसीजीजी, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, डीएआरपीजी द्वारा 05 जून, 2024 को क्षमता निर्माण कार्यक्रम की अकादमिक समिति कोर समूह की पहली बैठक में भाग लिया।
8. सुश्री सुरभिराव के शोध प्रबंध ''हरियाणा में महिला विकास एवं क्षमताएँ: रेवाड़ी में बालिका शिक्षा का एक अध्ययन, 2002-2017'' के मूल्यांकन हेतु इग्नू के कुलपति द्वारा विशेषज्ञ के रूप में नामित।
9. सदस्य, आरडीसी लोकप्रशासन, इग्नू, नई दिल्ली।
10. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में पीएच. डी के लिए आरडीसी लोक प्रशासन के सदस्य।

एफ. आईआईएएस-डीएआरपीजी सम्मेलन नई दिल्ली-2025

- आईआईएएस डीएआरपीजी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत की ओर से प्रतिवेदक नियुक्त किया गया और नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक सम्मेलन से संबंधित विभिन्न ऑनलाइन बैठकों में भाग लिया।
- सम्मेलन के लिए शोध पत्र योगदान कर्ताओं से प्राप्त 178 सारांशों की समीक्षा की गई।
- सम्मेलन से संबंधित विभिन्न ऑनलाइन बैठकों में भाग लिया।
- ''अगली पीढ़ी के प्रशासनिक सुधार'' विषय पर पूर्ण सत्र की सह-अध्यक्षता की।
- 12 फरवरी, 2025 को न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन पर ट्रैक की अध्यक्षता की।
- 13 फरवरी, 2025 को न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन पर ट्रैक की अध्यक्षता की।
- 13 फरवरी, 2025 को भारत में लोक प्रशासन: लोकशासन और लोकनीति एवं सिद्धांत पर एक सत्र की अध्यक्षता की

- 13 फरवरी, 2024 को समापन समारोह में सम्मेलन की कार्यवाही की रिपोर्ट तैयार की गई और प्रस्तुत की गई।

जी. एपीपीपीए

50वां एपीपीपीए

स्ट्रीम

- लोक प्रशासन की गतिशीलता (16 सत्र)
- एपीपीपीए शोध प्रबंध मागदर्शिका
- मेक इन इंडिया: भारतीय सेना के लिए गोला-बारूद निर्माण में आत्मनिर्भरता हेतु एक सुदृढ़ अनुसंधान एवं विकास पारिस्थिति की तंत्र का निर्माण। ब्रिगेडियर बीजू जैकब, वीएसएम, आईए.

एच.चल रही परियोजनाएँ

1. भारतीय संविधान में 73वें और 74वें संशोधन का प्रभाव मूल्यांकन: पीआरआई और यूएलबी में महिला प्रतिनिधियों की भूमिका का आकलन - राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा वित्त पोषित उत्तरक्षेत्र 2 (चंडीगढ़, पंजाब, दिल्ली और हरियाणा)।
2. राज्य सहयोग पहल (एससीआई) के तहत ''भारत सरकार और राज्यों के चुनिंदा विभागों में नागरिक चार्टर और सेवा वितरण अधिनियम की प्रभावकारिता और प्रभावशीलता'' पर अध्ययन, डीएआरपीजी द्व ारा वित्त पोषित।
3. समन्वयक जिला परियोजना: भारत में जिला शासन(गवर्नेंस) का दस्तावेजीकरण (संस्थाएं, संरचनाएं और प्रणाली)।

आई. अध्यक्ष, अनुसंधान कर्मचारी चयन समिति

जे. सदस्य महानिदेशक, अधयक्षता अनुसंधान कर्मचारी चयन समिति

के. क्षेत्रीय शाखाओं के साथ जुड़ाव

1. आईआईपीए राजस्थान क्षेत्रीय शाखा
2. आईआईपीए दिल्ली क्षेत्रीय शाखा

अशोक विशनदास

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी ए) (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लाग)

I. भारत सरकार के फार्मास्यूटिकल्स विभाग के आरपीटीयूएएस का तृतीय पक्ष मूल्यांकन

II. अवधि: 60 दिन

III. वित्त पोषण एजेंसी: फार्मास्यूटिकल्स विभाग, भारत सरकार

IV. प्रारंभ तिथि: 2025

V. पूरा होने की तिथि: 24 जनवरी, 2022

VI. उद्देश्य: भारत सरकार के फार्मास्यूटिकल्स विभाग की योजनाओं का तृतीय पक्ष मूल्यांकन करना

VII. कार्यप्रणाली: व्यक्तिगत साक्षात्कार, एफजीडी और सांख्यिकीय तकनीकों का अनुप्रयोग

VIII. सारांश एवं निष्कर्ष: योजना की उपयोगिता और प्रभाव के आधार पर, इस योजना को जारी रखने की सिफारिश की गई।

पूर्ण शोध परियोजनाएँ (श्रेणी बी)

I. शीर्षक : उर्वरक विभाग की पारदर्शित के साथ लेखापरीक्षा

II. अवधि: 15 दिन

III. वित्तकपोषण एजेंसी: उर्वरक विभाग, नई दिल्ली

IV. प्रारंभ तिथि: 16 अगस्त, 2024

V. पूरी होने की तिथि: 30 अगस्त, 2024

VI. उद्देश्य : आरटीआई अधिनियम, 2005 के अंतर्गत उर्वरक विभाग का पारदर्शिता के साथ लेखापरीक्षा करना

VII. कार्यप्रणाली: डेस्क टॉप अनुसंधान

VIII. सारांश एवं निष्कर्ष: उर्वरक विभाग द्वारा स्वत: संज्ञान लेकर खुलासे किए गए । हालाँकि, कुछ ऐसे क्षेत्र भी थे जिन पर उर्वरक विभाग को और अधिक सक्रिय खुलासे करने की सलाह दी गई।

चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ (श्रेणी)

I. शीर्षक: विधि कार्य विभाग का पारदर्शिता के साथ लेखापरीक्षा

II. अवधि: 15 दिन

III. वित्तपोषण एजेंसी: विधि कार्य विभाग

IV. प्रारंभ तिथि: 3 अगस्त, 2024

V. पूरा होने की तिथि: 16 अगस्त, 2024

VI. पूरा होने की प्रस्तावित तिथि 26 अक्टूबर, 2024

VII. स्थिति(स्ट्रेटस) : रिपोर्ट प्रस्तुत की गई

VIII. उद्देश्य: आरटीआई अधिनियम, 2005 के अंतर्गत विधि कार्य विभाग का पारदर्शिता के साथ अनिवार्य लेखापरीक्षा करना

IX. कार्यप्रणाली: डेस्क टॉप अनुसंधान

X. सारांश एवं निष्कर्ष: विधि कार्य विभाग विभाग द्वारा स्वैच्छिक खुलासे किए गए। हालाँकि, कुछ ऐसे क्षेत्र भी थे जिन पर विधि कार्य विभाग को और अधिक सक्रिय खुलासे करने की सलाह दी गई।

प्रकाशन

पुस्तकें:

I. शीर्षक: 'नागरिक, समाज और राज्य की त्रिमूर्ति'

II. प्रकाशक: आईआईपीए

III. स्थान नई दिल्ली

IV. प्रकाशन तिथि: अगस्त, 2024

(ग) कोई अन्य प्रकाशन

I. शीर्षक: 'भारत में आत्मनिर्भर कृषि'

II. पुस्तकों/जर्नल में अध्याय: 'विकसित भारत'

III. स्थान: नई दिल्ली

IV. दिनांक: जनवरी 2025

एच. सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलन आदि में प्रस्तुत शोधपत्र

सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आदि का शीर्षक:

I. 'भारतीय कृषि में समकालीन मुद्दे' पर मुख्य भाषण दिया।

II. आयोजक एजेंसी: सीआईआई, नई दिल्ली

III. स्थान एवं दिनांक: नई दिल्ली, जुलाई, 2024

IV. वित्त पोषण एजेंसी: सीआईआई, नई दिल्ली, नई दिल्ली

V. अनुदान: - शून्य

VI. प्रस्तुत शोधपत्र का शीर्षक: 'भारतीय कृषि में समकालीन मुद्दे' पर मुख्य भाषण।

एच (II) सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलन आदि में प्रस्तुत शोधपत्र

I. आईआईपीए के अंतर्गत शैक्षणिक कार्य के अन्य रूपों से संबद्धता

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक पद, संपादक पद, संयोजक पद, आदि) - भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

(ख) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से संबद्धता (समितियों/बोर्डो आदि की सदस्यता) आईसीएसएसआर ने मुझे एक परियोजना रिपोर्ट के मूल्यांकन की जिम्मेदारी सौंपी।

जे. शाखाओं से संबद्धता व सौंपी गई शाखाएँ:

i. जम्मू और कश्मीर क्षेत्रीय शाखा

ii. गुजरात क्षेत्रीय शाखा

III. सेमिनार/सम्मेलन:

i. मुझे 'नया भारत: विकसित भारत/2047' विषय पर आयोजित बैठक सम्मेलन में आमंत्रित किया गया था।

ii. सदस्य (नीति आयोग) द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया।

iii. सचिव (कृषि) के निमंत्रण पर, मैंने 'कृषि मूल्य निर्धारण नीति' में भाग लिया और अपना योगदान दिया ।

के. आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

i. मिशन कर्मयोगी पर व्याख्यान दिया

ii. कर्मयोगी भारत द्वारा मिशन कर्मयोगी पर बुलाई गई बैठकों में भाग लिया।

iii. सीबीसी द्वारा आयोजित मिशन कर्मयोगी पर बैठकों में भाग लिया।

एल. किसी अन्य शैक्षणिक या संबंधित गतिविधि का विवरण जो ऊपर शामिल नहीं है।

i. क्या पोस्ट-डॉक्टरलफेलोशिप के लिए यूजीसी द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष थे?

ii. 50वें एपीपीपीए दो प्रतिभागियों को उनके शोध प्रबंधों के लिए मार्गदर्शन दिया।

iii. मिशन कर्मयोगी का संचालन किया और इस पर नोट्स तैयार किए।

iv. सचिव (कृषि) और सदस्य (नीति आयोग), नई दिल्ली द्वारा आयोजित बैठकों में भाग लिया।

v. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की बैठकों में भाग लिया।

vi. नीति आयोग की बैठकों में भाग लिया।

vii. पंजाब विश्वविद्यालय में पीएच.डी में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया गया।

वी.एन आलोक

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/कार्यशालाएँ

- 13 फरवरी 2025 को आईआईपीए में रिपोर्ट विमोचन समारोह का आयोजन किया गया। 'राज्यों में पंचायतों को हस्तांतरण की स्थिति-2024' पर रिपोर्ट, पंचायती राजमंत्रलय के राज्य मंत्री प्राफेसर एस.पी सिंह बघेल ने जारी की। इस अवसर पर नीति आयोग के सलाहकार श्री विवेक भारद्वाज और श्री राजीव ठाकुर ने आईआईपीए द्वारा हस्तांतरण सूचकांक के निर्माण कार्य की सराहना की। इन सभी वक्ताओं ने आईआईपीए में कार्यक्रम के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया द्वारा उठाए गए विभिन्न सवालों के जवाब दिए। कई राष्ट्रीय समाचार पत्रों ने इस रिपोर्ट पर अपने संपादकीय प्रकाशित किए। मीडिया सहित लगभग 250 लोगों ने सहभागिता की। इसे मीडिया में व्यापक रूप से कवर किया गया और संपादकीय लिखे गए। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा 1,75,000 रुपये की लागत से प्रायोजित।
- 11 फरवरी 2025 को आईआईपीए में जर्मनी के बवेरियन स्टेट के संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ चुनिंदा संकाय सदस्यों की एक बातचीत का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व श्री "लोरियन सीकमैन, उपाध्यक्ष, नगरपालिका मामलों, आंतरिक सुरक्षा और खेल समिति, बवेरियन स्टेट, जर्मनी ने किया। जर्मनी के बवेरियन राज्य की नगरपालिका मामलों, आंतरिक सुरक्षा और खेल समिति के उपाध्यक्ष श्री फ्लोरियन सीकमैन ने इस प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया। प्रतिनिधिमंडल ने संघवाद, नगरपालिका मामलों और आपदा प्रबंधन पर सार्थक विचार-विमर्श किया। 20 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।
- 14 दिसंबर 2025 को आईआईपीए में एक पुस्तक विमोचन एवं चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रोफेसर अरविंद पनगढ़िया की पेंगुइन पुस्तक 'नेहरू विकास मॉडल: इतिहास और उसका स्थायी प्रभाव' का विमोचन किया गया। इस अवसर पर विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने अपने विचार साझा किए। जी-20 शेरपा श्री अमिताभ कांत मुख्य अतिथि थे। एनसीएईआर की महानिदेशक डॉ. पूनम गुप्ता ने सत्र का संचालन किया। अन्य लोगों के अलावा, 16वें वित्त आयोग के सदस्य, दिल्ली स्थित राष्ट्रीय प्रबुद्ध मंडल(थिंक टैंक) के प्रमुख, विचारक, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और विद्वान उपस्थित थे।

  प्राफेसर पनगढ़िया ने अपनी पुस्तक की मुख्य विशेषताएँ प्रस्तुत कीं और प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। मीडिया में इसकी खूब चर्चा हुई। लगभग 100 नीति निर्माताओं ने इसमें सहभागिता की और बातचीत की।

- 9-13 दिसंबर 2024 को आईआईपीए में, राज्य पंचायती राज विभाग/एसआईआरडीपीआर के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम, जो भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा प्रायोजित (आरजीएसए) के तहत वार्षिक कार्य योजना और त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। 67 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।
- 26 नवंबर 2024 को आईआईपीए में, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र के प्राफेसर कार्तिक मुरलीधरन के साथ पेंगुइन द्वारा प्रकाशित उनकी मौलिक पुस्तक 'भारत के विकास में तेजी: प्रभावी शासन के लिए राज्य के नेतृत्व वाली रोडमैप' पर आईआईपीए संकाय की एक वार्ता का आयोजन किया गया।
- 25-29 नवंबर 2024 को आईआईपीए में, भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत राज्यधजिला स्तरीय नोडल अधिकारियों (एसएनओ), राज्य/जिला पंचायती राज विभाग के अधिकारियों और जिला परियोजना प्रबंधकों के लिए पांच दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण। 60 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।
- 23-27 सितंबर 2024 को आईआईपीए में, भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा प्रायोजित नोडल अधिकारियों, पीआरआई की योजनाओं और कार्यक्रमों से संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य परियोजना प्रबंधकों डीपीएमएस और आरजीएसए के तहत जिला परियोजना प्रबंधकों के लिए पांच दिवसीय पुनश्चकर्या(रिफ्रेशर) प्रशिक्षण कार्यक्रम। 47 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।
- 30 अगस्त 2024 को आईआईपीए में, सिरैक्यूज विश्वविद्यालय - मैक्सवेल स्कूल के डीन, प्रोफेसर डेविड एम. वैन स्लीके द्वारा 'उद्योग के साथ जटिल साझेदारी का प्रबंधन: रक्षा और अंतरिक्ष औद्योगिक आधार का लाभ उठाने के लिए नवाचार' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। उनके सहयोगी प्रोफेसर डैन नेल्सन भी उपस्थित थे।
- 19 अगस्त 2024 को आईआईपीए में, पाँचवें कर्नाटक राज्य वित्त आयोग के साथ एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया और भारत के राज्यों में राजकोषीय विकेंद्रीकरण के दृष्टिकोण और पद्धतियों पर प्रस्तुति दी गई। आयोग के अध्यक्ष डॉ. सी. नारायणस्वामी, पूर्व सांसद और सदस्य, श्री मोहम्मद सनाउल्ला, आईएएस (सेवानिवृत्त), और श्री आर.एस. फोंडे, नियंत्रक (सेवानिवृत्त) ने इसमें भाग लिया।
- 5-9 अगस्त 2024 को आईआईपीए में, भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत सीईओ जिला परिषद/मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) जिला पंचायती राज अधिकारी (डीपीआरओ) के लिए पांच दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम। 43 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।
- 26 जुलाई 2026 को आईआईपीए में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सहित उत्तरी क्षेत्र के लोक वित्त अर्थशास्त्रियों के साथ 16वें वित्त आयोग (16वें वित्त आयोग) का परामर्श आयोजित किया गया। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष प्रो. अरविंद पनगढ़िया ने अध्यक्षता की। सभी सदस्य, श्री ए.एन. झा, श्रीमती एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा और श्री सौम्य कांति घोष और 16वें वित्त आयोग का पूरा सचिवालय उपस्थित था। कुल 37 अर्थशास्त्रियों ने इसमें सहभागिता की। 16वें वित्त आयोग द्वारा प्रायोजित और वित्तपोषित।
- 1-5 जुलाई 2024 को आईआईपीए में, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के अंतर्गत राज्य कार्यक्रम प्रबंधक (एसपीएम) और राज्य नोडल अधिकारी (एसएनओ) के लिए पांच दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम, पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित। भारत सरकार, पंचायती राज मंत्रालय के सचिव ने इस कार्यक्रम

का उद्घाटन किया। आईएएस अधिकारियों सहित 50 प्रतिभागियों ने इसमें सहभागिता की।

- 13-17 मई 2024 को आईआईपीए में, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रायोजित, लेटरल भर्ती 2023 के माध्यम से भारत सरकार में संयुक्त सचिव/निदेशक और उप सचिव स्तर पर लेटरल प्रवेशकों के लिए 15 दिवसीय प्रेरण कार्यक्रम। 24 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

पूर्ण शोध परियोजना

क्रम सं.	नाम	द्वारा प्रायोजित	स्थिति(स्टेटस)
1.	''राज्यों द्वारा पंचायतों को हस्तांतरण: एक सांकेतिक साक्ष्य आधाारित रैंकिंग'' पर नीति अनुसंधान परियोजना।	पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रयोजित	केंद्रीय मंत्री द्वारा आईआईपीए में आयोजित सार्वजनिक समारोह में फाइनल रिपोर्ट जारी की गई।
2.	स्थानीय सरकार के विकास के लिए राजकोषीय ढाँचे पर नीति अनुसंधान अध्ययन: 16वें वित्त आयोग, भारत के लिए राज्य-स्थानीय राजकोषीय हस्तांतरण का विश्लेषण	16वां वित्त आयोग, 16वें वित्त आयोग द्वारा प्रायोजित और वित्तपोषित एक अध्ययन	16वें वित्त आयोग द्वारा फाइनल रिपोर्ट स्वीकार की गई

प्रकाशन

पुस्तक

- (2024) राज्यों में पंचायतों को अधिकार हस्तांतरण की स्थिति: एक सांकेतिक साक्ष्य आधारित रैंकिंग, नई दिल्ली, पंचायती राज मंत्रालय-आईआईपीए। तीन वाल्युम में। केंद्रीय मंत्रियों, पंचायती राज मंत्रालय के सचिव और आईआईपीए के महानिदेशक द्वारा अग्रेषित।

संपादित वाल्यूमि में पुस्तक के अध्याय

- (2025) एस.एन. त्रिपाठी (संपादित) 'विकसित भारत: विजन और वास्तविकता' में 'भारत में स्थानीय स्वशासन' आईआईपीए और प्रिंट।
- (2025) एस.एन त्रिपाठी (संपादित) 'विकसित भारत: विजन और वास्तविकता' में 'फेडरल फाइनेंस एंड मैक्रो इकोनॉमिक मैनेजमेंट' आईआईपीए और प्रिंट।
- (2024) 'भारत में स्थानीय सरकारें: राज्यों में लेखांकन और लेखा परीक्षा के मुद्दे और व्यवहार' 1-2 अक्टूबर 2024 को जमीनी स्तर पर वित्तीय रिपोर्टिंग और सुधारों के प्रबंधन पर मेगा सम्मेलन के लिए एक संपादित खंड में प्रकाशित।

जर्नल्स में पत्र

- (2025) अतीत और वर्तमान में विकेंद्रीकरण सूचकांक- चर्चा पत्र, समावेशन, स्कोच फाउंडेशन https%//skoch-org/discussion&papers/devolution&indices&in&the&past&and&present#
- (2024) चार्टर्ड अकाउंटेंट, अप्रैल अंक में 'भारत में पंचायतों का वित्त और जवाबदेही'।

टीवी चौनलों पर आमंत्रित व्याख्यान/प्रस्तुतियाँ/ पैनलिस्ट (चयनित):

- 29 मार्च 2025, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 100वें स्कॉच शिखर सम्मेलन में 'आर्थिक सुधारों का एजेंडा' विषय पर चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। अन्य पैनलिस्टों में प्रांजुल भंडारी, एम रामचंद्रन, एम गोविंद राव, हिंडोल सेनगुप्ता

और राम सिंह शामिल थे। प्रांजुल भंडारी और राम सिंह के साथ अर्थशास्त्र में स्कॉच चौलेंजर पुरस्कार प्राप्त किया।

- 25 फरवरी 2025 दूरदर्शन पर। 'ये है इंडिया' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में 'विकसित भारत' विषय पर परिचर्चा में पैनलिस्ट।
- 3-5 फरवरी 2025, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा मनोहर पर्रिकर स्कूल ऑफ लॉ, गवर्नेंस एंड पब्लिक पॉलिसी, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा में लोक वित्त, शहरी वित्त और राजकोषीय विकेंद्रीकरण पर व्याख्यान दिया। व्याख्यान में उपस्थित संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के साथ सार्थक बातचीत हुई।
- 28 जनवरी 2025 रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित झारखंड राज्य बजट 2025-26 पूर्व परामर्श में अपने विचार प्रस्तुत किए। झारखंड सरकार के वित्त मंत्री और मुख्य सचिव सहित लगभग 100 सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।
- 22 जनवरी 2025 को देहरादून में पीडीयूसीटीआरएफए में पंडित दीनदयाल उपाध्याय वित्तीय प्रशासन प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र में उत्तराखंड राज्य सेवा के युवा अधिकारियों के साथ बातचीत की।
- 7 जनवरी 2025, ताज पैलेस, नई दिल्ली,अलबामा विश्वविद्यालय और एपीईसीएस द्वारा आयोजित 'गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज इनिशिएटिव' के तहत कार्यक्रम में भाग लेने वाले अमेरिकी-भारतीय विद्वानों को 'स्थानीय शासन पर गांधीवादी विचार' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- 16 दिसंबर 2024, द इंपीरियल, नई दिल्ली, नगरपालिका वित्त: 16वें वित्त आयोग के समक्ष मुद्दे विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में चर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने किया था।
- 5 दिसंबर 2024 भारत मंडपम, नई दिल्ली,16वें वित्त आयोग के लिए जनाग्रह द्वारा आयोजित भारत में स्थानीय सरकारों के सुदृढ़ीकरण पर महापौरों और अधयक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में चर्चा कर्ता के रूप में भाग लिया।
- 14 नवंबर 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली, में आयोजित एक राष्ट्रीय केंद्रीय वित्त आयोग (यूएफसी) की बैठक में एक पर्यवेक्षक और टिप्पणीकार के रूप में भाग लिया। इस बैठक में अनुच्छेद 280(3) (ख) और (ग) से निपटने के लिए सभी राज्य वित्त आयोगों (एसएफसी) के साथ बातचीत की गई, जो यूएफसी को एसएफसी की सिफारिशों के आधार पर पंचायतों और नगर पालिकाओं के लिए राज्यों की समेकित निधि को बढ़ाने के लिए आवश्यक उपायों का सुझाव देने के लिए अधिकृत करता है।
- 5 नवंबर 2024 को आईसीडब्ल्यूए, नई दिल्ली में, भारत सरकार की 'पड़ोसी पहले' नीति के तहत भारतीय विश्व मामलों की परिषद (आईसीडब्ल्यूए) में 'संविधानवाद और संघवाद' पर दो दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेने वाले म्यांमार के वार्ताकारों के एक समूह को 'भारत के संविधाान के तहत राष्ट्रपति और राज्यपालों की भूमिका' पर एक व्याख्यान दिया।
- 23 अक्टूबर 2024, रूसी संस्कृति केंद्र, नई दिल्ली शहरी पर्यावरण, नगरपालिका प्रशासन और बुनियादी ढांचे पर रूसी संघ के नागरिक चैंबर के सदस्यों के साथ प्रस्तुति और बातचीत की।
- 1 अक्टूबर 2024, ली मेरिडियन, नई दिल्ली। आईसीएआई द्वारा पंचायती राज मंत्रालय और आवास एवं शहरीकार्य मंत्रालय के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के सहयोग से आयोजित स्थानीय सरकार लेखांकन पर दो दिवसीय सम्मेलन के अंतर्गत 'स्थानीय सरकार अनुदान और वित्त पोषण स्रोत' पर एक सत्र में 'अनुदान वितरण तंत्र' पर मुख्य भाषण दिया। श्री मुर्मू, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने सम्मेलन का उद्घाटन किया।
- 26 सितंबर 2024, द अशोक, नई दिल्ली, एनआईयूए और प्रजा फाउंडेशन द्वारा आयोजित

'स्थायी शहरों के लिए नगरपालिका वित्त को मजबूत करना' पर एक पैनल चर्चा में एक वक्ता के रूप में भाग लिया।

- 23 अगस्त 2024 को लेमन ट्री प्रीमियर द एट्रियम, अहमदाबाद में अहमदाबाद नगर निगम के महापौर, वार्ड सदस्यों, आयुक्त और शिक्षाविदों के साथ शासन और वित्त पर एक परामर्श में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। प्रजा फाउंडेशन और GIZ_ India ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था।
- 29 सितंबर 2024 (डीडी न्यूज पर लाइव) पीएम आकांक्षी ब्लॉक प्रोग्राम पर एक चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- 1 अगस्त 2024, द लिली होटल, गुवाहाटी, नगर निगम के वित्त को सुदृढ़ करने हेतु रणनीतिक ढाँचे पर गुवाहाटी शहर परामर्श में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। प्रतिभागियों में महापौर, आयुक्त, गुवाहाटी नगर निगम के वार्ड सदस्य, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार और असम सरकार के प्रतिनिधि शामिल थे। प्रजा फाउंडेशन ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया और जीआईजेड इंडिया ने इसे प्रायोजित किया।
- 26 जुलाई 2024 (ऑनलाइन) इम्पैक्ट एंड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएमपीआरआई) द्वारा आयोजित शहर, स्थानीय शासन और केंद्रीय बजट 2024-25 पर पैनलचर्चा में एक वक्ता के रूप में भागलिया।
- 25 जुलाई 2024 को मैरियट, रायपुर में नगर वित्त को सुदृढ़ करने हेतु रणनीतिक ढाँचे पर रायपुर शहर परामर्श में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। प्रतिभागियों में रायपुर नगर निगम के महापौर, आयुक्त, आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार के प्रतिनिधि शामिल थे। प्रजा फाउंडेशन द्वारा आयोजित और जीआईजेड इंडिया द्वारा प्रायोजित।
- 29 जून 2024 को एबीवी विश्वविद्यालय, बिलासपुर में, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारतीय अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका' पर मुख्य भाषण प्रस्तुत किया।
- 17-18 जून 2024 को सीआईएमपी पटना में, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (CIMP) में 'बिहार और उसके बाहर सुशासन और स्थानीय विकास को बढ़ावा देना' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय लोकनीति एवं प्रबंधन सम्मेलन में राजकोषीय विकेंद्रीकरण में 16वें वित्त आयोग की भूमिका पर एक प्रस्तुति दी। जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी - एंड्रयू यंग स्कूल ऑफ पॉलिसी स्टडीज संगठन में सीआईएमपी के साथ सहयोग किया।
- 5-6 जुलाई 2024, द अशोक, नई दिल्ली में, चौथे वैश्विक शिक्षा शिखर सम्मेलन: मंथन - शैक्षणिक विकास के लिए उत्प्रेरक, में केस स्टडीज और शिक्षण विधियों में सर्वोत्तम व्यवहारों पर लगभग 400 कुलपतियों और अन्य लोगों के समूह के समक्ष मुख्य भाषण प्रस्तुत किया। एनआईईपीए, एआईयू और एनसीईआरटी के तकनीकी सहयोग से भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान के अध्ययन बोर्ड द्वारा आयोजित।
- 29 जून 2024, एबीवीवी, बिलासपुर में, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारतीय अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका' पर मुख्य भाषण प्रस्तुत किया।
- 24 मई 2024 को दूरदर्शन पर 73वें संविधान संशोधन अधिनियम पर पैनल चर्चा ।
- 25 अप्रैल 2024, आईआईसी, नई दिल्ली में, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित संघीय सुधार सम्मेलन में विवाद समाधान और पंचायतों पर एक प्रस्तुति दी।

अन्य शैक्षणिक कार्यों से जुड़ाव

भारतीय लोक प्रशासन जर्नल के लिए लेखों की समीक्षा।

समन्वयक, आर्थिक विकास और प्रबंधन केंद्र ।

आईआईपीए शाखा से संबद्धता

उत्तराखंड

आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स के लिए लेखों की समीक्षा

भारत में सबसे अधिक प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पेपर तैयार करने वाला

भारत में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए परीक्षक

चारु मल्होत्रा

बी. अंतिम प्रस्तुतिकरण के निकट(श्रेणी ए)

I. शीर्षक: MyGov का प्रभाव मूल्यांकन

II. अवधि: 4 महीने

III. वित्तपोषण एजेंसी: DIC, MeitY

IV. प्रारंभ तिथि: दि. 05/06/2024

V. समापन तिथि : --------

VI. स्थिति: पूर्णता की कगार पर

VII. सारांश: इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा 26 जुलाई, 2014 को शुरू किए गए MyGov ने नागरिकों के शासन से जुड़ने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। भारत के डिजिटल इंडिया पहल के एक प्रमुख अंग के रूप में, यह प्लेटफॉर्म पारदर्शिता, जवाबदेही और सहभागी शासन को बढ़ावा देता है। यह 1.25 अरब से अधिक नागरिकों को नीति-निर्माण और राष्ट्रीय पहलों में सीधे योगदान करने का अधिकार देता है।

I. शीर्षक: ईएसडीएम में कौशल विकास

II. अवधि: 3 से 4 महीने। 31 मई, 2025 तक विस्तार

III. वित्त पोषण एजेंसी: एनआईईएलटी

IV. प्रारंभ तिथि: दि. 23/10/2024

V. पूरा होने की तारीख: ------।

VI. स्थिति: पूरा होने के कगार पर .

VII. सारांश: ईएसडीएम ढांचे के अंतर्गत कौशल विकास पहल, आयात पर निर्भरता कम करने, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने और स्थानीय विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने के देश के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। ये कार्यक्रम व्यक्तियों को सेमीकंडक्टर डिजाइन, एम्बेडेड सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाओं और एआई-संचालित अनुप्रयोगों में विशेषज्ञता प्रदान करने पर केंद्रित हैं। यह प्रभाव मूल्यांकन ईएसडीएम कौशल विकास योजनाओं की प्रभावशीलता, रोजगार सृजन में उनके योगदान, उद्योग की जरूरतों के साथ उनके संरेखण और कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों का मूल्यांकन करता है। इसके अतिरिक्त, यह भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में कौशल विकास की भविष्य की दिशा को बेहतर बनाने के लिए रणनीतिक सुझाव भी प्रदान करता है।

सी. पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी बी)

I. शीर्षक: राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन)

II. अवधि : 2 महीने

III. वित्तपोषण एजेंसी: एनआईसीएसआई

IV. प्रारंभ तिथि: दि. 17/01/2025

V. समापन तिथि: दि. 18/03/2025

VI. स्थितियाँ : पूर्ण

VII. सारांश: राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) भारत सरकार द्वारा अनुसंधान, शिक्षा और ई-गवर्नेंस के लिए देश के डिजिटल बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने हेतु शुरू की गई एक दूरदर्शी पहल है। वर्ष 2008-09 में परिकल्पित और वर्ष 2010 में आधिकारिक रूप से शुरू किए गए, एनकेएन को पूरे भारत में शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों, सरकारी निकायों और नवाचार केंद्रों को उच्च गति, विश्वसनीय और सुरक्षित कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था। पिछले कुछ वर्षों में, इस नेटवर्क ने अत्याधुनिक अनुसंधान को सक्षम बनाकर, डिजिटल शिक्षा का समर्थन करके और सरकारी सेवाओं को

सुव्यवस्थित करके भारत की ज्ञान अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

VIII. शीर्षक: एनएसएम प्रभाव आकलन परियोजना

IX. वित्त पोषण एजेंसी: उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र द्धसी-डैकऋ, पुणे

X- प्रारंभ तिथि: दि. 05.12.2023

XI. प्रस्तावित समापन तिथि: दि. 30.04.2024

XII. जमा करने की अंतिम तिथि: दि. 29.11.2024

XIII. स्थिति: पूर्ण

I. शीर्षक: डिजिटल हस्ताक्षर और पीकेआई पर सी-डैक के प्रशिक्षणों का प्रभाव मूल्यांकन

II. वित्तपोषण एजेंसी: उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र द्धसी-डैकऋ

III. प्रारंभ तिथि: दि. 04.03.2024

IV. प्रस्तावित समापन तिथि: दि. 30.04.2024

V. समापन तिथि: दि. 12.07.2024

VI. स्थिति: पूर्ण

डी. केस स्टडी जारी है

I. शीर्षक: आठ डिजिटल इंडिया पहलों पर केस स्टडी तैयार करना

II. वित्तपोषण एजेंसी: राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग

III. प्रारंभ तिथि: दि. 23.09.2024

IV. समापन तिथि: प्रगति पर

V. सारांश और निष्कर्ष : -केस स्टडी एक शोध पद्धति है जिसमें अध्ययन के विषय और उससे संबंधित प्रासंगिक स्थिति की बारीकी से, गहराई से और विस्तृत जांच शामिल होती है। एक केस स्टडी किसी जटिल मुद्दे को समझने में मदद करती है। NeGD द्वारा प्रायोजित डिजिटल इंडिया पहल के अंतर्गत, देश के नागरिकों को कुशल ई-गवर्नेंस सेवाएँ और शिक्षा प्रदान करने के लिए बनाए गए प्रत्येक प्लेटफॉर्म (आठ ऐप्स) का विस्तृत विवरण जानना महत्वपूर्ण हो जाता है।

ई. प्रकाशन

(ख) शोधपत्र एवं लेख

क्र.सं.	शीर्षक	जर्नल/प्रकाशन	दिनांक
1.	प्रकाशित शोधपत्र: डिजिटल इंडिया- अतीत, वर्तमान और भविष्य।	कोंपल	6 अप्रैल, 2024
2.	डिजिटल नागरिकों के हितों को सर्वोपरि रखना: डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण- भारत का डीपीडीपी अधिनियम 2023.	सेज पब्लिकेशंस, आईजेपीए	27 जून, 2024
3.	विकसित भारत के लिए डेटा एक्सचेंज डीपीआई का निर्माण: जिला स्तर पर डेटा आधारित निर्णय लेना	ई-गवर्नेंस पर 27वां राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईपीए	26 जुलाई, 2024
4.	विकसित भारत के लिए साक्ष्य आधारित निर्णय लेना: जिला स्तरीय डेटा-एक्सचेंज डीपीआई की अवधारणा	आईएमआरसी	31 जुलाई, 2024
5.	दूरसंचार विभाग ने साइबर अपराधों के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया है। धोखाधड़ी वाले सिम और खोए/चोरी हुए मोबाइल का उपयोग करना।	आईआईपीए डाइजेस्ट 6.2	6 दिसंबर, 2024

(ग) पुस्तक विमोचन

क. शीर्षक : ''प्रौद्योगिकी, नीति और समावेशन: लोक नीति के लिए विचारों का अंतर्संबंधा''

ख. लेखक का नाम: अंजल प्रकाश, आरुषि जैन, पूरन सिंह और अविक सरकार

ग. संस्थान का नाम: भारती इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस

घ. दिनांक: 24 जून, 2024

एफ. सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलन आदि में प्रस्तुत शोधपत्र

1. राष्ट्रीय अधिवेशन IV: 'विकसित भारत @2047 के विकास के प्रेरक कारक' विषय पर स्मारक व्याख्यान श्रृंखला: 19-20 दिसंबर 2024 के राष्ट्रीय अधिवेशन ब्रोशर के लिए शोध पत्र। शीर्षक: विकासित भारत के लिए डेटा एक्सचेंज डीपीआई का निर्माण: जिला स्तर पर डेटा आधारित निर्णय लेना।

जी. आईआईपीए के भीतर शैक्षणिक कार्यों से जुड़ाव

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक पद, संपादक पद, संयोजक पद, आदि) - भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

1. संपादकीय समिति (आईआईपीए)।

(ख) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्यों से जुड़ाव (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता)

1. प्रत्यक्ष और वित्तीय प्रगति की समीक्षा के लिए इलेक्ट्रॉनिक निकेतन में 7 मई 2024 को श्री संकेत भोंडवे, संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की अध्यक्षता में दूसरी पीआरएसजी बैठक निर्धारित की गई है।
2. सेल(एसएआईएल) कॉर्पोरेट कार्यालय ने 23-24 मई 2024 को आयोजित सेल एचआर कॉन्क्लेव कार्यक्रम के लिए (प्रोफेसर) डॉ. चारु मल्होत्रा को समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया ।
3. भारत सरकार, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय (डीओपीटी) द्वारा आयोजित टीडीपी समीक्षा बैठक की पहली बैठक 18 जून 2024 को आयोजित की गई।
4. ''यूआई/यूएक्स4जी'' परियोजना की प्रत्यिक्ष/वित्तीय प्रगति की समीक्षा के लिए 22 नवंबर 2024 को ''यूआई/यूएक्स4जी'' परियोजना के लिए तीसरी पीआरएसजी बैठक आयोजित की गई।

एच. शाखाओं के साथ सहयोग

सौंपी गई शाखा: पांडिचेरी

आई. अनुसंधान मार्गदर्शन

क्र.सं.	नामांकित संख्या	शोध विषय
1.	ब्रिगेडियर ओसिरिस दास के.सी वीएसएम, आईए रोल नंबर: 5003	डिजिटल गवर्नेंस के लिए क्षमता निर्माण में अंतराल और कमियों का पता लगाना।
2.	कैप्टन प्रदीप पाठक रोल नंबर : 5013	भारत में राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन की प्रगति और प्रभाव का मूल्यांकन: अवसर, चुनौतियां, अंतराल और बेहतर प्रभावशीलता के लिए सिफारिशें।

जे. किसी अन्य शैक्षणिक या संबंधित गतिविधि का विवरण जो ऊपर शामिल नहीं है।

1. 31 जुलाई, 2024 को डीपीडीपी अधिनियम, 2023 विषय पर राष्ट्रीय डाक अकादमी, गाजियाबाद के अधिकारियों को संबोधित किया।
2. 8 से 10 मार्च 2025 तक आयोजित ''लोक प्रशासन में लैंगिक समानता'' विषय पर ओ.पी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में ''विशिष्ट पैनेलिस्ट'' के रूप में आमंत्रित।
3. 16-20 दिसंबर, 2024 तक केस लेखन और शिक्षण कार्यशाला में भाग लेने के लिए आईआईपीए की ओर से संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित।

4. 16 अगस्त, 2024 को एसएएचआईटी और आईएनएसए द्वारा असाधारण महिला नेतृत्व ई पुरस्कार प्राप्त हुआ।

5. 7 मार्च 2025 को महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण पर पीएफसी कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

6. 27 से 28 फरवरी 2025 को राजनीति विज्ञान विभाग में आयोजित ''डिजिटल युग में राजनीति: राज्य, समाज और अर्थव्यवस्था'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर एआरएसडी कॉलेज के विद्यार्थियों को संबोधित किया।

7. 12 फरवरी 2025 को आयोजित ''भारत में डिजिटल नवाचार के अवसरों और चुनौतियों के माध्यम से शासन में परिवर्तन'' विषय पर गार्गी कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग में ''वक्ता'' के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित किया।

नूपुर तिवारी

बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा ''कौशल विकास एवं उद्यमिता से संबंधित लोकनीति की भूमिका - विकसित भारत @2047'' पर 10 अप्रैल 2025 को व्याख्यान दिया।

1. 26 मार्च 2025 को दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा ''नारी शक्ति: संघर्ष से सफलता की ओर'' विषय पर आयोजित महिला सम्मेलन में उद्घाटन भाषण दिया।

2. सिक्किम राज्य उच्च स्तरीय समिति, सिक्किम सरकार के सदस्यों द्वारा नामित शोधर्थियों के लिए गुणात्मक अनुसंधान पद्धति (सहभागी अनुसंधान दृष्टिकोण) पर व्याख्यान।

3. 25 फरवरी, 2025 को जनजातीय संस्कृति संरक्षण और विस्तृत भारत @2047 में जनजातीय युवाओं की भूमिका पर व्याख्यान दिया गया।

4. 7 फरवरी 2025 को किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''विकास प्रेरित विस्थापन और जनजातीय अधिकारों पर इसके प्रभाव: भारत का मामला'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

5. 15 जनवरी 2025 को एनवाईकेएस और गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित गांधी दर्शन में सीमावर्ती क्षेत्र युवा विनिमय प्रदान कार्यक्रम के भाग के रूप में भाग लेने वाले भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं को व्याख्यान दिया।

6. भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों के लिए ''कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम'' पर व्याख्यान दिया - 10 दिसंबर 2024.

7. 05 दिसंबर 2024 को भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए आयोजित एसएच रोकथाम कार्यशाला में ''कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम और पीओएसएच अधिनियम के महत्व'' पर व्याख्यान दिया।

8. 26 नवंबर 2024 को राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में ''संविधान दिवस समारोह 2024'' केअंतर्गत ''अनुसूचित जनजातियों के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों'' पर एक व्याख्यान दिया।

9. 20 नवंबर 2024 को एनटीआरआई, नई दिल्ली में ''भगवान बिरसा मुंडा का जीवन और विरासत'' पर व्याख्यान दिया।

10. 20 नवंबर 2024 को भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय के अधिकारियों को ''जनजातीय गौरव दिवस'' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

11. 15 नवंबर 2024 को गृह मंत्रालय, भारत सरकार और एनवाईकेएसएस द्वारा गांधी दर्शन में माई भारत-नेहरू युवा केंद्र में 150 कश्मीरी युवाओं के लिए आयोजित कश्मीर युवा विनिमय कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाषण दिया।

12. 24 अक्टूबर 2024 को क्षमता निर्माण आयोग और जनजातीय मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों और

कर्मचारियों के लिए आयोजित ''जनजातीय संवाद: चुनौती और पहल'' में पैनेलिस्ट के रूप में भाग लिया ।

13. 30 सितंबर 2024 को मिजोरम विश्वविद्यालय में विकसित भारत @2047 के लिए जनजातीय विकास में तेजी लाने पर व्याख्यान दिया ।

14. 12 सितंबर 2024 को विश्व भारती, शांति निकेतन के लुप्तप्राय भाषा केंद्र में जनजातीय भाषाओं के संरक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में जनजातीय भाषाओं के नवाचार और संरक्षण पर भाषण दिया।

15. 06 अगस्त 2024 को जनजातीय क्षेत्रों में कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों को ''विकसित भारत @2047 के लिए आदिवासियों का सशक्तिकरण'' विषय पर व्याख्यान दिया।

16. 24 जुलाई 2024 को क्राइस्ट यूनिवर्सिटी के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, राजनीति विज्ञान और इतिहास विभाग में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की नेतृत्वकारी भूमिका पर विशेष व्याख्यान दिया।

17. दि. 21.05.2024 को आईटीएस और आईआरआरएस अधिकारियों के लिए फाउंडेशन कोर्स में ग्रामीण विकास और सामाजिक क्षेत्र में शासन (गवर्नेंस) एक्सपोजर पर एचआईपीए में विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

18. 14 अप्रैल, 2024 को भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली और विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग में ''भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं और सिद्धांतों को आकार देने में डॉ. अंबेडकर की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान दिया।

19. 5 अप्रैल, 2024 को सिविल सेवा अधिकारी संस्थान (सीएसओआई) में आयोजित एनसीजीजी इंटर्नशिप कार्यक्रम के तीसरे बैच के प्रशिक्षुओं के लिए तैयार किए गए अभिविन्यास कार्यक्रम में ''जनजातियों के एकीकरण की नीति की सफलता'' अनुसूचित जनजातियों के विकास पर विशेष व्याख्यान दिया।

ए. पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी ए) (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

क) नेवार समुदाय पर नृवंश विज्ञान रिपोर्ट- समाज कल्याण विभाग, सिक्किम सरकार (24 दिसंबर - 25 मार्च)

ख) त्रिपुरा राज्य में जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभाव का आकलन करने के लिए एनबीसीएफडीसी की योजनाओं का लाभार्थियों का निरीक्षण और मूल्यांकन अध्ययन। एनबीसीएफडीसी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।

ग) सामाजिक न्याय के साथ अनुसूचित जाति के सदस्यों के लिए सतत विकास की चुनौतियाँ और संभावनाएँ - सामाजिक न्याय में डॉ. अंबेडकर पीठ, आईआईपीए।

घ) अबूझमाड़िया: छत्तीसगढ़ के पीवीटीजी - सामाजिक परिवर्तन और समावेशी विकास।

क) आत्म समर्पण करने वाले वामपंथी उग्रवादियों के पुनर्वास और पुन: एकीकरण की नीतियों की समीक्षा: सामाजिक न्याय की चुनौतियाँ सामाजिक न्याय में डॉ. अम्बेडकर चेयर, आईआईपीए।

ख) राष्ट्रीय जनजातीय नीति के लिए परामर्श पत्र तैयार करना (जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार)

ख. **40 के सस्टडीज/सफलता की कहानियाँ**- एनबीसीएफडीसी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, त्रिपुरा राज्य में जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभाव का आकलन करने के लिए लाभार्थियों का निरीक्षण और एनबीसीएफडीसी की योजनाओं का मूल्यांकन अध्ययन।

प्रकाशन

(क) पुस्तकें

I. डॉ. बी.आर. अंबेडकर की विरासत: महिला

सशक्तिकरण और लैंगिक समानता कॉन्सेप्ट पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित: आईएसबीएन: 9363442924 / 9789363448426.

(क) डॉ. आंबेडकर की सामाजिक न्याय की अवधारणा: हाशिए पर पड़े समुदायों का समावेशी विकास- रिसर्च इंडिया प्रेस द्वारा प्रकाशित - आईएसबीएन: 978-93-48309-57-0/ 9789348309570

(ख) विकसित भारत /2047 : कल्याण से उद्यमशील राज्य - प्रिंट प्रकाशनों द्वारा स्वीकृत : आईएसबीएन : 978-93-6697-741-1/ 9789366977911

(ग) डॉ. बी.आर. अंबेडकर और सामाजिक न्याय के लिए उनकी खोज - कनिष्क प्रकाशक द्वारा प्रकाशित - आईएसबीएन: 978-81-972077-3-0/ 9788197207730.

(घ) लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण और मूल निवासियों की स्थिति: हाशिये से मुख्य धारा तक - कॉन्सेप्ट पब्लिकेशन्स द्वारा प्रकाशित - आईएसबीएन: 9363446018/ 978-9363446014.

(ड़) अम्बेडकर के सामाजिक न्याय के विचारों और विचारों का मानचित्रण - कनिष्क प्रकाशक द्वारा प्रकाशित - आईएसबीएन: 97881-972077-5-4/ 978819720775.

(ख) शोधपत्र एवं लेख

I. विकसित भारत: दृष्टि और वास्तविकता - साक्ष्य आधारित नीति के माध्यम से जनजातीय विकास पर समर्पित अध्याय - प्रिंट प्रकाशन द्वारा प्रकाशित आईएसबीएन: 978936697296.

- विमुक्त जनजातियों, खानाबदोश जनजातियों और अर्ध-खानाबदोश जनजातियों की स्थिति का मानचित्रण (प्रगति पर)

क) रिपोर्ट - त्रिपुरा राज्य में जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभाव का आकलन करने के लिए एनबीसीएफडीसी की योजनाओं के लाभार्थियों का निरीक्षण और मूल्यांकन अध्ययन

ख) नेवार (सिक्किम) पर नृवंश विज्ञान रिपोर्ट

ग) सामाजिक न्याय के साथ एससी के सदस्यों के लिए सतत विकास की चुनौतियों और संभावनाओं पर रिपोर्ट

घ) 24 और 25 मार्च 2025 को विमुक्त जनजातियों, अर्धा-घुमंतू जनजातियों और घुमंतू जनजातियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन की रिपोर्ट

ड़) 7 मार्च 2025 को महिला नेतृत्व विकास पर रिपोर्ट: विकसित भारत 2047 का एक प्रमुख स्तंभ

च) 23 और 24 दिसंबर 2024 को विकासित भारत @2047: कल्याण से उद्यमिता तक राज्य की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की रिपोर्ट

छ) हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान पर युवाओं द्वारा आलेखों का संकलन

ज) महिला नेतृत्व विकास पर रिपोर्ट: विकसित भारत 2047 का एक प्रमुख स्तंभ

झ) संविधाान दिवस समारोह 26 नवंबर 2024 पर रिपोर्ट

ञ) प्रौद्योगिकी का उपयोग करके जनजातीय भाषाओं के संरक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन की रिपोर्ट

ट) जनगणना डेटा और ऐतिहासिक रिकॉर्ड के अनुसार भारत के 40 जिलों में जनजातियों पर जानकारी और संक्षिप्त विवरण - जुलाई 2024 एनईएसटी एमओटीए

ठ) जनजातीय क्षेत्रों में कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों के लिए एससी एवं एसटी(अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 पर संवेदीकरण कार्यशाला पर रिपोर्ट - 07 अगस्त 2024

ड) 31 जुलाई, 2024 को आदिवासी युवाओं को नए युग के कौशल से सशक्त बनाने पर कार्यशाला की रिपोर्ट (KISS&DU, रेवेनशॉ विश्वविद्यालय)

ढ) सिकल सेल रोग पर जागरूकता सत्र की रिपोर्ट - जून 2024

ण) आदि व्याख्यान श्रृंखला पर रिपोर्ट - 05 मार्च 2024- जनजातीय महिला उपलब्धि पर राष्ट्रीय सम्मेलन: जनजातीय महिला उपलब्धि को प्रदर्शित करने के लिए स्वदेशी उत्कृष्टता को सशक्त बनाना

त) ''विकसित भारत @2047 के निर्माण हेतु डॉ. बी.आर. अंबेडकर का दृष्टिकोण और विरासत'' विषय पर डॉ. बी.आर. स्मारक व्याख्यान पर रिपोर्ट।

थ) आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों पर आदि-व्याख्यान पर रिपोर्ट - जनजातीय नायक अनसंग कहानियां

प्रस्तुत शोधपत्र का शीर्षक:

- पेपर का शीर्षक: 13 सितंबर 2024 को सीईएएल, विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन में जनजातीय भाषाओं के संरक्षण के लिए अभिनव पहल, ''विकसित भारत @2047 के लिए चल रहे प्रयासों में प्रौद्योगिकी का एकीकरण''

आईआईपीए के अंतर्गत शैक्षणिक कार्यों से संबद्धता

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, आदि) - भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

- सदस्य, सिक्किम राज्य उच्च स्तरीय समिति (सिक्किम सरकार) सिक्किम सरकार राजपत्र अधिसूचना संख्या 59/SWD/ADM/2024 दिनांकित 04.11.2024.

(ख) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्यों से संबद्धता (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता)

i. जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस के मानद संपादक, आईएसएसएन: 2278

ii. नीति संवाद (सहकर्मी समीक्षित पत्रिका) के मानद संपादक

iii. शोध प्रबंध समिति के सदस्य, बाके ग्रेजुएट यूनिवर्सिटी, अमेरिका

शाखाओं से संबद्धता

शाखा सौंपी गई: आईआईपीए मिजोरम शाखा

आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

i. दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विभाग/संकाय के लिए डॉक्टर ऑफ फिलॉस्फी (पीएच.डी) की डिग्री के लिए पीएच.डी मूल्यांकन हेतु परीक्षक

ii. मिजोरम विश्वविद्यालय के लिए पीएच.डी मूल्यांकन हेतु परीक्षक

किसी अन्य शैक्षणिक या संबंधित गतिविधि का विवरण जो ऊपर शामिल नहीं है

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम
1.	17 अप्रैल 2025 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य माननीय डॉ. न्यायमूर्ति बिद्युत रंजन सारंगी द्वारा 17वां डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्मारक व्याख्यान (व्याख्यान)
2.	24 और 25 मार्च 2025 को विमुक्त जनजातियों, अर्ध घुमंतू जनजातियों और घुमंतू जनजातियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (सम्मेलन/सेमिनार)
3.	7 मार्च 2025 को महिला नेतृत्व विकास: विकसित भारत 2047 का एक प्रमुख स्तंभ (सेमिनार)
4.	25 फरवरी 2025 को ''हमारा संविधाान, हमारा स्वाभिमान'' पर जागरूकता सत्र (जागरूकता सत्र)
5.	वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों के 250 युवाओं का शैक्षिक दौरा - अपना संविधान जानें पर प्रश्नोत्तरी और हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान पर भाषण (जागरूकता सत्र)
6.	विकासशील भारत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन @2047 कल्याण से उद्यमिता तक राज्य की भूमिका (सम्मेलन/सेमिनार एवं पैनल चर्चा)
7.	26 नवंबर 2024 को संविधान दिवस समारोह (जागरूकता सत्र और व्याख्यान)

8.	07 अगस्त 2024 को स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों के लिए ''एससी एवं एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989'' पर जागरूकता कार्यशाला (कार्यशाला)
9.	30 जुलाई 2024 को नए युग के कौशल के साथ युवाओं को सशक्त बनाने पर कार्यशाला (कार्यशाला)
10.	''डॉ. बीआर अंबेडकर का दृष्टिकोण और विकसित भारत @2047 के निर्माण हेतु विरासत'' पर डॉ. बी.आर स्मारक व्याख्यान/व्याख्यान)

नीतू जैन

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी 'ए') (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

I. शीर्षक: बीपीआरएंडडी के पुनर्गठन का तृतीय पक्ष लेखा परीक्षा

II. अवधि: 3 महीने

III. वित्त पोषण एजेंसी: पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

IV. प्रारंभ तिथि: मई 2024

V. समापन तिथि: अगस्त 2024

VI. उद्देश्य:

- विकासशील भारत विजन-2047 को धयान में रखते हुए बीपीआरएंडडी के लिए एक उपयुक्त संगठनात्मक संरचना का सुझाव देना, ताकि यह एक जीवंत और विश्व स्तरीय मजबूत थिंक टैंक बन सके तथा पुलिसिंग, अनुसंधान, आधुनिकीकरण और क्षमता निर्माण में वैश्विक अग्रणी बन सके।
- बीपीआरएंडडी के अधिदेश को ध्यान में रखते हुए आवश्यक इष्टतम जनशक्ति की पहचान करना
- बीपीआरएंडडी में पेशेवर रूप से योग्य कार्मिकों को शामिल करने के लिए मौजूदा कैडर को मजबूत और सुव्यवस्थित करने के उपाय सुझाना।
- वेतन विसंगतियों, विभिन्न संवर्गों में पदोन्नति के अवसरों की कमी के कारण उत्पन्न ठहराव तथा प्रशिक्षण अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के मुद्दे का समाधान करना।
- मौजूदा सीडीटीआई को सभी गतिविधियों को शामिल करते हुए उत्कृष्टता केंद्रों में परिवर्तित करना।
- खुले स्रोत के माध्यम से पांच देशों की पुलिस थिंक टैंक संगठनों की संरचना और कार्यप्रणाली की जांच करना तथा सर्वोत्तम पद्धतियों की सिफारिश करना।

VII. कार्यप्रणाली: यह अध्ययन गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों विधियों पर आधाारित है। गुणात्मक आँकड़े साक्षात्कार, फोकस समूह चर्चा (एफजीडी) और अवलोकन के माधयम से प्राप्त किए गए। मात्रात्मक आँकड़े सर्वेक्षण पद्धति के माध्यम से प्राप्त किए गए।

VIII. सारांश एवं निष्कर्ष:

- रिपोर्ट में वेतन विसंगतियों, विभिन्न संवर्गों में पदोन्नति के अवसरों की कमी के कारण ठहराव, जनशक्ति आवश्यकताओं के आकलन, मौजूदा संवर्गों के पुनर्गठन और प्रशिक्षण अधिकारियों को प्रोत्साहित करने जैसे मुद्दों पर धयान दिया गया है। इसमें बीपीआरएंडडी और उसकी दूरस्थ इकाइयों के लिए उपयुक्त संगठनात्मक संरचना की सिफारिश की गई है।
- बीपीआरएंडडी के अनुसंधान और तकनीकी पक्ष को मजबूत करने पर बहुत जोर दिया गया है, जो इसका मुख्य आधार है और 2037 तक पुलिस, सुधारात्मक प्रशासन और सुरक्षा में प्रशिक्षण, शिक्षा और अनुसंधान में वैश्विक नेता बनने के लिए बीपीआरएंडडी के प्रयासों का नेतृत्व करेगा।
- किसी संवर्ग में विभिन्न ग्रेडों में पदों का अनुपात तय करते समय, संवर्ग के सदस्यों

के लिए कार्यात्मक औचित्य और पदोन्नति के अवसरों पर सावधानीपूर्वक विचार किया गया है। यह आशा की जाती है कि संगठनात्मक संरचना, जनशक्ति घटक और संवर्ग संरचनाओं तथा संबंधित प्रक्रियाओं में अनुशंसित परिवर्तनों के साथ, समग्र संगठनात्मक प्रभावशीलता कई गुना बढ़ जाएगी और बीपीआरएंडडी एक मजबूत, जीवंत विश्व स्तरीय थिंक टैंक और पुलिस कार्यों, सुधारात्मक प्रशासन और आंतरिक सुरक्षा से संबंधित क्षेत्रों में प्रशिक्षण, शिक्षा और अनुसंधान में एक वैश्विक अग्रणी के रूप में विकसित होगा।

सी. चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ (श्रेणी'ए')

I. शीर्षक: भारी उद्योग मंत्रालय की जनशक्ति आवश्यकता का आकलन

II. अवधि: 3

III. वित्त पोषण एजेंसी: भारी उद्योग मंत्रलय

IV. प्रारंभ तिथि: दि. 03/01/2025

V. समापन तिथि: दि. 02/04/25

VI. प्रस्तावित समापन तिथि : दि. 30/07/2025

VII. स्थिति जारी है

डी. केस स्टडी तैयार की गई

I. शीर्षक: आयुष्मान भारत – सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लिए स्वस्थ भारत

II. वित्तपोषण एजेंसी: क्षमता निर्माण आयोग

III. अनुदान: शून्य

IV. प्रारंभण की तिथि:2023

V. पूरा होने की तारीख: अप्रैल 2024

VI. सारांश और निष्कर्ष

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए आयुष्मान भारत कार्यक्रम का उद्देश्य दिसंबर 2022 तक 1,50,000 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों (एचडब्ल्युसी) की स्थापना के माध्यम से सभी को समान, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। ये केंद्र निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्वास और उपशामक देखभाल पर केंद्रित हैं, जहाँ नि:शुल्क आवश्यक दवाएँ, निदान और व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। इस कार्यक्रम में कई चुनौतियाँ जैसे सीएचओ की भर्ती, क्षमता निर्माण, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का मार्गदर्शन और निगरानी आई, जिनका तुरंत समाधान किया गया। हालाँकि, कुछ अन्य चुनौतियाँ इस प्रकार हैं:

- खराब सेवा गुणवत्ता और लंबी प्रतीक्षा अवधि की धारणा के कारण मध्यम वर्ग की अनिच्छा, गरीब समुदायों के बीच अपनाने को प्रभावित करती है।
- मार्च 2026 के बाद वित्तपोषण की स्थिरता अनिश्चित बनी हुई है।
- सेवा की गुणवत्ता और सामुदायिक विश्वास में सुधार पर ध्यान केंद्रित करें ।
- 2026 के बाद स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों को बनाए रखने के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण तंत्र का पता लगाना।

ई. केस स्टडी तैयार की गई

I. विषय: कालाजार पर विजय: कालाजार के खिलाफ भारत की रणनीतिक जीत

II. वित्तपोषण एजेंसी: क्षमता निर्माण आयोग

III. अनुदान: शून्य

IV. प्रारंभ तिथि: अक्टूबर 2025

V. समापन तिथि: दि. 21.07.2025

VI. सारांश और निष्कर्ष

यह मामला बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में व्याप्त एक घातक परजीवी रोग कालाजार (विसरल लीशमैनियासिस) को खत्म करने में भारत के दो दशक लंबे संघर्ष और अंतत: सफलता को उजागर करता है। यह राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) के संयुक्त सचिव राजीव मांझी की यात्रा का अनुसरण करता है, क्योंकि वे राष्ट्रीय कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम (एनकेईपी) के तहत कई सरकारी प्रयासों के बावजूद

इस बीमारी को खत्म करने में प्रणालीगत किलता पर सवाल उठाते हैं। यह मामला वेक्टर नियंत्रण, निदान, उपचार अनुपालन, जन जागरूकता, स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे और अंतर-क्षेत्रीय समन्वय में चुनौतियों का विवरण देता है। यह वर्ष 2021-2023 के बीच एक महत्वपूर्ण मोड़ को भी दर्शाता है जब जेरार्ड सॉइल की शुरुआत, व्यवहार परिवर्तन संचार (जैसे, रात्रि चौपाल), लक्षित वेक्टर नियंत्रण हस्तक्षेप, सामुदायिक लामबंदी और वास्तविक समय की प्रशासनिक निगरानी जैसी नवोन्मेषी रणनीतियों ने अंततः सफलता दिलाई। वर्ष 2023 तक, भारत ने सभी स्थानिक राज्यों के प्रत्येक ब्लॉकों में प्रति 10,000 जनसंख्या पर एक से भी कम मामले का लक्ष्य हासिल कर लिया है। यह मामला इस चुनौती के साथ समाप्त होता है कि इस स्फलता को तीन वर्षों तक (2027 तक) बनाए रखा जाए, ताकि विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्युएचओ) का प्रमाणन प्राप्त किया जा सके, तथा इस सफलता को उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों से निपटने के लिए एक वैश्विक मॉडल में परिवर्तित किया जा सके।

(ख) शोधपत्र एवं लेख

1. आईआईपीए के महानिदेशक श्री एस.एन त्रिपाठी के साथ ''जन केंद्रित शासनः एक भारतीय परिप्रेक्ष्य'' विषय पर पुस्तक संपादित की, जिसे आईआईपीए द्वारा प्रकाशित किया गया और 20 दिसंबर 2024 को माननीय मंत्री और आईआईपीए के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा जारी किया गया।
2. भारतीय ''विकसित भारत विजन एंड रियलिटी'', आईआईपीए प्रकाशन, 2024 में ''रणनीतिक मानव संसाधान'' शीर्षक से पेपर प्रकाशित हुआ।
3. ''ब्रेकिंग द ग्लास सीलिंगः ए स्टडी ऑफ वीमेन पॉलिटिकल रिप्रेजेंटेशन इन इंडिया'' शीर्षक से पेपर, पीपुल-सेंट्रिक गवर्नेंस एंड पुस्तक में प्रकाशित एक भारतीय परिप्रेक्ष्य', आईआईपीए प्रकाशन, 2024
4. ''समकालीन चुनौतियों के लिए सर्वोदय की पुनर्कल्पना'' शीर्षक से पेपर 'अंत्योदय से सर्वोदय' पुस्तक में प्रकाशित, आईआईपीए प्रकाशन, 2025
5. 'पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' पुस्तक में ''कार्मिक प्रशासन'' शीर्षक से शोधपत्र प्रकाशित, 2025

जी. सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में प्रस्तुत पेपर

- राष्ट्र का नेतृत्वः भ्रष्टाचार-मुक्त विकसित भारत के लिए नैतिक नेतृत्व एक स्तंभ के रूप में' विषय पर शोध-पत्र दिसंबर 2024 में आयोजित 'विकसित भारत @ 2047 के विकास प्रेरकः अमृत काल विजन' विषयक डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय अधिवेशन-IV में प्रस्तुत किया गया।''

एच. आईआईपीए के अंतर्गत अन्य प्रकार के शैक्षणिक कार्यों से संबद्धता

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, आदि) - भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

- 1 जुलाई, 2024 से 30 मार्च, 2025 तक लोक प्रशासन में 50 वें उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम के कार्यक्रम निदेशक ।
- आईआईपीए के महानिदेशक द्वारा 2024 में आईआईपीए की कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में नामित।
- लोक प्रशासन में उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम के परीक्षा बोर्ड के सदस्य
- लोक प्रशासन में उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम के अकादमिक बोर्ड के सदस्य
- आईआईपीए में केस स्टडी समिति के सदस्य सचिव
- पुरस्कार के लिए भारतीय लोक प्रशासन जर्नल से सर्वश्रेष्ठ पेपर के चयन हेतु समिति के सदस्य
- 'विकसित भारत @ 2047 : अमृत काल विजन' विषयक पुस्तक का संशोधित पठन

(ख) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से जुड़ाव (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता)

- मिशन कर्मयोगी iGOT प्लेटफॉर्म पर क्रोध प्रबंधन और प्रभावी जनसंवाद शीर्षक से एक पाठ्यक्रम विकसित और अपलोड किया गया।
- कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के लिए रणनीतिक मानव संसाधान प्रबंधन का विकसित पाठ्यक्रम (प्रारूप चरण में)
- बीआईएस की उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास समिति के सदस्य

जे. शाखाओं से संबद्धता

शाखा सौंपी गई: हरियाणा

गतिविधियों में भागीदारी:

I. प्रशिक्षण: 3

II. अनुसंधान/केस अध्ययन: 2

III. सेमिनार/सम्मेलन: 1

के. आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

- एनएसएसटीए, पीडीयूएनएएसएस, लोकसभा सचिवालय, राष्ट्रीय डाक अकादमी द्वारा आमंत्रित। सीपीडब्ल्यूडी अकादमी, टीएचडीसी लिमिटेड, सीबीएसई, रायबरेली में व्याख्यान देने के लिए।

एल. किसी अन्य शैक्षणिक या संबंधित गतिविधि का विवरण जो ऊपर शामिल नहीं है।

- कुछ अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के शोधपत्र समीक्षक।
- एफएमएस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एमबीए विद्यार्थियों की मौखिक परीक्षा आयोजित करने के लिए आमंत्रित
- दो अभ्यर्थियों के पीएच.डी के मूल्यांकन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा परीक्षक के रूप में नामित।

कुसुम लता

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी ए) (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

सी. पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी बी)

I. शीर्षक: 14 टियर-II शहरों में महिला सुरक्षा ऑडिट (गुरुग्राम)

II. अवधि: 12 महीने

III. वित्त पोषण एजेंसी: एन.सी.डब्ल्यू

IV. प्रारंभ तिथि: दिसंबर 2023

V. समापन तिथि: नवंबर 2024

VI. स्थिति: पूर्ण

I. शीर्षक: विधिक साक्षरता एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम हेतु राष्ट्रीय स्तर पर निगरानी एवं मूल्यांकन का कार्य करना

II. अवधि: चौबीस महीने

III. वित्त पोषण एजेंसी: न्याय विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार

IV. प्रारंभ तिथि: 2 नवंबर 2021

V. समापन तिथि: अप्रैल 2024

VI. स्थिति: पूर्ण

डी. चल रही अनुसंधान परियोजनाएं (श्रेणी ए)

ई. चल रही अनुसंधान परियोजनाएं (श्रेणी बी)

I. शीर्षक: सुबनसिरी ऊपरी जल विद्युत परियोजना के लिए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन

II. अवधि: 7 महीने

III. वित्तपोषण एजेंसी: जिला आयुक्त, दापोरिजो जिला, अरुणाचल प्रदेश

IV. प्रारंभ तिथि: दिसंबर 2024

V. समापन तिथि: जुलाई 2024

VI. स्थिति: मसौदा एसआईए रिपोर्ट प्रस्तुत की गई

एफ. केस स्टडी तैयार की गई

जी. प्रकाशन

(क) पुस्तक

(ख) शोधपत्र एवं लेख

I. शीर्षक: ''फुटपाथ मूल्यांकन उपकरण विकसित करना: शहरी क्षेत्रें में पैदल यात्री पर्यावरण के मूल्यांकन की दिशा में''

II. जर्नल: नगरलोक

III. वॉल्युम : वॉल्युम 56; अंक 2, अप्रैल-जून 2024

IV. लेखक: अवंतीबंबावले, कुसुमलता और अनुराग कश्यप

(सी) कोई अन्य प्रकाशन -

तैयार कार्यपत्र-02 शीर्षक ''ब्लू ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर: अवसर से आवश्यकता तक की यात्रा'' सितंबर 2024

(डी) पुस्तक समीक्षा

एच. सेमिनारों/कार्यशालाओं में प्रस्तुत शोधपत्र/सम्मेलन आदि

I. आईआईपीए के अंतर्गत शैक्षणिक कार्यों के अन्य रूपों से संबद्धता

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, आदि) - भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

- आईआईपीए में वरिष्ठ अनुसंधान कर्मचारियों के चयन के लिए आईआईपीए के महानिदेशक की अध्यक्षता में चयन समिति के सदस्य
- नागलोक के संयुक्त संपादक
  - नगरलोक 55(4) 2023 (मुद्रित अप्रैल 2024);
  - नगरलोक 56(1) 2024 (मुद्रित जुलाई 2024);
  - नगरलोक 56(2) 2024 (मुद्रित अक्टूबर 2024); और
  - नगरलोक 56(3) 2024 (मार्च 2025 में मुद्रित)
- समय-समय पर आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा अनुरोध किए जाने पर मूल्यांकन रिपोर्ट, संसदीय प्रश्नों के उत्तर तथा डेटाशीट तैयार करने में योगदान दिया।
- 22 नवंबर, 2024 को राज्यों के लिए क्षमता निर्माण पर सीयूएस मध्य-वार्षिक मूल्यांकन बैठक के लिए पंजाब और अरुणाचल प्रदेश के साथ समन्वय किया गया।
- वर्ष 2025-26 के लिए कार्य-योजना पर विचार-विमर्श करने हेतु राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सलाहकार समितियों के साथ 24 जनवरी, 2025 को सीयूएस की आभासी(वर्चुअल) बैठक में सहभागिता की।
- 24 जनवरी, 2025 को आयोजित सीयूएस की 29वीं संचालन समिति की बैठक में भाग लिया।
- 12 फरवरी, 2025 को निर्माण भवन में शहरी विकास सचिव द्वारा आयोजित ''शहरी शासन सुधार - स्थानीय स्तर पर क्षमता निर्माण'' पर कार्य समूह की बैठक में भाग लिया।
- ब्रिगेडियर पी. एस. सि), वीएसएम के शोध प्रबंध 'लद्दाख में डिजिटल अवसंरचना के विकास हेतु नागरिक-सैन्य समन्वय का उपयोग' के मार्गदर्शक एवं पर्यवेक्षक, जिसे सार्वजनिक प्रशासन में कला स्नातकोत्तर उपाधि प्रदान किए जाने हेतु पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में प्रस्तुत किया गया।
- एनआईयूए द्वारा तमिलनाडु शहरी अध्ययन संस्थान, कोयंबटूर में 15-17 मई, 2024 को आयोजित ''डेटाएनालिटिक्स और विजुअलाइजेशन'' पर तीन दिवसीय टीओटी में भाग लिया।

(इ) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्यों से जुड़ाव (समितियों) बोर्डों आदि की सदस्यता)

ख क्षेत्रीय शहरी एवं पर्यावरण अध्ययन केंद्र, लखनऊ द्वारा अप्रैल 2024 में प्रकाशित होने वाली द्विवार्षिक पत्रिका अर्बन पैनोरमा के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

जे. शाखाओं से संबद्धता

सौंपी गई शाखा: एमपी

के. आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

- श्री पी. पवन कुमार को उनके शोध प्रबंध ''तटीय लचीलापन योजना: जोखिमों का शमन'' के लिए मार्गदर्शन, जिसके लिए नियोजन में स्नातक की डिग्री प्रदान करने के लिए, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली, मई 2024
- श्री अमेग वी. को उनके शोध प्रबंध ''बाढ़ प्रतिरोधी कोच्चि के लिए एक धुंधली हरित अवसंरचना के निर्माण हेतु रणनीतियाँ'' के लिए मार्गदर्शन, एकीकृत बी. प्लानिंगएम. प्लानिंग कार्यक्रम की डिग्री प्रदान करने के लिए, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, उत्तर दिल्ली, मई 2024
- जियोजर्नल, स्प्रिंगर जर्नल्स अगस्त 2024 के लिए ''शहरी जीवनक्षमता का आकलन: भारतीय जीवनक्षमता सूचकांक का उपयोग करते हुए मदुरै शहर का एक केस अध्ययन'' शीर्षक वाली पांडुलिपि की सहकर्मी समीक्षा की गई।
- आईटीपीआई की एसोसिएटशिप परीक्षा, सितंबर, 2024 के लिए ''वर्षा जलसंचयन का उपयोग करके भू-जल का कायाकल्प: केस स्टडी - गुरुग्राम'' शीर्षक से अपने शोध प्रबंध के लिए आर्किटेक्ट अनुभव का मार्गदर्शन
- इंजीनियर सिद्धार्थ संकल्प खंडेलवाल को उनके शोध प्रबंध ''हरियाणा में रियल एस्टेट क्षेत्र पर रियलएस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम 2016 का प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन''के लिए आईटीपीआई की एसोसिएटशिप परीक्षा, सितंबर, 2024 के लिए चुना गया।
- सितंबर 2024 में भारतीय राष्ट्रीय सहकारी आवास संघ की पत्रिका के लिए ''बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए युवाओं को शामिल करना'' विषय पर एक लेख प्रस्तुत किया।
- 21 अक्टूबर 2024 को विजयवाड़ा स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के प्लानिंग विद्यार्थियों के लिए ''ई-गवर्नेंस, एम-गवर्नेंस और स्मार्ट गवर्नेंस'' पर व्याख्यान दिया।
- सुश्री डी. अपर्णा द्वारा जनवरी 2025 में जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला एवं ललित कला विश्वविद्यालय, हैदराबाद को प्रस्तुत पीएच.डी थीसिस बाहरीरिंग रोड का निकटवर्ती शहरी भूमिविकास पर प्रभाव: केस स्टडी-हैदराबाद'' के परीक्षक।

एल. किसी अन्य शैक्षणिक या संबंधित गतिविधि का विवरण जो ऊपर शामिल नहीं है।

सचिन चौधरी

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी ए) द्धवित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागूऋ

I. शीर्षक: स्मार्ट सिटी मिशन में परियोजनाओं के अभिसरण के प्रभाव आकलन पर अध्ययन

II. अवधि: 3 महीने

III. वित्त पोषण एजेंसी: एमओएचयूए, भारत सरकार

IV. प्रारंभ तिथि: मार्च, 2024

V. पूरा होने की तिथि: नवंबर, 2024

चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

I. शीर्षक:आईआईपीए द्वारा पंजाब सरकार के बीएफएआईआर कार्यक्रम का स्वतंत्र सत्यापन कराना

II. अवधि: 5 वर्ष

III. वित्तपोषण एजेंसी: पंजाब सरकार

IV. प्रारंभ तिथि: दिसंबर, 2022

V. पूरा होने की तिथि: जारी है

प्रकाशन

उच्च प्रतिष्ठा वाले समाचार पत्रों में प्रकाशित पुस्तकें, शोधपत्र एवं लेख

I. प्रमुख प्रकाशनों के शीर्षक

क. 2025. भविष्य के लिए तैयार शहर: संक्षिप्त स्थिति- शासन (गवर्नेंस), मोनोग्राफ। नई दिल्ली: सीयूएस, आईआईपीए।

ख. 2025 भविष्य के लिए तैयार शहर: संक्षिप्त स्थिति - मानव संसाधन, मोनोग्राफ। नई दिल्ली: सीयूएस, आईआईपीए।

ग. 2025. सार्वजनिक सेवा वितरण, विकसित भारत में : विजन एंड रियालिटी, एस.एन त्रिपाठी (संपादक), नई दिल्ली: आईआईपीए, आईएसबीएन: 978-93-6697-296-1.

सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आदि में प्रस्तुत शोध पत्र

आईआईपीए के अंतर्गत अन्य प्रकार के शैक्षणिक कार्यों से जुड़ाव

(सी) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, आदि)- भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

(i) संपादक, भारतीय लोक प्रशासन पत्रिका

(ii) आईआईपीए में शोध कर्मचारियों के लिए चयन समिति के सदस्य

(डी) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से जुड़ाव (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता)

शाखाओं से संबद्धता

सौंपी गई शाखा: मणिपुर

गतिविधियों में भागीदारी:

- सितंबर/अक्टूबर 2025 में आईआईपीए में आयोजित किए जाने वाले मिजोरम सिविल सेवा अधिकारियों के फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक घटक तैयार किया गया।
- कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन पर राज्यों, विशेषकर मिजोरम के साथ संपर्क स्थापित करना।

साकेत बिहारी

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी ए) (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

I. शीर्षक: राष्ट्रीय स्तर की निगरानी फेज-1, के लिए एसपीवी, 2024-25

II. अवधि: 12 महीने

III. वित्तपोषण एजेंसी: ग्रामीण विकास मंत्रलय, भारत सरकार।

IV. प्रारंभ तिथि: 2024

V. पूरा होने की तिथि: 2025

VI. उद्देश्य:

VII. कार्यप्रणाली:

VIII. सारांश एवं निष्कर्ष:

चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ (श्रेणी ए)

परियोजना का नाम	अवधि (दिन)	एजेंसी
एपीआईसीएफ योजना	30	फार्मास्यूटिकल्स विभाग
आरपीटीयूएएस	30	फार्मास्यूटिकल्स विभाग
एनआईपीईआर	30	फार्मास्यूटिकल्स विभाग
पीएम उषा	60	उच्च शिक्षा विभाग
एसएसएम	90	नीति आयोग
एनएलएम-एसपीवी	180	एमओआरडी

जी. प्रकाशन

(क) पुस्तकें

I. शीर्षक: अंत्योदय से सर्वोदय: सार्वभौमिक पूर्ति की एक रूपरेखा

II. प्रकाशक: आईआईपीए

III. स्थान: नई दिल्ली

IV. प्रकाशन तिथि: 2025

(ख) पत्र एवं लेख

I. शीर्षक: भारत में स्कूली शिक्षा पर सांस्थितिक पूंजी का प्रभाव

II. जर्नल: बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन

III. वॉल्युम: 21

IV. नंबर: 2

V. दिनांक: जुलाई दिसंबर 2024

I. आईआईपीए के अंतर्गत अन्य प्रकार के शैक्षणिक कार्यों से संबद्धता

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, आदि)- भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

एनएलएम, एमओआरडी, जीओई को अंतिम रूप देने के लिए विशेष समिति के सदस्य।

(ख) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से संबद्धता (समितियों/बोर्डो आदि की सदस्यता)

जे. शाखाओं से संबद्धता

शाखा सौंपी गई: बिहार

एल. किसी अन्य शैक्षणिक या संबंधित गतिविधि का विवरण जो ऊपर शामिल नहीं है।

प्रकाशन:

I. एआई आशाओं और आकांक्षाओं का सम्मिश्रण, बिजनेस वर्ल्ड, 31.12.2024

II. समय: आधुनिक जीवनकी दुलर्भ मुक्त, बिजनेस वर्ल्ड, 20.01.2025

III. दूसरे से पहले तक: सभी के लिए समावेशी विकास को अपनाना, बिजनेस वर्ल्ड, 10.02.2025

IV. डिजिटल से फिजिटल तक: मानवीय अनुभव की बुनावट, बिजनेस वर्ल्ड, 05.03.2025

V. उभरती लहरें: गर्म होती दुनिया में भारत का आर्थिक दोराहा, बिजनेस वर्ल्ड, 19.03.2025

VI. अत्यधिक गर्मी एक बुनियादी ढाँचागत संकट और एक मानवीय संकट है, बिजनेस वर्ल्ड, 07.04. 2025

VII. यमुना की पुकार: एक नदी को पुन: प्राप्त करना, एक विरासत को पुनर्स्थापित करना, बिजनेस वर्ल्ड, 28.04.2025

VIII. धन असमानता भारत में स्वास्थ्य सेवा पहुँच को कमजोर कर रही है, बिजनेस वर्ल्ड, 28.05.2025

IX. वैश्विक गतिशीलता में भारत की सतत गाथा, बिजनेस वर्ल्ड, 16.06.2025

X. कॉर्पोरेट पावर और उपभोक्ता बाजार; नेटवर्क का शुद्ध मूल्य, 07.07.2025

XI. युद्ध रक्षा खर्च का बोझ ही नहीं बढ़ता, तबाही भी लाता है, राजस्थान पत्रिका, मई 13, 2025

रोमा देबनाथ

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी ए) (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

I. शीर्षक: 14 टियर-II शहरों में महिला सुरक्षा ऑडिट (गुरुग्राम)

II. अवधि: 12 महीने

III. वित्त पोषण एजेंसी: एन.सी.डब्ल्यू

IV. प्रारंभ तिथि: दिसंबर 2023

V. समापन तिथि: नवंबर 2024

VI. स्थिति (स्टेजटस): पूर्ण

I. **शीर्षक:** विधिक साक्षरता एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम हेतु राष्ट्रीय स्तर पर निगरानी एवं मूल्यांकन का कार्य करना

II. अवधि: चौबीस महीने

III. वित्त पोषण एजेंसी: न्याय विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार

VI. प्रारंभ तिथि: 2 नवंबर 2021

V. पूरा होने की तिथि: अप्रैल 2024

VI. स्थिति (स्टेट्स): पूर्ण

सी. चल रही अनुसंधान परियोजनाएं (श्रेणी 'बी')

I. शीर्षक: सुबनसिरी ऊपरी जल विद्युत परियोजना के लिए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन

II. अवधि: 7 महीने

III. वित्तपोषण एजेंसी: जिला आयुक्त, दापोरिजो जिला, अरुणाचल प्रदेश

VI. प्रारंभ तिथि: दिसंबर 2024

V. पूरा होने की तिथि: जुलाई 2024

VI. स्थिति: मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई

ई. पूर्ण शोध परियोजनाएँ (श्रेणी 'ए')

I. शीर्षक: रोटरी अंबाला कैंसर एवं जनरल चिकित्सा लय, अंबाला (आरएसीजीएच) में पूर्णत: सुसज्जित मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर (ओटी) की आपूर्ति, स्थापना एवं कमीशनिंग का प्रभाव मूल्यांकन।

II. अवधि: 5 महीने

III. वित्तपोषण एजेंसी: पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

VI. प्रारंभ तिथि: 4 सितंबर, 2024

V. पूरा होने की तिथि: जनवरी 2025

VI. प्रस्तावित समापन तिथि:'

VII. स्थिति (स्टेट्स) पूर्ण

एफ. पूर्ण शोध परियोजनाएँ (श्रेणी'ए')

I. शीर्षक: बस्ती क्षेत्र, उत्तर प्रदेश के विभिन्न गांवों में 500 एलईडी आधारित सौर स्ट्रीट लाइटनिंग सिस्टम (एसएलएसएस) की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग का प्रभाव आकलन- फेज-II

II. अवधि: 5 महीने

III. वित्तपोषण एजेंसी: पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

IV. प्रारंभ तिथि: 4 सितंबर, 2024

V. पूरी होने की तिथि: जनवरी 2025

VI. प्रस्तावित समापन तिथि

VII. स्थिति पूर्ण

जी. पूर्णशोध परियोजनाएँ (श्रेणी'ए')

I. शीर्षक: उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में सरकारी विद्यालयों (1280) और जिला पुस्तकालय के उन्नयन का प्रभाव आकलन।

II. अवधि: 5 महीने

III. वित्तपोषण एजेंसी: पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

VI. प्रारंभ तिथि: 4 सितंबर, 2024

V. पूरी होने की तिथि: जनवरी 2025

VI. प्रस्तावित समापन तिथि

VII. स्थिति पूर्ण

जी. प्रकाशन

(क) पुस्तक अध्याय

I. शीर्षक: डेटा प्रसार और शासन: भारत का मामला

II. प्रकाशक: आईआईपीए

III. स्थान: नई दिल्ली

IV. प्रकाशन तिथि: 2025

(ख) पत्र एवं लेख

I. शीर्षक: केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में दक्षता के माप के रूप में सीएसआर गतिविधि।

II. जर्नल: इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन

III. वॉल्युनम: 70

IV. नंबर: 2

V. दिनांक: 256-271

एच. सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलन आदि में प्रस्तुत शोधपत्र

I. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आदि का शीर्षक:

II. आयोजन एजेंसी: अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू)

III. स्थान एवं दिनांक: 17.2.2025

IV. वित्तपोषण एजेंसी:

V. अनुदान:

VI. प्रस्तुत पेपर का शीर्षक: असेवित और अल्पसेवित क्षेत्रों में किफायती डेटा सेवाओं के प्रसार के लिए नीतिगत आर्थिक और राजकोषीय प्रोत्साहन पर तकनीकी रिपोर्ट।

आई. आईआईपीए के भीतर शैक्षणिक कार्य के अन्य रूपों के साथ जुड़ाव

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, आदि)- भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

1. अनुसंधान कर्मचारियों के लिए चयन समिति के सदस्य

(ख) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से जुड़ाव (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता)

1. अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के साथ अध्ययन समूह (एसजी) 3 के सदस्य
2. डैनियल के. इनौये, एशिया-प्रशांत सुरक्षा अध्ययन केंद्र, हवाई, अमेरिका के फेलो

जे. शाखाओं से संबंधता

सौंपी गई शाखा: पश्चिम बंगाल

के. आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

1. एनएसएसटीए द्वारा विदेशी प्रतिभागियों के लिए ''डेटा प्रस्तुति के लिए टेबल्यू (चित्र) का अवलोकन'' विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
2. शिलांग, मेघालय में सरकारी कर्मचारियों के लिए अनुसंधान पद्धति और तरीकों पर 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने के लिए एमएटीआई द्वारा आमंत्रित।
3. विश्वविद्यालय के सरकारी शिक्षकों के लिए अनुसंधान पद्धति पर 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने के लिए जीआईपीएआरडी द्वारा आमंत्रित किया गया।
4. डैनियल के. इनौये एशिया-पैसिफिक सेंटर फॉर सिक्योरिटी स्टडीज (डीकेआई एपीसीएसएस), हवाई, अमेरिका द्वारा संचालित व्यापक सुरक्षा पाठ्यक्रम (सीएससी) पर 6 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया।

सपना चड्ढा

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी ए) (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

क्र.सं.	नाम	द्वारा प्रायोजित	पूर्ण / जारी
1.	आईआईएसईआर कोलकाता द्वारा आरटीआई अधिनियम के तहत सूचना के सक्रिय प्रकटीकरण का तृतीय पक्ष ऑडिट 2023-24	आईआईएसईआर कोलकाता	पूर्ण
2.	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, भारत सरकार द्वारा आरटीआई अधिनियम के अंतर्गत सूचना के सक्रिय प्रकटीकरण का तृतीयपक्ष ऑडिट, 2023-24	पेयजल एवं स्वच्छता, भारत सरकार	पूर्ण
3.	कर्मचारी चयन आयोग, भारत सरकार द्वारा आरटीआई अधि नियम के तहत सूचना के सक्रिय प्रकटीकरण का तृतीय पक्ष ऑडिट 2023-24	कर्मचारी चयन आयोग	पूर्ण
4.	डीएआरपीजी, भारत सरकार द्वारा आरटीआई अधिनियम के तहत सूचना के सक्रिय प्रकटीकरण का तृतीय पक्ष ऑडिट 2023-24	डीएआरपीजी, भारत सरकार	पूर्ण
5.	राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा आरटीआई अधिनियम के तहत सूचना के सक्रिय प्रकटीकरण का तृतीय पक्ष ऑडिट 2023-24	राष्ट्रपति सचिवालय	पूर्ण
6.	विधि कार्य विभाग, भारत सरकार द्वारा आरटीआई अधि नियम के अंतर्गत सूचना के सक्रिय प्रकटीकरण का तृतीय पक्ष ऑडिट, 2022-23	कानूनी कार्यका विभाग, भारत सरकार	पूर्ण

7.	वीपी कार्यालय द्वारा आरटीआई अधिनियम के तहत सूचना के सक्रिय प्रकटीकरण का तृतीय पक्ष ऑडिट 2023-24	वीपी कार्यालय	पूर्ण
8.	आईएसटीएम द्वारा आरटीआई अधिनियम के तहत सूचना के सक्रिय प्रकटीकरण का तृतीय पक्ष ऑडिट, 2023-24	आईएसटीएम	पूर्ण
9.	आगरा शहर का महिला सुरक्षा ऑडिट	राष्ट्रीय महिला आयोग	पूर्ण
10.	अगरतला शहर का महिला सुरक्षा ऑडिट	राष्ट्रीय महिला आयोग	पूर्ण
11.	दक्षिण पश्चिम राजस्व जिले के परियोजना फेज-1, द्वारका के पालम गांव में भूमि अधिग्रहण का सामाजिक प्रभाव	आकलन जीएनसीटीडी, नई दिल्ली	पूर्ण
12.	दक्षिण राजस्व जिला, नई दिल्ली के सतबारी राजस्व संपदा (स्टेट) में सार्क विश्वविद्यालय से सीएपीएफआईएमएस तक सड़क निर्माण रिपोर्ट का सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए)	जीएनसीटीडी, दिल्ली	पूर्ण
13.	दक्षिण दिल्ली जिले के मैदानगढ़ी राजस्व संपदा में सार्क विश्वविद्यालय से सीएपीएफआईएमएस तक सड़क निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण पर सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन।	जीएनसीटीडी, दिल्ली	पूर्ण
14.	उपभोक्ता संरक्षण और ई-कॉमर्स पर स्कूली विद्यार्थियों के लिए परस्प्र संवादात्मक (इंटरैक्टिव) कार्यशाला	अमेजन इंडिया	पूर्ण

सी. चल रही अनुसंधान परियोजनाएं (श्रेणी बी)

क्र. सं.	द्वारा प्रायोजित	नाम	पूर्ण / जारी
1.	भारतीय संविधान में 73वें और 74वें संशोधनों का प्रभाव मूल्यांकन: पंचायतीराज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में महिला प्रतिनिधियों की भूमिका का आकलन।	राष्ट्रीय महिला आयोग	जारी है
2.	दक्षिण पूर्व राजस्व जिले के पुल पहलादपुर में भूमि अधि ग्रहण का सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन।	जीएनसीटीडी, नई दिल्ली	मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई
3.	दक्षिण पूर्व राजस्व जिले के जसोला में सीवरेज ट्रीटमेंट संयंत्र के निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण का सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन।	जीएनसीटीडी, नई दिल्ली	जारी है

डी. अनुसंधान मार्गदर्शन

क्र.सं.	नामांकित संख्या	शोध-पत्र (थीसिस) प्रस्तुत	डिग्री प्रदान की गई
1.	5020 - ब्रिगेडियर गुरबीरसिंह, आईए	उच्च ऊंचाई और पर्वतीय युद्ध में सेना की परिचालन क्षमता पर मेक इन इंडिया का प्रभाव: एक विश्लेषण	50वां एपीपीपीए 2024-25

सी. पुस्तके

1. पूर्वोत्तर भारत में उपभोक्ता संरक्षण- मुद्दे और चुनौतियाँ- (संपादक) जी.पी प्रसिन, सुरेश मिश्रा और सपना चड्डा, कॉन्सेप्ट पब्लिशर्स, 2024
2. भारत में लोक प्रशासन- नागरिक केंद्रित शासन की ओर (संपादक) सुरेश मिश्रा, सपना चड्डा, और ममता पठानिया, आईआईपीए नई दिल्ली, 2024
3. थीम पेपर- एक राष्ट्र, एक चुनाव, 2024

डी. प्रकाशित एवं प्रस्तुत पत्र/लेख/सेमिनार/कार्यशालाओं/सम्मेलनों में सत्र

1. भारत में नियामक शासन (गवर्नेंस) पर शोध-पत्र- भारत में लोक प्रशासन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में उभरते आयाम- नागरिक केंद्रित गवर्नेंस की ओर (संपादक) सुरेश मिश्रा, सपना चड्डा, और ममता पठानिया, आईआईपीए नई दिल्ली, 2024
2. पूर्वोत्तर राज्यों में उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता का स्तर- पूर्वोत्तर भारत में उपभोक्ता संरक्षण- मुद्दे और चुनौतियाँ में सुरेश मिश्रा के साथ एक आकलन (संपादक) जीपी प्रसिन, सुरेश मिश्रा और सपना चड्डा, 2024
3. न्याय प्रदान करना: मुद्दे और संभावनाएँ, विकसित भारत: विजन और रियालिटी, आईआईपीए, नई दिल्ली, 2024
4. डिजिटल परिवर्तन: लोक प्रशासन और डिजिटल परिवर्तन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में उभरता नियामक ढाँचा: दक्षता, विश्वसनीयता और प्रभावशीलता पर शोध पत्र प्रस्तुत किया, 21-22 नवंबर, 2024

एफ. अन्य शैक्षणिक/व्यावसायिक उपलब्धियां और योगदान

- 30 जुलाई, 2024 को भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) ग्रुप 'ए' अधिकारियों के लिए मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) में प्रशासनिक कानून पर सत्र
- लोक प्रशासन और डिजिटल परिवर्तन: दक्षता, विश्वसनीयता और प्रभावशीलता पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''डिजिटल सफलता का द्वार खोलना'' विषय पर सत्र की सह-अध्यक्षता की, 21-22 नवंबर, 2024
- 22 मई, 2024 को हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान, गुरुग्राम में आईटीएस अधिकारियों के लिए फाउंडेशन कोर्स में उपभोक्ता संरक्षण अधि ानियम पर दो सत्र
- 9-10 दिसंबर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में अमेजन संभव शिखर सम्मेलन 2024 में भाग लिया।
- दिल्ली ग्रामीण विकास संस्थान, दिल्ली के एलएलएम विद्यार्थियों के मौखिक परीक्षा के लिए विशेषज्ञ
- एनपीपीए के वरिष्ठ सलाहकार/सलाहकार/युवा पेशेवरों के चयन के लिए साक्षात्कार पैनल के सदस्य
- महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के परिवार और सामुदायिक विज्ञान संकाय के अंतर्गत परिवार और सामुदायिक संसाधन प्रबंधन अध्ययन बोर्ड के सदस्य
- सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, आईआईपीए
- सदस्य, केस स्टडी मूल्यांकन समिति, आईआईपीए
- आईआईपीए कर्नाटक क्षेत्रीय शाखा के लिए संकाय प्रभारी

ममता पठानिया

अनुसंधान मार्गदर्शन (50वां एपीपीपीए)

क्र. सं.	नामांकित संख्या	प्रस्तुत शोध पत्र (थीसिस)	डिग्री प्रदान की गई
1.	सुश्री राशि शर्मा	प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) उत्तर प्रदेश में कार्यान्वयन की चुनौतियों का अन्वेषण	प्रदान की गई

एफ. चालू परियोजना

- अनुसंधान परियोजना- डीएआरपीजी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित भारत सरकार और राज्यों के चुनिंदा केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों में नागरिक चार्टर और सेवा वितरण अधिनियम की प्रभावकारिता और प्रभावशीलता का अध्ययन करना

जी. प्रकाशन

पुस्तक

- भारत में नागरिक-केंद्रित गवर्नेंस की ओर लोक प्रशासन, प्रिंट्स पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड,

(संपा.) (जून 2024), नई दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-6697-470-5

- स्वतंत्रता के बाद से भारत का प्रशासनिक इतिहास, आईआईपीए, प्रिंट्स पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, 2024, आईएसबीएन 978-81-19972-00-5

समीक्षित शोध पत्र

- शिक्षक प्रशासन जर्नल (पांडुलिपि-आईडीटीपीए-24-0048) द्वारा केरल (भारत) में लोक प्रशासन पाठ्यक्रम के विऔपनिवेशीकरण पर एक अध्याय की समीक्षा की गई।

लेख/पत्र

- अध्याय 16-डिजिटल बैंकिंग और ग्रामीण भारत में इसका प्रभाव'', ममता पठानिया, किरण गुप्ता, पार्थ प्रतिम मित्र और प्रकाश शर्मा (संपादक), उपभोक्ता कानून में उभरते रुझान, थॉमसन रॉयटर्स साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड, 2024
- क्रिएटिव ब्यूरोक्रेसी, ममता पठानिया, विकासशील भारत: विजन एंड रियलिटी, प्रिंट पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, आईआईपीए, आईएसबीएन: 978-93-6697-296-1

एच. सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में प्रस्तुत पेपर

- लोक प्रशासन और डिजिटल परिवर्तन दक्षता, विश्वसनीयता और प्रभावशीलता पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''डिजिटल परिवर्तन सुशासन का मार्ग प्रशस्त करता है'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया,21-22 नवंबर, 2024

आई. आईआईपीए के अंतर्गत अन्य प्रकार के शैक्षणिक कार्यों से संबद्धता

(ख) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्यों से संबद्धता (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता)

- सदस्य, राष्ट्रीय दर्पण समिति (एनएमसी), भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली की उपभोक्ता नीति समिति (सीओपीओएलसीओ)।
- सदस्य, क्षेत्र सलाहकार बोर्ड (एएबी) और अध्ययन बोर्ड (बीओएस), एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी (एआईपीपी), एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश
- यूपीएससी और विभिन्न राज्यों के कई लोक सेवा आयोगों की समीक्षा और मूल्यांकन पैनल पर।

जे. शाखाओं से संबद्धता

- सौंपी गई शाखा

तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश

के. आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

- भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) के उद्यमिता एवं लोक सेवा सदस्यों की समिति, सीएमईपीएस द्वारा आयोजित वेबिनार में ''लोक प्रशासन के वैचारिक आधार'' विषय पर मुख्य वक्ता, 2024
- राष्ट्रीय सीपीडब्ल्यूडी अकादमी, गाजियाबाद में 2023 केईएसई-2022 बैच के 52 सप्ताह के फाउंडेशन प्रशिक्षण के लिए 'मूल्य और नैतिकता' पर मुख्यवक्ता, 15 अप्रैल 2024
- एनआईसीएफ, दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ''लोक प्रशासन में नैतिकता और मूल्य'' विषय पर वेबिनार में मुख्यवक्ता, 4 जुलाई, 2024
- 30 सितंबर, 2024 को आईआईपीए, नई दिल्ली में केस स्टडी प्रतियोगिता पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र (ट्रैक 6) की अध्यक्षता की।
- 22 जनवरी, 2025 को , डीएसटी द्वारा आयोजित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) नई दिल्ली में महिला अंतरिक्ष एवं संबद्ध विज्ञान नेतृत्व कार्यक्रम (डब्ल्यूआईएसएलपी) के अंतर्गत नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'शासन में नैतिकता और जवाबदेही' और ब्रिटिश काउंसिल, भारत और कोवेंट्री विश्वविद्यालय, यूके द्वारा आयोजित यूके-भारत शिक्षा एवं अनुसंधान पहल (यूकेआईईआरआई), भारत, विषय पर मुख्यवक्ता।

के लिए पैनलिस्ट/संसाधान व्यक्ति के रूप में आमंत्रित

- 2024 से 'लोक प्रशासन के संकल्पनात्मक नींव', वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए 22वाँ आधार भूत प्रशिक्षण कार्यक्रम,
- वरिष्ठ अधिकारियों (टाटामोटर्स और टाटा समूह की कंपनियों द्वारा प्रायोजित) के लिए ''सरकार और सार्वजनिक मामले'' पर टाटामोटर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'शासन में नैतिकता', जुलाई 2024
- 19 अगस्त, 2024 को ईएसआईसी में नवनियुक्त उपनिदेशकों के लिए पाँचदिवसीय परिचयात्मक प्रशिक्षण में 'शासन में नैतिकता'
- ईएसआईसी के उप निदेशकों के लिए परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'शासन में नैतिकता', 9 सितंबर, 2024
- 12 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय सीपीडब्ल्यूडी अकादमी, गाजियाबाद में 'नैतिकता और शासन' पर सत्र
- ईएसआईसी के उप निदेशकों के लिए परिचयात्मरक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'शासन में नैतिकता', 17 सितंबर, 2024
- ईएसआईसी के उप निदेशकों के लिए परिचयात्मरक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'शासन में नैतिकता', 23 सितंबर, 2024
- मिजोरम सचिवालय सेवा, मिजोरम सरकार के कनिष्ठ श्रेणी अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण एवं अनुभव भ्रमण कार्यक्रम में 'शासन में नैतिकता', 22 अक्टूबर, 2024
- आईटीएस 2022 और 2020 बैच के परिवीक्षार्थियों के लिए लोक नीति निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'लोक प्रशासन का वैचारिक आधार', 16-20 दिसंबर, 2024
- आईटीएस 2022 और 2020 बैच के परिवीक्षार्थियों के लिए लोक नीति निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'शासन में नैतिकता', 16-20 दिसंबर, 2024
- 5 जून 24 को कार्तिक मुरलीधारन द्वारा लिखित पुस्तक 'एक्सीलरेटिंग इंडियाज डेवलपमेंट' के तीसरे अध्याय 'द ब्यूरोक्रेसीज बर्डन' पर प्रस्तुति दी।
- भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) के परिवीक्षार्थियों के लिए ''लोक नीति निर्माण'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'लोक प्रशासन की संकल्पनात्मक नींव', दिसंबर 2024
- भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) के परिवीक्षार्थियों के लिए ''सार्वजनिक नीति निर्माण'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'शासन में नैतिकता', दिसंबर 2024
- 15 जनवरी, 2025 को आईआईपीए, नई दिल्ली में भारतीय दूरसंचार सेवा अधिकारियों के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में ''लोक प्रशासन की संकल्पनात्मक नींव'' परचर्चा।
- 16 जनवरी, 2025 को आईआईपीए, नई दिल्ली में भारतीय दूरसंचार सेवा अधिकारियों के लिए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में शासन में नैतिकता पर चर्चा।
- 28 फरवरी, 2025 को एफटीपीबीआईपीएआरडी में शासन में नैतिकता
- भारतीय रक्षा संपदा सेवा (आईडीईएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए लोक प्रशासन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में शासन में नैतिकता, फरवरी, 2025

एल. किसी अन्य शैक्षणिक या संबंधित गतिविधि का विवरण जो ऊपर शामिल नहीं है।

- एमएसडी 10:02 की बीआईएस बैठकधकार्य समूह 9 बैठक, 2024 में सहभागिता की।
- आईआईएम लखनऊ, नोएडा परिसर में ''शिक्षा शास्त्र पर संकाय विकास कार्यक्रम'', 2024 में सहभागिता की।
- कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित कर्मयोगी सप्ताह के दौरान सामूहिक चर्चा में सहभागिता की, 21 अक्टूबर, 2024
- 21-22 नवंबर, 2024 को लोक प्रशासन और डिजिटल परिवर्तन दक्षता, विश्वसनीयता और प्रभावशीलता पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की।

- आईआईएस-डीएआरपीजी सम्मेलन नई दिल्ली-2025, 11-14 फरवरी, 2025 को सहभागिता की।
- आईआईएस-डीएआरपीजी सम्मेलन के संबंध में विभिन्न ऑनलाइन/प्रत्यक्ष बैठकों में भाग लिया क्योंकि आईआईपीए सम्मेलन का ज्ञान भागीदार था, फरवरी 2025.

श्यामली सिंह

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी ए) (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

I. शीर्षक: गंगा नदी फेज-I के हितधारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम

II. अवधि: 03 वर्ष

III. वित्तपोषण एजेंसी: राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी)

IV. प्रारंभ तिथि: जुलाई 2020

V. पूरी होने की तिथि: जून-जुलाई 2023

सी. पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी बी)

डी. चल रही अनुसंधान परियोजनाएं (श्रेणी ए)

I. शीर्षक: गंगा नदी फेज-II के हितधाारकों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम

II. अवधिा: 03 वर्ष

III. वित्तपोषण एजेंसी: राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी)

IV. प्रारंभ तिथि: अगस्त 2023

V. पूरी होने की तिथि: मार्च 2026

VI. प्रस्तावित समापन तिथि: मार्च 2026

VII. स्थिति (स्टेट्स): जारी है

ई. चल रही अनुसंधान परियोजनाएं (श्रेणी बी)

I. **शीर्षक:** जलवायु स्मार्ट शासन (गवर्नेंस) के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम

II. अवधि: 03 वर्ष

III. वित्त पोषण एजेंसी: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

IV. प्रारंभ तिथि: जुलाई 2024

V. पूरी होने की तिथि: मार्च 2027

VI. प्रस्तावित समापन तिथि: मार्च 2027

VII. स्थिति जारी है

एफ. केस स्टडी तैयार की गई

I. शीर्षक: केस स्टडी विकास और सामुदायिक सर्वेक्षण ऑर्किड उत्पादकों का सर्वेक्षण- सिक्किम

II. वित्त पोषण एजेंसी: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्धडीएसटीऋ, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रलय

III. प्रारंभ तिथि: जुलाई 2024

IV. पूरी होने की तिथि: मार्च 2027

V. सारांश और निष्कर्ष: जलवायु परिवर्तन के ऑर्किड की खेती और उसके बाद स्थानीय ऑर्किड बाजार पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन करने के लिए सिक्किम के ऑर्किड किसानों के साथ एक केंद्रित सर्वेक्षण किया गया। इस अध्ययन का उद्देश्य जलवायु-प्रतिरोधी कृषि रणनीतियों के लिए आधारभूत अंतदृष्टि उत्पन्न करना था।

जी. प्रकाशन

(क) पुस्तकें

I. शीर्षक: वाराणसी के घाटों पर भ्रमण

I. प्रकाशक: भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

III. स्थान: नई दिल्ली

IV. प्रकाशन तिथि: 2024

I. शीर्षक: राजधाानी के प्रदूषण संकट को समझना

II. प्रकाशक: भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

III. स्थान: नई दिल्ली

IV. प्रकाशन तिथि: 2024

(ख) पत्र एवं लेख

I. शीर्षक: आर्कटिक महासागर क्षेत्र में भारत के लिए चुनौतियाँ और अवसर

II. जर्नल: एसएजीई जर्नल्स

III. वॉल्युम :

IV. नंबर:

V. दिनांक: 19 मई, 2025

एच.सेमिनारों/कार्यशालाओं शोधपत्र/सम्मेलन आदि में प्रस्तुत

I. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आदि का शीर्षक: आईआईएएस-डीएआरपीजी सम्मेलन

II. आयोजक एजेंसी आईआईएएस-डीएआरपीजी सम्मेलन 2025

III. स्थान एवं तिथि: 10-14 फरवरी, 2025

IV. वित्त पोषित एजेंसी: आईआईएएस-डीएआरपीजी

V. अनुदान: आईआईएएस-डीएआरपीजी

VI. प्रस्तुत शोधपत्र का शीर्षक: सामाजिक वकालत और जलवायु कार्रवाई का एकीकरण: प्रशासनिक दृष्टिकोणों का भविष्य

आई. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आदि का शीर्षक:जलवायु कार्रवाई, एआई, एसडीजी और जल प्रबंधन का एकीकरण (आईसीएएसडब्ल्यू)

I. आयोजक एजेंसी : आईआईपीए, वीआईपीएस-टीसी

II. स्थान एवं तिथि: 19-20 मार्च, 2025

III. वित्तपोषण एजेंसी: आईआईपीए

IV. अनुदान: आईआईपीए

V. प्रस्तुत शोधपत्र का शीर्षक: देहरादून में वायु गुणवत्ता के रुझानों का आकलन (2021 - 2024) जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन रणनीतियों के लिए अंतर्दृष्टि ।

VI. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आदि का शीर्षक: जलवायु कार्रवाई, एआई, एसडीजी और जल प्रबंधन का एकीकरण (आईसीएएसडब्ल्यू)

I. आयोजक एजेंसी : आईआईपीए, वीआईपीएस-टीसी

II. स्थान एवं तिथि: 19-20 मार्च, 2025

III. वित्तपोषण एजेंसी: आईआईपीए

IV. अनुदान: आईआईपीए

V. प्रस्तुत शोधपत्र का शीर्षक: लैंगिक, जल की कमी और नीति: भारत के जल प्रशासन और विकास में समावेशिता की भूमिका का आकलन

I. आईआईपीए के अंतर्गत शैक्षणिक कार्यों के अन्य रूपों से संबद्धता

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, आदि)- भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

(ख)आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से संबद्धता (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता) एसपीए, दक्षिणी डेनमार्क विश्वविद्यालय

- बोर्ड सदस्य:
  - इग्नू
  - आईपीसीए
  - जीजीएसआईपीयू
  - आईआईएम

जे. शाखाओं से संबद्धता

शाखा नियुक्त: असम शाखा समन्वयक

के. आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

- इग्नू में पुस्तक यूनिट लेखक
- एमिटी विश्वविद्यालय में पाठडक्रम समिति

पवन कुमार तनेजा

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी ए) (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

क्र.स.	नाम	द्वारा प्रायोजित	अध्ययन दल	स्थिति (स्टेट्स)
1.	राष्ट्रीय कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम में सीओडब्युटी का आईएन प्लेटफॉर्म की योजना और कार्यान्वयन की समीक्षा।	एपीपीपीए	ब्रिगेडियर विक्रम जीत सिंह वराइच और डॉ. पवन के. तनेजा (गाइड)	पूर्ण हो गई

सी. पूर्ण शोध परियोजनाएँ (श्रेणी बी)

क्र.स.	नाम	द्वारा प्रायोजित	अध्ययन दल	स्थिति (स्टेट्स)
1.	राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम (एनडीएफडीसी) की कैरियर विकास नीति की समीक्षा	राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम	डॉ. पवन के. तनेजा	पूर्ण हो गई

डी. चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ (श्रेणी 'ए')

क्र.स.	नाम	द्वारा प्रायोजित	अध्ययन दल	स्थिति (स्टेट्स)
1.	रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने की चुनौतियाँ और आगे का रास्ता	एपीपीपीए	ब्रिगेडियर राज नारायण तिवारी और डॉ. पवन के. तनेजा (गाइड;	जारी है

ई. चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ (श्रेणी 'बी')

क्र.स.	नाम	द्वारा प्रायोजित	अध्ययन दल	स्थिति (स्टेट्स)
1.	दूरसंचार विनिर्माण और सेवा गंतव्य के रूप में 'भारत के ब्रांड निर्माण' का मूल्यांकन	दूरसंचार विभाग	डॉ. पवन के. तनेजा	मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई
2.	सुबनसिरी ऊपरी जल विद्युत परियोजना के लिए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन	अरुणाचल प्रदेश सरकार	डॉ. पवन के. तनेजा, डॉ. कुसुम लता	डेटा संग्रहण प्रक्रिया चालू है

एफ. केस स्टडी तैयार की गई

जी. प्रकाशन

(क) पुस्तकें

एस.एन. त्रिपाठी और साकेत बिहारी द्वारा पुस्तक में प्रस्तुत अध्याय ''तनेजा पी.के. (प्रकाशित), ''सभी के लिए हाशिए पर पड़े लोगों के लिए स्वास्थ्य: चुनौतियाँ और आगे का रास्ता'', त्रिपाठी, एस.एन. और बिहारी, एस., ''अंत्योदय से सर्वोदय'', प्रिंट पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली

(बी) पत्र और लेख

1. गुप्ता, एस., सूद, टी., तनेजा, पी.के. (2024) ''वित्तीय उत्तोलन के निर्धारक के रूप में लाभप्रदता, दक्षता, तरलता और बाजार प्रतिष्ठा: भारतीय फार्मा और आईटी क्षेत्र की कंपनियों से साक्ष्य'' इंडिका, वॉल्युम-62, अंक-VI, जून 2024 आईएसएसएन: 0019-686X (यूजीसी केयर लिस्टेड, पीयर रिव्यूड और रेफरर्ड जर्नल)
2. गुप्ता, एस., तनेजा, पी.के., और सूद, टी. (2024), ''सरकारी और निजी तेल विपणन कंपनियों की पूंजी संरचना और वित्तीय प्रदर्शन पर स्वामित्व का प्रभाव: पैनल डेटा साक्ष्य'' रवींद्र भारती पत्रिका, वॉल्युपम: XXVII, संख्या: 8, पीपी, 233-247 आईएसएसएन: 0937-0037.
3. तनेजा पी.के. (2024), ''लोक स्वास्थ्य और पोषण सुरक्षा'', भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, ''विकसित भारत: विजन और रियलिटी'', प्रिंट पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।

(सी) कोई अन्य प्रकाशन

- महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, बद्दी के शोधार्थी श्री शोभित गुप्ता को ''पूंजी संरचना के निर्धारक: भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र का एक अध्ययन''

विषय पर पीएच.डी थीसिस प्रदान की तथा पीएच.डी सह-मार्गदर्शक के रूप में उनका मार्गदर्शन किया।

(डी) पुस्तक समीक्षा

एच. सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलन आदि में प्रस्तुत शोधपत्र

- कर्मयोगी भारत प्लेटफॉर्म के लिए सामग्री निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाने पर कार्यशाला, कर्मयोगी भारत कार्यालय द्वारा आयोजित, 18 नवंबर, 2024.

आई. आईआईपीए के अंतर्गतअन्य प्रकार के शैक्षणिक कार्यों से संबद्धता

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, आदि)- भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

- सदस्य, आर्थिक विकास एवं प्रबंधन अध्ययन केंद्र
- सदस्य, आईआईपीए की वार्षिक निबंध प्रतियोगिता समिति
- आईआईपीए केस स्टडी प्रतियोगिता मामलों की समीक्षा की गई
- आईआईपीए में विदेश मंत्रालय के भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आई-टीईसी) कार्यक्रम के समन्वयक
- भारतीय राजमार्ग इंजीनियर्स अकादमी के बीच समन्वित दौरा और समझौता ज्ञापन (एमओयू)

(ख) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से संबद्धता (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता)

जे. शाखाओं से संबद्धता

सौंपी गई शाखा: केरल

गतिविधियों में भागीदारी:

I. **प्रशिक्षण:**

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1.	भारतीय संविधान और शासन (गवर्नेंस) पर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम, यूनिवर्सिटी कॉलेज तिरुवनंतपुरम	27/01/2025

II. अनुसंधान/केस अध्ययन:

क्र.सं.	पुस्तकें/रिपोर्ट/न्यूजलेटर इत्याादि
1.	कोल्लम: अतीत और वर्तमान प्रकाशित
2.	समाचार पत्रिका प्रकाशित
3.	कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

III. सेमिनार/सम्मेलन:

क्र.सं.	विषय	तारीख
1.	कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए साइबर सुरक्षा, ऑलसेंट्स कॉलेज, तिरुवनंतपुरम।	01/08/2024
2.	राष्ट्र, समाज, राजनीति और प्रशासन: अतीत और वर्तमान का संबंध, यूनिवर्सिटी कॉलेज तिरुवनंतपुरम।	09/08/2024
3.	पृथ्वी का जलवायु इतिहास, राजकीय महिला महाविद्यालय, तिरुवनंतपुरम।	14/08/2024
4.	एक राष्ट्र एकचुनाव, राजनीति विज्ञान विभाग, कोझि कोड विश्वविद्यालय।	11/09/2024
5.	उभरती वैश्विक व्यवस्था और भारत की विदेशनीति कारण नीतिक पुनर्स्थापन, एन.एस.एस कॉलेज, चंगनास्सेरी।	12/11/2024
6.	संविधान दिवस समारोह, ऑल सेंट्सकॉलेज, तिरुवनंतपुरम।	29/11/2024
7.	कोल्लम और उसके विकास के दृष्टिकोण: अतीत और वर्तमान''	04/12/2024
8.	पश्चिम एशिया में उभरते रूझान, सरकारी कॉलेज, चलाकुडी	29/01/2025
9.	केरल में जलवायु संकट: राजनीतिक दृष्टिकोण का अभाव, एस. ग्रेगोरियस	19/03/2025

के. आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के प्रबंधन अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित और यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के सहयोग से 26 सितंबर 2024 से 23 अक्टूबर 2024 तक चलनेवाले चार-सप्ताह के ऑनलाइन गुरुदक्षता संकाय प्रेरण कार्यक्रम में ''निर्णय लेना, दृष्टिकोण में परिवर्तन और आलोचनात्मक सोच के साथ योग्यता का विकास'' विषय पर एक व्याख्यान के लिए आमंत्रित।
- पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित और यूजीसी मालवीय मिशनशिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के सहयोग से 14.1.2025 से 27.01. 2025 तक आयोजित सामाजिक विज्ञान में शिक्षण एवं अनुसंधान पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ''विकसित भारत के लिए आवश्यक शासन सुधार'' विषय पर एक व्याख्यान के लिए आमंत्रित।
- राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के स्नातक इंजीनियर प्रशिक्षुओं (जीटीई) के लिए कुशल राजमार्ग अवसंरचना हेतु मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक परिवहन कनेक्टिविटी के विकास पर अभिविन्यास कार्यक्रम में नेतृत्व, हितधारक प्रबंधन और निर्णय लेने पर विशेष कार्यशाला 5 मार्च, 2025 को, 3-13 मार्च, 2025 के दौरान भारतीय राजमार्ग इंजीनियर्स अकादमी, नोएडा में आयोजित की गई।
- भारतीय राजमार्ग इंजीनियर्स अकादमी, नोएडा में 15 अक्टूबर, 2024 से 18 अक्टूबर, 2024 तक एनएचएलएमएलके अधिकारियों के लिए कुशल राजमार्ग अवसंरचना हेतु मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक परिवहन संपर्क विकास पर नेतृत्व एवं टीम निर्माणकौशल, हितधारक प्रबंधन, सीखने और विकास में माइंडफुलनेस और तनाव प्रबंधन पर विशेष कार्यशाला।,
- स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली में बिल्डिंग इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में सिस्टम अप्रोच और ऑपरेशन्स रिसर्च पर आयोजित सत्र में वद्रा के रूप में आमंत्रित।
- सोमवार, 23 अगस्त, 2024 को अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (AJNIFM), फरीदाबादमें 22 देशों के प्रतिभागियों के लिए परियोजना प्रबंधन के दृष्टिकोण से ''कार्य विभाजन संरचना और संसाधन समतलीकरण'' पर व्याख्यान।

एल. किसी अन्य शैक्षणिक या संबंधित गतिविधि का विवरण जो ऊपर शामिल नहीं है।

- 01 अक्टूबर, 2024 को अमेरिकी रक्षा विभाग के हवाई स्थित डैनियल के. इनौये एशिया-पैसिफिक सेंटर फॉर सिक्योरिटी स्टडीज द्वारा आर्थिक सुरक्षा पर फेलो डिग्री से सम्मानित किया गया।
- जुलाई 2024 में संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा विभाग द्वारा वित्तपोषित, डिफेंस रिसोर्स मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, डिफेंस सिक्योरिटी को ऑपरेशन यूनिवर्सिटी, मोंटेरे, कैलिफोर्निया, यूएसए में वरिष्ठ रक्षा संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम में सहभागिता की।

सुरभि पांडे

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी 'ए') (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ (श्रेणी 'ए')

I. शीर्षक: सब्सिडी प्राप्त करने वाले (जैसे उर्वरक) और लागत प्रतिपूर्ति के आधार पर सीआईएसएफ द्वारा सेवा प्रदान किए जानेवाले सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिष्ठानों का मूल्यांकन।

II. अवधि: 3 महीने

III. वित्तपोषण एजेंसी: गृह मंत्रालय

IV. प्रारंभ तिथि: 22 फरवरी 2025

V. पूरी होने की तिथि: जुलाई 2025

VI. प्रस्तावित समापन तिथि: अगस्त 2025

VII. स्थिति (स्टेट्स): जारी है

जारी अनुसंधान परियोजनाएँ (श्रेणी'बी')

I. शीर्षक: दिल्ली पुलिस की रात्रि गश्त योजना का मूल्यांकन

II. अवधि:

III. वित्तपोषण एजेंसी: गृह मंत्रालय

जी. प्रकाशन

(क) पुस्तकें

1. शीर्षक: सुशासन (गुड गवर्नेंस) के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता

   प्रकाशक: प्रिंट्स पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड

   स्थान: नई दिल्ली

   प्रकाशन तिथि: 2025

2. आईजेपी (इंडियन जर्नल ऑफ पुलिस) के समीक्षक

(ख) शोध पत्र एवं लेख

शोध पत्र

1. शीर्षक: भारत में साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण: एक राष्ट्रीय चिंता

   जर्नल: सोशल साइंस रिसर्च नेटवर्क (एसएसआरएन), वॉल्युम: 68, अंक: 3, दिनांक: 17 अक्टूबर, 2024

   भारत में साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण: एक राष्ट्रीय चिंता, एसएसआरएन (ऑनलाइन), 17 अक्टूबर 2024, URL: https://papers.ssrn.com/sol3/papers.cfm\abstract_id=4953130

लेख

1. शीर्षक: डिजिटल गिरफ्तारी: वर्तमान कार्यप्रणाली

   जर्नल: टाइम्स ऑफ इंडिया (अंग्रेजी समाचार पत्र)

   दिनांक: 29 नवंबर, 2024

   लिंक: https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/author/dr&surabhi&pandey/

2. शीर्षक: डिजिटल गिरफ्तारी: वर्तमान कार्यप्रणाली

   जर्नल: न्यूज नाइन (न्यूज 9 हिंदी)

   दिनांक: 20 सितंबर, 2024

   लिंक: https://www.news9live-com/world/middle-east-tensions-how-technology-weaponised-in-new-era-of-war-2700497

3. सामाजिक मीडिया प्लैटफॉर्म पर ऐतिहासिक आउटलुक : भविष्य की चिंताएं, नेशन टुडे द्वारा प्रकाशित सोशल मीडिया आउटेज

4. पेगासस स्पाइवेयर विवाद : साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलू, नेशन टुडे और यूपी हिंदी समाचार द्वारा प्रकाशित।

5. मध्य पूर्व तनाव: युद्ध के नए युग में प्रौद्योगिकी का हथियारीकरण कैसे हुआ, टीवी 9, 20 सितंबर, 2024, URL: https://www-news9live.com/world/middle-east-tensions-how-technology-weaponised-in-new-era-of-war-2700497

6. डिजिटल गिरफ्तार घोटाला, इंडिया न्यूज (हिन्दी) द्वारा प्रकाशित, 26 नवंबर, 2024, पृष्ठ संख्या 7.

(ग) कोई अन्य प्रकाशन

I. शीर्षक: भारत में पुलिस व्यवस्था: वास्तविकता और सुधार

II. पुस्तक/जर्नल में अध्याय: विकसित भारत: दृष्टि और वास्तविकता

III. स्थान: नई दिल्ली

IV. दिनांक: 2025

एच. सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलन आदि में प्रस्तुत शोधपत्र

I. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलन आदि के शीर्षक: 1. 'लोक प्रशासन और डिजिटल परिवर्तन – दक्षता, विश्वसनीयता और प्रभावशीलता'। 2. विकसित भारत @ 2047 के विकास प्रेरक तत्वा: अमृत कालविजन'

II. आयोजन एजेंसी: आईआईपीए

III. स्थान एवं तिथि: नई दिल्ली, 21–22 नवंबर 2024, और 19–20 दिसंबर 2024

IV. वित्तपोषण एजेंसी: आईआईपीए

वी. अनुदान:

VI. प्रस्तुत शोधपत्र का शीर्षक: 1. डिजिटल इंडिया

की परिवर्तन यात्रा, 2. भारत में समावेशी शासन 3. सामान्य प्रयोजन प्रौद्योगिकी: एआई और एमएल, 4. भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में महिलाओं का योगदान (विकसित भारत)

आई. आईआईपीए के अंतर्गत शैक्षणिक कार्य के अन्य रूपों से संबद्धता

क्लाउड पर नेविगेट: एक आवश्यक सुरक्षा रोड-मैप पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 13 नवंबर 2024 को अमेजन वेब सर्विसेज के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

(क)समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, आदि)- भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

सदस्य: भारतीय मानक ब्यूरो

आईजेपी (इंडियन जर्नल ऑफ पुलिस) के समीक्षक

(ख)आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से जुड़ाव (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता)

सीबीआई, पुलिस अकादमी, एलबीएसएनएए, एफसीआई, फिक्की, सीआईआई, सीएपीएसआई, एफएएसएसआई, सीपीडब्ल्यूडी, एसएआई, आईएसटीएम, डीओपीटी, आई4सी एमएचए, एनएससीएस,

जे. शाखाओं से संबद्धता

शाखा सौंपी गई: उत्तर प्रदेश

आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

डीडी न्यूज और राज्यसभा टीवी पर विभिन्न साइबर जागरूकता कार्यक्रम

किसी अन्य शैक्षणिक या संबंधित गतिविधि का विवरण जो ऊपर शामिल नहीं है।

1. आईएमएस-डीकेआई एपीसीएसएस, यूएसए और डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन यूनिवर्सिटी, नेवल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, मोंटेरे, यूएसए में फेलो पूरी की।
2. सिंगापुर लॉ सोसाइटी से कानूनी प्रक्रिया के लिए प्रमाणित जनरल एआई और डिजिटल परिवर्तन उपकरण।
3. क्लाउड नेविगेटिंग: एक आवश्यक सुरक्षा रोडमैप पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 13 नवंबर 2024 को अमेजन वेब सर्विसेज के सहयोग से आयोजित किया गया।

गदाधर महापात्र

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी ए) (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

I. शीर्षक: 'भूमि सम्मान जिलों का प्रभाव आकलन अध्ययन'

II. अवधि: 4 महीने

III. वित्तपोषण एजेंसी: भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय

IV. प्रारंभ तिथि: 23.01.2024

V. पूरी होने की तिथि: 30.5.2024

सी. पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी 'बी')

I. शीर्षक: नए एनजीओ प्रस्तावों की स्क्रीनिंग, निगरानी (पहला चरण - 30 मई, 2024) और दूसरा चरण 31 दिसंबर, 2024)

II. अवधि: 3 महीने

III. वित्त पोषण एजेंसी: जनजातीय कार्य मंत्रालय

IV. प्रारंभ तिथि: 19 फरवरी, 2024

V. पूरी होने की तिथि: 30 मई, 2024

डी. पूर्ण शोध परियोजनाएँ (श्रेणी 'सी')

I. शीर्षक: पूर्वोत्तर भारत में भूमि अभिलेखों की गुणवत्ता का मूल्यांकन

II. अवधि: छह महीने

III. वित्तपोषण एजेंसी: भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

IV. प्रारंभ तिथि: 26.06.2024

V. पूरी होने की तिथि: 13 दिसंबर, 2024

डी. चल रही अनुसंधान परियोजनाएं (श्रेणी 'ए')

I. शीर्षक: दरगाह ख्वाजा साहब, अजमेर के कामकाज पर अध्ययन

II. अवधि: 4 महीने

III. वित्त पोषण एजेंसी: अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

IV. पूरी होने की तिथि: 31 जुलाई, 2025.

V. प्रस्तावित पूरी होने की तिथि: 31 जुलाई, 2025.

VI. स्थिति: जारी है

ई. चल रही अनुसंधान परियोजनाएं (श्रेणी 'बी')

I. शीर्षक: प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) का मूल्यांकन-सह-प्रभाव आकलन अध्ययन

II. अवधि: छह महीने (24 सप्ताह)

III. वित्त पोषण एजेंसी: अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

IV. प्रारंभ तिथि: 28 मार्च, 2025

V. पूरी होने की तिथि: 30 सितंबर, 2025

VI. प्रस्तावित समापन तिथि: 30 सितंबर, 2025

VII. स्थिति: जारी है

एफ. तैयार केस स्टडी

I. शीर्षक: महिला-नेतृत्व वाली उद्यमिता और सशक्तिकरण: ओडिशा में मिशन शक्ति का प्रभाव

II. वित्तपोषण एजेंसी: शून्य

III. अनुदान: शून्य

IV. प्रारंभ तिथि: 14 फरवरी, 2025

क्षमता निर्माण आयोग, भारत सरकारद्वारा समीक्षा (अंतिम मसौदा सीबीसी को प्रस्तुत किया गया और समीक्षाधीन), 2025।

(सी) कोई अन्य प्रकाशन

I. शीर्षक: सामाजिक सुरक्षा में डिजिटल नवाचार

II. पुस्तक/पत्रिका में अध्याय: 'सामाजिक सुरक्षा में डिजिटल नवाचार' अध्याय 14, पृष्ठ 207-224। एस.एन. त्रिपाठी (संपादित) 2025 में। विकसित भारत: विजन भारत और रियलिटी, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, प्रिंट्स प्रकाशन।

III. स्थान: नई दिल्ली

IV. दिनांक: 2025

एच. सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में प्रस्तुत शोध पत्र।

- 15 और 22 अक्टूबर, 2024 को स्टैनफोर्डलीडर शिप एकेडमी फॉर डेवलपमेंट (LAD) और एशियाई विकास बैंक संस्थान के सहयोग से क्षमता निर्माण आयोग द्वारा आयोजित 'केस लेखन पर परिचयात्मक पाठ्यक्रम' में भाग लिया।

I. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आदि का शीर्षक: परिचयात्मक पाठ्यक्रम पर केस लेखन

II. आयोजन एजेंसी: स्टैनफोर्ड लीडरशिप एकेडमी फॉर डेवलपमेंट (एलएडी) और एशियाई विकास बैंक संस्थान के सहयोग से क्षमता निर्माण आयोग

III. स्थान एवं तिथि: 15 और 22 अक्टूबर, 2024

IV. प्रस्तुत शोधपत्र का शीर्षक: महिला-नेतृत्व वाली उद्यमिता और सशक्तिकरण: ओडिशा में मिशन शक्ति का प्रभाव

I. आईआईपीए के अंतर्गत शैक्षणिक कार्यों के अन्य रूपों से जुड़ाव

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, आदि)- भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

- नोडल व्यक्ति-राष्ट्रीय जल जीवन मिशन, जल शक्ति मंत्रालय (वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-2024) के अंतर्गत प्रमुख संसाधन केंद्र-आईआईपीए।
- टीम सदस्य, जनजातीय अध्ययन एवं अन्वेषण केंद्र, आईआईपीए।
- कैप्टन ए. अशोक, भारतीय नौसेना (रोल नंबर 4903) के एम.फिल. शोध प्रबंध का

पर्यवेक्षण किया। हर घर जल: तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले का एक केस स्टडी (लोक प्रशासन में दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर), 49वें एपीपीपीए प्रतिभागी, आईआईपीए, नई दिल्ली (मौखिक परीक्षा आयोजित की गई और 30 अप्रैल, 2024 को उम्मीदवार को स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया)।

- ब्रिगेडियर प्रणय डंगवाल (रोल नंबर 5002) के लोक प्रशासन और लोक नीति में कला स्नातकोत्तार पाठ्यक्रम का पर्यवेक्षण: बाधाओं पर काबू पाना: मेघालय में कौशल भारत कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना (लोक प्रशासन और लोक नीति में कला स्नातकोत्तर डिग्री), 50वीं एपीपीपीए प्रतिभागी, आईआईपीए, नई दिल्ली (मौखिक परीक्षा आयोजित की गई और 21 अप्रैल, 2025 को उम्मीदवार को स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया)।

(ख)आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से जुड़ाव (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता)

- 24 जुलाई, 2022 से पब्लिक हेल्थ एजुकेशन एंड प्रमोशन- फंटियर्सइंटरनेशनलजर्नल (5.2 इम्पैक्टफैक्टर, 3.8 साइटस्कोर में समीक्षा संपादक। फंटियर्स मीडिया एसए, एवेन्यूड्रट्रिब्यूनल-फेडरल 34 1005 लॉजेन, स्विट्जरलैंड।
- डॉ. गदाधार महापात्र, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (एआईएसएस), एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा की पीएच.डी उम्मीदवार सुश्री अर्निमा भार्गव (नामांकन संख्या I6261319002) के बाह्य सह-मार्गदर्शक हैं। थीसिस का शीर्षक: बीटी कॉटन सीड्स फार्म्स में बाल श्रम का स्थितिजन्य विश्लेषण: गुजरात का एक अध्ययन। पंजीकरण तिथि: 1 जनवरी, 2021 (पीएच.डी उपाधि वर्ष 2023 में प्रदान की जाएगी)।

जे. शाखाओं से संबद्धता

शाखा सौंपी गई: आईआईपीए ओडिशा क्षेत्रीय शाखा।

III. अनुसंधान/केस अध्ययन:

फरवरी 2025 को 'महिला-नेतृत्व वाली उद्यमिता और सशक्तिकरण: ओडिशा में मिशन शक्ति का प्रभाव' पर क्षमता निर्माण आयोग को एक केस स्टडी तैयार कर प्रस्तुत की गई।

III. सेमिनार/सम्मेलन: 'परिवर्तनकारी ओडिशा के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण @2036: महिला नेतृत्व वाला विकास और उद्यमिता' पर राष्ट्रीय सम्मेलन (प्रस्तावित तिथि- 24-25 जून, 2025)

के. आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

- डॉ. गदाधार महापात्र, संकाय, आईआईपीए और परियोजना निदेशक, डीओएलआर मूल्यांकन अध्ययन ने अतिरिक्त सचिवालय भवन, शिलांग में 19 नवंबर, 2024 को श्री सिरिल वी. डार्लोंग डिएंगदोह, आईएएस, सचिव, जिला कार्य परिषद, मेघालय सरकार सहित श्री एस.एन त्रिपाठी, माननीय महानिदेशक, आईआईपीए के साथ एक आधिकारिक बातचीत का आयोजन किया। शिलांग जिला कार्य परिषद के अधिकारियों और पूर्वी खासी हिल्स, पश्चिमी जयंतिया हिल्स और पश्चिमी गारो हिल्स के राजस्व अधिकारियों और भूमि रिकॉर्ड और निपटान अधिकारियों सहित नोडल अधिकारियों को भी भूमि रिकॉर्ड की स्थिति और राज्य में 'डिजिटल इंडिया भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) के कार्यान्वयन की स्थिति पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- ईटानगर की आधिकारिक यात्रा के दौरान, आईआईपीए के संकाय डॉ. गदाधार महापात्र और ईटानगर की भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन निदेशक सुश्री ममता रीबा ने 23 अगस्त, 2024 को सचिवालय

कार्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में श्री एस. एन त्रिपाठी, माननीय महानिदेशक, आईआईपीए और श्री बालो राजा, माननीय मंत्री (शहरी मामले, भूमि प्रबंधन और नागरिक उड्डयन) के साथ एक संक्षिप्त मूल्यांकन सत्र आयोजित किया। यह दौरा भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तहत आईआईपीए को सौंपी गई परियोजना का हिस्सा थी, जिसका शीर्षक 'अरुणाचल प्रदेश में भूमि रिकॉर्ड की गुणवत्ता का मूल्यांकन अध्ययन' था। इस मूल्यांकन अध्ययन का समन्वयन आईआईपीए के संकाय सदस्य डॉ. गदाधर महापात्र द्वारा किया गया है। मूल्यांकन सत्र में भूमि प्रबंधन निदेशक (एलएम) और अन्य विभागीय कर्मियों ने भाग लिया।

- 22 अगस्त, 2024 को अरुणाचल प्रदेश की आधिकारिक यात्रा के दौरान, श्री एस.एन. त्रिपाठी, माननीय महानिदेशक, आईआईपीए, सुश्री ममता रीबा, निदेशक, भूमि प्रबंधन, ईटानगर और राज्य के पूर्वी सियांग और सुबनसिरी जिलों के जिला भूमि अभिलेख एवं सर्वेक्षण अधिकारी (डीएलआरएसओ) के साथ एक बैठक हुई। इस बैठक का समन्वयन आईआईपीए के संकाय सदस्य एवं डीओएलआर मूल्यांकन अध्ययन के परियोजना निदेशक डॉ. गदाधर महापात्र ने किया।
- मिजोरम की आधिकारिक यात्रा के दौरान, आईआईपीए के संकाय सदस्य एवं डीओएलआर मूल्यांकन अध्ययन के परियोजना निदेशक डॉ. गदाधार महापात्र और मिजोरम विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. लालनेइहजोवीने 14 सितंबर, 2024 को मिजोरम विश्वविद्यालय तिथि गृह सम्मेलन कक्ष में आईआईपीए के माननीय महानिदेशक श्री एस.एन. त्रिपाठी, मिजोरम केंद्रीय विश्व विद्यालय के माननीय कुलपति श्री दिबाकर चंद्र डेका और मिजोरम क्षेत्रीय शाखा के अध्यक्ष श्री पीसीलव मकुंगा, आईएएस (सेवानिवृत्त) के साथ एक संवादात्मक बैठक आयोजित की। मिजोरम केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति श्री दिबाकर चंद्र डेका ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें महानिदेशक आईआईपीए ने लोक नीति और शासन (गवर्नेंस) की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया। इस कार्यक्रम में एमजेडयू के सामाजिक विज्ञान संकाय के संकाय सदस्यों के साथ-साथ एमजेडयूके विभिन्न विभागों के अंतर्राष्ट्रीय शोधर्थियों सहित शोध विद्वानों ने भाग लिया।
- 14 सितंबर, 2024 को भूमि संसाधन विभाग की 'मिजोरम की मूल्यांकन अध्ययन यात्रा' के दौरान, आईआईपीए के संकाय सदस्य डॉ. गदाधर महापात्र ने आईआईपीए के महानिदेशक माननीय एस. एन. त्रिपाठी और मिजोरम के भूमि राजस्व एवं बंदोबस्त विभाग के मंत्री श्री बी. लालछानजोवा के बीच एक आधिकारिक बैठक आयोजित की। राज्य में डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण (डीआईएलआरएमपी) के कार्यान्वयन पर संक्षिप्त चर्चा हुई। आईआईपीए टीम ने राज्य के दो जिलों, आइजोल और चम्फाई में निध ीरित मूल्यांकन अध्ययन यात्रा के बारे में जानकारी दी।
- डॉ. गदाधर महापात्र, संकाय, आईआईपीए एवं परियोजना निदेशक, भूमि सर्वेक्षण विभाग मूल्यांकन अध्ययन ने श्री एस.एन. त्रिपाठी, माननीय महानिदेशक, आईआईपीए और श्री वनलाल माविया, एमसीएस, माननीय सचिव, भूमि राजस्व एवं बंदोबस्त विभाग, मिजोरम के साथ एक आधिकारिक बातचीत का आयोजन किया। श्री वी. लालदुहजुआला, सदस्य सचिव (डीआईएलआरएमपी) एवं निदेशक, भूमिअभिलेख सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त, आइजोल और अन्य अधिकारियों ने संक्षिप्त मूल्यांकन सत्र में भाग लिया और सर्वेक्षण एवं पुनर्सर्वेक्षण, आरओआर के कम्प्यूटरीकरण, कैडस्ट्रल मानचित्रों के डिजिटलीकरण और राज्य में शुरू की गई भूमि राजस्व प्रणाली के ऑनलाइन गतान में विभाग द्वारा की गई पहलों पर चर्चा की।
- डॉ. गदाधर महापात्र, संकाय, आईआईपीए को 21 से 22 अक्टूबर, 2024 तक डॉ. अंबेडकर

अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (डीएआईसी), नई दिल्ली में भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ''शहरी भूमि अभिलेखों के सर्वेक्षण और पुनर्सर्वेक्षण में आधुनिक तकनीकें'' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में आमंत्रित किया गया और उन्होंने इसमें भाग लिया। इस कार्यशाला में कई अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सर्वोत्तम प्रैक्टिसेस मामले प्रस्तुत किए गए, जिनमें हासिल की गई प्रमुख उपलब्धियों और शहरी भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने की दिशा में प्रमुख बाधाओं और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया।

- आईआईपीए के संकाय सदस्य डॉ. गदाधार महापात्र ने 18 नवंबर, 2024 को सुबह 10 बजे क्रेस्ट हॉल, मेट्रोपॉलिटनहोटल, नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या परिषद (यूएनएफपीए) द्वारा राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के सहयोग से आर्थिक विकास, लिंग और पीढ़ीगत समानता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय हस्तांतरण खातों (एनटीए) के लाभ उठाने पर आयोजित एक उच्च-स्तरीय नीति संवाद में भाग लिया।

एल. किसी अन्य शैक्षणिक या संबंधित गतिविधि का विवरण जो ऊपर शामिल नहीं है।

- 6जनवरी, 2024 को भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ, नोएडा परिसर द्वारा आयोजित आईआईपीए के लिए शिक्षाशास्त्र पर संकाय विकास कार्यक्रम में सहभागिता की।
- 18 नवंबर, 2024 को क्रेस्ट हॉल, मेट्रोपॉलिटन होटल, नई दिल्ली में 'आर्थिक विकास, लैंगिक और पीढ़ीगत समानता को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय हस्तांतरण खातों (एनटीए) का लाभ उठाने' पर नीति संवाद में भाग लिया।
- ओडिशा विकास कॉन्क्लेव, 2024 - ''परिवर्तनकारी ओडिशा @2036: जनसंख्या और विकास'' में सहभागिता की और 23 अक्टूबर, 2024 को सीवाईएसडी, भुवनेश्वर में मेरी भागीदारी के लिए सम्मानित किया गया।
- 20 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली के ताज एम्बेसडर में संकल्प फाउंडेशन और यूएनओपी द्वारा आयोजित 'जल जीवन मिशन- हर घर जल: भारत में प्रत्येक ग्रामीण घर तक स्वच्छ नल के पानी की पहुंच का एक अध्ययन' रिपोर्ट के विमोचन में भाग लिया।

मनन द्विवेदी

पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी 'ए') (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

I. शीर्षक: भारतीय विदेशनीति: शासन व्यवस्थाओं के बीच तुलना,

II. अवधि: दा वर्ष

III. वित्तपोषण एजेंसी: आईसीएसआर

सी. पूर्णशोध परियोजनाएँ (श्रेणी 'बी')

I. शीर्षक: जम्मू और कश्मीर में सुशासन

II. अवधि:

III. वित्तपोषण एजेंसी: आईसीएसएसआर

ई. चालूशोध परियोजनाएँ (श्रेणी'बी')

I. शीर्षक: पीएमकेवाई और स्किल इंडिया तृतीयपक्ष मूल्यांकन

II. अवधि: प्रत्येक तीन महीने

III. वित्तपोषण एजेंसी: नीति आयोग और कौशल मंत्रालय

जी. प्रकाशन

(क) पुस्तक

I. शीर्षक: लिखित पुस्तक, ''राजनीति'' (पहले प्रकाशित)

II. प्रकाशक: एनेबुक्स, 2025

III. स्थान: नईदिल्ली

IV. प्रकाशन तिथि: फरवरी, 2025

(ख) शोधपत्र एवं लेख:

टाइम्स ऑफ इंडिया, दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण, राजस्थान पत्रिका, गवर्नमेंट नाउ, वी आईएफ इत्यादि में नियमित संपादकीय लेख

पिछले दो वर्षों से ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) में अमेरिकी मामलों, भारत की रक्षा नीति, अमेरिका की शुल्क व्यवस्था तथा ऑपरेशन सिंदूर पर ऑनलाइन माध्यम से साक्षात्कार हेतु आमंत्रित एक नियमित व्यक्ति।

I. शीर्षक: पश्चिम एशिया में अमेरिकी दृष्टिकोण (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)

II. पत्रिका: अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, एसआईएस, जेएनयू

V. तिथि: सेज पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

(सी) कोई अन्य प्रकाशन

I. शीर्षक: अमेरिका और दक्षिण एशिया नीति पर टिप्पणी, विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन, 2025

II. पुस्तक/जर्नल में अध्याय: जी 20 का भारतीय नेतृत्व, संपा. बुक, संपादक: प्रो. सतीश कुमार, आईआर, इग्नू, प्रकाशक: पेंटागन प्रेस।

मनन द्विवेदी, ''भारत और चीन सीमा विवाद'' इंडियन जर्नल ऑफ एशियन अफेयर्स, फरवरी, 2025

(डी) पुस्तक समीक्षा

ए. पुस्तक का शीर्षक: भारत में खाद्य सुरक्षा,

बी. लेखक का नाम: आईडीएसए संकाय

सी. जर्नल का नाम: आईजेपीए

ई. तिथि: मार्च 2025

एच. सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलन आदि में प्रस्तुत शोधपत्र

I. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आदि का शीर्षक

II. एनएनआईएमएस विश्वविद्यालय में प्रख्यात वक्ता, विषय: कोविड के बाद की दुनिया और भारत की भूमिका, फरवरी 2025

III. एलएसआर, डीयू में अमेरिकी चुनाव और ट्रम्प के आगमन पर प्रख्यात व्याख्यान

IV. महाराणा प्रताप संवाद पर प्रख्यात वक्ता (ऑनलाइन), उसनास फाउंडेशन, उदयपुर

V. मार्च, 2025 में सिनेमा और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर केएमसी, डीयू में प्रख्यात वक्ता

VI. आईआईएमसी में प्रख्यात वक्ता, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के भारतीय परिप्रेक्ष्य पर आधारित, अप्रैल, 2025

II. आयोजक एजेंसी

IV. स्थान एवं तिथि: मार्च, 2025

V. अरबिंदोकॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में अमेरिकी चुनावों पर प्रख्यात वक्ता, फरवरी, 2025

VI. मार्च 2025 में आईएचसी में सीएसआईआर और बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रख्यात वक्ता।

आई. आईआईपीए के अंतर्गत अन्यर प्रकार के शैक्षणिक कार्य से संबद्धता

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, आदि)- भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

(ख) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से संबद्धता (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता): मोती लाल नेहरू कॉलेज, डीयू में बोर्ड के सदस्य।

जे. शाखाओं से संबद्धता

शाखा सौंपी गई: झारखंड

के. आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

आईएसआईएल, एलएसआर, अरबिंदो कॉलेज और आईआईएमसी में कार्य घंटे के बाद अमेरिका से संबंधित मामलों पर व्याख्यान।

डीडी न्यूज, इंडिया न्यूज, इंडिया टीवी, एनडीटीवी, जी टीवी, न्यूज एक्स में प्रतिष्ठित टीवी डिबेट पैनलिस्ट,

अमित कुमार सिंह

ए (अ) अनुसंधान मार्गदर्शन (50वां एपीपीपीए)

क्र. सं.	नामांकित संख्या	थीसिस प्रस्तुत	डिग्री प्रदान की गई
1.	श्री जय प्रकाश	दिल्ली के स्ट्रीट वेंडर्स पर वित्तीय समावेशन में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (युपीआई) का प्रभाव	प्रदान की गई

डी. पूर्ण शोध परियोजनाएं (श्रेणी ए) (वित्त पोषित और गैर-वित्त पोषित दोनों शोध पर लागू)

क्र.सं.	नाम	द्वारा प्रायोजित	पूर्ण/जारी
1.	अगरतला शहर का महिला सुरक्षा ऑडिट	एनसीडब्ल्यू, नई दिल्ली	पूर्ण
2.	आगरा शहर का महिला सुरक्षा ऑडिट	एनसीडब्ल्यू, नई दिल्ली	पूर्ण
3.	गुरुग्राम शहर का महिला सुरक्षा ऑडिट	एनसीडब्ल्यू, नई दिल्ली	पूर्ण
4.	दक्षिण पश्चिम राजस्व जिले के परियोजना फेज-1, द्वारका के पालम गांव में भूमि अधिग्रहण का सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन	जीएनसीटीडी, नई दिल्ली	पूर्ण
5.	सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) रिपोर्ट दक्षिण राजस्व जिला, नई दिल्ली के सतबारी राजस्व एस्टेट में सार्क विश्वविद्यालय से सीएपीएफआईएमएस तक सड़क निर्माण	जीएनसीटीडी, दिल्ली	पूर्ण
6.	दक्षिण दिल्ली जिले के मैदानगढ़ी राजस्व संपदा में सार्क विश्वविद्यालय से सीएपीएफआईएमएस तक सड़क निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण पर सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन।	जीएनसीटीडी, दिल्ली	पूर्ण

सी. चल रही अनुसंधान परियोजनाएं (श्रेणी बी)

क्र.सं.	नाम	द्वारा प्रायोजित	पूर्ण / जारी
1	भारतीय संविधान में 73वें और 74वें संशोधनों का प्रभाव मूल्यांकन: पंचायतीराज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में महिला प्रतिनिधियों की भूमिका का आकलन।	एनसीडब्ल्यू	जारी है
2	दक्षिण पूर्व राजस्व जिले के पुल पहलादपुर में भूमि अधिग्रहण का सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन।	जीएनसीटीडी, नई दिल्ली	मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई
3	सभी के लिए प्रशिक्षण योजना का मूल्यांकन।	कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार	जारी है
4	प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम का तृतीय पक्ष मूल्यांकन।	कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार	जारी है
5	दक्षिण पूर्व राजस्व जिले के जसोला में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण का सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन।	जीएनसीटीडी, नई दिल्ली	जारी है

जी. प्रकाशन

लेखः

- सिंह ए.के. (2024), ''सामाजिक सुरक्षाः वास्तविकता और सुधाार'', पुस्तक (संपादित) 'विकसित भारतः विजन एंड रियलिटी' में प्रकाशित, आईआईपीए, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएनः 978-93-6697-296-1.
- सिंह ए.के. (2025): ''स्वच्छ भारत मिशनः सुशासन (गुड गवर्नेंस) और राष्ट्रीय परिवर्तन के लिए एक मॉडल'' पुस्तक (संपादित), भारत में लोक प्रशासनः नागरिक केंद्रित शासन की ओर, आईआईपीए द्वारा प्रकाशित, नई दिल्ली, आईएसबीएनः 978-93-6697-470-5 में प्रकाशित।

एच. सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में प्रस्तुत शोध पत्र।

- 'आईआईपीए में लोक प्रशासन और नागरिक केंद्रित शासन' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र स्वच्छ भारत मिशनः सुशासन और राष्ट्रीय परिवर्तन के लिए एक मॉडल।
- 21 और 22 नवंबर, 2024 को ''लोक प्रशासन और डिजिटल परिवर्तनः दक्षता, विश्वसनीयता और प्रभावशीलता'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की सह-अध्यक्षता की।
- भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) के परिवीक्षार्थियों के लिए ''लोक नीति निर्माण'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 16-20 दिसंबर, 2024 को एक सत्र लिया ।
- भारतीय रक्षा संपदा सेवा (आईडीईएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए लोक प्रशासन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 3-7 ऱवरी, 2025 कोएक सत्र में भाग लिया।
- 15 जनवरी, 2025 को आईटीएस सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक सत्र लिया गया।

आई. आईआईपीए के अंतर्गत शैक्षणिक कार्यों के अन्य रूपों से संबद्धता

(क) समिति/अन्य (प्रभाग और योजना एवं सलाहकार समिति की सदस्यता, समन्वयक, संपादक, संयोजक, इत्यालदि)- भागीदारी का विवरण और प्रकृति।

- शहरी विकास और प्रशासन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने के लिए हिमाचल प्रदेश और जम्मू एवं कश्मीर की राज्य सलाहकार समिति में शहरी विकास और ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार हेतु सीयूएस, आईआईपीए का प्रतिनिधित्व करना।
- ई-न्यूजलेटर, ''नगरलोक'' के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

(ख) आईआईपीए के बाहर शैक्षणिक कार्य से संबद्धता (समितियों/बोर्डों आदि की सदस्यता)

- नेशनल एसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर्स, इंडिया (एनएजीआई) के आजीवन सदस्य

जे. शाखाओं से संबद्धता

- झारखंड में सौंपी गई शाखा

के. आईआईपीए के बाहर किए गए अन्य शैक्षणिक कार्यों का विवरण

- बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान, बोध गया द्वारा विभिन्न विषयों के लिए अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित।
- स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्ट, नई दिल्ली में ''क्षेत्रीय/शहरी नियोजन में महिला सुरक्षा ऑडिट की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान देने के लिए विशेष व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।
- 30 और 31 जुलाई, 2024 को राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''लचीले समुदायों का निर्माणः महिलाएं और सतत पारिस्थितिकी तंत्र'' पर परामर्श बैठक में भाग लिया।
- भारतीय संविधान में 73वें और 74वें संशोध नों के प्रभाव मूल्यांकन हेतु राष्ट्रीय महिला

आयोग के लिए सर्वेक्षण पद्धति तैयार की गई: पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में महिला प्रतिनिधियों की भूमिका का आकलन।

एल. किसी अन्य शैक्षणिक या संबंधित गतिविधि का विवरण जो ऊपर शामिल नहीं है।

- 24 जनवरी, 2025 को संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की क्षमता निर्माण पर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सलाहकार समितियों के साथ सीयूएस बैठक आयोजित की गई।
- 22 नवंबर, 2024 को संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की क्षमता निर्माण पर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सलाहकार समितियों के साथ सीयूएस बैठक आयोजित की गई।
- नवंबर, 2024 में हैदराबाद नगर निगम में एपीपीपीए प्रतिभागियों के लिए शहरी अनुभव भ्रमण का आयोजन किया गया।
- सीयूएस के लिए राज्य सलाहकार समितियों के साथ आभासी (वर्चुअल) बैठक का आयोजन किया और उसमें भाग लिया।
- 16 दिसंबर, 2024 को अपराह्न 3.00 बजे, जवाहर व्यापार भवन, टॉल्स्टॉय रोड, नई दिल्ली में क्षमता निर्माण आयोग द्वारा आयोजित परामर्श बैठक – टीएफए योजना के पुनर्गठन पर भाग लिया।
- बीआईपीएआरडी, सीयूएस और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों के लिए एक्सपोजर दौरा आयोजित किये गये।
- जम्मू और कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश से आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के लिए विभिन्न मुद्दों पर डेटा संग्रह।

अनुलग्नक एफ.6

वर्ष 2024-25 के दौरान शाखाओं को दी गई वित्तीय सहायता का विवरण

क्र. सं.	शाखा	वित्तीय सहायता	ब्याज का हिस्सा	डीडीजी अनुसंधान अध्ययन के लिए अनुदान	शाखाओं के क्षेत्रीय सम्मेलन के लिए अनुदान	कुल
	क्षेत्रीय शाखाएँ					
1.	असम	35000	3258			38258
2.	बिहार	35000	15299		150000	200299
3.	छत्तीसगढ़	35000				35000
4.	दिल्ली '	70000	41821			111821
5.	गोवा					
6.	गुजरात		1071			1071
7.	हरियाणा					
8.	हिमाचल प्रदेश					
9.	जम्मू और कश्मीर	35000	15441		150000	200441
10.	झारखंड	35000	3896			38896
11.	कर्नाटक		6209	25000	150000	181209
12.	केरल	35000	6729			41729
13.	मध्य प्रदेश	35000	6870	25000	150000	216870
14.	महाराष्ट्र #	45000	13528			58528
15.	मणिपुर					
16.	मेघालय					
17.	मिजोरम	35000	1700			36700
18.	ओडिशा	35000	8216			43216
19.	पुदुचेरी	35000	1912			36912
20.	पंजाब और चंडीगढ़	70000	5524			75524
21.	राजस्थान	35000	8782			43782
22.	तमिलनाडु	35000	17282			52282
23.	तेलंगाना और आंध्र प्रदेश					
24.	उत्तर प्रदेश	35000	24364	12500		71864
25.	उत्तराखंड					
26.	पश्चिम बंगाल					

स्थानीय शाखाएँ						
क्र. सं.	शाखा	वित्तीय सहायता	ब्याज का हिस्सा	डीडीजी अनुसंधान अध्ययन के लिए अनुदान	शाखाओं के क्षेत्रीय सम्मेलन के लिए अनुदान	कुल
1.	आगरा					
2.	औरंगाबाद					
3.	बरेली	20000	1417			21417
4.	शाहजहांपुर					
5.	बर्दवान	20000	921			20921
6.	कोयंबटूर					
7.	कुड्डालोर	20000	2550			22550
8.	कटक					
9.	धारवाड़	20000	991			20991
10.	डिंडीगुल					
11.	गुलबर्गा	20000	346			20346
12.	हावड़ा	20000	991			20991
13.	इंदौर					
14.	जबलपुर					
15.	जमशेदपुर					
16.	कानपुर					
17.	करीमनगर	20000	708			20708
18.	मदुरै	20000	3541			23541
19.	मैसूर'	40000	566			40566
20.	मेरठ					
21.	मुज़्फरपुर	20000	1912			21912
22.	नागपुर					
23.	नासिक					
24.	पाटलिपुत्र'	40000	638			40638
25.	पटियाला					
26.	पुणे					
27.	सैदापेट					
28.	सलेम					
29.	सांगली					

30.	सिरोही					
31.	तंजावुर					
32.	तिरुचिरापल्ली					
33.	तिरुनेलवेली					
34.	तिरुपति	20000	2550			22550
35.	तिरुपत्तुर	20000	1133			21133
36.	वडोदरा	20000	708			20708
37.	वल्लभ विद्यानगर					
38.	वेल्लोर					
39.	विल्लुपुरम	20000	1274			21274
40.	विरुधुनगर					
41.	विशाखापत्तनम	20000	2267			22267
42.	वारंगल					
	कुल	**1000000**	**204415**	**62500**	**600000**	**1866915**

* इसमें पिछले वर्षों की वित्तीय सहायता धनराशि शामिल है

सर्वश्रेष्ठ शाखा पुरस्कार धनराशि के रूप में 10,000/- रुपये सहित

जिला स्तरीय शासन दस्तावेजीकरण के लिए महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान, पंजाब को 12,500/- रुपये की धनराशि का भुगतान किया गया।

अनुलग्नक एफ.7

आईआईपीए क्षेत्रीय शाखाओं से जुड़े संकाय सदस्य (31-03-2025)

क्र.सं.	क्षेत्रीय शाखाओं का नाम	संकाय सदस्यों का नाम
1.	असम	डॉ. श्यामली सिंह
2.	बिहार	डॉ. साकेत बिहारी
3.	छत्तीसगढ	डॉ. मनन द्विवेदी
4.	दिल्ली	प्रो. सुरेश मिश्रा
5.	गुजरात	प्रो. अशोक विशनदास
6.	हरियाणा	प्रो. नीतू जैन
7.	जम्मू और कश्मीर	प्रो. अशोक विशनदास
8.	झारखंड	डॉ. अमित सिंह
9.	कर्नाटक	डॉ. सपना चड्डा
10.	केरल	डॉ. पवन कुमार तनेजा
11.	मध्य प्रदेश	डॉ. कुसुम लता
12.	महाराष्ट्र	प्रो. विनोद के. शर्मा
13.	मणिपुर	डॉ. सचिन चौधरी
14.	मिजोरम	प्रो. नूपुर तिवारी
15.	ओडिशा	डॉ. जी. महापात्र
16.	पुदुचेरी	प्रो. चारू मल्होत्रा
17.	पंजाब और चंडीगढ़	प्रो. के.के पांडे
18.	राजस्थान	प्रो. सुरेश मिश्रा
19.	तमिलनाडु	डॉ. ममता पठानिया
20.	तेलंगाना और आंध्र प्रदेश	डॉ. ममता पठानिया
21.	उत्तर प्रदेश	डॉ. सुरभि पांडे
22.	उत्तराखंड	प्रो. वी.एन आलोक
23.	पश्चिम बंगाल	डॉ. रोमा देबनाथ

अनुलग्नक एफ.8

संकाय और वरिष्ठ अधिकारी

(31.03.2025 तक)

श्री सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, आईएएस (सेवानिवृत्त) महानिदेशक

श्री अमिताभ रंजन, कुलसचिव

प्रोफेसर

1.	प्रो. वी.के शर्मा	आपदा प्रबंधन के प्रोफेसर
2.	प्रो. के.के पांडे	शहरी प्रबंधन के प्रोफेसर
3.	प्रो. सुरेश मिश्रा	लोक प्रशासन (उपभोक्ता मामलों में विशेषज्ञता के साथ) के प्रोफेसर
4.	प्रो. अशोक कुमार विशनदास	अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र के प्रोफेसर
5.	प्रो. वी.एन आलोक	शहरी वित्त के प्रोफेसर
6.	प्रो. चारु मल्होत्रा	ई-गवर्नेंस और आईसीटी के प्रोफेसर
7.	प्रो. नूपुर तिवारी	चेयर प्रोफेसर (सामाजिक न्याय में डॉ. अंबेडकर चेयर)
8.	प्रो. नीतू जैन	व्यवहार विज्ञान के प्रोफेसर

एसोसिएट प्रोफेसर

1.	डॉ. कुसुम लता	शहरी और क्षेत्रीय नियोजन के एसोसिएट प्रोफेसर
2.	डॉ. सचिन चौधरी	लोक प्रशासन के एसोसिएट प्रोफेसर
3.	डॉ. साकेत बिहारी	विकास अध्ययन के एसोसिएट प्रोफेसर
4.	डॉ. रोमा देबनाथ	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी के एसोसिएट प्रोफेसर
5.	डॉ. सपना चड्डा	संवैधानिक एवं प्रशासनिक कानून के एसोसिएट प्रोफेसर

सहायक प्रोफेसर

1.	डॉ. ममता पठानिया	लोक प्रशासन के सहायक प्रोफेसर
2.	डॉ. श्यामली सिंह	पर्यावरण प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के सहायक प्रोफेसर
3.	डॉ. पवन कुमार तनेजा	ऑपरेशन रिसर्च के सहायक प्रोफेसर
4.	डॉ. सुरभि पांडे	आईटी और ई-गवर्नेंस के सहायक प्रोफेसर
5.	डॉ. गदाधार महापात्र	समाजशास्त्र के सहायक प्रोफेसर
6.	डॉ. मनन द्विवेदी	अंतर्राष्ट्रीय संबंधा और अंतर्राष्ट्रीय प्रशासन के सहायक प्रोफेसर
7.	डॉ. अमित कुमार सिंह	शहरी विकास के सहायक प्रोफेसर

सहायक फैकल्टी

1.	डॉ. श्वेता मित्तल	सहायक फैकल्टी
2.	डॉ. विकास सिंह	सहायक फैकल्टी

प्रशासन

1.	श्री मिथुन बरुआ	उप कुलसचिव (एएस)
2.	श्री ओ.पी. चावला	उप कुलसचिव (वित्त एवं प्रशासन)
3.	श्रीमती अलका जिंदल	सहायक कुलसचिव (प्रशिक्षण)
4.	श्री अनिल कुमार शर्मा	अधीक्षक (एपीपीपीए)
5.	श्री परवीन कुमार	अधीक्षक (रखरखाव)
6.	श्रीमती सरिता	अधीक्षक (लेखा)
7.	श्री हरीश ढौंडियाल	अधीक्षक (प्रशासन)

प्रकाशन अधिकारी

1.	सुश्री मेघना चुक्कथ	प्रकाशन अधिकारी

वरिष्ठ पुस्तकालय अधिकारी

1.	श्री हुकम चंद यादव	पुस्तकालयाध्यक्ष
2.	श्रीमती मीना	व्यावसायिक सहायक (वरिष्ठ स्केल)
3.	डॉ. हेमंत खरे	व्यावसायिक सहायक (वरिष्ठ स्केल)
4.	डॉ. शक्ति चौहान	व्यावसायिक सहायक (वरिष्ठ स्केल)
5.	श्री नरेंद्र कुमार	व्यावसायिक सहायक (वरिष्ठ स्केल)
6.	श्रीमती सुनीता गौतम	व्यावसायिक सहायक (वरिष्ठ स्केल)

अनुसंधान समन्वय

1.	श्री राकेश जोशी	अधीक्षक (आर एंड सी और सीयूएस)

रखरखाव

1.	श्री के.एस. रंगा	अधिशासी अभियंता
2.	श्री अशोक शर्मा	विद्युत पर्यवेक्षक

अनुलग्नक एफ.9

शहरी अध्ययन केंद्र की गतिविधियाँ
(अप्रैल 2024- मार्च 2025)

वर्ष 2024-25 के दौरान, शहरी अध्ययन केंद्र (सीयूएस) ने शीर्ष स्तर पर एक प्रबुद्ध मंडल (थिंक टैंक) और ज्ञान केंद्र के रूप में अपनी भूमिका के अनुरूप अनुसंधान, क्षमता निर्माण और सलाहकार सेवाओं के माध्यम से अपनी पहुँच और कवरेज का विस्तार किया है। वर्ष 2024-25 के दौरान शहरी अध्ययन केंद्र (सीयूएस) द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

शहरी अध्ययन केंद्र (सीयूएस) द्वारा संचालित गतिविधियाँ:

क. 569 प्रतिभागियों के लिए अठारह प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण गतिविधियाँ

ख. भारत सरकार, राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों के लिए अनुसंधान और सलाहकार/ज्ञान केंद्र सेवाएं

ग. प्रकाशन एवं अन्य व्यावसायिक गतिविधियाँ (त्रैमासिक पत्रिका, शोधपत्र, टीवी वार्ता/चर्चाएँ, सेमिनारों में भागीदारी)

क. प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण गतिविधियाँ

अठारह कार्यक्रमों में शामिल हैं:

(i) शहरी विकास और संबंधित मुद्दों पर तेरह अनुकूलित और मिश्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम, और

(ii) पांच कार्यशालाएं/सेमिनार, गोलमेज चर्चा और समन्वय बैठकें,

शहरी विकास और संबंधित मुद्दों पर अनुकूलित और मिश्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम

ये तेरह कार्यक्रम शहरी सेवाओं, प्रशासन एवं कानूनी कौशल और संरचित अध्ययन दौरा जैसे विशिष्ट विषयों पर डिजाइन, विकसित और संचालित किया गया। (बॉक्स-1 और तालिका-1)

- आईआईपीए परिसर में राज्य सलाहकार समितियों के प्रतिनिधियों और राज्यों के शहरी पदाधिकारियों की बहु-विषयक टीम के लिए दो पांच दिवसीय व्यापक शहरी विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए। (8-12 जुलाई, 2024 और 4-8 नवंबर, 2024)
- भारत में जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) आधारित उपकरणों का उपयोग करते हुए एकीकृत शहरी नियोजन पर प्रशिक्षकों का एक प्रशिक्षण (टीओटी) राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान (एनआईयूए) और डॉयचे गेसेलशॉफ्ट फॉर इंटरनेशनल जुसामेनार्बेट (जीआईजेड) जीएमबीएच द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सैद्धांतिक और व्यावहारिक सत्रों को शामिल करना है ताकि शहरी कार्यकर्ताओं की भूमि उपयुक्तता, जोखिम और भेद्यता आकलन, भूमि उपयोग और परिवहन विश्लेषण तथा लैंगिक-संवेदनशील स्थानिक नियोजन आदि जैसे सार्थक हस्तक्षेपों पर क्षमता का विकास किया जा सके।
- वर्ष 2023-24 के अत्याधुनिक स्तर के पदाधिकारियों को प्रभावी ढंग से कवर करने के लिए गुरुग्राम (19 जनवरी, 2024) और फरीदाबाद (13 फरवरी, 2024) में शहर स्तर पर पायलट कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- वर्ष 2024-25 में लद्दाख (लेह और कारगिल), हरियाणा (पंचकुला और करनाल) और हिमाचल प्रदेश (धर्मशाला) में राज्य/शहर विशिष्ट कार्यक्रम।
- 22 नवंबर, 2024 को सीयूएस की सलाहकार समितियों के साथ आभासी (वर्चुअल) बैठक, जिसमें विकेन्द्रीकृत शहर आधारित प्रशिक्षण पर आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के फोकस की पुष्टि की गई तथा वर्ष 2024-25 की अंतिम

तिमाही और अगले वित्तीय वर्ष के लिए कार्य योजना तैयार की गई।

- साथ ही, सीयूएस ने क्रमिक रूप से आईजीओटी पाठ्यक्रमों का विकास शुरू किया है। ये नौ विशिष्ट पाठ्यक्रम हैं जो क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) के परामर्श से विशिष्ट विषय क्षेत्र के मूल संस्करण में तैयार किए गए हैं। पाठ्यक्रमों के उन्नत संस्करण भी तदनुसार शुरू किए जाएँगे।

अपलोड किए गए पाठ्यक्रम

(i) जलवायु लचीलेपन के लिए स्मार्ट प्रौद्योगिकियां

(ii) अनुबंध प्रबंधन

(iii) नगरपालिका शासन (गवनेंस) का परिचय

(iv) नगरपालिका राजस्व में वृद्धि

(v) कठिन बातचीत से निपटना और क्रोध प्रबंधन पर पाठ्यक्रम तैयारी के अंतर्गत है

(vi) परियोजना वित्त और वित्तीय मॉडलिंग

(vii) पीपीपी परियोजनाओं और मॉडलों का डिजाइन

(viii) ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और वृत्ताकार अर्थव्यवस्था

(ix) तरल अपशिष्ट प्रबंधन

- स्मार्ट सिटी, एसबीएम, शहरी बुनियादी ढांचे, नगर निगम वित्त पर हैदराबाद और बेंगलुरु में दो संरचित शहरी अध्ययन यात्राएं।

शहरी विकास पर पांच दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम: स्थिति (स्टेनटस), मुद्दे और रणनीतियां (8-12 जुलाई, 2024) का उद्घाटन श्री एस.पी सिंह (आईपीएस), अपर सचिव, एमओएचयूए और श्री एस.एन त्रिपाठी (आईएएस-आर), महानिदेशक, आईआईपीए द्वारा किया गया।

शहरी शासन (गवर्नेंस) पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 8-9 जनवरी, 2024 को धार्मशाला में आयोजित किया गया।

वर्ष 2024-25 के दौरान लद्दाख (लेह और कारगिल) और हरियाणा (पंचकुला और करनाल) में शहर विशिष्ट कार्यक्रम।

बॉक्स-1

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण की मुख्य विशेषताएँ

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के प्रतिभागिया ने प्रख्यांत संसाधान व्यक्तियों जैसे श्री एस.पी. सिंह, आईपीएस (अपरसचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय), सुश्री डी. थारा, आईएएस (अपरसचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय), श्रीआर. श्रीनिवास (शहरी विकास पर उच्च स्तरीय समिति में शहरी नियोजन विशेषज्ञ), डॉ. कुसुम लता (एसोसिएटप्रोफेसर, आईआईपीए), श्री जितेंद्रकुमार (सहायक नगर पालिका सचिव), डॉ. जे. सत्यनारायण, आईएएस (पूर्व सचिव, एमईआईटीवाई और अध्यक्ष, डीपीआई अकादमी), श्री डी.एस. धपोला (संस्थागत एवं क्षमता निर्माण विशेषज्ञ, ग्रामीण विकास विभाग), डॉ. मानिनी स्याली (सहायक प्रोफेसर, टेरीएसएएस), डॉ. कविता (सहायक प्रोफेसर, टेरीएसएएस), प्रो. एम.पी. माथुर (पूर्व संकाय, एनआईयूए), श्री उरिन गुप्ता (सलाहकार, सीए फर्म), सुश्री श्री नंदिनी बनर्जी (कार्यक्रम प्रबंधक, एनयूएलपी, एनआईयूए), श्री संजीव खिरवार, आईएएस (प्रमुख सचिव (एचएंडयूडी), यूटी लद्दाख), श्री इम्तियाज काछो, (प्रशासक, नगरपालिका समिति कारगिल), सुश्री मोनिका बहल (उपपरियोजना निदेशक, एसयूडीएससी-द्वितीय, जीआईजेड), सुश्री रुचिगुप्ता (टीमलीड, एनआईयूए), डॉ. देबोलीनाकुंडू (निदेशक (एसी), एनआईयूए), डॉ. अपशीन अफशारी (फ्राउनहोफर इंस्टीट्यूट फॉर बिल्डिंग फिजिक्स) से परस्पर सवांद किया।

न्यू मोती बाग में अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र और तेहखंड में अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र और सोनिया विहार जलउपचार संयंत्र का फील्ड दौरा भी किया गया।

तालिका -1

शहरी विकास और संबंधित मुद्दों पर अनुकूलित और मिश्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	मंडी में शहरी गवर्नेंस पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित	11-12 फरवरी, 2025	40
2.	शहरी विकास पर पांच दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम: स्थिति, मुद्दे और रणनीतियाँ	3-7 फरवरी, 2025	14
3.	धर्मशाला में शहरी गवर्नेंस पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित	8-9 जनवरी, 2025	65
4.	वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के हैदराबाद के दो दिवसीय शहरी अध्ययन दौरा	28-29 नवंबर, 2024	11
5.	वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के बेंगलुरु के दो दिवसीय शहरी अध्ययन दौरा	28-29 नवंबर, 2024	12
6.	'भारत में जीआईएस-आधारित उपकरणों का उपयोग करके एकीकृत शहरी नियोजन' पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	18-20 नवंबर, 2024	28
7.	शहरी विकास पर पांच दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम: स्थिति, मुद्दे और रणनीतियाँ	4-8 नवंबर, 2024	25
8.	शहरी और गवर्नेंस प्रबंधन पर पांच दिवसीय कार्यक्रम	अक्टूबर-नवंबर, 2024	24
9.	करनाल में नगरपालिका सेवाओं की जलवायु-अनुकूल डिलीवरी पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 अक्टूबर, 2024	56
10.	पंचकुला में नगरपालिका सेवाओं की जलवायु-अनुकूल डिलीवरी पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित	3 सितंबर, 2024	41
11.	शहरी विकास पर पांच दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम: स्थिति, मुद्दे और रणनीतियाँ	8-12 जुलाई, 2024	19
12.	कारगिल में शहरी शासन पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित	21-22 जून, 2024	39
13.	लेह में शहरी शासन पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित	18-19 जून, 2024	36

8-12 जुलाई, 2024 और 4-8 नवंबर, 2024 के दौरान आईआईपीए में पांच दिवसीय कार्यक्रमों के प्रतिभागियों के लिए क्षेत्रीय दौरा आयोजित किए गए।

वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के लिए दो शहरों (हैदराबाद और बेंगलुरु) में शहरी अध्ययन दौरा आयोजित किए गए।

कार्यशालाएँ/सेमिनार, गोलमेज चर्चा और समन्वय बैठकें

इस श्रेणी के अंतर्गत तालिका-2 के अनुसार पांच कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें शहरी अवसंरचना वित्तपोषण पर गोलमेज चर्चा: चुनौतियां और अवसर तथा संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ क्षमता निर्माण पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सलाहकार समितियों के साथ सीयूएस बैठक शामिल है।

तालिका-2

कार्यशालाएँ/सेमिनार, गोलमेज चर्चा और समन्वय बैठकें

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
14.	संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ क्षमता निर्माण पर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सलाहकार समितियों के साथ सीयूएस की बैठक	22 जनवरी, 2025	19
15.	बेंगलुरु और हैदराबाद में शहरी गवर्नेंस और स्वच्छता पर गोलमेज सम्मेलन	21 जनवरी, 2025	35
16.	शहरी बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण पर गोलमेज चर्चा: चुनौतियां और अवसर	17 अक्टूबर, 2024	31
17.	संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ क्षमता निर्माण पर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सलाहकार समितियों के साथ सीयूएस की बैठक	22 नवंबर, 2024	19
18.	सतत शहरी भविष्य: नीति, योजना, प्रबंधन - एक बहु-विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ज्ञान भागीदार के रूप में एक्सआईएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा के सहयोग से)	13-14 फरवरी, 2025	55

बी. भारत सरकार, राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के लिए अनुसंधान और सलाहकार/ज्ञानकेंद्र सेवाएं

भारत सरकार, राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के लिए अनुसंधान और सलाहकार/ज्ञान केंद्र सेवाओं के भाग के रूप में चौदह शोध अध्ययन और तकनीकी प्रस्ताव, रिपोर्ट, दस्तावेज आदि तैयार किए गए।

अनुसंधान

(i) डीडीए की द्वारका परियोजना फेज-1 के लिए पालम गांव में भूमि अधिग्रहण हेतु सामाजिक प्रभाव आकलन।

(ii) गौशाला सड़क निर्माण की डीडीए परियोजना के लिए सतबरी गांव में भूमि अधिग्रहण हेतु सामाजिक प्रभाव आकलन।

(iii) दक्षिण राजस्व जिला, नई दिल्ली के मैदानगढ़ी राजस्व संपदा (एस्टेट) में सार्क विश्वविद्यालय से सीएपीएफआईएमएस तक सड़क निर्माण पर सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन (एसआईए) अध्ययन।

(iv) भारत में शहरी शासन में 4आईआर के अनुप्रयोग पर अध्ययन।

(v) ब्लू ग्रीन बुनियादी ढांचा (इन्फास्ट्रक्चर) पर अध्ययन: अवसर से आवश्यकता तक का सफर।

(vi) चुनिंदा शहरों/राज्यों में स्वच्छ सर्वेक्षण की सत्यता पर अध्ययन।

(vii) स्मार्ट सिटी मिशन में परियोजनाओं के अभिसरण के प्रभाव आकलन पर अध्ययन।

(viii) भारत में घर खरीदारों पर रेरा (आरईआरए) के प्रभाव पर अध्ययन (जारी)।

(ix) न्यूनतम अपशिष्ट वाले इलाकों के लिए रूपरेखा पर अध्ययन, केस स्टडी: वाराणसी के वार्ड (जारी)।

मंत्रालयों/राज्यों और अन्य शहरी संस्थानों को प्रस्तुत तकनीकी प्रस्ताव, जिन पर बातचीत चल रही है, जिसमें शामिल हैं:

(x) वर्ष 2024-25 के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अधिकारियों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रस्ताव।

(xi) वर्ष 2024-25 के लिए क्षमता निर्माण और अनुसंधान गतिविधियों का प्रस्ताव डीडीए को प्रस्तुत किया गया।

(xii) चंडीगढ़ नगर निगम को जनशक्ति अध्ययन हेतु प्रस्ताव सौंपा गया।

भारत सरकार, राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों के लिए सलाहकार/ज्ञान केंद्र सेवाएं

(i) आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रलय द्वारा सौंपे गए विशिष्ट कार्य

क) आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा सौंपे गए स्वच्छ सर्वेक्षण की सत्यता सहित आधार पत्र और तकनीकी पत्र।

ख) अनुसंधान एवं प्रशिक्षण नीति एवं कार्यान्वयन पर राज्यों को व्यावसायिक सहायता।

ग) समय-समय पर संसदीय प्रश्नों के लिए आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रलय को इनपुट प्रदान करना।

घ) विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर सीयूएस द्वारा भारत सरकार को आवधिक रिपोर्टिंग।

ड.) 1 अप्रैल, 2024 को आरसीयूईएस/सीयूएस के संबंध में एसएसी/गवर्निंग काउंसिल/प्रशिक्षण कैलेंडर के बारे में जानकारी।

च) आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 29-30 मई, 2024 को भारत मंडपम में शहरी भारत की पुनर्कल्पना पर आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर में भागीदारी।

छ) 8 जुलाई, 2024 को संयुक्त सचिव (सीबीयूडी/डीएवाई-एनयूएलएम/पीएम स्वनिधि) की अध्यक्षता में आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत सीटीआई की समीक्षा बैठक की स्थिति (स्टेट्स) रिपोर्ट।

ज) 14 अक्टूबर, 2024 को आवासन एवं शहरी मामलों की स्थायी समिति को आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा दी जाने वाली ब्रीफिंग के लिए आवश्यक जानकारी।

झ) 16 अक्टूबर, 2024 को एएमआरयुटी के संबंध में जानकारी- संसदीय मामला।

ञ) आर्थिक सलाहकार (एच-II) के साथ सीयूएस/आरसीयूईएस की 7 नवंबर, 2024 को बैठक आयोजित की गई।

ट) 10 दिसंबर, 2024 को उपलब्ध प्रशिक्षण मॉड्यूल की जानकारी।

सी. प्रकाशन एवं अन्य व्यावसायिक गतिविधियाँ

(त्रैमासिक पत्रिका, डाइजेस्ट का विशेष अंक, शोध पत्र, टीवी वार्ता, सेमिनारों में भागीदारी)

सी.यू.एस. को विभिन्न प्रकाशनों एवं अन्य व्यावसायिक गतिविधियों का श्रेय प्राप्त है।

प्रकाशन

क) नगरलोकका प्रकाशन (जुलाई-सितंबर, 2024)

ख) चुनिंदा शहरों/राज्यों में स्वच्छ सर्वेक्षण की सत्यता (कार्य पत्र-III, 2024)

ग) ब्लू ग्रीन बुनियादी ढांचा (इन्फ्रास्ट्रक्चर): अवसर से आवश्यकता तक की यात्रा (वर्किंग पेपर-II, 2024)

घ) भारत के राज्यों में शहरी शासन में 4आईआर का अनुप्रयोग (कार्य पत्र-I, 2024)

ड.) नगरलोक का प्रकाशन (अप्रैल-जून, 2024)

च) नगरलोक का प्रकाशन (जनवरी-मार्च, 2024)

छ) नगरलोक का प्रकाशन (अक्टूबर-दिसंबर, 2023)

अन्य व्यावसायिक गतिविधियाँ

1. आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से विशिष्ट मुद्दों पर तीन शोधपत्र, टिप्पणियाँ और अवलोकन।

2. वर्तमान शहरी क्षेत्र के मुद्दों पर दैनिक समाचार पत्रें में पाँच संकाय पत्र प्रकाशित।

3. संकाय सदस्य आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय तथा भारत सरकार और राज्यों के अन्य मंत्रलयों द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति/ कार्य समूहों, हुडको के एचएसएमआई की पुनर्गठन समिति, आईटीपीआई में परीक्षक बोर्ड, एनसीआर योजना बोर्ड, एएमडीए (नगर पालिकाओं और विकास प्राधिकरणों का संघ) और प्रतिष्ठित जर्नल्स जैसे नगरलोक, एशियन रिव्यू ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इत्याादि के संपादकीय बोर्ड में शामिल रहे हैं।

4. इसके अलावा, सीयूएस संकाय ने हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान, ह्यूमन सैटलमेंट मैनेजमेंट इंस्ट्यिूट (एचएसएमआई), योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भारतीय नगर योजनाकार संस्थान और नगरपालिका एवं विकास प्राधिकरण संघ द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में भी संकाय इनपुट प्रदान किए। इन कार्यक्रमों ने आगे प्रसार हेतु शिक्षण और सीखने का अवसर प्रदान किया।

5. संकाय ने समकालीन शहरी मुद्दों पर कई सेमिनारों/कार्यशालाओं और टीवी चर्चाओं में भाग लिया।

अनुलग्नक एफ.10

वर्ष 2024-25 के दौरान संकाय सदस्यों/वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को दिए जाने वाले मानदेय और वेतन का विवरण

क्र.सं.	नाम	वेतन	मानदेय	कुल (रु.)
1.	श्री एस.एन. त्रिपाठी	2886750	0	2886750
2.	श्री अमिताभ रंजन	3577692	0	3577692
3.	प्रो. सुरेश मिश्रा	1790323	0	1790323
4.	प्रो. के.के. पांडे	1800000	48580	1848580
5.	प्रो. वी.के. शर्मा	1800000	142676	1942676
6.	प्रो. वी.एन. आलोक	3753312	0	3753312
7.	प्रो. चारू मल्होत्रा	3350256	0	3350256
8.	डॉ. सचिन चौधरी	3978678	48580	4027258
9.	डॉ. कुसुम लता	3625328	0	3625328
10.	प्रो. नीतू जैन	4246151	0	4246151
11.	डॉ. रोमा देबनाथ	3754144	0	3754144
12.	डॉ. सपना चड्डा	3077172	66467	3143639
13.	डॉ. ममता पठानिया	2361484	0	2361484
14.	डॉ. गदाधर महापात्र	2271252	47700	2318952
15.	डॉ. पवन कुमार तनेजा	2145236	0	2145236
16.	डॉ. मनन द्विवेदी	2361484	0	2361484
17.	डॉ. साकेत बिहारी	3811519	588740	4400259
18.	प्रो. नूपुर तिवारी	3956174	0	3956174
19.	डॉ. श्यामली सिंह	2269054	142676	2411730
20.	डॉ. सुरभि पांडे	1589262	0	1589262
21.	डॉ. अमित कुमार सिंह	1138548	48580	1187128
22.	प्रो. अशोक कुमार विशनदास	1790000	70157	1860157
23.	डॉ. श्वेता मित्तल	919000	0	919000
24.	श्री मिथुन बरुआ	2364466	0	2364466
25.	श्री ओ.पी. चावला	800000	0	800000
26.	श्री के.एस. रंगा	722678	0	722678
	कुल	**66139963**	**1204156**	**67344119**

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के सदस्यों के लिए

विशेषज्ञ राय

हमने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2025 तक की तुलन-पत्र (बैलेंस शीट), समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का विवरण, प्राप्तियां और भुगतान, महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के सारांश सहित शामिल हैं।

हमारी राय में, और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, हमारी रिपोर्ट के विशेषज्ञ राय के आधार अनुभाग में वर्णित मामले के प्रभावों को छोड़कर, उपर्युक्तों वित्तीय विवरण यह जानकारी देते हैं कि साथ में दिए गए वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2025 तक संस्थान की वित्तीय स्थिति का सही और निष्पक्ष विवरण प्रस्तुत करते हैं, और उस वर्ष के लिए आय और व्यय एवं प्राप्ति और भुगतान का विवरण भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानकों के अनुसार प्रस्तुत किए गए हैं।

विशेषज्ञ राय का आधार

हमने आईसीएआई द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारी जिम्मेदारियों का विवरण हमारी रिपोर्ट के ''वित्तीय विवरण खंड की लेखापरीक्षा हेतु लेखापरीक्षक की जिम्मेदारियों में दिया गया है। आईसीएआई द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार हम संस्था से स्वतंत्र हैं और हमने आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियाँ भी पूरी की हैं। हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य हमारी राय के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

हम रिपोर्ट करते हैं कि ,

क) लेखांकन आधार और लेनदेन का अभिलेखन

अनुसूची 14 - महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ, बिंदु संख्या 2 ''लेखा पद्धति'' के अनुसार, संस्था ने खुलासा किया है कि उसकी लेखा पुस्तकें उपार्जन आधार पर तैयार की जाती हैं। हालाँकि, हमने पाया है कि लेखा पुस्तकें केवल उपार्जन आधार पर नहीं बनाई जा रही हैं; व्यय और/या आय को उनके उपार्जित होने के बजाय नकद/प्राप्ति के आधार पर दर्ज किया जाता है। प्रबंधन द्वारा उचित कार्रवाई की जानी आवश्यक है।

ख) किराया आय पर कर निर्धारण और दस्तावेजीकरण

वर्ष के दौरान, सोसाएटी को 7.45 करोड़ रुपये की किराये की आय अर्जित हुई है। प्रबंधन ने सूचित किया है कि, पेशेवर परामर्श के आधार पर, किराये की आय के लिए एक अलग न्यास (ट्रस्ट) पंजीकृत करने का निर्णय लिया गया है, और ऐसे न्यास (ट्रस्ट) के पंजीकरण की प्रक्रिया वर्तमान में प्रगति पर है।

ग) टीडीएस और संबंधित अंतर

टीडीएस प्राप्य: फार्म 26AS में दर्शाए गए टीडीएस क्रेडिट का लेखा-जोखा पुस्तकों में टीडीएस प्राप्य खाता बही के साथ मिलान करने पर, यह पाया गया कि लगभग 75,113/- की राशि का टीडीएस प्राप्य कम दर्ज किया गया है।

देय टीडीएस:

1. यह पाया गया कि संस्था ने आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के तहत आवश्यक स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) काटे बिना वर्ष के दौरान कुछ भुगतान किए। ऐसे भुगतानों पर लागू टीडीएस धनराशि 1,10,355/- है। हालाँकि, संबंधित टीडीएस देयता का भुगतान दिनांक 25-09-2025 को चलान भुगतान के माध्यम से कर दिया गया है।

2. यह पाया गया कि लेखा-बही के अनुसार काटे गए टीडीएस की धनराशि और टीडीएस रिटर्न में दर्ज/जमा की गई धनराशि में अंतर है। अंतर का विवरण निम्नलिखित है:

धारा	भुगतान की प्रकृति	बही खातों के अनुसार टीडीएस	रिटर्न के अनुसार टीडीएस	कम जमा
194सी	अनुबंध भुगतान	30,28,598	29,93,191	**35,407**
192बी	वेतन	2,26,46,887	2,26,27,977	**18,910**
194जे	पेशेवरशुल्क	8,39,216	7,81,617	**57,599**
			कुल	**1,11,916**

घ) स्थायी परिसंपत्ति सत्यापन और रजिस्टर

प्राप्त अनुदान/स्वामित्व अंशदान से अर्जित परिसंपत्तियों के स्थायी परिसंपत्ति रजिस्टर को अद्यतन करने की आवश्यकता है। चालू वर्ष में प्रबंधन द्वारा परिसंपत्तियों का कोई प्रत्यक्ष सत्यापन नहीं किया गया। इसके अभाव में, यदि कोई विसंगतियां हैं, तो हम उन पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं। प्रबंधन द्वारा सूचित किया गया है कि प्रत्यशक्ष सत्यापन वर्तमान में प्रक्रियाधीन है।

ऋ) जीएसटी और कर देयता अंतर

यह पाया गया कि लेखा-बही की तुलना में कर देयता/क्रेडिट में लगभग 1.71 लाख रुपये का अंतर है। इस अंतर का मुख्य कारण यह है कि लेखा-बही नकद आधार पर रखी जाती है, जबकि जीएसटी रिटर्न उपार्जन/लेनदेन आधार पर दाखिल किया जाता है। जीएसटी देयता निम्नलिखित है : -

विवरण	सीजीएसटी	एसजीएसटी
जीएसटी रिटर्न के अनुसार	1,69,85,873	1,69,85,873
बही खातों के अनुसार	1,70,71,811	1,70,71,811
बही खातों में अतिरिक्त देयता	85,938	85,938

च) वसूली योग्य और प्रावधान

1. एनआईडीएम से किराए के रूप में 2.17 करोड़ रुपये की धनराशि लंबे समय से वसूल की जानी है। इसे जल्द से जल्द वसूलने के प्रयास किए जाने चाहिए। प्रबंधन द्वारा वसूली में संदेह के लिए कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है।

2. निम्नलिखित कार्यक्रमों के अंतर्गत 230.30 लाख रुपये की वसूली योग्य अनुदान राशि का आरंभिक शेष दर्शाया गया है। ये शेष धनराशि दो वर्षों से अधिक समय से बकाया है, हालाँकि इन पर व्यय पहले ही हो चुका है।

क्र. सं.	अनुदान / कार्यक्रम संबंधित है	मामलों की संख्या	प्राप्य अनुदान (लाख रुपए में)
1	परामर्श कार्य	5	4.61
2	अन्य कार्यक्रम	2	15.43
3	अन्य शोधा परियोजनाएँ	33	73.88
4	उपभोक्ता मामलों का केंद्र	1	136.38
		कुल	230.30

3. चालू परिसंपत्तियों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों से संबंधित 204.35 लाख रुपये की प्राप्य धनराशि शामिल है, जो दो वर्षों से अधिक समय से बकाया है। प्रबंधन को इसे शीघ्रातिशीघ्र वसूलने के लिए ठोस प्रयास करने चाहिए।

आयु वर्ग	धनराशि (लाख में)	अंतिम लेनदेन की तिथि
8 वर्ष से अधिक आयु (अर्थात 2016-17 तक)	32.65	
6 वर्ष से अधिक आयु (अर्थात 2018-19 तक)	28.41	
5 वर्ष से अधिक पुराना (अर्थात 2020-21 के लिए)	2.66	31-मार्च-21
3 वर्ष से अधिक पुराना (अर्थात 2021-22 के लिए)	15.40	31-मार्च-22
2 वर्ष से अधिक पुराना (अर्थात 2022-23 के लिए)	4.70	25-नवंबर-22
प्रशिक्षण शुल्क प्राप्य (अर्थात 2022-23 के लिए)	120.53	
कुल योग	**204.35**	

छ. बैंक ऋण / वर्गीकरण

1. यूको बैंक में प्राप्त 263.53 लाख रुपये के कुल ऋण को वित्तीय पुस्तकों में चालू देयताओं के अंतर्गत अन्य देयताओं के रूप में दर्शाया गया है, लेकिन बैंक द्वारा दिए गए ऋण की प्रकृति के अभाव के कारण इसे किसी भी शीर्ष के अंतर्गत वर्गीकृत नहीं किया गया है।

ज. अनुबंध, चालान और संविदात्मक अनुपालन

1. राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान (एनटीआरआई) आईआईपीए और एनटीआरआई के बीच हुए किराया अनुबंध के अनुसार किराया नहीं दे रहा है। इसके अतिरिक्त, किराया अनुबंध की अवधि समाप्त हो चुकी है और उसे नवीनीकृत करने की आवश्यकता है। प्रबंधन की ओर से जल्द से जल्द उचित कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि सहमत शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित हो सके और नवीनीकृत व्यवस्था को औपचारिक रूप दिया जा सके।
2. प्रकाशक से प्राप्त रॉयल्टी आय अब उपार्जन आधार पर दर्ज की जा रही है; तथापि, ऐसी रॉयल्टी आय के लिए चालान आईआईपीए द्वारा जारी नहीं किए जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप वैधानिक आवश्यकताओं का अनुपालन नहीं हो पा रहा है तथा प्राप्तियों का दस्तावेजीकरण अपर्याप्त हो रहा है।

i) **विविध बिंदु**

1. वर्तमान परिसंपत्तियों में ''मेसर्स ट्रैविओनस्पायर ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड'' से 46.61 लाख रुपये की प्राप्य/धनराशि शामिल है। यह धनराशि 45वीं एपीपीपीए विदेश यात्रा के कारण भुगतान की गई थी, जो कोविड-19 महामारी के कारण रद्द हो गई थी। इसकी जाँच और समायोजन किया जाना आवश्यक है।
2. वर्ष के दौरान, आईआईपीए ने आईआईपीए आरक्षित निधि और अनुसंधान उद्दिष्ट निधि में क्रमशः 1.01 करोड़ रुपये और 11.22 लाख रुपये अंतरित किए हैं, जिनका उपयोग अगले पांच वर्षों में केवल उन उद्देश्यों के लिए किया जाएगा जिनके लिए इस आईआईपीए की स्थापना की गई है।

मामलों पर जोर

हम वित्तीय विवरणों में निम्नलिखित मामलों का वर्णन करने वाले प्रासंगिक प्रकटीकरणों की ओर आपका ध्यान आकर्षित करते हैं। निम्नलिखित मामलों के संबंध में हमारी राय में कोई संशोधन नहीं किया गया है।

i) लेखा पुस्तकों के बिंदु (ii) का संदर्भ लें, वित्तीय विवरणों में दर्शाए गए बैंक बैलेंस धनराशि संबंधित बैंक विवरणों के साथ मिलान और पुष्टि के अधीन रहती है।

सिफारिशों

क) उचित कार्रवाई करने के लिए अप्रभावित शेष धनराशि की यथाशीघ्र समीक्षा की जानी चाहिए।

ख) सटीकता और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, खाता बही में दावा किए गए जीएसटी इनपुट क्रेडिट का समय-समय पर जीएसटी पोर्टल पर उपलब्ध इनपुट क्रेडिट के साथ मिलान किया जाना चाहिए। इसके अलावा, ब्याज, दंड या इनपुट क्रेडिट की हानि से बचने के लिए जीएसटी देनदारियों का शीघ्र और निर्धारित समय-सीमा के भीतर भुगतान किया जाना चाहिए।

ग) आयकर कार्यालय से कर की पर्याप्त धनराशि वसूली योग्य है। हमारा सुझाव है कि टीडीएस की कम दर के लिए आयकर विभाग से अनुमोदन प्राप्त किया जाना चाहिए।

घ) सभी खातों के लिए वर्ष के अंत में बैंक बैलेंस की पुष्टि और निवेश प्रमाणपत्र प्राप्त किए जाने चाहिए। यह आवश्यक है कि इन बैलेंस का लेखा-बही के साथ मिलान किया जाए, और पहचाने गए किसी भी अंतर की जाँच की जाए और उचित सुधारात्मक कार्रवाई की जाए।

ङ) जीएफआर नियमों का उचित रूप से पालन किया जाना चाहिए, जैसे कि स्थायी परिसंपत्ति रजिस्टर।

च) प्रकाशकों से रॉयल्टी की आय के लिए, ऐसी आय पर नजर रखने के लिए गणना आईआईपीए द्वारा की जानी चाहिए, इसके लिए जीएसटी शुल्क के साथ चालान भी बनाया जाना चाहिए, और प्रत्येक तिमाही के अंत में इसके लिए समाधान किया जाना चाहिए।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के प्रभारी व्यक्तियों की जिम्मेदारियाँ

इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए प्रबंधान जिम्मेदार है जो भारत में आमतौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार इकाई की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नकदी प्रवाह का सही और निष्पक्ष विवरण प्रस्तुत करते हैं। इस जिम्मेदारी में वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति से संबंधित आंतरिक नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो सही और निष्पक्ष विवरण प्रस्तुत करते हैं और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाली किसी भी प्रकार की गलत जानकारी से मुक्त होते हैं।

वित्तीय विवरण तैयार करते समय, प्रबंधन इकाई की चालू व्यवसाय के रूप में जारी रहने की क्षमता का आकलन करने, जहां लागू हो, चालू व्यवसाय से संबंधित मामलों का खुलासा करने और लेखांकन के चालू व्यवसाय आधार का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार होता है, जब तक कि प्रबंधन इकाई का परिसमापन करने या संचालन बंद करने का इरादा न रखता हो, या ऐसा करने के अलावा उसके पास कोई वास्तविक विकल्प न हो।

शासन के लिए जिम्मेदार लोग संस्था की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार होते हैं।

वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियाँ

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र वित्तीय विवरण किसी भी प्रकार की महत्वपूर्ण गलतबयानी से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हुई हो, और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है जिसमें हमारी राय शामिल हो। उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार किया गया लेखापरीक्षा हमेशा किसी महत्वपूर्ण गलत विवरण का पता लगाएगा, जब वह मौजूद हो। गलत विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकती है और उन्हें

महत्वपूर्ण माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से, इन वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं द्वारा लिए गए आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उचित रूप से अपेक्षा की जा सकती है।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन हेतु आवश्यक थे।

ii) हमारी राय में, संस्थान द्वारा कानून द्वारा अपेक्षित उचित लेखा-पुस्तकें रखी गई हैं, जैसा कि उन पुस्तकों की हमारी जांच से पता चलता है।

iii) इस रिपोर्ट में प्रस्तुत तुलन-पत्र (बैलेंस शीट) तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाता, लेखा पुस्तकों के अनुरूप हैं।

iv) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त लेखे, लेखा टिप्पणियों (अनुसूची-बी) तथा ऊपर उल्लिखित टिप्पेणियों के साथ मिलकर भारत में सामान्यत: स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं: -

क) तुलन-पत्र (बैलेंस शीट) के मामले में, 31 मार्च, 2025 तक निधि की स्थिति (वित्तीय स्थिति); और

ख) आय और व्यय के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए घाटा (वित्तीय प्रदर्शन)।

ग) 31मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए निधि प्रवाह।

कृते अरोड़ा एंड बंसल
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या: 003368एन
(राजेश अरोड़ा)
भागीदार
एम. नं.: 081884
यूडीआईएन- 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194
स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 29/09/2025

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

31 मार्च, 2025 तक तुलन-पत्र

	अनुसूची		31.03.2025 तक	31.03.2024 तक
			(₹)	(₹)
देयताएं				
परिसंपत्ति निधि	1		458,933,052	377,344,023
संचित अधिशेष/ (घाटा)			(1,424,601,487)	(1,394,741,774)
सदस्यता निधि सहित पूंजीगत निधि	2		267,956,523	241,634,317
अप्रयुक्त अनुदान	3		247,661,225	230,911,724
- सामान्य निधि		246,112,769.00		
- विदेशी कोष		1,548,456.00		
प्रावधान:				
- देयउपदान (ग्रेच्युटी)			78,000,000	75,200,000
- छुट्टी नकदीकरण देय			89,600,000	76,500,000
-पेंशनदेय			1,547,300,000	1,501,300,000
वर्तमान देनदारियां	4		135,224,198	77,499,899
कुल			**1,400,073,511**	**1,185,648,189**
परिसंपत्ति				
स्थायी परिसंपत्ति निधि - अनुदान में से (सकल)	5		458,933,052	377,344,023
स्थायीपरिसंपत्तिनिधि-स्वयंनिधि	5		8,911,246	6,280,949
निवेश	6		435,575,575	364,810,699
अनुदान प्राप्य	3		52,573,137	57,265,237
वर्तमान परिसंपत्ति	7		366,157,640	263,523,013
नकदी और बैंक शेष	7		77,922,861	116,424,268
कुल			**1,400,073,511**	**1,185,648,189**

13

खातों में महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और नोट्स अनुसूची 1 से 13 लेखा का अभिन्न अंग हैं

हमारी सम-तिथि की रिपोर्ट के अनुसार
कृते अरोड़ा एंड बंसल
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन संख्या: 003368एन
(राजेश अरोड़ा)
भागीदार
एम. नं.: 081884
1406-08 विक्रम टावर, 16, राजेंद्रप्लेस, नई दिल्ली- 110060
यूडीआईएन नं. 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194
दिनांक: 29/09/2025
स्थान: नईदिल्ली

कार्यकारी परिषद के लिए

एस.एन. त्रिपाठी
महानिदेशक
(सदस्य सचिव)

नीतू जैन
(सदस्य-कार्यकारी परिषद)

अमिताभ रंजन
कुलसचिव
(मुख्य लेखा अधिकारी)

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

	अनुसूची	वर्ष 2024-25 के लिए (₹)	वर्ष 2023-24 के लिए (₹)
आय			
डीओपीटी से सहायता अनुदान – वेतन		100,000,000	90,000,000
डीओपीटी–जनरल से सहायता अनुदान		55,000,000	95,000,000
सदस्य अंशदान	**8**	1,428,675	1,439,800
प्रकाशनों की बिक्री		1,370,328	848,033
कार्यक्रमों से शुद्ध आय, जिसमें ओवरहेड शुल्क भी शामिल है		9,569,203	8,792,968
प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए शुल्क		184,328,212	148,489,734
अन्य आयः			
– किराये की आय	**10**	42,317,427	37,812,957
– विविध प्राप्तियां	**9**	22,642,127	21,242,783
प्रशिक्षण कार्यक्रम शुल्क प्राप्य		48,519,277	27,187,535
प्राप्य किराया	**10**	32,218,305	28,050,750
पूर्व अवधि की आय		1,447,017	-
कुल		**498,840,571**	**458,864,560**
व्यय			
वेतन और भत्ते	**11**	130,960,882	119,064,702
परिसर रख रखाव	**12**	48,111,708	39,728,254
मरम्मत एवं रखरखाव के अंतर्गत पूंजीगत व्यय	**12**	25,493,188	-
प्रशासनिक और अन्य व्यय	**13**	8,230,352	7,123,231
पुस्तकालय, पत्रिकाएँ औ रबाइंडिंग शुल्क		1,647,924	2,355,185
प्रशिक्षण कार्यक्रम		135,409,299	117,131,164
प्रकाशनों		892,239	732,379
शाखा प्रचार गतिविधियाँ		1,854,415	1,176,225
सीजीएचएस को भुगतान की गई धनराशि		1,444,592	-
मूल्यह्रास	**5**	1,785,287	1,381,765
स्वयं के कोष से पेन्शन व्यय		13,914,752	
पेन्शन	**11**	55,000,000	86,581,000
उपदान	**11**	7,031,941	1,833,852
छुट्टी नकदीकरण	**11**	4,373,895	1,043,734
निवेश पर भुगतान किए गए प्रीमियम का परिशोधान		5,990,600	3,668,174
दरें और कर		377,580	404,380
आईआईपीए आरक्षित निधि		10,098,270	23,297,825
अनुसंधान उद्दिष्ट निधि		1,122,030	1,202,175
पूर्व अवधि/भुगतान किया गया जीएसटी		13,061,330	197,533
दीर्घकालिक सेवानिवृत्ति देयता			
उपदान	**11**	2,800,000	6,442,451
छुट्टी नकदीकरण	**11**	13,100,000	6,100,000
पेन्शन व्यय	**11**	46,000,000	44,400,000
		528,700,284	**463,864,029**
वर्ष के लिए व्यय पर आय की अधिकता		(29,859,713)	(4,999,469)
पिछले वर्ष के व्यय की तुलना में आय की अधिकता		(1,394,741,774)	(1,389,742,305)
तुलन–पत्र (बैलेंसशीट) में आगे ले जाया गया शेष रु		**(1,424,601,487)**	**(1,394,741,774)**
खातों में महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और नोट्स	**13**		

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

	अनूसची	वर्ष 2024-25 (₹)	वर्ष 2023-24 (₹)
प्राप्तियां			
प्रारंभिक शेष :			
नकद और बैंक शेष	**7**	116,424,268	90,678,819
रखरखाव अनुदान एवं आंतरिक प्राप्तियां	**A**	442,237,204	473,866,896
ऋण, अग्रिम एवं अन्य प्राप्तियां	**B**	392,368,139	343,759,298
अनुसंधान परियोजनाओं आदि के लिए अनुदान (सहायता अनुदान पूंजी को छोड़कर)	**3**	184,502,775	233,710,541
कुल		**1,135,532,386**	**1,142,015,554**
भुगतान	**A**	456,297,478	473,567,208
रखरखाव अनुदान और आंतरिक प्राप्तियों के प्रतिं व्यय	**B**	442,148,034	336,230,527
निधि, जमा और अग्रिम से भुगतान	**3**	159,164,013	215,793,551
अनुसंधान परियोजनाओं आदि के लिए अनुदान के प्रति व्यय			
समापन शेष:	**7**	77,922,861	116,424,268
नकद एवं बैंक शेष			
कुल		**1,135,532,386**	**1,142,015,554**

अनुसूची ए से बी रसीद और भुगतान खाते का अभिन्न हिस्सा है-
जांच की गई और सही पाया गया

कृते अरोड़ा एंड बंसल
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन सं.: 003368एन
(राजेशअरोड़ा)
भागीदार
एम. नं.: 081884
1406-08 विक्रम टावर, 16, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110060
यूडीआईएन नं. 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194
दिनांक: 29/09/2025
स्थान: नई दिल्ली

कार्यकारी परिषद के लिए

एस.एन. त्रिपाठी	नीतू जैन	अमिताभ रंजन
महानिदेशक	(सदस्य-कार्यकारी परिषद)	कुलसचिव
(सदस्य सचिव)		(मुख्य लेखा अधिकारी)

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-1

परिसंपत्ति निधि

	31.03.2024 तक शेष धनराशि	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान समायोजन/ उपयोग	31.03.2025 तक शेष धनराशि
	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)
आईआईपीए (कोर)	354,082,284	82,812,380	2,445,605	434,449,059
सीयूएस	4,905,272	203,430	-	5,108,702
एपीपीपीए	13,239,677	246,005	-	13,485,682
सीसीएस	2,043,766	-	-	2,043,766
नमामि गंगे	1,939,665	397,811	-	2,337,476
एनटीआरआई	1,133,359	375,008		1,508,367
कुल	**377,344,023**	**84,034,634**	**2,445,605**	**458,933,052**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-2

पूँजीगत निधि

	31.03.2024 तक शेष धनराशि	ब्याज/ अंशदान	प्रयुक्त धनराशि	31.03.2025 तक शेष धनराशि
	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)
(ए)				
वार्षिक स्कूल पुरस्कार निधि	125,919	7,888	548	133,259
भूपेन्द्र हूजा मेमोरियल निधि	57,431	6,259	407	63,283
परामर्श सहायता निधि	1,915,958	301,999	52,861	2,165,096
आईआईपीए आरक्षित निधि	123,655,219	17,901,180	-	141,556,399
बुनियादी ढांचा निधि	63,177,232	5,352,881	1,415,583	67,114,530
नायदुम्मा मेमोरियल साइंस फाउंडेशन	1,296,476	60,704	3,898	1,353,282
प्रो. एस.सरोजा मेमोरियल फंड	637,693	17	-	637,710
अनुसंधान उद्दिश्ट निधि	19,657,895	3,500,939	341,355	22,817,479
श्रीमती कुसुम ताई शंकर राव चव्हाण स्मारक निधि	181,368	6,718	-	188,086
कर्मचारी कल्याण निधि	641,834	53,274	5,982	689,126
टी.एन. चतुर्वेदी पुरस्कार	106,587	11,674	1,867	116,394
पी.के. उमाशंकर स्मारक निधि	1,287,007	193,930	301,617	1,179,320
यू.सी. अग्रवाल स्मारक निधि	2,616,563	330,000	595,647	2,350,916
उप-योग	**215,357,182**	**27,727,463**	**2,719,765**	**240,364,880**
(बी)				
(सदस्यता पूंजी निधि)				
कॉर्पोरेट सदस्यता पूंजी निधि	4,134,684	377,342	379,409	4,132,617
आजीवन सदस्यता पूंजी निधि	22,142,451	2,504,165	1,187,590	23,459,026
उप-योग	**26,277,135**	**2,881,507**	**1,566,999**	**27,591,643**
कुल	**241,634,317**	**30,608,970**	**4,286,764**	**267,956,523**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-3

अप्रयुक्त अनुदान शेष

	31.03.2024 तक अप्रयुक्त शेष	वर्ष के दौरान प्राप्त	कुल	भुगतान/ समायोजन	वर्ष के हेतु देय	31.03.2025 तक अप्रयुक्त शेष
	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)
(क) सामान्य निधि						
शहरी अध्ययन केंद्र हेतु आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय से अनुदान (250/- रुपये की विविध प्राप्ति विविध प्राप्तियां और 121621/- रुपये के ब्याज सहित) (अनुलग्नक-2 देखें)	302,677	29,921,871	30,224,548	27,610,746	2,189,254	424,548
एपीपीपीए	101,496,336	15,374,320	116,870,656	4,885,213	-	111,985,443
उपभोक्ता अध्ययन केंद्र	2,122,124	-	2,122,124	-	-	2,122,124
सीसीएस चरण-II (प्रकाशन सहित)	(13,638,727)	-	(13,638,727)	-	-	(13,638,727)
उपभोक्ता अध्ययन केंद्र (योजना)	1,167,393	-	1,167,393	-	-	1,167,393
राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन	66,593	-	66,593	-	-	66,593
आईसीजीआरएस-एनसीएच	(12,950,550)	14,983,561	2,033,011	-	-	2,033,011
अनुदान सहायता पूंजी	-	55,000,000	55,000,000	55,000,000	-	-
जनजातीय अनुसंधान एवं अन्वेषण केंद्र (सीओटीआरईएक्स)	2,633,942	-	2,633,942	-	-	2,633,942
राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान (एनटीआरआई)	2,400,695	245,908	2,646,603	9,957,485	37,677	(7,348,559)
एपीपीपीए के विदेश/ क्षेत्रीय दौरों के लिए अन्य अनुदान	39,522,720	4,600,000	44,122,720	4,468,963	-	39,653,757
अन्य कार्यक्रम	(1,118,543)	10,704,497	9,585,955	5,632,516	346,583	3,606,856

	फैलोशिप के लिए आईसीएसएसआर से अनुदान	119,807	-	119,807	-	-	119,807
	अन्य अनुसंधान परियोजनाएँ	49,640,351	53,530,617	103,170,968	51,609,090	1,323,651	50,238,230
	अनुसंधान-। परियोजनाएं	475,214	-	475,214	-	-	475,214
	कुल क :	**172,240,032**	**184,360,774**	**356,600,806**	**159,164,013**	**3,897,165**	**193,539,632**
	जोड़ें : डेबिट बैलेंस अर्थात प्राप्य अनुदानः	57,265,237	-	-	-	-	52,573,137
	31.03.2023 तक अप्रयुक्त अनुदान शेष :	**229,505,269**	**184,360,774**	**356,600,806**	**159,164,013**	**3,897,165**	**246,112,769**
(ख)	**ब्याज सहित विदेशी अनुदान**	1,406,455	142,001	1,548,456	-	-	1,548,456
	कुल योग क+ख	**230,911,724**	**184,502,775**	**358,149,262**	**159,164,013**	**3,897,165**	**247,661,225**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-4

वर्तमान देनदारियाँ	**31.03.2025 तक**	**31.03.2024 तक**
	(₹)	(₹)
कैंटीन ठेकेदार/मेस प्रभार	802,162	39,046
सहायक कर्मचारी और संकाय को देय धनराशि	154,789	116,251
विविध लेनदार	1,855,177	2,230,583
अन्य देनताएं:		
एल एंड डीओ और परिसर रखरखाव के लिए देय	21,965,077	15,781,092
परियोजनाओं से संबंधित देनदारियाँ	17,763,620	16,358,798
अन्य	44,454,656	19,105,817
अन्य जमा	4,238,678	3,652,685
देय व्यय	30,070,007	15,089,643
शुल्क और कर (सेवा कर/जीएसटी/टीडीएस)	13,920,032	5,125,984
कुल	**135,224,198**	**77,499,899**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-5
स्थायी परिसंपत्तियाँ

	31.3.2024 को लागत	परिवर्धन	बिक्री/ समायोजन घटाएँ	मूल्यह्रास	31.3.2025 को लागत
	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)
क) अनुदान से खरीदी गई स्थायी परिसंपत्तियां					
भूमि एवं भवन	66,394,703	28,301,864	-	-	94,696,567
पूंजीगत कार्य प्रगति पर	125,400,000	41,000,000			166,400,000
फर्नीचर, फिक्सचर	32,915,853	3,629,007	1,009,783	-	35,535,077
ए.सी. उपकरण और वाटर कूलर	10,521,777	1,214,535	828,175	-	10,908,137
फिल्म प्रोजेक्टर और स्टेज उपकरण	4,945,394	-		-	4,945,394
डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	22,137,880	3,557,538	563,590	-	25,131,828
छात्रावास और मैस उपकरण	2,493,671	957,717		-	3,451,388
कार्यालय उपकरण	25,789,109	586,980	44,057	-	26,332,032
डीजी सेट	9,212,835			-	9,212,835
आंतरिक संचार (कम्यूनिकेशन)	1,975,935			-	1,975,935
पुस्तकालय उपकरण	2,685,529			-	2,685,529
पुस्तकालय पुस्तक (कोर)	22,879,286	-		-	22,879,286
सौर सिस्टम	3,135,520			-	3,135,520
डिजटलीकरण (ऑडियो और वीडियो)	23,594,792	3,564,739		-	27,159,531
उप कुल	354,082,284	82,812,380	2,445,605	-	434,449,059
सी.यू.एस.-फर्नीचर, फिक्सचर और कार्यालय उपकरण	3,281,769	203,430	-	-	3,485,199
सी.यू.एस.- लाइब्रेरी पुस्तकें	1,623,503	-	-	-	1,623,503
उप कुल	**4,905,272**	**203,430**	**-**	**-**	**5,108,702**
ए.पी.पी.पी.ए.- लाइब्रेरी पुस्तकें	4,307,273	27,106	-	-	4,334,379
ए.पी.पी.पी.ए.- फर्नीचर, फिक्सचर और कार्यालय उपकरण	8,932,404	218,899		-	9,151,303
उप कुल	**13,239,677**	**246,005**	**-**	**-**	**13,485,682**
सी.सी.एस.- फर्नीचर, फिक्सचर और कार्यालय उपकरण	1,744,265	-	-	-	1,744,265
सी.सी.एस.- लाइब्रेरी पुस्तकें	299,501	-	-	-	299,501
उप कुल	**2,043,766**	**-**	**-**	**-**	**2,043,766**
नमामि गंगे-बुनियादी ढांचा/कार्यालय उपकरण	1,939,665	397,811	-	-	2,337,476
एन.टी.आर.आई. बुनियादी ढांचा	1,133,359	375,008	-	-	1,508,367
उप कुल	**3,073,024**	**772,819**	**-**	**-**	**3,845,843**
उप कुल योग	**377,344,023**	**84,034,634**	**2,445,605**	**-**	**458,933,052**

	31.3.2024 को लागत	परिवर्धन	बिक्री/ समायोजन घटाएँ	मूल्यह्रास	31.3.2025 को लागत
	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)
(ख) स्थायी परिसंपत्तियां –स्वयं की निधि					
फर्नीचर, फिक्सचर, ए.सी. उपकरण आदि	809,291	-	-	80,929	728,362
डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	1,102,566	1,373,003	-	667,102	1,808,467
कार्यालय उपकरण	3,289,606	2,942,560	61,955	890,662	5,279,549
वाहन	977,292	-	-	146,594	830,698
पुस्तकालय हेतु पुस्तकें	102,194	161,976	-	-	264,170
कुल	**6,280,949**	**4,477,539**	**61,955**	**1,785,287**	**8,911,246**
कुल योग क+ख	**383,624,972**	**88,512,173**	**2,507,560**	**1,785,287**	**467,844,298**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-6
निवेश

	31.03.2024 को शेष (बैलेंस)	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान नकदीकरण	31.03.2025 को शेष (बैलेंस)
	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)
वार्षिक स्कूल पुरस्कार निधि	108,224	39,337	36,336	111,225
भूपेंद्र हूजा स्मारक निधि	46,099	49,169	46,099	49,169
परामर्श सहायता निधि	1,881,220	1,791,357	1,671,540	2,001,037
कार्पोरेट सदस्यता पूंजी निधि	3,907,368	782,150	1,451,535	3,237,983
बुनियादी ढांचा विकास निधि	58,663,438	43,128,377	39,737,575	62,054,240
जीवन पूंजी सदस्यता निधि	17,646,518	189,609	1,978,634	15,857,493
नायुदुम्मा मेमोरियल साइंस फाउंडेशन	823,243	69,171	62,627	829,787
प्रो. एस. सरोजा स्मारक निधि	500,000	-	-	500,000
अनुसंधान अक्षय निधि	22,256,968	2,316,078	2,190,188	22,382,858
श्रीमती कुसुम ताई चव्हाण स्मारक निधि	141,046	-	-	141,046
कर्मचारी कल्याण निधि	471,329	238,895	224,594	485,630
टी.एन. चतुर्वेदी पुरस्कार निधि	99,419	28,835	26,968	101,286
पी.के. उमाशंकर मेमोरियल निधि	1,120,129	1,135,559	1,120,129	1,135,559
यू.सी. अग्रवाल स्मारक निधि	2,289,010	2,000,000	2,000,000	2,289,010
यू.सी.ओ. के साथ एफ.डी.आर.	148,098,863	207,641,427	148,098,863	207,641,427
आई.आई.पी.ए. आरक्षित निधि निवेश	106,757,825	10,000,000	-	116,757,825
कुल	**364,810,699**	**269,409,964**	**198,645,088**	**435,575,575**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-7

वर्तमान संपत्तियां, ऋण और अग्रिम

	31.03.2025 को (Rs.)	31.03.2024 को (Rs.)
विविध देनदार		
आयोजित टीपी से प्राप्य धनराशि	82,783,438	47,622,071
अनुसंधान/प्रशिक्षण के लिए ई.एम.डी.	12,203,800	11,204,800
उप कुल	**94,987,238**	**58,826,871**
अन्य परिसंपत्तियां		
टीडीएस/टीसीएस प्राप्य	49,715,006	32,400,768
जीएसटी/जीएसटी प्राप्य पर टीडीएस	11,427,705	11,260,610
कर्मचारियों/विक्रेताओं को ऋण और अग्रिम	43,600,055	20,621,405
जमा (बीएसईएस, डीडीए आदि के साथ) और अन्य प्राप्य	1,794,249	1,794,249
एनआईडीएम से प्राप्य किराया (20:)	21,737,800	21,737,800
एफ.डी./बॉन्ड पर अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	5,506,876	1,045,975
अग्रिम कर	9,301,187	9,301,187
पूर्वदात बीमा	128,861	91,923
पूर्व भुगतान व्यय/निवेश पर पूर्व भुगतान	7,761,862	13,556,969
प्राप्य धनराशि		
सी.पी. निधि	2,785,000	2,785,000
परिसर पर रखरखाव आदि सहित किराया प्राप्य	94,154,840	73,929,430
प्रशिक्षण कार्यक्रम/ किराए से प्राप्य जी.एस.टी.	17,722,413	11,454,689
अन्य	5,534,548	4,716,137
उप कुल	**271,170,402**	**204,696,142**
नकद और बैंक शेष (प्रबंधन द्वारा प्रमाणित)		
रोकड़ शेष (कैश इन हैंड)	-	-
अग्रदाय राजस्व स्टाम्प	200	200
उप कुल	**200**	**200**
अनुसूचित बैंकों में शेष धनराशि		
यूको बैंक के चालू खातों में	545,259	4,560,056
यूको बैंक बचत खाता	57,000,793	91,066,645
भारतीय स्टेट बैंक	262,547	262,547
यूको बैंक-एफसीआरए-बचत खाता	1,548,456	1,406,455
यूको बैंक पीएफएमएस खाता	1,385,727	1,086,061
यूको बैंक परियोजना खाता	1,683,608	1,627,012
यूको बैंक- उपभोक्ता पीएफएमएस खाता	3,556,349	3,437,408
यूको बैंक- सीयूएस पीएफएमएस खाता	569,622	448,001
यूको बैंक - एनटीआरआई पीएफएमएस खाता	8,402,803	9,656,894
यूको बैंक - केआरसी पीएफएमएस खाता	2,952,257	2,870,289
यूको बैंक - सीएनए होल्डिंग खाता	15,240	2,700
उप कुल	**77,922,661**	**116,424,068**
कुल	**77,922,861**	**116,424,268**
कुल योग	**444,080,501**	**379,947,281**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-8

सदस्यता शुल्क/सदस्यता निधि पर ब्याज

	31.03.2025 को (₹)	31.03.2024 को (₹)
एसयूबीएस.-एसोसिएट	17,500	20,500
एसयूबीएस.-कॉर्पोरेट	-	70,100
एसयूबीएस.-छात्र सदस्यता	2,000	9,000
एसयूबीएस.-साधारण	17,500	23,500
ब्याज पर:		
कॉर्पोरेट सदस्यता पूंजी निधि	292,819	178,700
आजीवन सदस्यता पूंजी निधि	1,098,856	1,138,000
कुल	**1,428,675**	**1,439,800**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-9

	31.03.2025 को (₹)	31.03.2024 को (₹)
विविध प्राप्तियाँ		
ब्याज पर :		
- अल्पकालिक जमा	15,730,356	16,073,074
अन्य प्राप्तियां	887,484	875,367
सेवा शुल्क	5,481,187	3,758,792
सदस्यता फॉर्म की बिक्री	500	1,300
सीजीएचएस वसूलियां	542,600	534,250
कुल	**22,642,127**	**21,242,783**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-10

किराये की आय

	31.03.2025 को (₹)	31.03.2024 को (₹)
छात्रावास से किराया	3,101,625	3,505,287
आवासीय क्वार्टरों से लाइसेंस शुल्क	411,766	309,534
प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर लिया जाने वाला छात्रावास शुल्क	18,985,466	11,980,159
एनटीआरआई (एमओटीए) से किराया	48,087,000	48,087,000
आईएमए से किराया	3,091,131	-
यूको बैंक से किराया	384,732	384,732
अन्य किराया	474,012	1,596,995
कुल	**74,535,732**	**65,863,707**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-11

	31.03.2025 को	31.03.2024 को
	(₹)	(₹)
क) वेतन और भत्ते - कोर		
लेखा एवं पेन्शन प्रकोष्ठ	9,576,901	8,269,654
प्रशासन	20,864,078	19,126,861
कंप्यूटर केंद्र	1,340,431	1,197,575
संकाय और संबद्ध कर्मचारी	42,202,713	37,744,569
छात्रावास	889,538	821,670
पुस्तकालय	15,583,083	15,173,294
रखरखाव	12,653,461	12,238,147
सदस्यता	4,214,264	4,038,529
शैक्षणिक गतिविधियों का कार्यालय	16,679,743	13,898,418
प्रकाशनों	6,956,670	6,555,985
कुल (क)	**130,960,882**	**119,064,702**
ख) सेवानिवृत्ति लाभ		
छुटी नकदीकरण	17,473,895	7,143,734
ग्रैच्युटी	9,831,941	8,276,303
पेंशन का प्रावधान	101,000,000	130,981,000
कुल (ख)	**128,305,836**	**146,401,037**
कुल (क+ख)	**259,266,718**	**265,465,739**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-12

कैम्पस रखरखाव

	31.03.2025 को (₹)	31.03.2024 को (₹)
मरम्मत एवं रखरखाव	12,101,837	5,219,389
रख रखाव के अंतर्गत पूंजीगत व्यय	25,493,188	-
छात्रावास सामान्य रखरखाव	3,456,069	3,289,920
किराया, दरें और कर	1,910,997	1,876,499
पानी और बिजली शुल्क	8,704,075	9,609,153
सुरक्षा व्यवस्था	7,022,121	6,255,485
गृह प्रबंधन प्रभार (हाउसकीपिंग शुल्क)		
छात्रावास	5,401,091	5,007,281
मुख्य भवन	9,515,518	8,470,527
कुल	**73,604,896**	**39,728,254**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-13

प्रशासनिक और विविध व्यय

	31.03.2025 को (₹)	31.03.2024 को (₹)
यात्रा खर्च		
1. संकाय/संस्थान और कर्मचारियों के लिए	66,372	212,689
2. ई.सी. और उसकी समितियों की बैठक के लिए	286,064	274,502
3. शाखा पदाधिकारियों और अन्य लोगों के लिए	56,315	115,129
कर्मचारियों के लिए सुविधाएं	132,646	238,966
बैंक प्रभार	35,540	10,259
निबंध/केस स्टडी पुरस्कार	55,343	48,579
एजीएम के लिए व्यय	436,905	466,072
सम्मेलन के लिए व्यय	211,700	157,369
लेखापरीक्षकों को शुल्क	150,000	130,000
विशेषज्ञों को मानदेय	102,900	121,500
मेस कैंटीन के लिए आईजीएल गैस	242,131	311,154
कानूनी खर्च	52,800	99,400
स्थानीय व्यय	142,115	162,531
बैठक संबंधी व्यय	56,423	124,229
वार्षिक रिपोर्ट	210,435	210,435
पेशेवर शुल्क	457,700	162,000
हिंदी दिवस	31,986	31,986
बीमा शुल्क	252,342	171,023
संस्थापक (फाउंडेशन) दिवस (स्मरणोत्सव 29 मार्च)	181,526	62,473
विविध व्यय	1,384,770	1,471,344
मोटर कार खर्च	459,139	460,404
डाक एवं टेलीग्राम	205,974	123,869
डिजिटल सामग्री तैयार करना	589,280	793,008
मुद्रण और लेखन सामग्री (स्टेशनरी)	564,144	329,439
मरम्मत, रखरखाव, फोटोकॉपी मशीन/एएमसी	804,140	563,698
टेलीफोन खर्च	1,061,662	271,173
कुल	**8,230,352**	**7,123,231**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची क

भारत सरकार से प्राप्त अनुदान और आंतरिक प्राप्तियों का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

	वर्ष 2024-25 के लिए	वर्ष 2023-24 के लिए
	(₹)	(₹)
प्राप्तियां:		
डीओपीटी से अनुदान सहायता- वेतन	100,000,000	90,000,000
डीओपीटी- सामान्य से सहायता अनुदान	55,000,000	95,000,000
डीओपीटी- कैपिटल से सहायता अनुदान	55,000,000	95,000,000
सदस्यता	1,428,675	1,439,800
प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए शुल्क	184,328,212	148,489,734
ओवरहेड शुल्क सहित अनुसंधान कार्यों से शुद्ध आय	9,569,203	8,792,968
उपयोगकर्ता शुल्क	23,331,961	17,776,707
प्रकाशनों की बिक्री	686,314	848,033
विविध प्राप्तियां	12,892,839	16,519,654
कुल	**442,237,204**	**473,866,896**
भुगतान:		
वेतन एवं भत्ते	140,831,431	121,150,122
पेन्शन	68,914,752	86,581,000
पूंजीगत व्यय आईआईपीए भवन आदि	80,493,188	95,000,000
प्रशिक्षण कार्यक्रम	99,777,174	117,131,164
प्रकाशनं	892,239	732,379
पुस्तकालय की पुस्तकें, पत्रिकाएं, जिल्दसाजी और उपकरण शुल्क	1,647,924	2,355,185
शाखा प्रचार गतिविधियाँ	1,854,415	1,176,225
परिसर रखरखाव	46,989,811	39,421,787
प्रशासनिक एवं विविध व्यय	8,128,125	7,537,652
स्वयं-कोष से खरीदी गई परिसंपत्तियाँ	4,315,563	1,879,778
सीजीएचएस को भुगतान की गई राशि	1,444,592	-
जीएसटी/प्रीमियम व्यय/पूर्व अवधि	1,008,264	601,916
कुल	**456,297,478**	**473,567,208**
वर्ष के दौरान भुगतान की तुलना में प्राप्तियों की अधिकता	(14,060,274)	299,688
पिछले वर्ष के भुगतानों की तुलना में प्राप्तियों की अधिकता	(424,356)	724,044)
भुगतानों की तुलना में प्राप्तियों की कुल अधिकता	**(14,484,630)**	**(424,356)**

उपयोगिता प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेन्शन मंत्रालय, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली से वर्ष 2024-25 के दौरान 21,00,00,000/- की वेतन/सामान्य/पूंजीगत अनुदान सहायता प्राप्त हुई थी, जिसका वर्ष के दौरान पूर्ण उपयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने वर्ष 2024-25 के दौरान 23,22,37,204/- का आंतरिक राजस्व अर्जित किया है और 4,24,356/- की प्राप्ति पर भुगतान की अधिकता को पिछले वर्ष, अर्थात् 2023-24 से आगे ले जाया गया है। जैसा कि प्राप्ति एवं भुगतान खातों की अनुसूची संख्या ए में दर्शाया गया है, 31-3-2025 तक प्राप्ति पर भुगतान की अधिकता शेष 1,40,60.274/- को अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान समायोजन के लिए आगे ले जाया गया है।

कृते अरोड़ा और बंसल
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएनसं.: 003368एन
(राजेशअरोड़ा)
भागीदार
एम. नं.: 081884
1406-08 विक्रमटावर, 16, राजेंद्रप्लेस, नई दिल्ली-110060
युडीआईएन नं. 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194
दिनांक: 29/09/2025
स्थान: नई दिल्ली

कार्यकारी परिषद के लिए

एस.एन. त्रिपाठी	नीतू जैन	अमिताभ रंजन
महानिदेशक	(सदस्य-कार्यकारी	कुलसचिव
(सदस्य सचिव)	परिषद)	(मुख्य लेखा अधिकारी)

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची ख

निधियों, जमाओं और अग्रिमों, किराये की आय की प्राप्ति और भुगतान खाता

	वर्ष 2024-25 के लिए	वर्ष 2023-24 के लिए
	(₹)	(₹)
प्राप्तियां:		
वार्षिक स्कूल पुरस्कार निधि	5,925	9,787
भूपेंद्र हूजा स्मारक निधि	3,070	5,135
परामर्श सहायता निधि	163,012	166,970
आई.आई.पी.ए. आरक्षित निधि	7,802,910	8,082,199
बुनियादी ढांचा विकास निधि	4,194,435	6,993,380
न्यादुम्मा स्मारक निधि	55,810	61,924
प्रो. एस. सरोजा स्मारक निधि	17	63,006
अनुसंधान उद्दिष्ट निधि	2,135,121	1,665,331
श्रीमती कुसुमताई स्मारक निधि	6,718	7,124
कर्मचारी कल्याण निधि	34,102	39,966
टी.एन. चतुर्वेदी पुरस्कार निधि	9,748	6,166
पी.के. उमाशंकर स्मारक निधि	193,930	82,500
यू.सी. अग्रवाल स्मारक निधि	330,000	165,000
कार्पोरेट सदस्यता पूंजी निधि	341,606	328,767
आजीवन सदस्यता पूंजी निधि (उप)	2,491,933	2,889,011
किराए से आय- एमओटीए, सीसीपीएयूसीओ आदि	20,036,250	25,045,315
स्टाफ/संकाय से वसूली योग्य अग्रिम	35,879,113	24,423,273
कर्मचाररियों को देय राशि	38,538	29,644
बैंक में सावधि जमा	198,645,088	182,506,792
शुल्क और कर (जीएसटी)	9,696,815	21,698,034
वर्तमान परिसंपत्तियां अन्य	5,488,748	5,335,263
मेस शुल्क	763,116	135,886
अन्य जमा (देयता)	2,211,664	2,999,229
अन्य देनदाताएं	82,851,386	30,927,891
अन्य देनदाताएं (विविध लेनदार)	1,034,157	1,909,828
विविध देनदार	16,507,910	21,125,877
प्राप्य टीडीएस	-	56,000
पेंशन/जीपीएफ/सीपीएफ से प्राप्त राशि	-	7,000,000
जीएसटी/जीएसटी प्राप्य पर टीडीएस	-	-
पूर्व अवधि	1,447,017	-
कुल योग	**392,368,139**	**343,759,298**

	वर्ष 2024-25 के लिए	वर्ष 2023-24 के लिए
	(₹)	(₹)
भुगतान		
वार्षिक स्कूल पुरस्कार निधि	-	-
कार्पोरेट सदस्यता पूंजी निधि	292,819	178,700
आजीवन सदस्यता पूंजी निधि (उप)	1,098,856	1,138,000
आई.आई.पी.ए. आरक्षित निधि	-	1,776,272
बुनियादी ढांचा विकास निधि	644,684	1,253,015
अनुसंधान बंदोबस्ती निधि	322,342	-
कर्मचारी कल्याण निधि	-	6,000
न्यादुम्मा स्मारक निधि	-	-
एस. सरोजा स्मारक निधि	-	25,000
टी.एन. चतुर्वेदी निधि	-	7,000
पी.के. उमाशंकर स्मारक निधि	294,029	88,210
यू.सी. अग्रवाल स्मारक निधि	588,059	165,000
स्टाफ/संकाय से वसूली योग्य अग्रिम	58,777,763	40,225,315
वर्तमान परिसंपत्तियां अन्य	302,085	6,164,031
वर्ष के दौरान देय व्यय	15,121,777	3,101,624
बैंक में सावधि जमा	269,409,964	205,076,985
शुल्क और कर (जीएसटी)	18,301,105	16,522,006
मेस शुल्क	-	292,780
अन्य जमा (देयता)	1,625,672	1,975,792
अन्य देनदाताएं	49,891,930	43,177,791
अन्य देनदारियां (विविध लेनदार)	1,409,563	1,326,513
विविध देनदार	4,149,000	3,560,000
टीडीएस/टीसीएस प्राप्य	17,314,238	8,913,425
जीएसटी/जीएसटी प्राप्य पर टीडीएस	2,599,316	1,205,412
टीडीएस	4,832	51,656
पूर्व अवधि		
कुल योग	**442,148,034**	**336,230,527**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुलग्नक-1

(संदर्भ अनुसूची-3)

अनुसंधान परियोजनाओं की रसीदें एवं भुगतान खाता (देय सहित)
(एफसीआरए अनुदानों को छोड़कर)

	वर्ष 2024-25 के लिए	वर्ष 2023-24 के लिए
	(₹)	(₹)
प्राप्तियां :		
सहायता अनुदान पूंजी	55,000,000	95,000,000
शहरी अध्ययन केंद्र के लिए आवास एवं शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय से प्राप्य अनुदान (प्रकाशनों की बिक्री सहित)	29,921,871	36,060,187
एपीपीपीए विदेशी और क्षेत्रीय का दौरे	4,600,000	5,400,000
अन्य कार्यक्रम	10,704,497	7,176,648
अन्य शोध परियोजना / अध्ययन	53,530,617	64,410,057
आईसीएसएसआर फैलोशिप अनुदान	-	-
एपीपीपीए आई	15,374,320	17,992,680
आईसीजीआरएस -एनसीएच	14,983,561	93,536
राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान (एनटीआरआई)	245,908	7,577,433
कुल	**184,360,774**	**233,710,541**
भुगतान:		
सहायता अनुदान पूंजी	55,000,000	95,000,000
शहरी अध्ययन केंद्र	29,800,000	35,757,795
एपीपीपीए विदेश और क्षेत्रीय दौरे	4,468,963	4,066,421
अन्य कार्यक्रम	5,979,099	9,748,563
उपभोक्ता अध्ययन केंद्र	-	-
अनुसंधान परियोजना / अध्ययन	52,932,741	52,658,423
आईसीएसएसआर फैलोशिप व्यय	-	-
एपीपीपीए आई	4,885,213	4,725,895
आईसीजीआरएस एनसीएच	-	-
कॉट्रेक्स	-	178,000
राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान (एनटीआरआई)	9,995,162	17,222,770
व्यय की तुलना में प्राप्ति की अधिकता	21,299,596	14,352,674
कुल	**184,360,774**	**233,710,541**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुलग्नक-2

(संदर्भ अनुसूची-3)

शहरी अध्ययन केंद्र के लिए आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय से अनुदान का आय-व्यय खाता

	वर्ष 2024-25 के लिए	वर्ष 2023-24 के लिए
	(₹)	(₹)
प्राप्तियां:		
वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	29,800,000	35,870,863
विविध प्राप्तियां	121,871	189,324
कुल	**29,921,871**	**36,060,187**
भुगतान :		
वेतन और भत्ते	25,000,000	26,390,681
आधारभूत संरचना	323,430	476,248
यात्रा व्यय	12,051	181,274
पुस्तकालय हेतु पुस्तकें और पत्रिकाएँ	164,369	625,938
प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	-	900,000
विविध एवं आकस्मिक व्यय	62,638	133,997
मुद्रण और लेखन सामग्री (स्टेशनरी)	83,150	231,001
परिसर रखरखाव	679,000	1,552,888
प्रकाशन का मुद्रण	119,000	234,600
पानी और बिजली	706,105	774,940
अनुसंधान/केस स्टडी	67,085	918,445
ओवरहेड शुल्क	2,583,172	2,963,379
श्रव्य दृश्य (ऑडियो विजुअल) उपकरण और प्रशिक्षण व्यय	-	228,861
ब्याज का भुगतान किया	-	145,543
कुल	**29,800,000**	**35,757,795**
वर्ष के दौरान भुगतान की तुलना में प्राप्तियों की अधिकता	121,871	302,392
पिछले वर्ष के भुगतान की तुलना में प्राप्तियों की अधिकता	302,677	285
कुल	**424,548**	**302,677**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुलग्नक-3

(संदर्भ अनुसूची-3)

एनसीएच के माध्यम से एकीकृत उपभोक्ता अनुदान की प्रणाली हेतु उपभोक्ता कार्य मंत्रालय से प्राप्त अनुदान की प्राप्ति और भुगतान खाता

	वर्ष 2024-25 के लिए	वर्ष 2023-24 के लिए
	(₹)	(₹)
प्राप्तियां :		
वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	14,864,719	-
विविध प्राप्तियां	118,841	93,536
कुल	**14,983,560**	**93,536**
भुगतान :		
एससीएच सहित संचार व्यय	-	-
एससीएच सहित बुनियादी ढांचे का खर्च	-	-
श्रम शक्ति	-	-
विविध व्यय	-	-
एससीएच सहित मुद्रण और लेखन सामग्री (स्टेशनरी)	-	-
कर्मचारी कल्याण	-	-
प्रशिक्षण	-	-
एससीएच सहित यात्रा व्यय	-	-
वेबसाइट व्यय	-	-
संस्थागत शुल्क	-	-
कुल	**-**	**-**
वर्ष के दौरान भुगतान की तुलना में प्राप्तियों की अधिकता	14,983,560	93,536
पिछले वर्ष की प्राप्तियों की तुलना में भुगतान की अधिकता	(12,950,549)	(13,044,085)
कुल	**2,033,011**	**(12,950,549)**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अनुसूची-14

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और नोट्स जो खातों का हिस्सा हैं।

1. पृष्ठभूमि

सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत एक स्वायत्त निकाय के रूप में स्थापित भारतीय लोक प्रशासन संस्थान का 29 मार्च, 1954 को उद्घाटन हुआ था। इस संस्थान की स्थापना का मूल उद्देश्य ऐसी शैक्षणिक गतिविधियाँ संचालित करना था, जिससे सरकार और अन्य लोक सेवा संगठनों में अधिकारियों के नेतृत्व गुणों और प्रबंधकीय क्षमताओं में वृद्धि हो और सिविल सेवाओं की औपनिवेशिक मानसिकता में बदलाव आए।

2. लेखांकन पद्धति

संस्थान का वित्तीय विवरण ''उपार्जन आधार'' पर तैयार किया गया है, जो सामान्यत: स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप है। दिल्ली कार्यालय में हुए लेन-देन के संबंध में वित्तीय विवरण तैयार किए जाते हैं। जब तक अन्यथा न कहा गया हो, वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

क) स्थायी परिसंपत्तियां

- 31मार्च 2012 तक, स्वयं के स्रोतों से अर्जित परिसंपत्तियों को लाभ-हानि खाते में दर्ज किया जाता था और तुलन-पत्र (बैलेंस शीट) में परिसंपत्ति निधि खाते में उनकी प्रविष्टि की जाती थी। हालाँकि, 2012-13 में लेखांकन प्रणाली को नकद से उपार्जित में परिवर्तित करते समय, स्वयं के स्रोतों से अर्जित परिसंपत्तियों को पूंजी मद माना गया और स्थायी परिसंपत्तियों के अंतर्गत पूंजीकृत किया गया। पूंजीकरण की अंतिम तिथि पांच वर्ष मानी गई है, अर्थात 1 अप्रैल 2008 से स्वयं के स्रोतों से अर्जित परिसंपत्तियों का पूंजीकरण किया गया है। भूमि और भवन तथा पुस्तकों का मूल्य 31 मार्च, 2013 तक के वित्तीय अभिलेखों से लिया गया है।
- प्रायोजित परियोजनाओं और कार्यक्रमों के अनुदान प्राप्त निधियों से सृजित परिसंपत्तियों, जहाँ ऐसी परिसंपत्तियों का स्वामित्व संस्थान में निहित है, उसको संस्थान की स्थायी परिसंपत्तियाँ माना जाता है और उनका समतुल्य राशि परिसंपत्ति निधि में जमा की जाती है। हालाँकि, निधियों से अर्जित ऐसी परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास का दावा नहीं किया जाता है।
- स्थायी परिसंपत्तियों को अधिग्रहण की लागत (आवक भाड़ा, शुल्क, कर, तथा अधिग्रहण से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्यय सहित) में से संचित मूल्यह्रास घटाकर दर्शाया जाता है।

ख) अनुदान सहायता

- आवर्ती व्यय के लिए प्राप्त अनुदान सहायता वेतन और सामान्य को प्राप्त होने पर आय के रूप में माना जाता है।
- पूंजीगत व्यय जैसे स्थारयी परिसंपत्तियों के लिए अनुदान सहायता को पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया जाता है।
- निर्दिष्ट कार्य (असाइनमेंट) के लिए सहायता अनुदान का उपयोग उस उद्देश्य के लिए किया जाता है जिसके लिए ऐसे अनुदान प्राप्त हुए हैं और अप्रयुक्त अनुदानों को आगे ले जाकर तुलन-पत्र (बैलेंस शीट)

में देयता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। यदि व्यय प्राप्त अनुदान से अधिक है, तो उसे प्राप्य अनुदान के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

- अनुसंधान परियोजनाओं/कार्यों पर अधिशेष/घाटे का लेखा अनुसंधान परियोजनाओं/कार्यों के पूरा होने पर आय और व्यय खाते में किया जाता है।
- चल रही प्रायोजित परियोजनाओं, अनुसंधान परियोजनाओं और कार्यक्रमों के संबंध में, ऐसी परियोजना का व्यय ऐसी निर्दिष्ट परियोजना में डेबिट किया जाता है। परियोजनाओं से वसूले गए ओवरहेड शुल्क को संस्थान की आय माना जाता है।

ग) प्राप्त आजीवन/कॉर्पोरेट सदस्यता शुल्क को आय नहीं माना जाता है तथा इसके स्थान पर उसे विशिष्ट निधियों अर्थात् आजीवन/कॉर्पोरेट सदस्यता पूंजी निधि में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

घ) आजीवन/कॉर्पोरेट सदस्यता पूंजी निधि के प्रति किए गए निवेश पर प्राप्त ब्याज को संबंधित निधियों में अंतरित कर दिया जाता है और उसे आय नहीं माना जाता है, जबकि सामान्य निधियों पर प्राप्त ब्याज का 50% आय में अंतरित कर दिया जाता है और शेष 50% शाखाओं को देय के रूप में दिखाया जाता है।

ड.) कर्मचारियों को गृह निर्माण तथा अन्य अग्रिमों के लिए दिए गए ब्याज सहित अग्रिमों पर आय का लेखा-जोखा उपार्जन आधार पर किया जाता है, यद्यपि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन की पूर्ण अदायगी के बाद शुरू होती है।

च) पूंजी निधि से संबंधित आय और व्यय को संबंधित पूंजी निधि में जमा/डेबिट किया जाता है।

छ) आयकर महानिदेशक से दिनांक 20 दिसम्बर, 2010 को प्राप्त कर छूट प्रमाण पत्र के मद्देनजर आयकर के लिए किसी प्रावधान पर विचार नहीं किया गया है ।

ज) विदेशी मुद्रा लेनदेन को लेनदेन की तिथि पर प्रचलित दर पर परिवर्तित किया जाता है। हालाँकि, वर्ष के अंत में होने वाले मौद्रिक लेनदेन को वर्ष के अंत की दर पर दर्शाया जाता है।

झ) विभिन्न गतिविधियों से प्राप्त आय और व्यय का लेखा उपार्जन आधार पर किया गया है, सिवाय इसके कि

- सदस्यता शुल्क रसीद, जिसका लेखा-जोखा प्राप्त होने पर लिया जाता है।
- रूम हॉस्टल से प्राप्त धनराशि का हिसाब नकद आधार पर रखा जाता है।
- छुट्टी यात्रा रियायत पर व्यय का लेखा नकद आधार पर किया गया है।
- शाखाओं को दी गई वित्तीय सहायता को भुगतान के वर्ष में व्यय माना जाता है।
- प्रवेश फार्म की बिक्री नकद आधार पर की जाती है।
- प्रकाशनों की बिक्री पर प्राप्त रॉयल्टी।

3. स्थायी परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास

- प्राप्त अनुदान/प्रायोजित निधि से अर्जित परिसंपत्तियों के अलावा अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास आयकर अधिनियम में निर्दिष्ट दरों पर लिखित पद्धति के तहत लगाया गया है, अर्थात-

- वाहन	15%
- कार्यालय उपकरण	15%
- कंप्यूटर	40%
- फर्नीचर	10%

- 30 सितम्बर के बाद अर्जित परिसंपत्तियों के मामले में मूल्यह्रास लागू दर के 50% की दर से लगाया जाता है।
- 5000/- रुपये से कम लागत वाली परिसंपत्तियों का अधिग्रहण के वर्ष में पूर्णतः मूल्यह्रास किया जाता है।

ख) लेखा टिप्पयणियां

i. परिसंपत्ति निधि की रिपोर्टिंग से संबंधित अनुसूची 1 में, वित्तीय वर्ष 2023-24 में आईआईपीए निधि और एपीपीए निधि के बीच 2,60,060 की राशि गलत तरीके से वर्गीकृत की गई थी। हालाँकि परिसंपत्ति निधि का कुल योग अप्रभावित रहा, लेकिन इस वर्गीकरण त्रुटि के कारण व्यक्तिगत निधि शेष राशि गलत बताई गई। चालू वित्तीय वर्ष में संबंधित निधियों के अंतर्गत राशियों को सही ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

ii. वित्तीय विवरणों में दर्शाए गए बैंक बैलेंस का संबंधित बैंक विवरणों के साथ मिलान और पुष्टि की आवश्यकता होती है।

iii. वर्ष के दौरान, एसोसिएशन को 7.45 करोड़ रुपये की किराये की आय अर्जित हुई है। प्रबंधन ने सूचित किया है कि, पेशेवर परामर्श के आधार पर, किराये की आय के लिए एक अलग ट्रस्ट पंजीकृत करने का निर्णय लिया गया है, और ऐसे ट्रस्ट के पंजीकरण की प्रक्रिया वर्तमान में प्रगति पर है।

iv. वर्ष के दौरान, आईआईपीए ने आईआईपीए रिजर्व निधि और अनुसंधान उद्दिष्ट निधि में क्रमशः 1.01 करोड़ रुपये और 11.22 लाख रुपये अंतरित किए हैं, जिनका उपयोग अगले पांच वर्षों में केवल उन उद्देश्यों के लिए किया जाएगा जिनके लिए इस आईआईपीए की स्थापना की गई है।

v. वित्तीय विवरण के प्रयोजन के लिए, स्थायी परिसंपत्तियों के बही शेष को स्थायी परिसंपत्तियों के अंतर्गत माना गया है।

vi. कर्मचारियों को दिए गए व्यय के लिए अग्रिम राशि की पुष्टि आवश्यक है। वित्तीय विवरण के प्रयोजनार्थ, वित्तीय पुस्तकों के अनुसार वसूली योग्य धनराशि को प्राप्य माना गया है। कर्मचारियों/संकाय सदस्यों से शेष धनराशि की पुष्टि प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी है।

vii. भुगतान के समय टीडीएस की कटौती की गई।

viii. जहां भी आवश्यक हुआ, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहीकृत, पुनःनिर्धारित और पुनः व्यवस्थित किया गया है।

कार्यकारिणी परिषद के लिए

एस.एन. त्रिपाठी	नीतू जैन	अमिताभ रंजन
महानिदेशक	सदस्य	कुल सचिव
(सदस्य सचिव)	(कार्यकारी परिषद)	(मुख्य लेखा परीक्षक अधिकारी)

स्थानः नई दिल्ली

यूडीआईएनः 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194

दिनांकः 29/09/2025

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सदस्यों के लिए

पेन्शन निधि-आईआईपीए

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान- पेन्शननिधि के 31 मार्च, 2025 तक संलग्नी तुलन-पत्र और उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए संलग्न आय-व्यय खाते का भी लेखा परीक्षण किया है। ये वित्तीय विवरण निधि प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हमने अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करें।

हमने भारत में आमतौर पर स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की। इन मानकों के अनुसार, हमें इस लेखापरीक्षा की योजना बनानी और उसे क्रियान्वित करना आवश्यक है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वित्तीय विवरण किसी भी प्रकार की महत्वपूर्ण गलतफहमी से मुक्त हैं। लेखापरीक्षा में, वित्तीय विवरणों में दी गई धनराशियों और प्रकटीकरणों का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की, परीक्षण के आधार पर, जाँच शामिल है। लेखापरीक्षा में, प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों और किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन, और समग्र वित्तीय विवरण प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा मानना है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती है।

हम रिपोर्ट करते हैं कि:

(क) बैंक शेषों का समाधान लिंक्ड स्वीप/ऑटो-स्वीप खातों में रखी गई धनराशियों को ध्यान में रखकर किया जाता है। हालाँकि बैंक खातों के शेषों का बैंक विवरणों के साथ मिलान किया जाता है, लेकिन स्वीप/ऑटो-स्वीप खातों से संबंधित लेन-देन, जिनमें बैंक खातों और लिंक्ड जमा खातों के बीच स्वचालित हस्तांतरण, ब्याज जमा और परिपक्वता धनराशि शामिल हैं, उसको समाधान प्रक्रिया में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। परिणामस्वरूप, वित्तीय विवरणों में दर्शाए गए बैंक शेष संबंधित बैंक विवरणों के साथ समाधान और पुष्टि के अधीन रहते हैं।

(ख) पेन्शन निधि के अंतर्गत विशेष जमा योजना के शेष 68774/- रुपये में कोई सहायक धनराशि शामिल नहीं है। इसके अलावा हम रिपोर्ट करते हैं कि:

(i) हमने सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे।

(ii) हमारी राय में, संस्थान द्वारा कानून द्वारा अपेक्षित उचित लेखा-पुस्तकें रखी गई हैं, जहां तक उन पुस्तकों की हमारी जांच से पता चलता है;

(iii) इस रिपोर्ट में प्रस्तुत तुलन-पत्र (बैलेंस शीट) और आय एवं व्यय खाता, खाता बही के अनुरूप हैं।

(iv) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त लेखे, लेखा टिप्पणियों (अनुसूची-3) के साथ मिलकर भारत में सामान्यत: स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं: -

(क) 31मार्च, 2025 तक निधि की स्थिति; और

(ख) आय और व्यय खाते के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष।

कृते अरोड़ा एंड बंसल
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन संख्या: 003368एन
राजेश अरोड़ा
भागीदार
एम. नं.: 081884
स्थान: नई दिल्ली
यूडीआईएन: 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194
दिनांक: 29/09/2025

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

पेंशन निधि

31 मार्च, 2025 को तुलन पत्र

	अनुसूची	31.3.2025 को	31.3.2024 को
		(₹)	(₹)
देयताएं			
अधिशेष (कोर्पस)	1	143,122,769	152,911,597
दीर्घकालिक दायित्व		1,547,300,000	1,501,300,000
वर्तमान देनदारी		7,644,882	7,750,228
कुल		**1,698,067,651**	**1,661,961,825**
परिसंपत्ति			
निवेश	2	81,608,774	85,148,774
प्राप्य टीडीएस		695,209	244,975
एसबीआई के पास शेष राशि		44,605,106	68,340,791
आई.आई.पी.ए. से प्राप्त राशि		1,547,300,000	1,501,300,000
वर्तमान संपत्ति		23,858,562	6,927,285
कुल		**1,698,067,651**	**1,661,961,825**

लेखांकन नीतियां और खातों के लिए नोट्स 3

अनुसूची 1 से 3 लेखा का अभिन्न अंग हैं

हमारी सम-तिथि की रिपोर्ट के अनुसार
कृते अरोड़ा एंड बंसल
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन सं.: 003368एन
राजेश अरोड़ा
भागीदार
एम. नं.: 081884
1406-08 विक्रम टॉवर, 16, राजेंद्र प्लेस,
नई दिल्ली- 110060
यूडीआईएन नं.: 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194
दिनांक: 29/09/2025

सदस्य सचिव
कुल सचिव
(मुख्य लेखा अधिकारी)

सदस्य
भा.लो.प्र.सं. कर्मचारी संघ

सदस्य
कार्यकारी परिषद

अध्यक्ष
(महानिदेशक
भा.लो.प्र.सं.)

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

पेंशन निधि

31.3.2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय

	31.3.2025 को समाप्त वर्ष	31.3.2024 को समाप्त वर्ष
	(₹)	(₹)
आय		
डीओपीटी से प्राप्त धनराशि	55,000,000	86,581,000
आईआईपीए से प्राप्त धनराशि	22,111,615	13,749,706
ब्याज आय		
वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	6,969,522	6,488,990
बचत ब्याज	745,491	306,539
कुल - क	**84,826,628**	**107,126,235**
व्यय		
(प्रबंधन द्वारा प्रमाणित)		
पेंशन का परिवर्तित मूल्य	4,521,124	936,083
मासिक पेंशन का भुगतान	87,937,113	86,034,691
बैंक शुल्क	4,966	-
प्रीमियम/डीमैट शुल्क	2,152,253	507,528
कुल - ख	**94,615,456**	**87,478,302**
वर्ष के लिए अधिशेष **(क - ख)**	(9,788,828)	19,647,933
पिछले वर्ष से (घाटा)/अधिशेष	55,803,310	36,155,377
तुलनपत्र में दर्ज	**46,014,482**	**55,803,310**

लेखांकन नीतियां और खातों पर नोट्स - 3
अनुसूचीं 1 से 3 लेखा का अभिन्न अंग हैं

हमारी सम-तिथि की रिपोर्ट के अनुसार
कृते अरोड़ा एंड बंसल
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन सं.: 003368एन
राजेश अरोड़ा
भागीदार
एम. नं.: 081884
1406-08 विक्रम टॉवर, 16, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली- 110060
यूडीआईएन नं.: 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194
दिनांक: 29/09/2025

सदस्य सचिव
कुल सचिव
(मुख्य लेखा अधिकारी)

सदस्य
कार्यकारी परिषद

सदस्य
भा.लो.प्र.सं. कर्मचारी संघ

अध्यक्ष
(महानिदेशक
भा.लो.प्र.सं.)

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

पेंशन निधि

31.3.2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान

	31.3.2025 को समाप्त वर्ष	31.3.2024 को समाप्त वर्ष
	(₹)	(₹)
प्राप्तियां		
आरंभिक (ओपनिंग) जमाः		
नकदी और बैंक शेष	68,340,791	71,503,562
पेंशन निधि कोर्पस	-	848,466
डी.ओ.पी.टी. से प्राप्तियां	55,000,000	86,581,000
निवेश	23,540,000	-
आई.आई.पी.ए. (परियोजना) से प्राप्तियां	8,196,863	13,749,706
ब्याज/ अन्य से प्राप्तियां (बचत/निवेश)	7,710,565	5,407,602
कुल	**162,788,219**	**178,090,336**
भुगतान		
देय व्यय	7,750,228	7,265,322
निवेश	20,000,000	18,650,000
प्रीपेड प्रीमियम	4,183,266	4,297,358
टीडीएस/टीसीएस	450,234	222,791
पेंशन और मंहगाई भत्ता	85,213,305	79,220,546
अप्रत्यक्ष व्यय (प्रीमियम आदि)	586,080	93,528
अंत (क्लोजिंग) शेषः		
नकदी और बैंक शेष	44,605,106	68,340,791
कुल	**162,788,219**	**178,090,336**

कृते अरोड़ा एंड बंसल
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन सं.: 003368एन
राजेश अरोड़ा
भागीदार
एम. नं.: 081884
1406-08 विक्रम टॉवर, 16, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली- 110060
यूडीआईएन नं.:
25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194
दिनांक: 29/09/2025

सदस्य सचिव
कुल सचिव
(मुख्य लेखा अधिकारी)

सदस्य
भा.लो.प्र.सं. कर्मचारी संघ

सदस्य
कार्यकारी परिषद

अध्यक्ष
(महानिदेशक
भा.लो.प्र.सं.)

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

पेंशन निधि

अनुसूची-1

अधिशेष (कोर्पस)

		31.3.2025 को समाप्त वर्ष (₹)	31.3.2024 को समाप्त वर्ष (₹)
सरकारी अनुदान		55,071,000	55,071,000
परियोजना से प्राप्त अनुदान		7,327,000	7,327,000
नियोक्ता के हिस्से का अंतरण	17,439,758		
सीपीएफ से - बी/एफ	17,270,529	34,710,287	34,710,287
जोड़ें: प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों से संबंधित पेन्शन अंशदान			
जोड़ें: से अंतरित आय और व्यय खाता		46,014,482	55,803,310
कुल		**143,122,769**	**152,911,597**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

पेंशन निधि

अनुसूची–2

निवेश

	31.03.2025 को (₹)	31.03.2024 को (₹)
(क) <u>विशेष जमा योजना एसबीआई आईपी एस्टेट</u>	68,774	68,774
एसबीआई के साथ एफडीआर	5,650,000	5,650,000
(ख) केंद्र सरकारी की प्रतिभूतियां		
8.20% भारत सरकार ऑयल विशेष बांड 2024	-	515,000
8.20% भारत सरकार ऑयल विशेष बांड 2024	-	2,000,000
8.20% भारत सरकार ऑयल विशेष बांड 2024	-	1,025,000
8.26% भारत सरकार 2027	4,000,000	4,000,000
8.64% यूनियन बैंक प्रेप. बांड	10,000,000	10,000,000
8.25% बैंक ऑफ बड़ौदा प्रेप. बांड	11,000,000	11,000,000
9.15% पी.एन.बी. प्रेप. बांड	-	20,000,000
8.74% बैंक ऑफ महाराष्ट्र प्रेप. बांड 2027	10,000,000	10,000,000
कुल (क+ख)	**40,718,774**	**64,258,774**
(ग) <u>सार्वजनिक वित्तीय संस्थान आदि बांड्स</u>		
(40%श्रेणी)		
9.45% एसबीआई लोअर टियर II 2026	2,890,000	2,890,000
8.94% पीएफसी 2028	18,000,000	18,000,000
7.98% एसबीआई प्रेप. बांड 2034	20,000,000	-
कुल (ग)	**40,890,000**	**20,890,000**
कुल योग	**81,608,774**	**85,148,774**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

पेन्शन निधि

अनुसूची-3

लेखांकन नीतियां और खातों के लिए नोट्स।

क. लेखांकन नीतियां

1. निधि के खाते उपार्जन आधार पर तैयार किए गए हैं।
2. निवेश अंकित मूल्य (फेस वैल्यु) पर बताए जाते हैं
3. निवेश पर ब्याज का लेखा उपार्जन आधार पर किया जाता है।

ख. खातों के लिए नोट्स

1. बैंक बैलेंस का बैंक विवरण (स्टेटमेंट) के साथ मिलान किया जाता है; हालाँकि, लिंक किए गए स्वीप/ऑटो-स्वीप खातों से संबंधित लेन-देन का पूरी तरह से मिलान और पुष्टि नहीं की जाती है। तदनुसार, रिपोर्ट किए गए बैंक बैलेंस का मिलान और पुष्टि की आवश्यकता बनी रहती है।
2. जहां भी आवश्यक समझा गया, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः व्यवस्थित/पुनर्गठित किया गया है।

सदस्य सचिव	अध्यक्ष
(कुलसचिव, आई.आई.पी.ए.)	(महानिदेशक, आई.आई.पी.ए.)

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सदस्यों के लिए
सामान्य भविष्य निधि
भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

हमने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान – सामान्य भविष्य निधि की 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार संलग्न तुलन–पत्र (बैलेंस शीट) की लेखापरीक्षा की है, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता और प्राप्ति एवं भुगतान खाता का लेखा परीक्षण किया है। ये वित्तीय विवरण निधि प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करें।

हमने भारत में आमतौर पर स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की। इन मानकों के अनुसार, हमें लेखापरीक्षा की योजना बनानी और उसे क्रियान्वित करना आवश्यक है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वित्तीय विवरण किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण जानकारी से मुक्त है या नहीं। लेखापरीक्षा में, वित्तीय विवरणों में दी गई राशियों और प्रकटीकरणों का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की, परीक्षण के आधार पर, जाँच शामिल है। लेखापरीक्षा में, प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों और किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन, और समग्र वित्तीय विवरण प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा मानना है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती है।

हम रिपोर्ट करते हैं कि

(क) बैंक शेषों का मिलान लिंक्ड स्वीप/ऑटो–स्वीप खातों में रखी गई राशियों को ध्यान में रखकर किया जाता है। हालाँकि बैंक खातों के शेषों का बैंक विवरणों के साथ मिलान किया जाता है, लेकिन स्वीप/ऑटो–स्वीप खातों से संबंधित लेन–देन, जिनमें बैंक खातों और लिंक्ड जमा खातों के बीच स्वचालित अंतरण, ब्याज जमा और परिपक्वता धनराशि शामिल हैं, उसको समाधान प्रक्रिया में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। परिणामस्वरूप, वित्तीय विवरणों में दर्शाए गए बैंक शेष संबंधित बैंक विवरणों के साथ समाधाान और पुष्टि के अधीन रहते हैं।

(ख) सामान्य निधि के अंतर्गत 87.24 लाख रुपये की विशेष जमा योजना के शेष में कोई सहायक धनराशि शामिल नहीं है।

इसके अलावा, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

(i) हमने सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारे लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे;

(ii) हमारी राय में, संस्थान द्वारा कानून द्वारा अपेक्षित उचित खाता बही रखी गई हैं, जहां तक उन पुस्तकों की हमारी जांच से पता चलता है;

(iii) इस रिपोर्ट में प्रस्तुत तुल–पत्र तथा आय एवं व्यय खाता, खाता बही के अनुरूप हैं;

(iv) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त लेखे, लेखा टिप्पणियों (अनुसूची–3) के साथ मिलकर भारत में सामान्यत: स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं: –

(क) तुलन–पत्र के मामले में 31मार्च, 2025 तक निधि की स्थिति; और

(ख) आय और व्यय खाते के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष।

(ग) प्राप्ति और भुगतान खाते के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए निधि प्रवाह

कृते अरोड़ा एंड बंसल
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन सं.: 003368एन
राजेश अरोड़ा
भागीदार
एम. नं.: 081884
1406–08 विक्रम टॉवर, 16, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली– 110060
यूडीआईएन नं.: 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194
दिनांक: 29/09/2025

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

सामान्य भविष्य निधि

31 मार्च, 2025 तक तुलन-पत्र

	अनुसूची	31.3.2025 को	31.3.2024 को
		(₹)	(₹)
देयताएं			
संचित पात्रता	1	125,651,675	115,719,122
अवितरित ब्याज/(ब्याज अंशदान में घाटा)		(6,718,400)	(4,529,443)
वर्तमान देनदारियाँ		142,450	-
(आय एवं व्यय खाते के अनुसार)			
कुल		**119,075,725**	**111,189,679**
परिसंपत्ति			
निवेश	2	94,724,356	83,694,356
एसबीआई के पास शेष राशि		11,544,717	18,329,321
सदस्यों को अग्रिम		-	73,058
टीडीएस/टीसीएस प्राप्य		1,009,716	581,986
प्रीपेड प्रीमियम/अर्जित ब्याज		11,796,936	8,510,959
कुल		**119,075,725**	**111,189,679**

लेखांकन नीतियाँ और लेखा टिप्पणियां 3

अनुसूची 1 से 3 लेखा का अभिन्न अंग हैं

हमारी सम-तिथि की रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरोड़ा एंड बंसल

चार्टर्ड अकाउंटेंट

एफआरएन सं.: 003368एन

राजेश अरोड़ा

भागीदार

एम. नं.: 081884

1406-08 विक्रम टॉवर, 16, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110060

यूडीआईएन नं.: 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194

दिनांक: 29/09/2025

सदस्य-सचिव
(कुलसचिव भा.लो.प्र.सं.)

मुख्य लेखा अधिकारी

सदस्य
(कार्यकारी परिषद, भा.लो.प्र.सं.)

सदस्य
भा.लो.प्र.सं. कर्मचारी संघ

अध्यक्ष
(महानिदेशक, भा.लो.प्र.सं.)

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

सामान्य भविष्य निधि

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय

		31.3.2025 को (₹)	31.3.2024 को (₹)
आय			
ब्याज		6,752,385	8,948,374
	कुल	**6,752,385**	**8,948,374**
व्यय			
(i) सदस्यों के अंशदान पर जमा ब्याज		8,171,855	7,511,336
(ii) बैंक शुल्क		0	46
(iii) प्रीमियम		764,523	56,822
(iv) डीमैट शुल्क		4,965	0
(v) आयकर/दर एवं करों के लिए प्रावधान		0	4,012
पिछले वर्ष की कमी/अधिकता		(1)	
	कुल	**8,941,342**	**7,572,216**
वर्ष के लिए अधिशेष / घाटा		(2,188,957)	1,376,158
पिछले वर्ष अवितरित ब्याज		(4,529,443)	(5,905,600)
तुलन-पत्र में आगे ले जाया गया कुल अवितरित ब्याज		**(6,718,400)**	**(4,529,443)**

लेखांकन नीतियां और खातों पर नोट्स-3
अनुसूची 1 से 3 लेखा का अभिन्न अंग हैं
हमारी सम तिथि की रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरोड़ा एंड बंसल	सदस्य-सचिव	सदस्य
चार्टर्ड अकाउंटेंट	(कुलसचिव भा.लो.प्र.सं.)	भा.लो.प्र.सं.
एफआरएन सं.: 003368एन	मुख्य लेखा अधिकारी	कर्मचारी संघ
राजेश अरोड़ा		
भागीदार	सदस्य	अध्यक्ष
एम. नं.: 081884	(कार्यकारी परिषद,	(महानिदेशक,
1406-08 विक्रम टॉवर, 16, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110060	भा.लो.प्र.सं.)	भा.लो.प्र.सं.)
यूडीआईएन नं.: 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194		
दिनांक: 29/09/202		

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

सामान्य भविष्य निधि

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

	वर्ष 2024-25	वर्ष 2023-24
	(₹)	(₹)
प्राप्तियां		
प्रारंभिक (ओपनिंग) जमा:		
नकद और बैंक शेष	18,329,321	14,817,778
जी.पी. निधि सदस्यों का अंशदान	14,049,400	14,251,500
जी.पी. निधि अस्थायी अग्रिमों के प्रति प्राप्तियां	215,508	-
निवेश की परिपक्वता पर प्राप्तियां	19,970,000	21,000,000
निवेश पर ब्याज से प्राप्तियां/बचत ब्याज और अन्य अग्रिम	8,071,504	10,480,567
कुल	**60,635,733**	**60,549,845**
भुगतान		
जी.पी. निधि निकासी/अंतिम भुगतान के विरुद्ध व्यय	12,288,702	10,786,390
निवेश के लिए किए गए भुगतान	31,000,000	24,000,000
टीडीएस/टीसीएस	427,730	390,718
निधि से भुगतान, जमा एवं अग्रिम, दर एवं कर, प्रीपेड प्रीमियम, बैंक शुल्क आदि।	5,374,584	6,768,416
जी.पी. निधि के विरुद्ध भुगतान अस्थायी अग्रिम	-	275,000
अंतिम शेष:		
नकद एवं बैंक बैलेंस	11,544,717	18,329,321
कुल	**60,635,733**	**60,549,845**

कृते अरोड़ा एंड बंसल	सदस्य-सचिव	सदस्य
चार्टर्ड अकाउंटेंट	(कुलसचिव भा.लो.प्र.सं.)	भा.लो.प्र.सं. कर्मचारी
एफआरएन सं.: 003368एन	मुख्य लेखा अधिकारी	संघ
राजेश अरोड़ा		
भागीदार	सदस्य	अध्यक्ष
एम. नं.: 081884	(कार्यकारी परिषद,	(महानिदेशक,
1406-08 विक्रम टॉवर, 16, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली- 110060	भा.लो.प्र.सं.)	भा.लो.प्र.सं.)
यूडीआईएन नं.: 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194		
दिनांक: 29/09/202		

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

सामान्य भविष्य निधि

अनुसूची-1

संचित सदस्यों की पात्रता

		31.03.2025 को समाप्त वर्ष	31.03.2024 को समाप्त वर्ष
		(₹)	(₹)
आरंभिक (ओपनिंग) जमा		115,719,122	104,742,676
वर्ष के दौरान सदस्यता		14,049,400	14,251,500
जमा किया गया ब्याज		8,171,855	7,511,336
	कुल	**137,940,377**	**126,505,512**
घटाएं:			
सदस्यों के खातों का निपटान		5,618,702	5,251,390
अंतिम निकासी		6,670,000	5,535,000
	कुल	**125,651,675**	**115,719,122**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

सामान्य भविष्य निधि

अनुसूची-2

निवेश

		31.03.2025 को	31.03.2024 को
		(₹)	(₹)
(क)	**विशेष जमा योजना एसबीआई आईपी एस्टेट**	8,724,356	8,724,356
	एसबीआई के साथ एफडीआर	15,000,000	-
(ख)	**अन्य निवेश**		
	8.20% भारत सरकार ऑयल विशेष बांड 2024	-	970,000
	8.20% भारत सरकार ऑयल विशेष बांड 2024	-	3,000,000
	8.20% भारत सरकार ऑयल विशेष बांड 2024	-	2,000,000
	8.98% पी.एफ.सी. प्रेप. बांड	10,000,000	10,000,000
	8.95% आई.आर.एफ.सी बांड 2025	-	4,000,000
	8.28% नाबार्ड 2028	10,000,000	10,000,000
	8.25% बैंक ऑफ बड़ौदा प्रेप. बांड	11,000,000	11,000,000
	9.15% पी.एन.बी. प्रेप. बांड	-	10,000,000
	8.59% पी.एन.बी. प्रेप. बांड 2028	10,000,000	10,000,000
	8.35% आई.आर.एफ.सी बांड 2029	14,000,000	14,000,000
	9.10% पी.एफ.सी. प्रेप. बांड 2029	3,000,000	-
	8.97% आई.आर.एफ.सी बांड 2029	13,000,000	-
	कुल	**94,724,356**	**83,694,356**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

सामान्य भविष्य निधि

अनुसूची-3

लेखांकन नीतियां और लेखा टिप्पणियां

क. लेखांकन नीतियां

1. निधि के खाते उपार्जन आधार पर तैयार किए गए हैं।
2. निवेश अंकित मूल्य पर बताए जाते हैं
3. निवेश पर ब्याज का लेखा उपार्जन आधार पर किया जाता है।
4. निवेश पर भुगतान किया गया प्रीमियम/अर्जित छूट अधिग्रहण के वर्ष में लाभ-हानि खाते के माधयम से दर्ज किया जाता है।

ख. लेखा टिप्पणियां (नोट्स टू द अकाउंट्स)

1. बैंक बैलेंस का बैंक विवरण के साथ मिलान किया जाता है; हालाँकि, लिंक किए गए स्वीप/ऑटो-स्वीप खातों से संबंधित लेन-देन का पूरी तरह से मिलान और पुष्टि नहीं की जाती है। तदनुसार, रिपोर्ट किए गए बैंक बैलेंस का मिलान और पुष्टि की आवश्यकता बनी रहती है।
2. सदस्यों को दिए गए अग्रिमों की शेष राशि की पुष्टि की जानी है।
3. निधि के सदस्य मूल वेतन का न्यूनतम छह प्रतिशत अंशदान कर रहे हैं
4. सदस्यों के अंशदान और नियोक्ता के अंशदान पर ब्याज का भुगतान भारत सरकार के आदेशानुसार किया जाता है।
5. जहां भी आवश्यक समझा गया, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः व्यवस्थित/पुनर्गठित किया गया है।

सदस्य सचिव	अध्यक्ष
(कुलसचिव, भा.लो.प्र.सं.)	(महानिदेशक, भा.लो.प्र.सं.)

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सदस्यों के लिए

अंशदायी भविष्य निधि- आईआईपीए

हमने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान - अंशदायी भविष्य निधि के 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार संलग्न तुलन-पत्र की लेखा परीक्षा की है। 31 मार्च, 2025 तक, आय एवं व्यय खाता और उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता का लेखा परीक्षण किया है। ये वित्तीय विवरण निधि प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करें।

हमने भारत में आमतौर पर स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की। इन मानकों के अनुसार, हमें लेखापरीक्षा की योजना बनानी और उसे क्रियान्वित करना आवश्यक है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वित्तीय विवरण किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण जानकारी से मुक्त हैं या नहीं। लेखापरीक्षा में, वित्तीय विवरणों में दी गई राशियों और प्रकटीकरणों का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की, परीक्षण के आधाार पर जाँच शामिल है। लेखापरीक्षा में, प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों और किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन, और समग्र वित्तीय विवरण प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा मानना है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती है। हम रिपोर्ट करते हैं कि

(क) बैंक शेषों का मिलान लिंक्ड स्वीप/ऑटो-स्वीप खातों में रखी गई धनराशियों को ध्यान में रखकर किया जाता है। हालाँकि बैंक खातों के शेषों राशि का बैंक विवरणों के साथ मिलान किया जाता है, लेकिन स्वीप/ ऑटो-स्वीप खातों से संबंधित लेन-देन, जिनमें बैंक खातों और लिंक्ड जमा खातों के बीच स्वचालित अंतरण, ब्याज जमा और परिपक्वता राशि शामिल हैं, उसको समाधाान प्रक्रिया में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। परिणामस्वरूप, वित्तीय विवरणों में दर्शाए गए बैंक शेष संबंधित बैंक विवरणों के साथ समाधान और पुष्टि के अधीन रहते हैं।

(ख) सी.पी निधि के अंतर्गत एसबीआई बांड के शेष 9.60 लाख रुपये में कोई सहायक राशि शामिल नहीं है।

इसके अलावा हम रिपोर्ट करते हैं कि

(i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे।

(ii) हमारी राय में, संस्थान द्वारा कानून द्वारा अपेक्षित उचित खाता बही रखी गई हैं, जहां तक उन पुस्तकों की हमारी जांच से पता चलता हैय

(iii) इस रिपोर्ट में प्रस्तुत तुलन-पत्र और आय एवं व्यय खाता, लेखा पुस्तकों के अनुरूप हैं;

(iv) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त लेखे, लेखा टिप्पणियों (अनुसूची-3) के साथ मिलकर भारत में सामान्यत: स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं: -

क. तुलन-पत्र के मामले में 31मार्च, 2025 तक निधि की स्थिति; और

ख. आय और व्यय खाते के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष।

ग. प्राप्ति और भुगतान खाते के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए निधि प्रवाह

कृते अरोड़ा एंड बंसल
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन सं.: 003368एन
राजेश अरोड़ा
भागीदार
एम. नं.: 081884
1406-08 विक्रम टॉवर, 16, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली- 110060
यूडीआईएन नं.: 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194
दिनांक: 29/09/202

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अंशदायी भविष्य निधि

31 मार्च 2025 तक तुलन-पत्र

	अनुसूची	31.3.2025 को (₹)	31.3.2024 को (₹)
देयताएं			
संचित शेष धनराशि	1	4,548,436	3,527,262
अवितरित ब्याज		741,142	519,234
जी.पी. निधि को देय राशि		2,785,000	2,785,000
कुल		**8,074,578**	**6,831,496**
परिसंपत्ति			
निवेश	2	5,910,000	6,160,000
एसबीआई के पास शेष राशि		1,749,928	573,886
वर्तमान परिसंपत्ति		414,650	97,610
कुल		**8,074,578**	**6,831,496**
लेखांकन नीतियाँ और खातों के लिए नोट्स	3		

अनुसूची 1 से 3 लेखा का अभिन्न अंग हैं

हमारी सम-तिथि की रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरोड़ा एंड बंसल

चार्टर्ड अकाउंटेंट

एफआरएन सं.: 003368एन

राजेश अरोड़ा

भागीदार

एम. नं.: 081884

1406-08 विक्रम टॉवर, 16, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110060

यूडीआईएन नं.: 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194

दिनांक: 29/09/202

सदस्य-सचिव
(कुलसचिव भा.लो.प्र.सं.)
मुख्य लेखा अधिकारी

सदस्य
भा.लो.प्र.सं.
कर्मचारी संघ

सदस्य
(कार्यकारी परिषद,
भा.लो.प्र.सं.)

अध्यक्ष
(महानिदेशक,
भा.लो.प्र.सं.)

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अंशदायी भविष्य निधि

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय

		31.3.2025 को समाप्त वर्ष	31.03.2024 को समाप्त वर्ष
		(₹)	(₹)
आय			
ब्याज		478,194	935,386
	कुल	**478,194**	**935,386**
व्यय			
(क) ब्याज जमा किया गया:			
- सदस्य का अंशदान		165,934	121,909
- नियोक्ता का अंशदान		85,240	61,690
(ख) बैंक, डिमेट एवं डाक शुल्क		5,112	4,000
	कुल	**256,286**	**187,599**
वर्ष के लिए अधिशेष/(घाटा)		221,908	747,787
पिछले वर्ष का अवितरित ब्याज		519,234	(228,553)
तुलन-पत्र में आगे बढ़ाया गया	**कुल**	**741,142**	**519,234**

लेखांकन नीतियां और खातों के लिए नोट्स **3**

अनुसूची 1 से 4 खाते का अभिन्न अंग हैं
हमारी सम- तिथि की रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरोड़ा एंड बंसल
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन सं.: 003368एन
राजेश अरोड़ा
भागीदार
एम. नं.: 081884
1406-08 विक्रम टॉवर, 16, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110060
यूडीआईएन नं.: 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194
दिनांक: 29/09/202

सदस्य-सचिव
(कुलसचिव भा.लो.प्र.सं.)
मुख्य लेखा अधिकारी

सदस्य
(कार्यकारी परिषद,
भा.लो.प्र.सं.)

सदस्य
भा.लो.प्र.सं.
कर्मचारी संघ

अध्यक्ष
(महानिदेशक,
भा.लो.प्र.सं.)

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अंशदायी भविष्य निधि

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

	वर्ष 2024-25	वर्ष 2023-24
	(₹)	(₹)
प्राप्तियां		
आरंभिक (ओपनिंग) जमाः		
नकदी और बैंक शेष	573,886	2,932,110
सी.पी. निधि नियोक्ता अंशदान	500,000	498,000
सी.पी. निधि कर्मचारी अंशदान	270,000	270,000
निवेश की परिपक्वता पर प्राप्तियाँ	1,250,000	7,000,000
निवेश और बैंक ब्याज से प्राप्तियां	160,601	904,696
कुल	**2,754,487**	**11,604,806**
भुगतान		
निवेश के लिए किए गए भुगतान	1,000,000	1,000,000
निवेश/टीडीएस प्राप्तियों के लिए किया गया भुगतान	5,112	66,920
निधिं, जमा और अग्रिमं से भुगतान	-	9,964,000
अंतिम शेषः		
नकदी और बैंक शेष	1,749,375	573,886
कुल	**2,754,487**	**11,604,806**

कृते अरोड़ा एंड बंसल
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन सं.: 003368एन
राजेश अरोड़ा
भागीदार
एम. नं.: 081884
1406-08 विक्रम टॉवर, 16, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली- 110060
यूडीआईएन नं.: 25081884बीएमटीएनक्यूएफ5194
दिनांक: 29/09/202

सदस्य-सचिव (कुलसचिव भा.लो.प्र.सं.) मुख्य लेखा अधिकारी	सदस्य (भा.लो.प्र.सं. कर्मचारी संघ)
सदस्य (कार्यकारी परिषद, भा.लो.प्र.सं.)	अध्यक्ष (महानिदेशक, भा.लो.प्र.सं.)

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अंशदायी भविष्य निधि

अनुसूची-1

	सदस्यों का अंशदान	नियोक्ता का अंशदान	31.3.2025 को कुल	31.03.2024 को कुल
	(₹)	(₹)	(₹)	(₹)
संचित पात्रता				
आरंभिक (ओपनिंग) जमा	2,245,353	1,281,909	3,527,262	2,575,663
वर्ष के दौरान अंशदान	500,000	270,000	770,000	768,000
जमा किया गया ब्याज	165,934	85,240	251,174	183,599
कुल:	**2,911,287**	**1,637,149**	**4,548,436**	**3,527,262**
घटाएँ: अंतिम भुगतान	-	-	-	-
कुल:	**2,911,287**	**1,637,149**	**4,548,436**	**3,527,262**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अंशदायी भविष्य निधि

अनुसूची-2

निवेश

	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार
	(₹)	(₹)
एस.बी.आई. में एफ.डी.आर.	3,950,000	2,950,000
(क) अन्य निवेश		
8.20% भारत सरकार ऑयल विशेष बांड 2024	-	625,000
8.20% भारत सरकार ऑयल विशेष बांड 2024	-	250,000
8.20% भारत सरकार ऑयल विशेष बांड 2024	-	375,000
8.26% भारत सरकार 2027	1,000,000	1,000,000
कुल (क)	**4,950,000**	**5,200,000**
(ख) सार्वजनिक वित्तीय संस्थान आदि बांड		
(40% श्रेणी)		
9.45% एस.बी.आई. लोअर II 2026	960,000	960,000
कुल (ख)	**960,000**	**960,000**
कुल (क+ख)	**5,910,000**	**6,160,000**

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

अंशदायी भविष्य निधि

अनुसूची - 3

लेखांकन नीतियां और लेखा टिप्पाणियां (नोट्स टू द अकाउंटस)

क. लेखांकन नीतियां

1. निधि के खाते उपार्जन आधार पर तैयार किए गए हैं।
2. निवेश अंकित मूल्य (फेस वैल्यु) पर बताए जाते हैं
3. निवेश पर ब्याज का लेखा उपार्जन आधार पर किया जाता है।

ख. खातों के लिए नोट्स

1. बैंक बैलेंस का बैंक विवरण के साथ मिलान किया जाता है; हालाँकि, लिंक किए गए स्वीप/ऑटो-स्वीप खातों से संबंधित लेन-देन का पूरी तरह से मिलान और पुष्टि नहीं की जाती है। तदनुसार, रिपोर्ट किए गए बैंक बैलेंस का मिलान और पुष्टि की आवश्यकता बनी रहती है।
2. संस्थान मूल वेतन के 10 प्रतिशत की दर से नियोक्ता अंशदान में योगदान दे रहा है।
3. सदस्य मूल वेतन का न्यूनतम 10 प्रतिशत अंशदान कर रहे हैं।
4. ब्याज का भुगतान वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के आदेशानुसार किया जा रहा है।
5. सदस्यों को दिए गए अग्रिमों की शेष राशि की पुष्टि की जानी है।
6. जहां भी आवश्यक समझा गया, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः व्यवस्थित/पुनर्गठित किया गया है।

सदस्य सचिव	अध्यक्ष
(कुलसचिव, आई.आई.पी.ए.)	(महानिदेशक, आई.आई.पी.ए.)

IIPA PUBLICATIONS

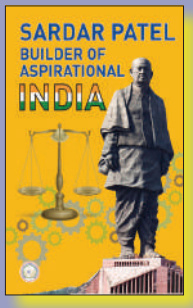

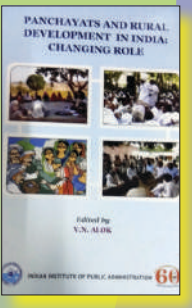

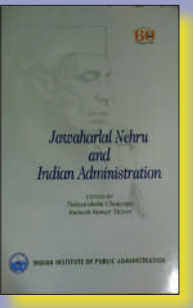

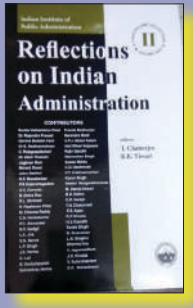

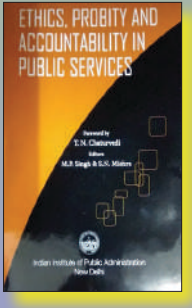

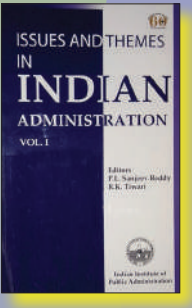

FOR PURCHASE OF BOOKS KINDLY CONTACT:-

Assistant Publication Officer, Indian Institute of Public Administration,
Indraprastha Estate, Ring Road, New Delhi – 110002

Phone +91-11-23468300 | Fax +91-11-23702440
Email: helpdesk.iipa@gmail.com | iipa.org.in

Editorial Board

Editor in Chief
Surendra Nath Tripathi

Editor
Amitabh Ranjan

Joint Editor
Mithun Barua

Asstt. Editor
Meghna Chukkath

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, रिंग रोड, नई दिल्ली- 110002

IIPA (Official)

011-23468363

011-23356528

helpdesk.iipa@gmail.com

iipa.org.in

@iipa9

न्यू यूनाइटेड प्रोसेस द्वारा मुद्रित, नई दिल्ली-110028; 9811426024